LORD OF THE FLIES

WILLIAM GOLDING

LORD OF THE FLIES

WILLIAM GOLDING

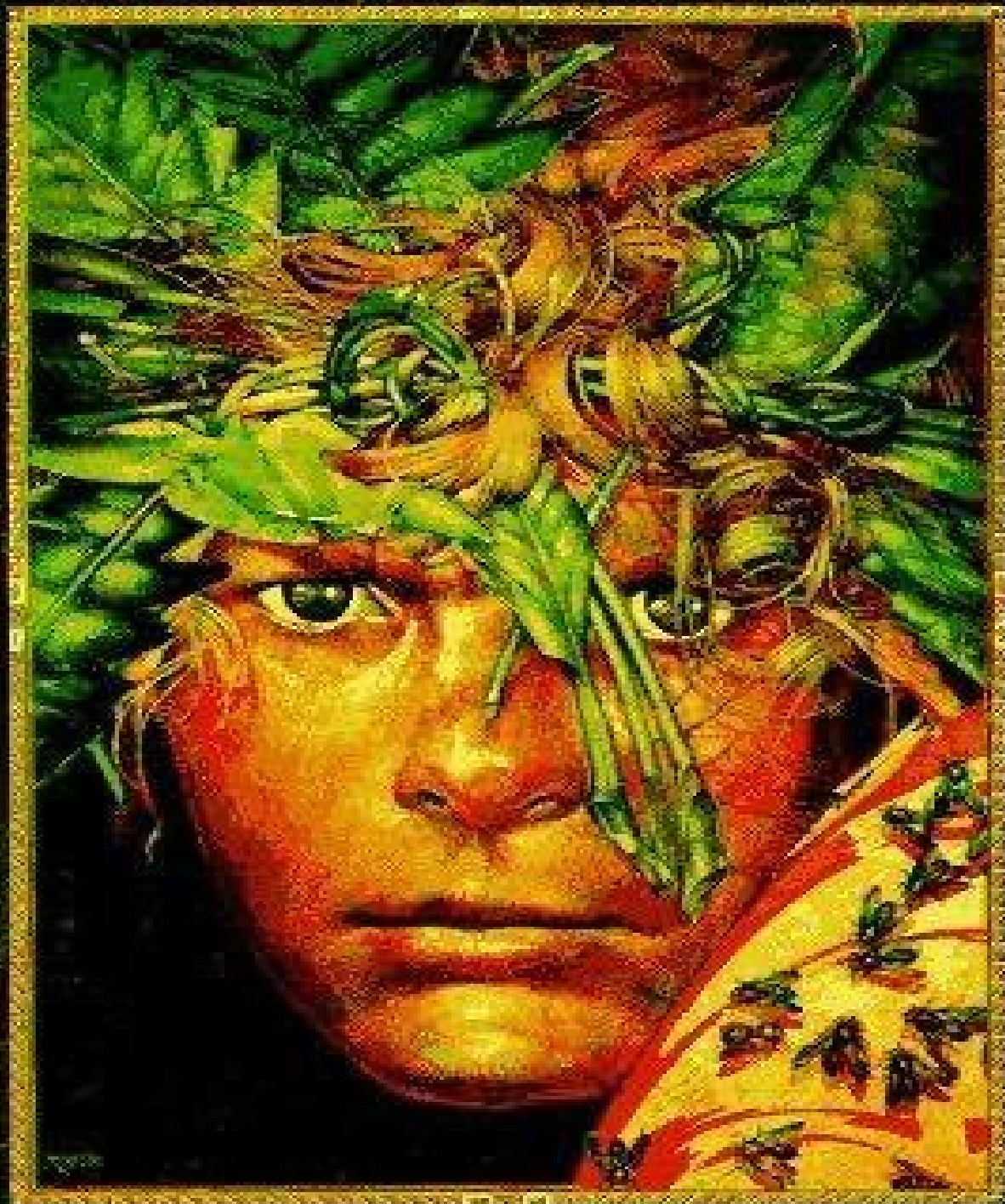

OVER 10 MILLION COPIES IN PRINT

Table of Contents

मक्खियों के भगवान
अध्याय एक: शंख की ध्वनि
अध्याय दो: पहाड़ पर आग
अध्याय तीन: समुद्र तट पर बनी झोपड़ियाँ
अध्याय चार: रंगे हुए चेहरे और लंबे बाल
अध्याय पाँच: जल से निकला राक्षस
अध्याय छह: हवा से आया राक्षस
अध्याय सात: परछाइयाँ और ऊँचे पेड़
अध्याय आठ: अंधकार के लिए उपहार
अध्याय नौ: मृत्यु का एक दृश्य
अध्याय दस: शंख और चश्मा

मक्खियों के भगवान

मक्खियों के भगवान

मक्खियों के भगवान
मक्खियों के भगवान
विलियम गोल्डिंग
लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ _ 1
अध्याय एक शंख की ध्वनि 1
अध्याय दो - पहाड़ पर आग - 17

अध्याय तीन - समुद्र तट पर झोपड़ियाँ _ 28
अध्याय चार: रंगे हुए चेहरे और लंबे बाल 34
अध्याय पाँच: जल से निकला राक्षस 45
अध्याय छह: एयर 57 से आया जानवर
अध्याय सात: छायाएँ और ऊँचे पेड़ 66
अध्याय आठ अंधकार के लिए उपहार 76
अध्याय नौ - मृत्यु का एक दृश्य _ 89
अध्याय दस: शंख और चश्मा 95
अध्याय ग्यारह कैसल रॉक _ 105
अध्याय बारह: शिकारियों की पुकार 114
लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ पर टिप्पणियाँ * _ 126

अध्याय एक: शंख की ध्वनि

सुनहरे बालों वाला लड़का चट्टान के आखिरी कुछ फीट नीचे उतरा और झील की ओर बढ़ने लगा। हालाँकि उसने अपना स्कूल का स्वेटर उतार दिया था और अब उसे एक हाथ से पकड़े हुए था, उसकी धूसर कमीज़ उससे चिपकी हुई थी और उसके बाल माथे पर चिपके हुए थे। उसके चारों ओर जंगल में धँसी हुई लंबी दरार गर्मी से तप रही थी। वह लताओं और टूटे हुए पेड़ों के तनों के बीच भारी कदमों से चढ़ रहा था कि तभी लाल और पीले रंग का एक पक्षी चुड़ैल जैसी चीख के साथ ऊपर की ओर तेज़ी से उड़ा; और इस चीख की गूँज दूसरे पक्षी ने भी सुनाई दी।

“हाय!” उसने कहा। “एक मिनट रुको!”

घाव के किनारे की झाड़ियाँ हिल उठीं और असंख्य बारिश की बूँदें टप-टप करके गिरने लगीं।

“एक मिनट रुकिए,” आवाज ने कहा। “मैं थोड़ा व्यस्त हो गया था।”

गोरा लड़का रुका और उसने एक सहज हावभाव से अपनी मोजों को झटका दिया, जिससे जंगल एक पल के लिए होम काउंटी जैसा लगने लगा।

आवाज फिर सुनाई दी।

"इन बेलों की वजह से मैं मुश्किल से हिल-डुल पा रहा हूँ।"

आवाज का मालिक झाड़ियों से पीछे हटता हुआ आया, जिससे टहनियाँ उसके चिकने विंडब्रेकर पर रगड़ खा रही थीं। उसके नंगे घुटने मोटे थे, जिनमें कांटे चुभे हुए थे और खरोंचें आ रही थीं। वह झुका, सावधानी से कांटे निकाले और मुड़ गया। वह गोरे लड़के से छोटा और बहुत मोटा था। वह आगे बढ़ा, अपने पैरों के लिए सुरक्षित जगह ढूंढता हुआ, और फिर मोटे चश्मे से ऊपर देखा।
"मेगाफोन वाला आदमी कहाँ है?"
गोरे लड़के ने अपना सिर हिलाया।
“यह एक द्वीप है। कम से कम मुझे तो यही लगता है। समुद्र में वह एक चट्टान है। शायद यहाँ आस-पास कोई वयस्क नहीं है।”
मोटा लड़का चौंक गया।
“वहाँ वो पायलट था। लेकिन वो यात्री केबिन में नहीं था, वो आगे की सीट पर बैठा था।”
गोरा लड़का सिकुड़ी हुई आँखों से चट्टान को घूर रहा था।
“बाकी सारे बच्चे,” मोटे लड़के ने आगे कहा। “उनमें से कुछ तो भाग ही गए होंगे। जरूर भाग गए होंगे, है ना?”
गोरा लड़का यथासंभव सहजता से पानी की ओर बढ़ने लगा। उसने बेपरवाह दिखने की कोशिश की और यह जताने की कोशिश नहीं की कि उसे पानी में कोई दिलचस्पी नहीं है, लेकिन मोटा लड़का उसके पीछे-पीछे दौड़ पड़ा।
"क्या यहाँ कोई वयस्क नहीं है?"
"मुझे ऐसा नहीं लगता।"
गोरे लड़के ने यह बात गंभीरता से कही; लेकिन फिर अपनी पूरी हुई महत्वाकांक्षा की खुशी उस पर हावी हो गई। घाव के बीचोंबीच वह सिर के बल खड़ा हो गया और उल्टे खड़े मोटे लड़के को देखकर मुस्कुराया।
“वयस्कों का प्रवेश वर्जित!”
मोटे लड़के ने एक पल के लिए सोचा।
“वह पायलट।”
उस गोरे लड़के ने अपने पैर नीचे रखे और गर्म धरती पर बैठ गया।
“हमें छोड़ने के बाद वह उड़ गया होगा। वह यहाँ उतर नहीं सकता था। ऐसी जगह पर नहीं जहाँ पहिए हों।”
हम पर हमला हुआ!
वह जरूर वापस आ जाएगा।

मोटे लड़के ने अपना सिर हिलाया।
“जब हम नीचे आ रहे थे, मैंने उन खिड़कियों में से एक से बाहर देखा। मुझे विमान का दूसरा हिस्सा दिखाई दिया। उसमें से आग की लपटें निकल रही थीं।”
उसने निशान को ऊपर से नीचे तक देखा।
और केबिन ने यही किया।
गोरे लड़के ने हाथ बढ़ाकर एक पेड़ के तने के नुकीले सिरे को छुआ। एक पल के लिए वह दिलचस्पी से देखता हुआ प्रतीत हुआ।
“उसका क्या हुआ?” उसने पूछा। “अब वह कहाँ है?”
“उस तूफान ने उसे समुद्र में बहा दिया। पेड़ों के तने गिरने से वह काफी खतरनाक हो गया था। उसमें कुछ बच्चे जरूर फंसे होंगे।”
वह एक पल के लिए झिझका, फिर बोला।
"तुम्हारा नाम क्या है?"
“राल्फ।”
मोटा लड़का अपना नाम पूछे जाने का इंतज़ार करता रहा, लेकिन उससे परिचय का कोई प्रस्ताव नहीं आया; राल्फ नाम के गोरे लड़के ने हल्की सी मुस्कान दी, खड़ा हुआ और एक बार फिर झील की ओर चल पड़ा। मोटा लड़का उसके कंधे से मजबूती से लटका रहा।
मुझे लगता है कि हममें से और भी बहुत से लोग इधर-उधर बिखरे हुए हैं। आपने किसी और को तो नहीं देखा, है ना?
राल्फ ने अपना सिर हिलाया और अपनी गति बढ़ा दी। तभी वह एक शाखा से टकराकर धड़ाम से गिर पड़ा।
मोटा लड़का उसके पास खड़ा था, उसकी सांसें तेज चल रही थीं।
उन्होंने बताया, "मेरी चाची ने मुझे दौड़ने से मना किया था, क्योंकि मुझे अस्थमा है।"
“अस-मार?”
“हाँ, बिल्कुल सही। मेरी साँस फूल रही है। हमारे स्कूल में मैं अकेला लड़का था जिसे अस्थमा था,” मोटे लड़के ने थोड़े गर्व से कहा। “और मैं तीन साल की उम्र से ही चश्मा पहन रहा हूँ।”
उसने अपना चश्मा उतारा और राल्फ की ओर बढ़ाते हुए पलकें झपकाईं और मुस्कुराया, फिर उसे अपने गंदे विंडब्रेकर पर पोंछने लगा। उसके चेहरे की पीली रंगत

में दर्द और अंतर्मन की एकाग्रता के भाव उभर आए। उसने अपने गालों से पसीना पोंछा और जल्दी से चश्मा नाक पर ठीक किया।
“उन फलों को।”
उसने निशान के चारों ओर एक नजर डाली।
“उन फलों से,” उन्होंने कहा, “मुझे उम्मीद है--”
उसने अपना चश्मा पहना, राल्फ से दूर चला गया और घनी झाड़ियों के बीच झुककर बैठ गया।
मैं बस एक मिनट में वापस आ जाऊँगा--"
राल्फ ने सावधानी से खुद को शाखाओं से छुड़ाया और चुपके से उनके बीच से निकल गया। कुछ ही पलों में उस मोटे लड़के की गुर्राहट उसके पीछे छूट गई और वह उस आड़ की ओर तेजी से बढ़ रहा था जो अभी भी उसके और झील के बीच थी। वह एक टूटे हुए पेड़ के तने पर चढ़ गया और जंगल से बाहर निकल गया।
किनारा ताड़ के पेड़ों से भरा हुआ था। ये पेड़ धूप में खड़े, झुके या लेटे हुए थे और उनकी हरी पत्तियां सौ फीट ऊपर हवा में फैली हुई थीं। उनके नीचे की ज़मीन खुरदरी घास से ढकी हुई थी, जो गिरे हुए पेड़ों के उफान से जगह-जगह उखड़ी हुई थी, और उस पर सड़े हुए नारियल और ताड़ के छोटे पेड़ बिखरे पड़े थे। इसके पीछे घने जंगल का अंधेरा और खाई का खुला मैदान था। राल्फ एक भूरे पेड़ के तने पर हाथ रखे खड़ा था और चमकते पानी पर अपनी नज़रें गड़ाए हुए था। वहाँ, शायद एक मील दूर, सफेद लहरें मूंगे की चट्टान पर झिलमिला रही थीं, और उसके आगे खुला समुद्र गहरा नीला था। मूंगे के अनियमित चाप के भीतर लैगून एक पहाड़ी झील की तरह शांत था - नीले रंग के सभी शेड्स और धुंधले हरे और बैंगनी रंग से भरा हुआ। ताड़ के पेड़ों की कतार और पानी के बीच का किनारा एक पतली सी छड़ी जैसा था, मानो अंतहीन हो, क्योंकि राल्फ के बाईं ओर ताड़ के पेड़, किनारा और पानी का नज़ारा अनंत की ओर एक बिंदु पर आकर मिल रहा था; और हमेशा, लगभग दिखाई देने वाली, गर्मी थी।
वह छत से नीचे कूद गया। उसके काले जूतों पर मोटी रेत जमी हुई थी और गर्मी उसे झुलसा रही थी। उसे कपड़ों के भार का एहसास हुआ, उसने गुस्से से अपने जूते उतार दिए और एक ही झटके में अपनी मोजों को उनके इलास्टिक वाले गार्टर समेत फाड़ दिया। फिर वह वापस छत पर कूद गया, अपनी कमीज उतार दी और खोपड़ी जैसे नारियल के पेड़ों के बीच खड़ा हो गया, जहाँ ताड़ के पेड़ों और जंगल की हरी छाया उसकी त्वचा पर पड़ रही थी। उसने अपनी बेल्ट का सांप के आकार का बकल खोला,

अपने शॉर्ट्स और पैंट उतार दिए और नग्न अवस्था में वहाँ खड़ा होकर जगमगाते समुद्र तट और पानी को निहारने लगा।
वह बारह साल और कुछ महीने का था, बचपन का उभरा हुआ पेट अब गायब हो चुका था, लेकिन किशोरावस्था में आने से वह इतना अनाड़ी नहीं हुआ था। अब यह साफ़ दिख रहा था कि उसके कंधे चौड़े और मज़बूत थे, जिससे लगता था कि वह एक मुक्केबाज़ बन सकता है, लेकिन उसके चेहरे और आँखों में एक ऐसी कोमलता थी जो किसी शैतानी प्रवृत्ति का संकेत नहीं देती थी। उसने ताड़ के पेड़ के तने को धीरे से थपथपाया, और अंततः द्वीप की वास्तविकता पर विश्वास करने के लिए मजबूर होकर फिर से खुशी से हँसा और सिर के बल खड़ा हो गया। वह तेज़ी से अपने पैरों पर खड़ा हुआ, समुद्र तट पर कूदा, घुटनों के बल बैठा और दोनों हाथों से रेत का ढेर बनाकर अपनी छाती से लगा लिया। फिर वह वापस बैठ गया और चमकीली, उत्साहित आँखों से पानी को देखने लगा।
“राल्फ--”
मोटा लड़का छत से नीचे उतरा और किनारे को सीट की तरह इस्तेमाल करते हुए सावधानी से बैठ गया।
मुझे खेद है कि मैंने इतना समय बर्बाद किया। वो फल--"
उसने अपने चश्मे को पोंछा और अपनी छोटी सी नाक पर ठीक किया। फ्रेम ने नाक के पुल पर एक गहरा गुलाबी "V" का निशान बना दिया था। उसने राल्फ के सुनहरे शरीर को गौर से देखा और फिर अपने कपड़ों पर नज़र डाली। उसने अपने सीने तक फैली ज़िप के सिरे पर हाथ रखा।
मेरी चाची--
फिर उसने दृढ़ निश्चय के साथ ज़िपर खोला और पूरी जैकेट अपने सिर पर से खींच ली।
"वहाँ!"
राल्फ ने तिरछी नजरों से उसकी ओर देखा और कुछ नहीं कहा।
“मुझे लगता है कि हम उन सभी के नाम जानना चाहेंगे,” मोटे लड़के ने कहा, “और एक सूची बनाएंगे। हमें एक बैठक करनी चाहिए।”
राल्फ को इशारा समझ नहीं आया, इसलिए मोटे लड़के को मजबूरन आगे बढ़ना पड़ा।
उन्होंने आत्मविश्वास से कहा, "मुझे इस बात की परवाह नहीं है कि वे मुझे क्या कहते हैं, बस इतना ध्यान रहे कि वे मुझे उस नाम से न बुलाएं जिससे वे मुझे स्कूल में बुलाते थे।"
राल्फ को थोड़ी बहुत दिलचस्पी थी।

"वह क्या था?"
मोटे लड़के ने अपने कंधे के ऊपर से एक नजर डाली, फिर राल्फ की ओर झुक गया।
उसने फुसफुसाते हुए कहा।
वे मुझे 'पिग्गी' कहकर बुलाते थे।
राल्फ खिलखिलाकर हंस पड़ा। वह उछल पड़ा।
“पिग्गी! पिग्गी!”
“राल्फ—कृपया!”
पिग्गी ने आशंका से अपने हाथ जोड़ लिए।
मैंने कहा था कि मैं नहीं चाहता--
“पिग्गी! पिग्गी!”
राल्फ समुद्र तट की गर्म हवा में नाचते हुए बाहर निकला और फिर एक लड़ाकू विमान के रूप में वापस आया, जिसके पंख पीछे की ओर मुड़े हुए थे, और उसने पिग्गी पर मशीन गन से गोलियां बरसा दीं।
“शी-आ-ओ!”
वह पिग्गी के पैरों के पास रेत में कूद गया और वहीं लेटकर हंसने लगा।
“पिग्गी!”
पिग्गी अनिच्छा से मुस्कुराया, उसे इतनी सी पहचान मिलने पर भी मन ही मन खुशी हुई।
“जब तक तुम दूसरों को नहीं बताओगे—”
राल्फ रेत में खिलखिलाकर हंसा। पिगी के चेहरे पर दर्द और एकाग्रता के भाव लौट आए।
"आधा सेकंड।"
वह तेजी से जंगल में वापस चला गया। राल्फ खड़ा हुआ और दाहिनी ओर दौड़ने लगा। यहां समुद्र तट अचानक ही चौकोर आकृति से टूट गया; गुलाबी ग्रेनाइट का एक विशाल चबूतरा जंगल, सीढ़ीदार ज़मीन, रेत और झील के बीच से निडरता से ऊपर उठकर चार फुट ऊँचा एक घाट बना रहा था। इसके ऊपर मिट्टी और मोटी घास की एक पतली परत थी और छोटे ताड़ के पेड़ छाया दे रहे थे। पेड़ों को बढ़ने के लिए पर्याप्त मिट्टी नहीं थी और जब वे लगभग बीस फुट ऊँचे हुए तो वे गिरकर सूख गए, जिससे तनों का एक आड़ा पैटर्न बन गया, जिस पर बैठना बहुत सुविधाजनक था। जो ताड़ के पेड़ अभी भी खड़े थे, उन्होंने एक हरी छत बना दी थी, जिसके नीचे झील से आती हुई परछाइयों का एक झिलमिलाता जाल था। राल्फ खुद को इस चबूतरे पर खींचकर चढ़ा, ठंडक और छाया

का आनंद लिया, एक आँख बंद की और सोचा कि उसके शरीर पर पड़ रही परछाइयाँ वास्तव में हरी हैं। वह चबूतरे के समुद्र की ओर वाले किनारे तक गया और पानी में नीचे देखने लगा। पानी नीचे तक साफ था और उष्णकटिबंधीय समुद्री शैवाल और मूंगे की चमक से जगमगा रहा था। छोटी-छोटी, चमकीली मछलियों का एक झुंड इधर-उधर उछल रहा था। राल्फ ने अपने आप से बात की, और खुशी से अपने संगीत के बेस स्ट्रिंग्स को बजाया।

“व्हिज़ोह!”

प्लेटफ़ॉर्म के आगे का नज़ारा और भी मनमोहक था। किसी दैवीय घटना—शायद कोई तूफ़ान, या उसके आगमन के समय आया तूफ़ान—ने लैगून के अंदर रेत जमा कर दी थी, जिससे समुद्र तट पर एक लंबा, गहरा कुंड बन गया था, जिसके दूसरे छोर पर गुलाबी ग्रेनाइट की एक ऊँची चट्टान थी। राल्फ पहले भी समुद्र तट के कुंडों की गहराई के भ्रम में पड़ चुका था और इस कुंड के पास पहुँचते समय भी उसे निराशा ही हाथ लगी। लेकिन द्वीप अपने स्वरूप के अनुरूप ही था और वह अद्भुत कुंड, जिसमें स्पष्ट रूप से केवल ज्वार के समय ही समुद्र का पानी आता था, एक छोर पर इतना गहरा था कि उसका पानी गहरा हरा था। राल्फ ने पूरे तीस गज का सावधानीपूर्वक निरीक्षण किया और फिर उसमें कूद गया। पानी उसके खून से भी ज़्यादा गर्म था और उसे ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी विशाल बाथटब में तैर रहा हो।

पिग्गी फिर से प्रकट हुआ, चट्टानी किनारे पर बैठ गया और राल्फ के हरे और सफेद शरीर को ईर्ष्या भरी निगाहों से देखने लगा।

आप आधा-अधूरा तैर नहीं सकते।

"पिग्गी।"

पिग्गी ने अपने जूते और मोजे उतारे, उन्हें सावधानीपूर्वक किनारे पर रखा और एक पैर के अंगूठे से पानी का तापमान परखने लगा।

"गर्मी है!"

"आपने क्या उम्मीद की थी?"

मुझे कुछ भी उम्मीद नहीं थी। मेरी चाची--

"तेरी चाची को धिक्कार है!"

राल्फ ने पानी की सतह पर गोता लगाया और आँखें खुली रखकर पानी के नीचे तैरने लगा; तालाब का रेतीला किनारा एक पहाड़ी की तरह उभर आया। उसने नाक पकड़कर करवट बदली और एक सुनहरी रोशनी उसके चेहरे पर नाचती और बिखरती

हुई दिखाई दी। पिगी दृढ़ निश्चयी लग रहा था और उसने अपनी शॉर्ट्स उतारनी शुरू कर दीं। थोड़ी देर में वह पीला और मोटा सा नग्न हो गया। वह दबे पांव तालाब के रेतीले किनारे पर गया और गर्दन तक पानी में डूबकर राल्फ को देखकर गर्व से मुस्कुराया।
क्या तुम तैरने नहीं जा रहे हो?
पिग्गी ने अपना सिर हिलाया।
“मैं तैर नहीं सकता। मुझे अनुमति नहीं थी। मुझे अस्थमा है—”
"तुम्हारी गांड में दम हो!"
पिग्गी ने इसे विनम्रतापूर्वक सहन किया। "तुम ठीक से तैर भी नहीं सकते।"
राल्फ ढलान से पीछे की ओर पैडल मारता हुआ नीचे आया, अपना मुंह पानी में डुबोया और हवा में पानी की एक तेज़ धार छोड़ी। फिर उसने अपनी ठोड़ी ऊपर उठाई और बोला।
“मैं पाँच साल की उम्र में तैरना सीख गई थी। पापा ने मुझे सिखाया था। वो नौसेना में कमांडर हैं। जब उन्हें छुट्टी मिलती है, तो वो आकर हमें बचा लेते हैं। तुम्हारे पापा का क्या हाल है?”
पिग्गी अचानक शरमा गया।
“मेरे पिताजी की मृत्यु हो गई है,” उसने जल्दी से कहा, “और मेरी माँ—”
उसने अपना चश्मा उतारा और उसे साफ करने के लिए व्यर्थ ही कुछ ढूंढने लगा।
मैं अपनी चाची के साथ रहती थी। उनकी मिठाई की दुकान थी। मुझे ढेर सारी मिठाइयाँ मिलती थीं। जितनी मन करता था उतनी। तुम्हारे पापा हमें कब बचाएँगे?
"जितनी जल्दी हो सके।"
पिग्गी पानी से भीगा हुआ उठा और नग्न अवस्था में खड़ा होकर मोजे से अपने चश्मे को साफ करने लगा। सुबह की भीषण गर्मी में अब उन तक केवल चट्टान पर लहरों की गड़गड़ाहट ही सुनाई दे रही थी।
उसे कैसे पता चला कि हम यहां हैं?
राल्फ पानी में लेटा हुआ था। नींद ने उसे ऐसे घेर लिया जैसे झील की चमक से जूझते हुए मृगतृष्णाएं उसे जकड़ रही हों।
उसे कैसे पता चला कि हम यहां हैं?
क्योंकि, राल्फ ने सोचा, क्योंकि, क्योंकि। चट्टान से आती गर्जना बहुत दूर होती चली गई।
"वे उसे हवाई अड्डे पर बता देंगे।"

पिग्गी ने अपना सिर हिलाया, अपने चमकते चश्मे पहने और राल्फ की ओर नीचे देखा।
“वे नहीं। क्या तुमने पायलट की बात नहीं सुनी? परमाणु बम के बारे में? वे सब मर चुके हैं।”
राल्फ पानी से बाहर निकला, पिग्गी के सामने खड़ा हुआ और इस असामान्य समस्या पर विचार करने लगा।
पिग्गी ने हार नहीं मानी।
"यह एक द्वीप है, है ना?"
राल्फ ने धीरे से कहा, "मैं एक चट्टान पर चढ़ा और मुझे लगता है कि यह एक द्वीप है।"
“वे सब मर चुके हैं,” पिग्गी ने कहा, “और यह एक द्वीप है। किसी को नहीं पता कि हम यहाँ हैं। तुम्हारे पिताजी को नहीं पता, किसी को नहीं पता—”
उसके होंठ कांपने लगे और चश्मे पर धुंध छा गई।
हम शायद यहीं तब तक रहेंगे जब तक हमारी मृत्यु नहीं हो जाती।
उस शब्द के साथ ही गर्मी बढ़ती हुई प्रतीत हुई, यहाँ तक कि वह एक भयावह भार में बदल गई और लैगून ने उन पर चकाचौंध कर देने वाली चमक से हमला कर दिया।
“मेरे कपड़े ले आओ,” राल्फ ने बुदबुदाते हुए कहा। “वहाँ ले आओ।”
वह सूरज की चिलचिलाती गर्मी सहते हुए रेत पर धीरे-धीरे चला, चबूतरे को पार किया और अपने बिखरे हुए कपड़े ढूंढ लिए। दोबारा ग्रे कमीज़ पहनना उसे अजीब तरह से अच्छा लगा। फिर वह चबूतरे के किनारे पर चढ़ गया और एक सुविधाजनक पेड़ के तने पर हरी छांव में बैठ गया। पिग्गी ने अपने ज़्यादातर कपड़े बगल में दबाकर खुद को ऊपर खींचा। फिर वह झील के सामने वाली छोटी सी चट्टान के पास गिरे हुए एक पेड़ के तने पर सावधानी से बैठ गया; और धुंधली परछाइयाँ उस पर कांप रही थीं।
इस समय उन्होंने बोलना शुरू किया।
हमें बाकियों को ढूंढना होगा। हमें कुछ करना होगा।
राल्फ ने कुछ नहीं कहा। यह एक मूंगे का द्वीप था। धूप से सुरक्षित, पिग्गी की अशुभ बातों को अनसुना करते हुए, वह सुखद सपने देख रहा था।
पिग्गी ने ज़िद की।
"हममें से कितने लोग हैं?"
राल्फ आगे आया और पिग्गी के पास खड़ा हो गया।
"मुझें नहीं पता।"

कहीं-कहीं, उमस भरी गर्मी के बीच चिकने पानी पर हल्की-हल्की हवाएँ सरकती हुई बहती थीं। जब ये हवाएँ चबूतरे तक पहुँचतीं तो ताड़ के पत्ते सरसराते, जिससे धुंधली धूप की किरणें उन पर पड़तीं या छाया में चमकीले, पंखों वाले जीवों की तरह हिलतीं।
पिग्गी ने राल्फ की ओर देखा। राल्फ के चेहरे पर सभी परछाइयाँ उलटी थीं; ऊपर हरा रंग, नीचे लैगून की चमकीली रोशनी। सूरज की रोशनी की एक धुंधली किरण उसके बालों पर रेंग रही थी।
हमें कुछ करना होगा।
राल्फ ने उसे देखा। आखिरकार, वह काल्पनिक लेकिन कभी पूरी तरह साकार न हो पाने वाला स्थान अब वास्तविक जीवन में आ गया था। राल्फ के होंठ खुशी से खिल उठे और पिगी ने उस मुस्कान को पहचान का संकेत मानते हुए खुशी से हंस दिया।
“अगर यह सचमुच एक द्वीप है तो--”
“यह क्या है?”
राल्फ की मुस्कान गायब हो गई थी और वह लैगून की ओर इशारा कर रहा था। फर्न जैसी झाड़ियों के बीच कुछ मलाईदार चीज़ पड़ी थी।
एक पत्थर।
नहीं। एक खोल।
अचानक पिग्गी शालीन उत्साह से भर उठा।
“हाँ, सही है। ये एक शंख है! मैंने ऐसा ही एक पहले भी देखा है। किसी के घर की पिछली दीवार पर। वो उसे शंख कहता था। वो उसे बजाता था और फिर उसकी माँ आती थी। ये बहुत कीमती है--”
राल्फ की कोहनी के पास एक ताड़ का पौधा झील की ओर झुका हुआ था। दरअसल, उसके वजन से ही मिट्टी उखड़ने लगी थी और जल्द ही वह गिर जाएगा। उसने पौधे का तना उखाड़ दिया और पानी में टटोलने लगा, जबकि चमकीली मछलियाँ इधर-उधर उछल-कूद कर रही थीं। पिगी खतरनाक तरीके से झुक गया।
“सावधान! कहीं यह टूट न जाए--”
"चुप रहो।"
राल्फ अनमने ढंग से बोल रहा था। शंख दिलचस्प, सुंदर और खेलने लायक था; लेकिन उसके दिवास्वप्न के जीवंत दृश्य अभी भी उसके और पिगी के बीच मंडरा रहे थे, जो इस संदर्भ में महत्वहीन था। ताड़ का छोटा पेड़ झुककर शंख को घास के ऊपर धकेल रहा था। राल्फ ने एक हाथ को आधार बनाकर दूसरे हाथ से तब तक दबाया जब तक कि

शंख ऊपर नहीं उठ गया, जिससे उसमें से रस टपक रहा था, और पिगी उसे पकड़ सके।
अब वह खोल ऐसी वस्तु नहीं थी जिसे देखा तो जा सके लेकिन छुआ न जा सके, राल्फ भी उत्साहित हो गया। पिगी बड़बड़ाने लगा:
“--एक शंख; बहुत महंगा। मुझे यकीन है कि अगर आप एक खरीदना चाहें, तो आपको पाउंड-पाउंड-पाउंड चुकाने पड़ेंगे--उसने इसे अपने बगीचे की दीवार पर लगा रखा था, और मेरी चाची--”
राल्फ ने पिग्गी से शंख लिया और थोड़ा पानी उसकी बांह पर बह गया। शंख का रंग गहरा क्रीम था, जिस पर कहीं-कहीं हल्का गुलाबी रंग था। नुकीले सिरे (जो घिसकर एक छोटा सा छेद बन गया था) और मुंह के गुलाबी होंठों के बीच अठारह इंच लंबा शंख था, जो हल्के घुमावदार आकार में मुड़ा हुआ था और उस पर एक नाजुक, उभरी हुई आकृति बनी हुई थी। राल्फ ने गहरे ट्यूब में से रेत झाड़ दी।
“गाय की तरह रंभा रहा था,” उसने कहा। “उसके पास कुछ सफेद पत्थर भी थे, और एक पिंजरे में एक हरा तोता था। उसने सफेद पत्थरों को फूंका नहीं, और उसने कहा--”
पिग्गी ने सांस लेने के लिए थोड़ी देर रुककर राल्फ के हाथों में पड़ी चमकदार चीज को सहलाया।
“राल्फ!”
राल्फ ने ऊपर देखा।
“हम इसका इस्तेमाल दूसरों को बुलाने के लिए कर सकते हैं। एक बैठक बुलाओ। जब वे हमें सुनेंगे तो आ जाएंगे--”
उसने राल्फ की ओर देखकर मुस्कुराया।
“तुम्हारा यही मतलब था, है ना? इसीलिए तुमने शंख को पानी से बाहर निकाला?”
राल्फ ने अपने सुनहरे बालों को पीछे की ओर धकेला।
"तुम्हारे दोस्त ने शंख कैसे बजाया?"
“उसने थूकने जैसा कुछ किया,” पिगी ने कहा। “मेरी आंटी ने मुझे अस्थमा की वजह से फूंकने नहीं दी। उसने कहा कि नीचे से फूंक मारो।” पिगी ने अपना हाथ अपने उभरे हुए पेट पर रखा। “तुम कोशिश करो, राल्फ। तुम बाकी लोगों को बुला लेना।”
संदेह से भरे हुए राल्फ ने शंख के छोटे सिरे को अपने मुंह से लगाया और फूँक मारी। उसके मुँह से सरसराहट की आवाज़ आई, लेकिन और कुछ नहीं। राल्फ ने अपने होठों से खारा पानी पोंछा और फिर कोशिश की, लेकिन शंख शांत रहा।

"उसने थूकने जैसा कुछ किया।"
राल्फ ने अपने होंठ सिकोड़े और सीप में हवा भरी, जिससे एक धीमी, पाद जैसी आवाज़ निकली। इससे दोनों लड़के इतने खुश हुए कि राल्फ हँसी के बीच-बीच में कुछ मिनट तक हवा भरता रहा।
"उसने नीचे से फूँक मारी।"
राल्फ को यह विचार समझ में आया और उसने अपने डायफ्राम से हवा निकालकर शंख पर प्रहार किया। तुरंत ही एक ध्वनि उत्पन्न हुई। ताड़ के पेड़ों के नीचे एक गहरी, कर्कश ध्वनि गूंजी, जो घने जंगल में फैल गई और पहाड़ के गुलाबी ग्रेनाइट से टकराकर वापस लौटी। पक्षियों के झुंड पेड़ों की चोटियों से उड़ उठे, और झाड़ियों में कुछ चीखता हुआ भागा।
राल्फ ने अपने होठों से खोल हटा लिया।
अरे बाप रे!
शंख की कर्कश ध्वनि के बाद उसकी सामान्य आवाज़ फुसफुसाहट जैसी लग रही थी। उसने शंख को अपने होठों से लगाया, गहरी साँस ली और एक बार फिर बजाया। ध्वनि फिर गूंजी: और फिर ज़ोर से बजाने पर, ध्वनि एक सप्तक ऊपर चढ़ गई, और पहले से कहीं अधिक तीखी और भेदक हो गई। पिगी कुछ चिल्ला रहा था, उसका चेहरा प्रसन्न था, उसके चश्मे चमक रहे थे। पक्षी चहक रहे थे, छोटे जानवर इधर-उधर भाग रहे थे। राल्फ की साँस रुक गई; ध्वनि एक सप्तक नीचे गिर गई, एक धीमी सी गड़गड़ाहट में बदल गई, हवा का एक झोंका सा आ गया।
शंख शांत था, मानो एक चमकता हुआ हाथीदांत हो; राल्फ का चेहरा सांस फूलने से काला पड़ गया था और द्वीप के ऊपर की हवा पक्षियों के शोर और गूंजती ध्वनियों से भरी हुई थी।
मुझे यकीन है कि आप इसे मीलों दूर तक सुन सकते हैं।
राल्फ ने किसी तरह सांस ली और छोटी-छोटी कई बार हवा फूंकी।
पिग्गी ने हैरानी से कहा: "वहाँ एक है!"
समुद्र तट पर लगभग सौ गज दूर, ताड़ के पेड़ों के बीच एक बच्चा प्रकट हुआ। वह शायद छह साल का लड़का था, हट्टा-कट्टा और गोरा, उसके कपड़े फटे हुए थे, और उसका चेहरा फलों के चिपचिपे मिश्रण से सना हुआ था। उसकी पतलून किसी स्पष्ट उद्देश्य से नीचे की गई थी और आधी ही ऊपर खींची हुई थी। वह ताड़ के पेड़ों की क्यारी से कूदकर रेत में आ गिरा और उसकी पतलून उसके टखनों तक आ गई; उसने

पतलून उतारी और चबूतरे की ओर दौड़ पड़ा। पिगी ने उसे उठने में मदद की। इस बीच, राल्फ तब तक फूंक मारता रहा जब तक कि जंगल में आवाजें नहीं सुनाई दीं। छोटा लड़का राल्फ के सामने उकड़ू बैठ गया, ऊपर की ओर चमकती हुई निगाहों से देख रहा था। जैसे ही उसे यह तसल्ली मिली कि कुछ सार्थक किया जा रहा है, वह संतुष्ट दिखने लगा, और उसकी एकमात्र साफ उंगली, गुलाबी अंगूठा, उसके मुंह में चला गया। पिग्गी उसकी ओर झुक गया।

तुम्हारा नाम क्या है?

“जॉनी।”

पिग्गी ने मन ही मन नाम बुदबुदाया और फिर राल्फ को चिल्लाकर बताया, लेकिन राल्फ को कोई दिलचस्पी नहीं थी क्योंकि वह अभी भी फूंक मार रहा था। इस ज़बरदस्त शोर को मचाने के आनंद से उसका चेहरा काला पड़ गया था और उसका दिल इतनी ज़ोर से धड़क रहा था कि उसकी तनी हुई कमीज़ कांप रही थी। जंगल में चिल्लाने की आवाज़ नज़दीक आती जा रही थी।

अब समुद्र तट पर जीवन के संकेत दिखाई देने लगे थे। गर्मी की धुंध में कांपती रेत, अपनी मीलों लंबी दूरी में कई आकृतियों को छिपाए हुए थी; लड़के गर्म, शांत रेत से होते हुए चबूतरे की ओर बढ़ रहे थे। जॉनी से कुछ ही बड़े तीन छोटे बच्चे, जंगल में फल खा रहे थे, अचानक पास से प्रकट हुए। पिगी से कुछ ही छोटा एक सांवला लड़का, झाड़ियों के बीच से रास्ता बनाते हुए चबूतरे पर आया और सभी को देखकर मुस्कुराया। धीरे-धीरे और भी बच्चे आने लगे। भोले-भाले जॉनी से प्रेरणा लेकर वे गिरे हुए ताड़ के तनों पर बैठ गए और प्रतीक्षा करने लगे। राल्फ लगातार छोटी, तीखी आवाजें निकालता रहा। पिगी भीड़ के बीच घूमता रहा, नाम पूछता रहा और उन्हें याद रखने के लिए भौंहें चढ़ाता रहा। बच्चों ने उसे वही सरल आज्ञाकारिता दिखाई जो उन्होंने मेगाफोन वाले आदमियों को दिखाई थी। कुछ नंगे थे और अपने कपड़े लिए हुए थे; कुछ आधे नंगे थे, या कमोबेश स्कूल की वर्दी में थे, जो ग्रे, नीली, हल्के भूरे रंग की, जैकेट वाली या जर्सी वाली थी। वहाँ बैज थे, आदर्श वाक्य भी थे, मोजों और पुलओवरों पर रंगीन धारियाँ थीं। उनके सिर हरे रंग की छाया में पेड़ों के तनों के ऊपर इकट्ठे थे; भूरे, गोरे, काले, भूरे-भूरे, रेतीले, हल्के भूरे रंग के सिर; कुछ बुदबुदाते, कुछ फुसफुसाते सिर, ऐसी आँखें जो राल्फ को देख रही थीं और अटकलें लगा रही थीं। कुछ तो हो रहा था।

समुद्र तट पर अकेले या दो-दो के समूह में आने वाले बच्चे, जैसे ही उमस भरी धुंध से निकलकर पास की रेत पर पहुँचे, तुरंत दिखाई देने लगे। यहाँ सबसे पहले नज़र एक

काले, चमगादड़ जैसे जीव पर पड़ी जो रेत पर नाच रहा था, और उसके ऊपर के शरीर पर बाद में ही नज़र पड़ी। वह चमगादड़ बच्चे की परछाई थी, जो तेज़ धूप में सिकुड़कर भागते पैरों के बीच एक धब्बे जैसी दिख रही थी। फूंक मारते हुए भी, राल्फ ने काले रंग के फड़फड़ाते हुए धब्बे के ऊपर बने चबूतरे पर पहुँचे आखिरी दो शरीरों को देखा। गोल सिर और रूई जैसे बालों वाले वे दोनों लड़के नीचे गिर पड़े और कुत्तों की तरह राल्फ को देखकर मुस्कुराने और हाँफने लगे। वे जुड़वाँ थे, और उनकी इस तरह की खुशमिजाज़ समानता को देखकर आँखें अचंभित और अविश्वास से भर गईं। वे एक साथ साँस ले रहे थे, एक साथ मुस्कुरा रहे थे, वे हट्टे-कट्टे और जीवंत थे। उन्होंने राल्फ की ओर गीले होंठ उठाए, क्योंकि ऐसा लग रहा था कि उनके शरीर पर पर्याप्त त्वचा नहीं है, इसलिए उनके चेहरे धुंधले और मुँह खुले हुए थे। पिग्गी ने अपने चमकते चश्मे को उनकी ओर झुकाया और धमाकों के बीच उनकी आवाज सुनी जा सकती थी, वह उनके नाम दोहरा रहा था।

“सैम, एरिक, सैम, एरिक।”

फिर वह असमंजस में पड़ गया; जुड़वा बच्चों ने अपना सिर हिलाया और एक-दूसरे की ओर इशारा किया और भीड़ हंस पड़ी।

अंततः राल्फ ने शंख बजाना बंद कर दिया और वहीं बैठ गया, एक हाथ में शंख लटका हुआ था, उसका सिर घुटनों पर झुका हुआ था। जैसे-जैसे गूंज शांत होती गई, हंसी भी थम गई और सन्नाटा छा गया।

समुद्र तट की हीरे जैसी धुंध में कुछ काला-सा सा रेंग रहा था। राल्फ ने उसे सबसे पहले देखा और तब तक देखता रहा जब तक उसकी निगाहें सबकी ओर नहीं खिंच गईं। फिर वह प्राणी मृगतृष्णा से निकलकर साफ रेत पर आ गया, और उन्होंने देखा कि अंधेरा केवल छाया नहीं बल्कि ज्यादातर कपड़े थे। वह प्राणी लड़कों का एक समूह था, जो लगभग एक साथ दो समानांतर पंक्तियों में चल रहे थे और अजीबोगरीब कपड़े पहने हुए थे। शॉर्ट्स, शर्ट और अलग-अलग कपड़े जो उन्होंने अपने हाथों में ले रखे थे; लेकिन हर लड़के ने एक चौकोर काली टोपी पहन रखी थी जिस पर एक चांदी का बैज लगा था। उनके शरीर, गले से टखने तक, काले लबादों से ढके हुए थे जिन पर बाईं छाती पर एक लंबा चांदी का क्रॉस बना था और हर गले में एक हैमबोन फ्रिल थी। उष्णकटिबंधीय क्षेत्र की गर्मी, नीचे उतरना, भोजन की तलाश और अब इस चिलचिलाती रेतीली बीच पर पसीने से तर मार्च ने उनके रंग को ताजे धुले बेर जैसा बना दिया था। उनका नेतृत्व करने वाला लड़का भी उसी तरह कपड़े पहने हुए था, हालांकि उसकी टोपी का बैज सोने का

था। जब उसका दल प्लेटफार्म से लगभग दस गज की दूरी पर था, तो उसने एक आदेश दिया और वे हांफते, पसीने से तरबतर और तेज रोशनी में लड़खड़ाते हुए रुक गए। लड़का खुद आगे आया, अपना लबादा लहराते हुए प्लेटफार्म पर कूद गया और लगभग पूर्ण अंधकार में झांकने लगा।
“तुरही बजाने वाला आदमी कहाँ है?”
राल्फ ने उसकी सूर्य की रोशनी से होने वाली दृष्टिहीनता को भांपते हुए उसे उत्तर दिया।
“तुरही बजाने वाला कोई आदमी नहीं है। सिर्फ मैं ही हूँ।”
लड़का पास आया और राल्फ को घूरने लगा, ऐसा करते हुए उसने अपना चेहरा सिकोड़ लिया। घुटनों पर मलाई के खोल के साथ सुनहरे बालों वाले लड़के को देखकर वह संतुष्ट नहीं हुआ। वह तेजी से मुड़ा, उसका काला लबादा हवा में लहराया।
"तो फिर कोई जहाज नहीं है क्या?"
हवा में तैरते हुए लबादे के भीतर वह लंबा, पतला और हड्डियों का ढाँचा था; और काली टोपी के नीचे उसके बाल लाल थे। उसका चेहरा झुर्रियों और धब्बों से भरा था, और कुरूपता से रहित था। इस चेहरे से दो हल्की नीली आँखें झाँक रही थीं, जो अब हताश थीं, और क्रोध में बदल रही थीं, या बदलने के लिए तैयार थीं।
क्या यहाँ कोई पुरुष नहीं है?
राल्फ ने अपनी पीठ से बात की।
“नहीं। हमारी बैठक हो रही है। आप भी आइए और शामिल हो जाइए।”
लबादा ओढ़े लड़कों का समूह कतार से इधर-उधर बिखरने लगा। लंबे लड़के ने उन पर चिल्लाया।
“कोरस! स्थिर खड़े रहो!”
थके-हारे, आज्ञाकारी भाव से, गायक मंडली एक कतार में सिमट गई और धूप में झूमती हुई खड़ी हो गई। फिर भी, कुछ लोगों ने दबे स्वर में विरोध करना शुरू कर दिया।
“लेकिन, मेरिड्यू। कृपया, मेरिड्यू... क्या हम ऐसा नहीं कर सकते?”
फिर एक लड़का रेत में मुंह के बल गिर पड़ा और रस्सी टूट गई। उन्होंने गिरे हुए लड़के को उठाकर चबूतरे पर रख दिया और उसे वहीं पड़ा रहने दिया। मेरिड्यू, अपनी टकटकी लगाए, इस बुरी स्थिति में भी डटकर सामना कर रहा था।
“ठीक है फिर। बैठ जाओ। उसे अकेला छोड़ दो।”
लेकिन मेरिड्यू।

“वह हमेशा बेहोश होने का नाटक करता रहता है,” मेरिड्यू ने कहा। “उसने जिब्राल्टर में, अदीस अबाबा में और सुबह की प्रार्थना के दौरान भी ऐसा किया था।”
दुकान की इस आखिरी बात पर गायक मंडली के सदस्यों ने दबी हंसी हंस दी, जो पेड़ों की डालियों पर काले पक्षियों की तरह बैठे थे और राल्फ को उत्सुकता से देख रहे थे। पिग्गी ने किसी का नाम नहीं पूछा। वह वर्दीधारी श्रेष्ठता और मेरिड्यू की आवाज में व्याप्त सहज अधिकार से भयभीत था। वह राल्फ के दूसरी तरफ सिमट गया और अपने चश्मे को ठीक करने में व्यस्त हो गया।
मेरिड्यू ने राल्फ की ओर रुख किया।
क्या यहाँ कोई वयस्क नहीं है?
"नहीं।"
मेरिड्यू एक पेड़ के तने पर बैठ गया और चारों ओर के घेरे को देखने लगा।
"तब हमें अपना ख्याल खुद रखना होगा।"
राल्फ के दूसरी तरफ सुरक्षित महसूस करते हुए, पिग्गी ने दबी आवाज में कहा।
“इसीलिए राल्फ ने बैठक बुलाई है। ताकि हम तय कर सकें कि क्या करना है। हमने नाम सुने हैं। वो जॉनी है। वो दोनों जुड़वा हैं, सैम और एरिक। इनमें से एरिक कौन है? तुम? नहीं - तुम सैम हो।”
"मैं सेम हूं--"
और मैं एरिक हूँ।
“हम सभी के नाम होने चाहिए,” राल्फ ने कहा, “इसलिए मेरा नाम राल्फ है।”
“हमें ज्यादातर नाम मिल गए हैं,” पिग्गी ने कहा। “अभी-अभी मिले हैं।”
“बच्चों के नाम,” मेरिड्यू ने कहा। “मैं जैक क्यों बनूँ? मैं तो मेरिड्यू हूँ।”
राल्फ ने तुरंत उसकी ओर रुख किया। यह उस व्यक्ति की आवाज़ थी जो अपने मन की बात जानता था।
“फिर,” पिग्गी ने आगे कहा, “वह लड़का—मैं भूल गया—”
“तुम बहुत ज्यादा बोल रहे हो,” जैक मेरिड्यू ने कहा। “चुप रहो, मोटे।”
हंसी गूंज उठी।
“वह फैटी नहीं है,” राल्फ चिल्लाया, “उसका असली नाम पिग्गी है!”
“पिग्गी!”
“पिग्गी!”
“ओह, पिग्गी!”

हंसी का तूफान सा उमड़ पड़ा और सबसे छोटा बच्चा भी उसमें शामिल हो गया। उस क्षण के लिए लड़के बाहर खड़े पिगी के प्रति सहानुभूति जताने लगे: पिगी का चेहरा एकदम लाल हो गया, उसने अपना सिर झुका लिया और अपने चश्मे को फिर से साफ किया।

आखिरकार हंसी थम गई और नामकरण का सिलसिला जारी रहा। वहाँ मॉरिस था, जो जैक के बाद गायन मंडली के लड़कों में सबसे छोटा था, लेकिन चौड़ा और हमेशा मुस्कुराता रहता था। वहाँ एक दुबला-पतला, छिपकर रहने वाला लड़का था जिसे कोई नहीं जानता था, जो अपने आप में एक गहरी संवेदनशीलता और गोपनीयता के साथ रहता था। उसने धीरे से कहा कि उसका नाम रोजर है और फिर चुप हो गया। बिल, रॉबर्ट, हैरोल्ड, हेनरी; गायन मंडली का वह लड़का जो बेहोश हो गया था, एक ताड़ के पेड़ के तने से टेक लगाकर बैठ गया, राल्फ को देखकर फीकी सी मुस्कान दी और कहा कि उसका नाम साइमन है।

जैक बोला।

हमें बचाव के बारे में फैसला करना होगा।

वहाँ हलचल मच गई। छोटे लड़कों में से एक, हेनरी ने कहा कि वह घर जाना चाहता है।

“चुप रहो,” राल्फ ने अनमने ढंग से कहा। उसने शंख उठाया। “मुझे लगता है कि हमें मामलों का फैसला करने के लिए एक मुखिया होना चाहिए।”

“एक सरदार! एक सरदार!”

“मुझे मुखिया होना चाहिए,” जैक ने सरल घमंड से कहा, “क्योंकि मैं चैप्टर कोरस का गायक और प्रधान लड़का हूँ। मैं सी शार्प गा सकता हूँ।”

एक और हलचल।

“तो फिर,” जैक ने कहा, “मैं--”

वह हिचकिचाया। आखिरकार, सांवला लड़का, रोजर, हिला और बोला।

चलिए मतदान करते हैं।

"हाँ!"

“मुखिया के लिए वोट करें!”

चलिए मतदान करते हैं--

मतदान का यह खिलौना शंख जितना ही मनमोहक था। जैक ने विरोध करना शुरू किया, लेकिन शोरगुल का रुख मुखिया चुनने की आम इच्छा से बदलकर राल्फ के सर्वसम्मति से चुनाव कराने की ओर मुड़ गया। लड़कों में से किसी को भी इसका कोई

ठोस कारण समझ नहीं आया; जो भी समझदारी दिखाई गई थी, वह पिग्गी से ही आ रही थी, जबकि सबसे स्पष्ट नेता जैक ही था। लेकिन राल्फ के बैठे रहने में एक खामोशी थी जो उसे सबसे अलग बनाती थी: उसका कद-काठी और आकर्षक रूप; और सबसे रहस्यमय, फिर भी सबसे शक्तिशाली, वह था शंख। जिसने उसे बजाया था, जो उस नाजुक शंख को अपने घुटनों पर संतुलित करके मंच पर उनका इंतजार कर रहा था, वह वाकई विशिष्ट था।
"वह जिसके पास कवच है।"
“राल्फ! राल्फ!”
उसे तुरही बजाने का मुखिया बनने दो।
राल्फ ने चुप रहने का इशारा करते हुए हाथ उठाया।
“ठीक है। जैक को मुखिया कौन बनाना चाहता है?”
नीरस आज्ञाकारिता के साथ गायक मंडली ने अपने हाथ उठाए।
मुझे कौन चाहता है?
पिग्गी को छोड़कर बाकी सभी गायकों ने तुरंत हाथ उठा दिए। फिर पिग्गी ने भी अनिच्छा से अपना हाथ हवा में उठा दिया।
राल्फ ने गिनती की।
"तो मैं ही मुखिया हूँ।"
लड़कों का समूह तालियों से गूंज उठा। यहाँ तक कि गायक मंडली ने भी तालियाँ बजाईं; और जैक के चेहरे पर मौजूद तिल शर्मिंदगी की लाली में छिप गए। वह चौंककर उठा, फिर अपना इरादा बदल लिया और हवा में गूंजती आवाज़ के बीच वापस बैठ गया। राल्फ ने उसकी ओर देखा, मानो कुछ कहने को बेताब हो।
"यह गायन मंडली तो निश्चित रूप से आपकी ही है।"
“वे सेना हो सकते हैं--”
या शिकारी--
वे हो सकते हैं--
जैक के चेहरे से उदासी का भाव धीरे-धीरे गायब हो गया। राल्फ ने चुप रहने का इशारा फिर से किया।
“जैक गायन मंडली का प्रभारी है। वे क्या हो सकते हैं—आप उन्हें क्या बनाना चाहते हैं?”
“शिकारी।”

जैक और राल्फ ने एक-दूसरे को शरमाते हुए प्यार से मुस्कुराकर देखा। बाकी लोग उत्सुकता से बातें करने लगे।
जैक खड़ा हो गया।
“ठीक है, गायक मंडली। अपने वस्त्र उतार दो।”
जैसे ही कक्षा से छुट्टी मिली हो, गायक मंडली के लड़के खड़े हो गए, बातें करने लगे और अपने काले लबादे घास पर ढेर कर दिए। जैक ने अपना लबादा राल्फ के पास पेड़ के तने पर रख दिया। पसीने से तर उसकी धूसर शॉर्ट्स उसके शरीर से चिपक गई थीं। राल्फ ने उन्हें प्रशंसा भरी नजरों से देखा, और जब जैक ने उसकी नजर देखी तो उसने उसे समझाया।
मैंने उस पहाड़ी को पार करके यह देखने की कोशिश की कि क्या चारों ओर पानी है। लेकिन आपके जहाज ने हमें बुला लिया।
राल्फ मुस्कुराया और मौन का संकेत देने के लिए शंख को ऊपर उठाया।
“सब लोग सुनो। मुझे सोचने-समझने के लिए समय चाहिए। मैं तुरंत फैसला नहीं कर सकता। अगर यह द्वीप नहीं है तो शायद हमें तुरंत बचा लिया जाएगा। इसलिए हमें पहले यह तय करना होगा कि यह द्वीप है या नहीं। सबको यहीं रुकना होगा और इंतज़ार करना होगा, कहीं जाना नहीं है। हम तीनों—अगर हम ज़्यादा लोग ले गए तो हम सब आपस में मिल जाएँगे और एक-दूसरे से बिछड़ जाएँगे—हम तीनों एक अभियान पर जाएँगे और पता लगाएँगे। मैं जाऊँगा, जैक, और फिर...”
उसने उत्सुक चेहरों के घेरे में चारों ओर देखा। चुनने के लिए लड़कों की कोई कमी नहीं थी।
और साइमन।
साइमन के आसपास के लड़के खिलखिला उठे और वह थोड़ा हंसते हुए खड़ा हो गया। बेहोशी के कारण चेहरे पर आई पीलापन अब दूर हो चुका था, वह दुबला-पतला, जीवंत सा दिखने वाला छोटा लड़का था, जिसकी सीधी, काली और खुरदरी बालों की लटों के नीचे से एक नज़र ऊपर की ओर आ रही थी।
उसने राल्फ की ओर सिर हिलाया।
"मैं आता हूँ।"
और मैं--
जैक ने अपने पीछे से एक बड़ा सा म्यान वाला चाकू छीना और उसे एक संदूक पर दे मारा। भनभनाहट उठी और फिर शांत हो गई।

पिग्गी हिलने लगा।
"मैं आता हूँ।"
राल्फ उसकी ओर मुड़ा।
"इस तरह के काम के लिए तुम बिल्कुल भी उपयुक्त नहीं हो।"
"सब एक जैसे--"
“हमें तुम्हारी ज़रूरत नहीं है,” जैक ने सपाट स्वर में कहा। “तीन ही काफी हैं।”
पिग्गी के चश्मे चमक उठे।
“जब उसे शंख मिला, तब मैं उसके साथ था। मैं उसके साथ तब था जब वहां कोई और नहीं था।”
जैक और बाकी सबने कोई ध्यान नहीं दिया। सब इधर-उधर बिखर गए। राल्फ, जैक और साइमन चबूतरे से कूदकर नहाने के कुंड के पास रेत पर चलने लगे। पिगी उनके पीछे लड़खड़ाता हुआ चल रहा था।
"अगर साइमन हमारे बीच में आ जाए," राल्फ ने कहा, "तो हम उसके सिर के ऊपर से बात कर सकते हैं।"
तीनों एक साथ कदम मिलाकर चलने लगे। इसका मतलब यह था कि साइमन को बीच-बीच में दूसरों के साथ चलने के लिए दो बार कदम बढ़ाने पड़ते थे। थोड़ी देर बाद राल्फ रुका और पिगी की ओर मुड़ गया।
"देखना।"
जैक और साइमन ने ऐसा दिखाया जैसे उन्हें कुछ पता ही नहीं चला हो। वे आगे बढ़ते रहे।
आप नहीं आ सकते।
पिग्गी के चश्मे पर एक बार फिर धुंध छा गई - इस बार शर्मिंदगी के कारण।
“तुमने उन्हें बताया। मेरे कहने के बाद।”
उसका चेहरा लाल हो गया, उसके होंठ कांपने लगे।
“जब मैंने कहा कि मैं नहीं चाहता—”
"आप पृथ्वी पर किस बारे मे बात कर रहे हैं?"
“मुझे पिग्गी कहे जाने के बारे में। मैंने कहा कि मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता जब तक वे मुझे पिग्गी न कहें; और मैंने कहा कि किसी को मत बताना और फिर तुमने सीधे-सीधे कह दिया--”

उन पर सन्नाटा छा गया। राल्फ ने पिगी को अधिक समझदारी से देखते हुए पाया कि वह आहत और टूटा हुआ था। वह माफी मांगने या और अपमान करने के दो विकल्पों के बीच दुविधा में था।
अंत में, सच्चे नेतृत्व की स्पष्टता के साथ उन्होंने कहा, “मोटे से बेहतर तो सुअर ही है, और वैसे भी, अगर आपको ऐसा लगता है तो मुझे खेद है। अब वापस जाओ, सुअर, और नाम नोट करो। यही तुम्हारा काम है। अलविदा।”
वह मुड़ा और बाकी दोनों के पीछे दौड़ पड़ा। पिग्गी खड़ा रहा और उसके चेहरे से आक्रोश का लाल रंग धीरे-धीरे गायब हो गया। वह वापस प्लेटफार्म पर चला गया।
तीनों लड़के रेत पर तेज़ी से चल रहे थे। ज्वार कम था और घास-फूस से ढकी रेत की पट्टी सड़क जितनी ही ठोस थी। उन पर और पूरे दृश्य पर एक अलग ही आकर्षण छाया हुआ था, और वे उस आकर्षण को महसूस कर रहे थे और उससे खुश थे। वे एक-दूसरे की ओर मुड़े, उत्साह से हँसे, बातें कीं, एक-दूसरे की बात नहीं सुनी। हवा में चमक थी। राल्फ को इन सब बातों को समझाने का काम सौंपा गया, तो वह उल्टा खड़ा हो गया और गिर पड़ा। जब उनकी हँसी रुकी, तो साइमन ने शरमाते हुए राल्फ के हाथ पर हाथ फेरा; और वे फिर से हँसने लगे।
“चलो,” जैक ने थोड़ी देर बाद कहा, “हम खोजकर्ता हैं।”
राल्फ ने कहा, "हम द्वीप के आखिरी छोर तक जाएंगे और कोने के चारों ओर देखेंगे।"
“अगर यह एक द्वीप है--”
अब, दोपहर ढलने के साथ ही, भ्रम थोड़ा कम होने लगा था। उन्हें द्वीप का छोर स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगा, जो किसी जादू से विकृत या बेढंगा नहीं था। वहाँ हमेशा की तरह चौकोर आकृतियाँ बिखरी हुई थीं, जिनमें से एक बड़ा हिस्सा लैगून में स्थित था। समुद्री पक्षी वहाँ घोंसला बना रहे थे।
"जैसे गुलाबी केक पर आइसिंग लगी हो," राल्फ ने कहा।
“हम इस मोड़ के आगे नहीं देख पाएंगे,” जैक ने कहा, “क्योंकि यहाँ कोई मोड़ है ही नहीं। बस एक धीमी सी घुमावदार सड़क है—और आप देख सकते हैं, चट्टानें और भी खराब होती जा रही हैं—”
राल्फ ने अपनी आँखों पर हाथ रखकर चट्टानों की ऊबड़-खाबड़ आकृति का अनुसरण करते हुए पहाड़ की ओर बढ़ना शुरू किया। समुद्र तट का यह हिस्सा उन सभी हिस्सों की तुलना में पहाड़ के सबसे करीब था जिन्हें उन्होंने पहले देखा था।

“हम यहीं से पहाड़ पर चढ़ने की कोशिश करेंगे,” उसने कहा। “मुझे लगता है कि यही सबसे आसान रास्ता है। यहाँ जंगल कम है और गुलाबी चट्टानें ज़्यादा हैं। चलो चलें।”
तीनों लड़के ऊपर चढ़ने लगे। किसी अज्ञात शक्ति ने इन घनाकार टुकड़ों को तोड़-मरोड़ कर चकनाचूर कर दिया था, जिससे वे टेढ़े-मेढ़े पड़े थे, अक्सर एक-दूसरे पर घटते क्रम में ढेर होते जा रहे थे। चट्टान की सबसे आम विशेषता एक गुलाबी चट्टान थी जिसके ऊपर एक टेढ़ा-मेढ़ा टुकड़ा रखा होता था; और फिर उसके ऊपर, और फिर उसके ऊपर, जब तक कि गुलाबीपन संतुलित चट्टानों के ढेर में तब्दील नहीं हो जाता, जो जंगल की लताओं के घुमावदार जाल से होकर निकलता हुआ प्रतीत होता था। जहाँ गुलाबी चट्टानें ज़मीन से ऊपर उठती थीं, वहाँ अक्सर ऊपर की ओर मुड़ने वाले संकरे रास्ते होते थे। वे उन रास्तों पर रेंगते हुए, वनस्पतियों के बीचोंबीच, चट्टान की ओर मुंह करके चल सकते थे।
“इस ट्रैक को किसने बनाया?”
जैक रुका और अपने चेहरे से पसीना पोंछा। राल्फ हांफते हुए उसके बगल में खड़ा था।
“पुरुष?”
जैक ने अपना सिर हिलाया।
“जानवर।”
राल्फ ने पेड़ों के नीचे अंधेरे में झाँका। जंगल में हल्की सी कंपन हो रही थी।
"चलो भी।"
मुश्किल चट्टानों के किनारों पर खड़ी चढ़ाई नहीं थी, बल्कि अगले रास्ते तक पहुँचने के लिए झाड़ियों के बीच से होकर गुज़रना था। यहाँ लताओं की जड़ें और तने इस कदर उलझे हुए थे कि लड़कों को उन्हें लचीली सुइयों की तरह पिरोना पड़ता था। भूरी ज़मीन और पत्तों से छनकर आती कभी-कभार की रोशनी के अलावा, उनका एकमात्र मार्गदर्शक ढलान की दिशा थी: क्या लताओं से लिपटा यह छेद उस ढलान से ऊँचा था। किसी न किसी तरह वे आगे बढ़ गए।
इन उलझनों में घिरे हुए, शायद अपने सबसे कठिन क्षण में, राल्फ ने चमकती आँखों से दूसरों की ओर देखा।
“वाको।”
"जादूगर।"
"शानदार।"

उनकी खुशी का कारण स्पष्ट नहीं था। तीनों ही गर्मी से बेहाल, गंदे और थके हुए थे। राल्फ बुरी तरह से खरोंच गया था। लताएँ उनकी जांघों जितनी मोटी थीं और आगे प्रवेश के लिए सुरंगों के अलावा कुछ भी नहीं छोड़ रही थीं। राल्फ ने प्रयोग के तौर पर चीख मारी और उन्होंने दबी हुई गूँज सुनी।

“यह सचमुच एक रोमांचक खोज है,” जैक ने कहा। “मुझे यकीन है कि यहाँ पहले कोई नहीं आया होगा।”

“हमें एक नक्शा बनाना चाहिए,” राल्फ ने कहा, “लेकिन हमारे पास कागज नहीं है।”

साइमन ने कहा, "हम पेड़ की छाल पर खरोंच बना सकते हैं और उसमें काला पदार्थ रगड़ सकते हैं।"

अंधकार में चमकती आंखों का गंभीर मिलन फिर से हुआ।

“वाको।”

"जादूगर।"

वहाँ सिर के बल खड़े होने की कोई जगह नहीं थी। इस बार राल्फ ने साइमन को गिराने का नाटक करके अपनी भावनाओं की तीव्रता व्यक्त की; और जल्द ही वे दोनों शाम के धुंधलके में खुशी से लोटपोट होकर एक ढेर बन गए।

जब वे अलग हो गए तो राल्फ ने सबसे पहले बात की।

मुझे आगे बढ़ना होगा।

अगली चट्टान का गुलाबी ग्रेनाइट लताओं और पेड़ों से थोड़ा पीछे था, इसलिए वे पगडंडी पर आसानी से चढ़ सके। यह पगडंडी फिर से खुले जंगल में ले गई, जहाँ से उन्हें फैले हुए समुद्र की एक झलक मिली। खुलेपन के साथ ही सूरज भी निकला; इसने उनके कपड़ों में अंधेरे, उमस भरे मौसम में भीगे पसीने को सुखा दिया। अंत में, शिखर तक का रास्ता गुलाबी चट्टान पर चढ़ाई जैसा लग रहा था, अब अंधेरे में आगे बढ़ने की ज़रूरत नहीं थी। लड़कों ने संकरी घाटियों और नुकीले पत्थरों के ढेरों के ऊपर से अपना रास्ता चुना।

"देखो देखो!"

द्वीप के इस छोर के ऊपर, टूटी हुई चट्टानों ने अपने ढेर और चिमनियां ऊपर उठा रखी थीं। जिस एक चट्टान से जैक टिका हुआ था, वह हिलने पर कर्कश आवाज कर रही थी।

"चलो भी--"

लेकिन चोटी पर चढ़ने का विचार ना ही था। तीनों लड़कों द्वारा इस चुनौती को स्वीकार करने तक शिखर पर चढ़ाई को स्थगित करना पड़ा। चट्टान एक छोटी मोटर कार

जितनी बड़ी थी।
“उछलो!”
आगे-पीछे झूलो, ताल पकड़ो।
“उछलो!”
पेंडुलम का झूला बढ़ाओ, बढ़ाते जाओ, बढ़ाते जाओ, ऊपर आओ और उस बिंदु पर दबाव डालो जहाँ संतुलन सबसे चरम पर है-- बढ़ाते जाओ--बढ़ाते जाओ--
“उछलो!”
विशाल चट्टान एक पैर के अंगूठे पर टिकी हुई थम सी गई, फिर वापस न लौटने का निश्चय किया, हवा में आगे बढ़ी, गिरी, टकराई, पलट गई, गड़गड़ाहट करती हुई हवा में उछली और जंगल की घनी पत्तियों में एक गहरा गड्ढा बना दिया। गूंज और पक्षी उड़ने लगे, सफेद और गुलाबी धूल उड़ने लगी, नीचे का जंगल किसी क्रोधित राक्षस के गुजरने की तरह कांप उठा: और फिर द्वीप शांत हो गया।
“वाको!”
“बम की तरह!”
“वाह-वाह!”
वे पाँच मिनट के लिए भी इस जीत से खुद को दूर नहीं कर पाए। लेकिन अंततः वे चले गए।
उसके बाद शिखर तक का रास्ता आसान हो गया। जैसे ही वे आखिरी पड़ाव पर पहुँचे, राल्फ रुक गया।
अरे वाह!
वे पहाड़ की ढलान पर बने एक गोलाकार खोखले स्थान के किनारे पर थे। यह खोखला स्थान एक नीले फूल से भरा हुआ था, जो किसी प्रकार का चट्टानी पौधा था, और उससे निकला हुआ रस नीचे की ओर लटक रहा था और जंगल की घनी पत्तियों के बीच फैल रहा था। हवा तितलियों से भरी हुई थी, जो उड़ रही थीं, फड़फड़ा रही थीं और बैठ रही थीं।
खोखले स्थान के पार पहाड़ की चौकोर चोटी थी और जल्द ही वे उस पर खड़े थे।
उन्हें पहले से ही अंदाजा था कि यह एक द्वीप है: गुलाबी चट्टानों पर चढ़ते हुए, दोनों ओर समुद्र और आसमान की क्रिस्टल जैसी ऊँचाई को देखते हुए, उन्हें सहज ज्ञान से पता चल गया था कि चारों ओर समुद्र ही समुद्र है। लेकिन शिखर पर पहुँचकर, जब उन्हें

पानी का एक गोलाकार क्षितिज दिखाई दिया, तब अंतिम बात कहना उन्हें अधिक उचित लगा।
राल्फ ने बाकी लोगों की ओर रुख किया।
यह हमारा है।
यह लगभग नाव के आकार का था: एक छोर पर उभरा हुआ, जिसके पीछे किनारे की ओर ढलान थी। दोनों ओर चट्टानें, पहाड़ियाँ, पेड़ों की चोटियाँ और एक खड़ी ढलान थी: आगे, नाव की लंबाई के बराबर, एक कम ढलान, पेड़ों से ढका हुआ, गुलाबी रंग के संकेत के साथ: और फिर द्वीप का घना हरा-भरा जंगली मैदान, लेकिन अंत में एक गुलाबी पूंछ की तरह फैला हुआ। वहाँ, जहाँ द्वीप पानी में विलीन हो रहा था, एक और द्वीप था; एक चट्टान, लगभग अलग-थलग, एक किले की तरह खड़ी, हरे-भरे क्षेत्र के पार उनका सामना कर रही थी, एक मजबूत, गुलाबी बुर्ज के साथ।
लड़कों ने चारों ओर देखा, फिर समुद्र की ओर देखा। वे काफी ऊंचाई पर थे और दोपहर ढल चुकी थी; मृगजल के कारण दृश्य की स्पष्टता कम नहीं हुई थी।
“यह एक प्रवाल भित्ति है। मैंने ऐसी तस्वीरें देखी हैं।”
द्वीप के एक से अधिक भाग को चट्टान ने घेर रखा था, जो लगभग एक मील दूर तक फैली हुई थी और उनके अब के समुद्र तट के समानांतर थी। समुद्र में मूंगे की आकृतियाँ ऐसी लग रही थीं मानो किसी विशालकाय व्यक्ति ने झुककर द्वीप की आकृति को बहती हुई चाक की रेखा से उकेरा हो, लेकिन पूरा करने से पहले ही थक गया हो। अंदर पानी मयूर की तरह चमक रहा था, चट्टानें और समुद्री शैवाल किसी मछलीघर की तरह दिख रहे थे; बाहर समुद्र का गहरा नीला रंग था। ज्वार इतना तेज़ था कि झाग की लंबी-लंबी लकीरें चट्टान से दूर जा रही थीं और एक पल के लिए उन्हें लगा कि नाव लगातार पीछे की ओर बढ़ रही है।
जैक ने नीचे की ओर इशारा किया।
"हम वहीं उतरे थे।"
झरनों और चट्टानों के पार पेड़ों में एक दरार दिखाई दे रही थी; टूटे हुए तने थे और फिर घसीटते हुए पेड़, निशान और समुद्र के बीच केवल ताड़ के पेड़ों की एक पतली सी कतार बची थी। वहीं, लैगून में उभरा हुआ, चबूतरा था, जिसके पास कीड़े जैसी आकृतियाँ घूम रही थीं।
राल्फ ने उस गंजे स्थान से, जहाँ वे खड़े थे, एक ढलान से नीचे, एक नाले से होते हुए, फूलों के बीच से गुजरते हुए, गोल घूमकर उस चट्टान तक एक घुमावदार रेखा खींची

जहाँ से निशान शुरू होता था।
"वापस आने का यही सबसे तेज़ रास्ता है।"
चमकती आँखें, खुले मुँह, विजयी भाव से, उन्होंने प्रभुत्व के अधिकार का आनंद लिया। वे उत्साहित थे: मित्र बन गए थे।
“यहाँ न तो गाँव का धुआँ है और न ही नावें,” राल्फ ने समझदारी से कहा। “हम बाद में पता कर लेंगे; लेकिन मुझे लगता है कि यह निर्जन है।”
“हम खाना ढूंढ लेंगे,” जैक चिल्लाया। “शिकार करेंगे। चीजें पकड़ेंगे, जब तक वे हमें लेने नहीं आ जाते।”
साइमन ने उन दोनों को देखा, कुछ नहीं कहा, बस सिर हिलाता रहा, जिससे उसके काले बाल आगे-पीछे लहराने लगे: उसका चेहरा दमक रहा था।
राल्फ ने दूसरी तरफ नीचे देखा जहाँ कोई चट्टान नहीं थी।
“और भी ढलान वाला,” जैक ने कहा।
राल्फ ने हथेली से हथेली ढकने का इशारा किया।
"वहाँ नीचे जंगल का वह छोटा सा हिस्सा... पहाड़ उसे थामे हुए है।"
पर्वत के हर शिखर पर वृक्ष थे—फूल और पेड़। अब जंगल में हलचल मच गई, गर्जना हुई, और हलचल हुई। पास के कई एकड़ में फैले चट्टानी फूल फड़फड़ाने लगे और आधे मिनट के लिए ठंडी हवा उनके चेहरों पर बह गई।
राल्फ ने अपनी बाहें फैला दीं।
“सब हमारा है।”
वे पहाड़ पर हंसते, उछलते-कूदते और चिल्लाते रहे।
मुझे भूख लगी है।
जब साइमन ने अपनी भूख का जिक्र किया तो बाकी लोगों को भी अपनी भूख का एहसास हुआ।
“चलो,” राल्फ ने कहा। “हमें जो जानना था, वह तो पता चल ही गया।”
वे चट्टानी ढलान से नीचे उतरे, फूलों के बीच उतरे और पेड़ों के नीचे से होते हुए आगे बढ़े। यहाँ वे रुके और अपने आस-पास की झाड़ियों को उत्सुकता से देखने लगे।
साइमन ने सबसे पहले बात की।
“मोमबत्तियों की तरह। मोमबत्ती की झाड़ियाँ। मोमबत्ती की कलियाँ।”
झाड़ियाँ गहरे हरे रंग की सदाबहार और सुगंधित थीं, और उनकी कई कलियाँ मोम जैसी हरी थीं और प्रकाश से बचने के लिए मुड़ी हुई थीं। जैक ने अपनी चाकू से एक

झाड़ी पर वार किया और उसकी सुगंध उन पर फैल गई।
“मोमबत्ती की कलियाँ।”
“तुम इन्हें जला नहीं सकते,” राल्फ ने कहा। “ये देखने में मोमबत्तियों जैसे लगते हैं।”
“हरी मोमबत्तियाँ,” जैक ने तिरस्कारपूर्वक कहा। “हम इन्हें खा नहीं सकते। चलो भी।”
वे घने जंगल के शुरुआती हिस्से में थे, थके हुए कदमों से एक पगडंडी पर चल रहे थे, तभी उन्हें कुछ आवाज़ें सुनाई दीं—चीं-चीं की आवाज़—और पगडंडी पर खुरों की तेज़ आहट। जैसे-जैसे वे आगे बढ़े, चीं-चीं की आवाज़ तेज़ होती गई, यहाँ तक कि वह उन्माद में बदल गई। उन्होंने एक छोटे सुअर के बच्चे को लताओं के जाल में फंसा हुआ पाया, जो अत्यधिक भय के मारे लताओं को पकड़ने के लिए बेताब था। उसकी आवाज़ पतली, तीखी और लगातार थी; तीनों लड़के आगे बढ़े और जैक ने फिर से शान से अपना चाकू निकाला। उसने अपना हाथ हवा में उठाया। एक पल का विराम आया, एक ठहराव, सुअर चीखता रहा और लताएँ फड़फड़ाती रहीं, और चाकू की धार एक हड्डीनुमा भुजा के सिरे पर चमकती रही। यह विराम केवल इतना ही लंबा था कि वे समझ सकें कि नीचे की ओर वार कितना भयानक होगा। फिर सुअर का बच्चा लताओं से छूटकर झाड़ियों में भाग गया। वे एक-दूसरे को और उस भयानक जगह को देखते रह गए। जैक का चेहरा झाइयों के नीचे पीला पड़ गया था। उसने देखा कि चाकू अभी भी उसके हाथ में ऊपर उठा हुआ है, और उसने अपना हाथ नीचे करके चाकू को म्यान में वापस रख दिया। फिर वे तीनों शर्मिंदा होकर हँसे और वापस पटरी की ओर चढ़ने लगे।
“मैं जगह चुन रहा था,” जैक ने कहा। “मैं बस सही मौके का इंतजार कर रहा था कि कब उसे चाकू मारना है।”
“तुम्हें एक सूअर को मारना चाहिए,” राल्फ ने गुस्से से कहा। “वे हमेशा सूअर मारने की बात करते रहते हैं।”
जैक ने कहा, "सूअर का गला काटकर उसका खून निकाला जाता है, नहीं तो उसका मांस नहीं खाया जा सकता।"
“तुमने ऐसा क्यों नहीं किया--?”
वे अच्छी तरह जानते थे कि उसने ऐसा क्यों नहीं किया: क्योंकि चाकू का नीचे उतरकर जीवित मांस को काटना बेहद भयावह था; क्योंकि खून असहनीय था।
“मैं जाने ही वाला था,” जैक ने कहा। वह उनसे आगे था और वे उसका चेहरा नहीं देख पा रहे थे। “मैं जगह चुन रहा था। अगली बार—!”

उसने म्यान से चाकू झट से निकाला और उसे एक पेड़ के तने पर दे मारा। अगली बार कोई रहम नहीं होगी। उसने गुस्से से चारों ओर देखा, मानो उन्हें चुनौती दे रहा हो कि वे उसका विरोध करें। फिर वे धूप में निकले और कुछ देर तक भोजन ढूंढने और खाने में व्यस्त रहे, जैसे-जैसे वे ढलान से नीचे चबूतरे और बैठक स्थल की ओर बढ़ते गए।

मक्खियों के भगवान

अध्याय दो: पहाड़ पर आग

जब तक राल्फ ने शंख बजाना समाप्त किया, मंच खचाखच भर चुका था। इस सभा और सुबह हुई सभा में कुछ अंतर थे। दोपहर की धूप मंच के दूसरी ओर से तिरछी पड़ रही थी और अधिकांश बच्चों को धूप से झुलसने का दर्द महसूस होने लगा था, इसलिए उन्होंने अपने कपड़े पहन लिए थे। गायक मंडली के सदस्य, जो कम संख्या में थे, उन्होंने अपने लबादे उतार दिए थे।

राल्फ एक गिरे हुए पेड़ के तने पर बैठा था, उसकी बाईं ओर धूप पड़ रही थी। उसके दाहिनी ओर गायक मंडली के अधिकांश सदस्य थे; बाईं ओर वे बड़े लड़के थे जो निकासी से पहले एक-दूसरे को नहीं जानते थे; उसके सामने छोटे बच्चे घास में बैठे थे।

अब चुप रहो। राल्फ ने मलाईदार और गुलाबी रंग के खोल को अपने घुटनों तक उठाया और अचानक एक हवा का झोंका चबूतरे पर रोशनी बिखेर गया। वह असमंजस में था कि खड़ा हो या बैठा रहे। उसने बाईं ओर, स्नान कुंड की तरफ देखा। पिगी पास ही बैठा था, लेकिन कोई मदद नहीं कर रहा था।

राल्फ ने अपना गला साफ किया।

"तो ठीक है।"

अचानक ही उसे एहसास हुआ कि वह धाराप्रवाह बोल सकता है और अपनी बात समझा सकता है। उसने अपने सुनहरे बालों में हाथ फेरा और बोलना शुरू किया।

“हम एक द्वीप पर हैं। हम पहाड़ की चोटी पर गए थे और चारों ओर पानी ही पानी देखा। हमें न घर दिखे, न धुआं, न पैरों के निशान, न नाव, न लोग। हम एक निर्जन द्वीप पर हैं,

जहां कोई और इंसान नहीं है।”
जैक जबरदस्ती अंदर घुस गया।
फिर भी आपको शिकार के लिए एक सेना की जरूरत होगी। सूअरों का शिकार करने के लिए—”
“हां। द्वीप पर सूअर हैं।”
उन तीनों ने लताओं में संघर्ष कर रहे गुलाबी जीव के भाव को व्यक्त करने का प्रयास किया।
"हमने देख लिया--"
चीखना--
“यह टूटकर अलग हो गया--”
"इससे पहले कि मैं इसे मार पाता—लेकिन—अगली बार!"
जैक ने अपना चाकू एक पेड़ के तने पर पटका और चुनौती भरे लहजे में चारों ओर देखा।
बैठक फिर से शांत हो गई।
“तो देखा आपने,” राल्फ ने कहा, “हमें मांस प्राप्त करने के लिए शिकारियों की जरूरत है। और एक और बात।”
उसने सीप को अपने घुटनों पर उठाया और धूप से झुलसे चेहरों की ओर देखा।
“यहां कोई बड़े-बुजुर्ग नहीं हैं। हमें अपना ख्याल खुद रखना होगा।”
बैठक में हल्की-हल्की गूंज भी थी और खामोशी भी।
और एक और बात। हम सबको एक साथ बोलने नहीं दे सकते। हमें स्कूल की तरह 'हाथ ऊपर' करने का तरीका अपनाना होगा।
उसने शंख को अपने चेहरे के सामने रखा और उसके मुख के चारों ओर एक नजर डाली।
"तो मैं उसे शंख दे दूंगा।"
"शंख?"
“इस शंख को यही कहते हैं। मैं यह शंख बोलने वाले अगले व्यक्ति को दे दूंगा। बोलते समय वह इसे पकड़ सकता है।”
"लेकिन--"
"देखना--"
और उसे कोई बाधित नहीं करेगा: सिवाय मेरे द्वारा।

जैक अपने पैरों पर खड़ा हो गया था।
“हम नियम बनाएंगे!” वह उत्साह से चिल्लाया। “ढेरों नियम! फिर जब कोई उन्हें तोड़ेगा तो--”
“व्ही--ओह!”
“वाको!”
“बोंग!”
“डूइंक!”
राल्फ को महसूस हुआ कि उसकी गोद से शंख उठा लिया गया है। तभी पिग्गी उस बड़े से मलाई रंग के शंख को गोद में लिए खड़ा हो गया और शोरगुल थम गया। जैक, जो खड़ा रह गया था, अनिश्चितता से राल्फ की ओर देखने लगा, जिस पर राल्फ मुस्कुराया और लकड़ी के लट्ठे को थपथपाया। जैक बैठ गया। पिग्गी ने अपना चश्मा उतारा और उसे अपनी कमीज़ से पोंछते हुए सभा की ओर पलकें झपकाईं।
“तुम राल्फ के रास्ते में बाधा डाल रहे हो। तुम उसे सबसे महत्वपूर्ण काम करने से रोक रहे हो।”
उन्होंने प्रभावी ढंग से विराम लिया।
“किसे पता है कि हम यहाँ हैं? है ना?”
उन्हें हवाई अड्डे पर ही पता चल गया था।
“तुरही बजाने वाले यंत्र वाला आदमी--”
"मेरे पिताजी।"
पिग्गी ने अपना चश्मा पहन लिया।
“किसी को नहीं पता कि हम कहाँ हैं,” पिग्गी ने कहा। उसका चेहरा पहले से भी पीला पड़ गया था और उसकी साँसें फूल रही थीं। “शायद उन्हें पता था कि हम कहाँ जा रहे थे; और शायद नहीं। लेकिन उन्हें नहीं पता कि हम कहाँ हैं क्योंकि हम वहाँ पहुँचे ही नहीं।” वह एक पल के लिए उन्हें घूरता रहा, फिर लड़खड़ाकर बैठ गया। राल्फ ने उसके हाथों से शंख ले लिया।
“मैं यही कहने वाला था,” उसने आगे कहा, “जब आप सब, सब...” उसने उनके गंभीर चेहरों की ओर देखा। “विमान आग की लपटों में जलकर नष्ट हो गया। किसी को नहीं पता कि हम कहाँ हैं। हमें यहाँ लंबे समय तक रहना पड़ सकता है।”
सन्नाटा इतना गहरा था कि पिग्गी की अनियमित साँसें भी सुनाई दे रही थीं। सूरज की किरणें तिरछी पड़ रही थीं और चबूतरे के आधे हिस्से पर सुनहरी रोशनी बिखेर रही

थीं। झील पर जो हवाएँ बिल्ली के बच्चों की तरह अपनी पूंछों का पीछा कर रही थीं, वे अब चबूतरे को पार करके जंगल की ओर बढ़ रही थीं। राल्फ ने अपने माथे पर लटके सुनहरे बालों को पीछे धकेला।
"इसलिए हमें यहां काफी लंबे समय तक रहना पड़ सकता है।"
किसी ने कुछ नहीं कहा। वह अचानक मुस्कुराया।
“लेकिन यह एक अच्छा द्वीप है। हम—जैक, साइमन और मैं—हम पहाड़ पर चढ़े। यह जादुई है। यहाँ खाने-पीने की चीजें हैं, और—”
“चट्टानें--”
“नीले फूल--”
कुछ हद तक संभलकर पिगी ने राल्फ के हाथों में मौजूद शंख की ओर इशारा किया, और जैक और साइमन चुप हो गए। राल्फ ने बोलना जारी रखा।
"जब तक हम इंतजार कर रहे हैं, हम इस द्वीप पर अच्छा समय बिता सकते हैं।"
उसने खूब हाथ-पैर हिलाए।
"यह किसी किताब की तरह है।"
तुरंत ही वहां शोर मच गया।
"कोष द्विप--"
“निगल और अमेज़न--”
“कोरल द्वीप--”
राल्फ ने शंख लहराया।
“यह हमारा द्वीप है। यह एक अच्छा द्वीप है। जब तक बड़े लोग हमें लेने नहीं आते, हम खूब मजे करेंगे।”
जैक ने शंख के लिए अपना हाथ आगे बढ़ाया।
उन्होंने कहा, “वहाँ सूअर हैं। खाना है; और उस छोटी सी धारा में नहाने का पानी भी है—और सब कुछ है। क्या किसी को कुछ और नहीं मिला?”
उसने शंख राल्फ को वापस दे दिया और बैठ गया। जाहिर तौर पर किसी को कुछ नहीं मिला था।
बड़े लड़कों ने सबसे पहले उस बच्चे को तब देखा जब उसने विरोध किया। छोटे लड़कों का एक समूह उसे आगे बढ़ने के लिए उकसा रहा था और वह जाना नहीं चाहता था। वह दुबला-पतला लड़का था, लगभग छह साल का, और उसके चेहरे का एक हिस्सा शहतूत के रंग के जन्मचिह्न से ढका हुआ था। अब वह तेज रोशनी में सीधा खड़ा नहीं हो

पा रहा था, और अपने एक पैर के अंगूठे से खुरदरी घास को कुरेद रहा था। वह कुछ बुदबुदा रहा था और रोने ही वाला था।
अन्य छोटे लड़के, फुसफुसाते हुए लेकिन गंभीर स्वर में, उसे राल्फ की ओर धकेलने लगे।
“ठीक है,” राल्फ ने कहा, “चलो फिर।”
छोटा लड़का घबराकर चारों ओर देखने लगा।
"घोषित करना!"
उस छोटे लड़के ने शंख के लिए अपने हाथ आगे बढ़ाए और सभा में मौजूद लोग खिलखिलाकर हंस पड़े; तभी उसने तुरंत अपने हाथ पीछे खींच लिए और रोने लगा।
“उसे शंख लेने दो!” पिग्गी चिल्लाया। “उसे लेने दो!”
अंततः राल्फ ने उसे शंख पकड़ने के लिए राजी कर लिया, लेकिन तब तक हंसी के मारे बच्चे की आवाज बैठ चुकी थी। पिगी उसके पास घुटनों के बल बैठ गया, एक हाथ उस बड़े शंख पर रखे, और सभा की बातें सुनने और समझाने लगा।
"वह जानना चाहता है कि आप सांप वाली घटना के बारे में क्या करने वाले हैं।"
राल्फ हँसा, और बाकी लड़के भी उसके साथ हँसने लगे। छोटा लड़का और भी सिकुड़ गया।
"हमें उस सांप वाली घटना के बारे में बताओ।"
"अब वह कहता है कि वह एक भयानक जीव था।"
"बीस्टी?"
“एक सांप जैसी चीज। बहुत बड़ी। उसने उसे देखा।”
"कहाँ?"
जंगल में।
बहती हवाओं या शायद ढलते सूरज की वजह से पेड़ों के नीचे थोड़ी ठंडक महसूस हो रही थी। लड़कों ने इसे महसूस किया और बेचैनी से करवटें बदलने लगे।
“इतने छोटे द्वीप पर कोई जीव, कोई सांप जैसा प्राणी नहीं हो सकता,” राल्फ ने विनम्रता से समझाया। “ये तो सिर्फ अफ्रीका या भारत जैसे बड़े देशों में ही पाए जाते हैं।”
धीमी फुसफुसाहट; और सिर हिलाने की गंभीर आवाज।
"उसका कहना है कि वह राक्षस अंधेरे में आया था।"
“तब वह उसे देख नहीं सका!”
हंसी और जयकारे।

“क्या तुमने सुना? उसने कहा कि उसने अंधेरे में वह चीज देखी—”
“वह अब भी कहता है कि उसने उस जानवर को देखा था। वह आया और चला गया, फिर वापस आया और उसे खाना चाहता था--”
वह सपना देख रहा था।
हंसते हुए राल्फ ने चारों ओर मौजूद चेहरों में पुष्टि की तलाश की। बड़े लड़के सहमत थे; लेकिन छोटे बच्चों में कहीं-कहीं संदेह था जिसके लिए तर्कसंगत आश्वासन से कहीं अधिक ठोस सबूत की आवश्यकता थी।
“उसे ज़रूर कोई बुरा सपना आया होगा। उन सारी लताओं के बीच ठोकर खाते हुए।”
और भी गंभीर भाव से सिर हिलाते हुए; वे बुरे सपनों के बारे में जानते थे। "उसने कहा कि उसने उस राक्षस को, उस सांप जैसी चीज़ को देखा, और क्या वह आज रात फिर आएगा?"
लेकिन यहाँ कोई जानवर नहीं है!
“वह कहता है कि सुबह यह पेड़ों पर रस्सियों जैसी चीजों में बदल गया और शाखाओं में लटक गया। वह पूछता है कि क्या यह आज रात वापस आएगा?”
लेकिन यहाँ कोई जानवर नहीं है!
अब हंसी का नामोनिशान नहीं था, बल्कि सब गंभीरता से देख रहे थे। राल्फ ने अपने दोनों हाथों से अपने बालों को सहलाया और उस छोटे लड़के को मिली-जुली हंसी और झुंझलाहट भरी निगाहों से देखा।
जैक ने शंख छीन लिया।
“राल्फ बिल्कुल सही कह रहा है। वहाँ साँप जैसी कोई चीज़ नहीं है। लेकिन अगर साँप होता तो हम उसका शिकार करके उसे मार डालते। हम सबके लिए मांस जुटाने के लिए सूअरों का शिकार करेंगे। और हम साँप की भी तलाश करेंगे--”
लेकिन यहाँ तो साँप नहीं है!
हम शिकार पर जाते समय इस बात का ध्यान रखेंगे।
राल्फ नाराज़ था और उस पल के लिए हारा हुआ महसूस कर रहा था। उसे लग रहा था जैसे वह किसी ऐसी चीज़ का सामना कर रहा है जिसे समझना नामुमकिन है। जो आँखें उसे इतनी ध्यान से देख रही थीं, उनमें कोई हास्यबोध नहीं था।
लेकिन यहाँ कोई जानवर नहीं है!
उसके भीतर कुछ ऐसा जागृत हुआ जिसके बारे में उसे पता भी नहीं था और जिसने उसे अपनी बात को जोर से और बार-बार कहने के लिए मजबूर कर दिया।

लेकिन मैं तुमसे कहता हूँ कि यहाँ कोई राक्षस नहीं है!
सभा में सन्नाटा छाया रहा।
राल्फ ने शंख को फिर से उठाया और जैसे ही उसने आगे क्या कहना है, उसके मन में फिर से खुशी का भाव आ गया।
“अब सबसे अहम बात पर आते हैं। मैं सोच रहा था। पहाड़ पर चढ़ते समय भी मैं यही सोच रहा था।” उसने बाकी दोनों की तरफ देखकर शरारती मुस्कान बिखेरी। “और अभी-अभी समुद्र तट पर भी। यही मेरे दिमाग में आया। हम मजे करना चाहते हैं। और हम बचाए जाना चाहते हैं।”
सभा से उमड़ी सहमति की जोशीली आवाज उसे एक लहर की तरह लगी और वह अपना ध्यान भटकाने लगा। उसने फिर से सोचा।
“हम बचाए जाना चाहते हैं; और निश्चित रूप से हमें बचा लिया जाएगा।”
आवाजें गूंज उठीं। राल्फ के नए अधिकार के बल पर दिए गए इस सरल कथन ने, जिसका कोई प्रमाण नहीं था, प्रकाश और खुशी ला दी। उन्हें अपनी बात सुनाने के लिए शंख हिलाना पड़ा।
“मेरे पिता नौसेना में हैं। उन्होंने कहा कि अब कोई अज्ञात द्वीप नहीं बचा है। उनका कहना है कि महारानी के पास नक्शों से भरा एक बड़ा कमरा है और दुनिया के सभी द्वीपों के चित्र वहां बने हुए हैं। तो महारानी के पास इस द्वीप का चित्र भी है।”
एक बार फिर खुशी और बेहतर मन की आवाजें सुनाई देने लगीं।
और देर-सवेर कोई न कोई जहाज यहाँ जरूर आएगा। हो सकता है वो पापा का ही जहाज हो। तो समझ लो, देर-सवेर हमें बचा लिया जाएगा।
अपनी बात कहने के बाद वह रुका। उसके शब्दों से सभा में मौजूद लोगों को सुकून मिला। वे उसे पसंद करने लगे और अब उसका सम्मान भी करने लगे। अनायास ही सबने ताली बजानी शुरू कर दी और देखते ही देखते मंच तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। राल्फ शर्म से लाल हो गया, उसने बगल में पिग्गी की खुली प्रशंसा देखी, और फिर दूसरी ओर जैक को देखा जो मुस्कुरा रहा था और दिखा रहा था कि उसे भी ताली बजाना आता है।
राल्फ ने शंख लहराया।
"चुप रहो! रुको! सुनो!"
वह अपनी जीत के नशे में चूर होकर खामोशी में आगे बढ़ता रहा।

“एक और बात है। हम उन्हें हमें ढूंढने में मदद कर सकते हैं। अगर कोई जहाज द्वीप के पास आता है तो शायद वे हमें देख न पाएं। इसलिए हमें पहाड़ की चोटी पर धुआं करना होगा। हमें आग जलानी होगी।”
“आग जलाओ! आग जलाओ!”
देखते ही देखते आधे लड़के खड़े हो गए। जैक उनके बीच शोर मचाने लगा, शंख को भूलकर।
“चलो! मेरे पीछे आओ!”
खजूर के पेड़ों के नीचे का इलाका शोर और हलचल से भरा हुआ था। राल्फ भी खड़ा होकर शांति बनाए रखने के लिए चिल्ला रहा था, लेकिन किसी ने उसकी बात नहीं सुनी। अचानक भीड़ द्वीप की ओर बढ़ी और जैक के पीछे-पीछे गायब हो गई। छोटे बच्चे भी चले गए और पत्तियों और टूटी शाखाओं के बीच खेलने लगे। राल्फ शंख पकड़े अकेला रह गया, उसके साथ केवल पिग्गी था।
पिग्गी की सांसें काफी हद तक सामान्य हो गई थीं।
“बच्चों की तरह!” उसने तिरस्कारपूर्वक कहा। “बच्चों की भीड़ की तरह व्यवहार कर रहे हैं!”
राल्फ ने उसे संदेह भरी नजरों से देखा और शंख को पेड़ के तने पर रख दिया।
पिग्गी ने कहा, "मुझे लगता है कि चाय का समय हो गया है। वे उस पहाड़ पर क्या करने वाले हैं?"
उसने आदरपूर्वक शंख को सहलाया, फिर रुक गया और ऊपर की ओर देखा।
“राल्फ! अरे! तुम कहाँ जा रहे हो?”
राल्फ पहले से ही क्षतिग्रस्त निशान के पहले हिस्से पर चढ़ रहा था। उससे काफी आगे धमाकों और हंसी की आवाजें आ रही थीं।
पिग्गी उसे घृणा से देखता रहा।
“बच्चों की भीड़ की तरह--”
उसने आह भरी, झुका और अपने जूते के फीते बांधे। शोरगुल मचाने वाले लोगों की आवाज़ पहाड़ पर दूर तक गूंजती चली गई। फिर, बच्चों के बेतुके उत्साह को संभालते हुए एक अभिभावक के धैर्य और पीड़ा भरे भाव से उसने शंख उठाया, जंगल की ओर मुड़ा और टूटे-फूटे टीले पर से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़ने लगा।
पहाड़ की चोटी के दूसरी ओर नीचे जंगल का एक चबूतरा था। एक बार फिर राल्फ ने खुद को कपिंग मुद्रा में पाया।

"वहां से हमें जितनी लकड़ी चाहिए उतनी मिल सकती है।"
जैक ने सिर हिलाया और अपने होंठ को खींचा। पहाड़ के ढलान वाले हिस्से में, उनसे लगभग सौ फीट नीचे से शुरू होने वाला वह हिस्सा, शायद ईंधन के लिए ही बना था। नम गर्मी के कारण पेड़ों को पूरी तरह से बढ़ने के लिए पर्याप्त मिट्टी नहीं मिली, इसलिए वे समय से पहले ही गिर गए और सड़ गए: लताओं ने उन्हें सहारा दिया, और नए पौधे ऊपर की ओर बढ़ने का रास्ता खोजने लगे।
जैक ने गायक मंडली की ओर रुख किया, जो तैयार खड़ी थी। उनकी काली रखरखाव वाली टोपियाँ एक कान पर बेरेट की तरह सरकी हुई थीं।
हम ढेर लगाएंगे। चलो।
उन्होंने नीचे जाने का सबसे उपयुक्त रास्ता खोज लिया और सूखी लकड़ियों को खींचना शुरू कर दिया। ऊपर पहुँच चुके छोटे लड़के भी फिसलते हुए नीचे आ गए, और पिगी को छोड़कर बाकी सब व्यस्त हो गए। ज़्यादातर लकड़ियाँ इतनी सड़ी हुई थीं कि खींचने पर वे टुकड़ों, दीमकों और सड़े हुए रेशों के ढेर में बिखर गईं; लेकिन कुछ तने साबुत निकले। सैम और एरिक, जुड़वाँ भाई, सबसे पहले एक उपयुक्त लट्ठा पाने में कामयाब रहे, लेकिन वे तब तक कुछ नहीं कर सके जब तक राल्फ, जैक, साइमन, रोजर और मौरिस को पकड़ने के लिए जगह नहीं मिल गई। फिर उन्होंने उस बदसूरत सूखी लकड़ी को धीरे-धीरे चट्टान पर चढ़ाया और ऊपर गिरा दिया। लड़कों के हर समूह ने थोड़ा-थोड़ा करके लकड़ी डाली और ढेर बढ़ता गया। लौटते समय राल्फ खुद को जैक के साथ एक डाल पर अकेला पाया और वे एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराए, इस बोझ को बाँटते हुए। एक बार फिर, हवा के झोंकों, शोरगुल और ऊँचे पहाड़ पर तिरछी धूप के बीच, दोस्ती, रोमांच और संतोष की वह अनोखी, अदृश्य रोशनी बिखर उठी।
"लगभग बहुत भारी।"
जैक ने भी मुस्कुराकर जवाब दिया।
"हम दोनों के लिए नहीं।"
बोझ के बोझ तले दबे हुए वे लड़खड़ाते हुए पहाड़ की आखिरी खड़ी चढ़ाई पर चढ़े। एक साथ उन्होंने एक! दो! तीन! का जाप किया और लकड़ी के लट्ठे को ढेर पर पटक दिया। फिर वे विजयी आनंद से हंसते हुए पीछे हट गए, जिससे राल्फ को तुरंत सिर के बल खड़ा होना पड़ा। उनके नीचे, लड़के अभी भी मेहनत कर रहे थे, हालांकि कुछ छोटे बच्चों की रुचि खत्म हो गई थी और वे इस नए जंगल में फल खोज रहे थे। अब जुड़वां बच्चे, अप्रत्याशित बुद्धिमत्ता के साथ, सूखे पत्तों से भरी बाँहें लेकर पहाड़ पर चढ़े और

उन्हें ढेर पर डाल दिया। एक-एक करके, जैसे ही उन्हें लगा कि ढेर पूरा हो गया है, लड़के और पत्ते लाने के लिए वापस नहीं गए और पहाड़ की गुलाबी, टूटी हुई चोटी के बीच खड़े हो गए। अब उनकी सांसें सामान्य हो गई थीं और पसीना सूख गया था।
राल्फ और जैक ने एक-दूसरे को देखा, जबकि आसपास का समाज थम सा गया। शर्मनाक सच्चाई उनके मन में घर कर गई और उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि वे अपनी गलती कैसे स्वीकार करें।
राल्फ ने सबसे पहले बात की, उसका चेहरा लाल हो गया था।
"क्या आप?"
उन्होंने गला साफ किया और बोलना जारी रखा।
क्या तुम आग जलाओगे?
अब जब यह हास्यास्पद स्थिति सबके सामने आ गई, तो जैक भी शर्म से लाल हो गया। वह अस्पष्ट रूप से कुछ बुदबुदाने लगा।
“तुम दो लकड़ियों को रगड़ो। तुम रगड़ो--”
उसने राल्फ की ओर देखा, जिसने अपनी अक्षमता का अंतिम स्वीकारोक्ति कर दी।
"क्या किसी के पास माचिस है?"
“तुम धनुष बनाओ और तीर घुमाओ,” रॉजर ने कहा। उसने हावभाव में अपने हाथ रगड़े। “प्सस। प्सस।”
पहाड़ पर हल्की हवा चल रही थी। पिग्गी भी उसी हवा के साथ आया, शॉर्ट्स और शर्ट पहने हुए, शाम की धूप में चश्मे से चमकती रोशनी में धीरे-धीरे जंगल से बाहर निकल रहा था। उसने शंख को अपनी बगल में दबा रखा था।
राल्फ उस पर चिल्लाया।
“पिग्गी! क्या तुम्हारे पास माचिस है?”
बाकी लड़कों ने भी चिल्लाना शुरू कर दिया, जिससे पूरा पहाड़ गूंज उठा। पिग्गी ने अपना सिर हिलाया और ढेर के पास आ गया।
अरे वाह! तुमने तो बहुत बड़ा ढेर लगा दिया है, है ना?
जैक ने अचानक इशारा किया।
"उसके चश्मे को जलने वाले शीशे की तरह इस्तेमाल करो!"
पिग्गी के पीछे हटने से पहले ही वह चारों तरफ से घिर गया।
“लो—मुझे जाने दो!” जैक ने उसके चेहरे से चश्मा छीनते ही उसकी आवाज़ डर से चीख में बदल गई। “सावधान! वापस दो! मुझे ठीक से दिखाई नहीं दे रहा! तुम शंख तोड़

दोगे!”
राल्फ ने उसे कोहनी मारकर एक तरफ धकेल दिया और ढेर के पास घुटनों के बल बैठ गया।
"रोशनी से दूर रहो।"
वहाँ धक्का-मुक्की और दखलंदाज़ी भरी चीखें सुनाई दे रही थीं। राल्फ लेंस को इधर-उधर घुमाता रहा, जब तक कि ढलते सूरज की एक चमकदार सफेद छवि सड़ी हुई लकड़ी के एक टुकड़े पर नहीं बन गई। लगभग तुरंत ही धुएं की एक पतली सी लकीर उठी और उसे खांसी आ गई। जैक भी घुटनों के बल बैठ गया और धीरे से फूँका, जिससे धुआँ छंट गया, घना हो गया और एक छोटी सी लौ दिखाई दी। तेज धूप में पहले तो लगभग अदृश्य रही वह लौ एक छोटी सी टहनी को घेर लिया, बढ़ने लगी, रंग से भर गई और एक शाखा तक पहुँच गई जो एक तेज चटक के साथ फट गई। लौ और ऊपर उठी और लड़के खुशी से चिल्ला उठे।
“मेरे चश्मे!” पिग्गी चिल्लाया। “मुझे मेरे चश्मे दो!”
राल्फ ढेर से दूर हट गया और पिग्गी के टटोलते हाथों में गिलास थमा दिए। उसकी आवाज़ धीमी होकर बुदबुदाहट में बदल गई।
“बस धुंधलापन है, और कुछ नहीं। मेरा हाथ भी मुश्किल से दिख रहा है--”
लड़के नाच रहे थे। ढेर इतना सड़ा हुआ और अब इतना सूखा था कि शरीर के अंग ऊपर उठती पीली लपटों के आगे बेतहाशा झुक रहे थे और बीस फीट ऊँची आग की विशाल लपटें लहरा रही थीं। आग के चारों ओर कई गज तक गर्मी किसी झटके जैसी थी और हवा चिंगारियों की नदी की तरह बह रही थी। पेड़ के तने चूर-चूर होकर सफेद धूल बन गए।
राल्फ चिल्लाया।
“और लकड़ी लाओ! तुम सबको और लकड़ी मिलेगी!”
जीवन आग के साथ एक दौड़ बन गया और लड़के ऊपरी जंगल में इधर-उधर बिखर गए। पहाड़ पर आग का साफ झंडा लहराते रहना ही अंतिम लक्ष्य था और किसी ने आगे नहीं सोचा। छोटे से छोटे लड़के भी, अगर उन्हें फल खाने को न मिलते, लकड़ी के छोटे-छोटे टुकड़े लाकर आग में फेंक देते थे। हवा थोड़ी तेज हो गई और हल्की हवा चलने लगी, जिससे हवा के विपरीत और हवा की दिशा में अंतर स्पष्ट हो गया। एक तरफ हवा ठंडी थी, लेकिन दूसरी तरफ आग ने गर्मी की एक प्रचंड धारा फैला दी जिससे बाल पल भर में सिकुड़ गए। जिन लड़कों ने अपने नम चेहरों पर शाम की हवा महसूस की, वे

उसकी ताजगी का आनंद लेने के लिए रुके और फिर पाया कि वे थक चुके हैं। वे टूटी हुई चट्टानों के बीच फैली छाया में लेट गए। आग की लपटें जल्दी ही कम हो गईं; फिर ढेर एक नरम, राख जैसी आवाज के साथ अंदर की ओर गिर गया, और चिंगारियों का एक बड़ा पेड़ ऊपर की ओर उठा जो झुककर हवा के साथ बह गया। लड़के कुत्तों की तरह हांफते हुए पड़े रहे।
राल्फ ने अपने हाथों से अपना सिर उठाया।
“यह अच्छा नहीं था।”
रॉजर ने गर्म धूल में कुशलतापूर्वक थूका।
आपका क्या मतलब है?
"धुआं नहीं था। सिर्फ आग की लपटें थीं।"
पिग्गी दो चट्टानों के बीच एक जगह पर बैठ गया और शंख को अपनी गोद में रखकर बैठ गया।
उन्होंने कहा, "हमने आग नहीं जलाई है, इसका क्या फायदा? हम ऐसी आग को जलाए नहीं रख सकते, चाहे कितनी भी कोशिश कर लें।"
“तुमने कोशिश तो की, पर कुछ खास नहीं हुआ,” जैक ने तिरस्कारपूर्वक कहा। “तुम तो बस बैठे रहे।”
"हमने उनके चश्मे का इस्तेमाल किया," साइमन ने अपनी बांह से अपने काले गाल को मलते हुए कहा। "उन्होंने इस तरह से हमारी मदद की।"
पिग्गी ने गुस्से से कहा, "शंख तो मुझे मिल गया। मुझे बोलने दो!"
"पहाड़ की चोटी पर शंख का कोई महत्व नहीं होता," जैक ने कहा, "इसलिए तुम चुप रहो।"
"मेरे हाथ में शंख है।"
“हरी टहनियाँ लगाओ,” मौरिस ने कहा। “धुआँ पैदा करने का यही सबसे अच्छा तरीका है।”
मुझे शंख मिल गया--
जैक गुस्से से मुड़ा।
"तुम चुप रहो!"
पिग्गी मुरझा गया। राल्फ ने उससे शंख ले लिया और लड़कों के घेरे में चारों ओर देखा।
“आग की देखभाल के लिए हमें खास लोगों की ज़रूरत है। किसी भी दिन वहाँ कोई जहाज़ हो सकता है”—उन्होंने क्षितिज के तने हुए तार की ओर इशारा करते हुए कहा

—“और अगर हमने कोई संकेत दिया तो वे आकर हमें ले जाएँगे। और एक और बात। हमें और नियम बनाने चाहिए। जहाँ शंख हो, वही बैठक का समय है। यहाँ भी वही नियम लागू होता है जो नीचे लागू होता है।”
वे मान गए। पिग्गी ने बोलने के लिए अपना मुंह खोला, जैक की नज़र उस पर पड़ी और उसने अपना मुंह बंद कर लिया। जैक ने शंख लेने के लिए हाथ बढ़ाया और खड़ा हो गया, उस नाज़ुक चीज़ को अपने कालिख लगे हाथों में सावधानी से पकड़े हुए।
“मैं राल्फ से सहमत हूँ। हमें नियम बनाने होंगे और उनका पालन करना होगा। आखिर हम जंगली तो नहीं हैं। हम अंग्रेज हैं, और अंग्रेज हर चीज में सर्वश्रेष्ठ होते हैं। इसलिए हमें सही काम करने होंगे।”
उसने राल्फ की ओर रुख किया।
“राल्फ, मैं अपने शिकारियों को समूहों में बाँट दूँगा, और आग को जलता रखने की ज़िम्मेदारी हमारी होगी--”
इस उदारता को देखकर लड़कों ने तालियाँ बजाईं, जिस पर जैक ने उनकी ओर देखकर मुस्कुराया और फिर चुप रहने का इशारा करते हुए शंख हिलाया।
“अब हम आग को अपने आप बुझने देंगे। वैसे भी, रात में धुआँ कौन देखेगा? और हम जब चाहें फिर से आग जला सकते हैं। ऑल्टोस, तुम इस हफ्ते आग जलाए रख सकते हो, और अगले हफ्ते तीन गुना ज़्यादा--”
सभा ने गंभीर भाव से सहमति व्यक्त की।
“और निगरानी रखना भी हमारी ज़िम्मेदारी होगी। अगर हमें वहाँ कोई जहाज़ दिखाई दिया”—उन्होंने अपनी आँखों से उसकी पतली सी बांह की दिशा का पीछा किया—“तो हम हरी शाखाएँ बिछा देंगे। फिर और ज़्यादा धुआँ निकलेगा।”
वे क्षितिज के गहरे नीले रंग को ध्यान से निहार रहे थे, मानो किसी भी क्षण वहां एक छोटी सी आकृति प्रकट हो सकती हो।
पश्चिम में सूर्य जलते हुए सोने की एक बूंद की तरह था जो दुनिया की दहलीज के और करीब सरकता जा रहा था। अचानक उन्हें शाम का एहसास हुआ, जो प्रकाश और गर्मी के अंत का प्रतीक थी।
रॉजर ने शंख उठाया और उदास होकर उनकी ओर देखा।
मैं समुद्र को देख रहा हूँ। जहाज का कोई निशान नहीं दिख रहा है। शायद हमें कभी बचाया नहीं जा सकेगा।
एक हल्की सी फुसफुसाहट उठी और बह गई। राल्फ ने शंख वापस ले लिया।

मैंने पहले भी कहा था कि हमें कभी न कभी बचा लिया जाएगा। हमें बस इंतजार करना होगा, बस इतना ही।
साहसी और क्रोधित पिग्गी ने शंख उठा लिया।
“मैंने यही तो कहा था! मैंने हमारी मुलाकातों वगैरह के बारे में कहा था और फिर तुमने कहा चुप रहो--”
उसकी आवाज नैतिक निंदा की कराह में बदल गई। वे हिल गए और उसे चुप कराने के लिए चिल्लाने लगे।
“तुमने कहा था कि तुम्हें छोटी सी आग चाहिए और तुमने भूसे का ढेर लगा दिया। अगर मैं कुछ कहूँ,” पिगी ने कड़वी वास्तविकता के साथ कहा, “तो तुम मुझे चुप रहने को कहते हो; लेकिन अगर जैक या मौरिस या साइमन—”
शोरगुल के बीच वह रुका, खड़ा रहा, उनकी ओर से दूर पहाड़ की दुर्गम ढलान पर उस विशाल भूभाग की ओर देखा जहाँ उन्हें सूखी लकड़ियाँ मिली थीं। फिर वह इतनी विचित्रता से हँसा कि वे सब चुप हो गए, आश्चर्य से उसके चश्मे की चमक को देखते रहे। उन्होंने उसकी नज़र का पीछा किया और उस कड़वे मज़ाक को समझ पाए।
"तुम्हारी छोटी सी आग तो ठीक ही जल रही है।"
सूखे या मरते पेड़ों पर लिपटी लताओं के बीच से जगह-जगह धुआँ उठ रहा था। देखते ही देखते, एक लता की जड़ में आग की एक चमक दिखाई दी, और फिर धुआँ घना हो गया। एक पेड़ के तने पर छोटी-छोटी लपटें उठीं और पत्तों और झाड़ियों के बीच से रेंगती हुई फैलती गईं, फैलती और बढ़ती गईं। धुएँ का एक छोटा सा हिस्सा पेड़ के तने को छूकर एक चमकीली गिलहरी की तरह ऊपर चढ़ गया। धुआँ बढ़ता गया, छनता गया और बाहर की ओर फैलता गया। गिलहरी हवा के झोंकों पर उछली और एक दूसरे खड़े पेड़ से चिपक गई, नीचे की ओर चरने लगी। पत्तों और धुएँ के घने काले आवरण के नीचे आग ने जंगल को अपनी गिरफ्त में ले लिया और उसे कुतरना शुरू कर दिया। एकड़ों तक फैला काला और पीला धुआँ धीरे-धीरे समुद्र की ओर बढ़ता गया। लपटों और आग के बेकाबू रूप को देखकर लड़के जोर-जोर से चिल्लाने लगे। लपटें, मानो किसी जंगली जीव की तरह, एक जगुआर की तरह पेट के बल रेंगती हुई गुलाबी चट्टान पर उगे हुए बर्च जैसे छोटे पेड़ों की कतार की ओर बढ़ रही थीं। वे पहले पेड़ पर झपटे और शाखाओं पर आग की लपटें उठने लगीं। आग की लपटें पेड़ों के बीच की खाई को तेज़ी से पार कर गईं और फिर पूरी कतार में फैलती और भड़कती चली गईं। उछलते-कूदते लड़कों के नीचे, एक चौथाई मील के जंगल का इलाका धुएं और आग से व्याकुल

था। आग की अलग-अलग आवाज़ें मिलकर एक ढोल की गड़गड़ाहट जैसी ध्वनि उत्पन्न कर रही थीं, मानो पहाड़ हिल रहा हो।
"तुम्हारी छोटी सी आग तो ठीक ही जल रही है।"
चौंककर राल्फ ने महसूस किया कि लड़के शांत और स्थिर हो रहे थे, नीचे मुक्त हुई शक्ति के प्रति विस्मय की भावना उनमें जागृत हो रही थी। इस ज्ञान और विस्मय ने उसे हिंसक बना दिया।
"अरे, चुप रहो!"
“मुझे शंख मिल गया,” पिग्गी ने दुखी स्वर में कहा। “मुझे बोलने का अधिकार मिल गया।”
उन्होंने उसे ऐसी निगाहों से देखा जिनमें उन्हें सामने दिख रही चीज़ में कोई दिलचस्पी नहीं थी, और आग की ढोल की आवाज़ पर कान खड़े कर लिए। पिग्गी ने घबराकर नरक की ओर देखा और शंख को थाम लिया।
“हमें इसे अब पूरी तरह से जलने देना होगा। और यही हमारी जलाऊ लकड़ी थी।”
उसने अपने होंठ चाटे।
हम कुछ नहीं कर सकते। हमें और सावधान रहना चाहिए। मैं डरा हुआ हूँ--"
जैक ने अपनी नजरें आग से हटा लीं।
“तुम हमेशा डरे रहते हो। हाँ—मोटे!”
“मुझे शंख मिल गया,” पिग्गी ने उदास स्वर में कहा। वह राल्फ की ओर मुड़ा। “मुझे शंख मिल गया, है ना राल्फ?”
अनिच्छा से ही सही, राल्फ ने उस शानदार, भयावह दृश्य से मुंह फेर लिया।
“यह क्या है?”
“शंख। मुझे बोलने का अधिकार है।”
दोनों जुड़वां बच्चे एक साथ खिलखिलाकर हंस पड़े।
“हम धुआं चाहते थे--”
"नया रूप--!"
द्वीप से मीलों दूर तक घना कोहरा छाया हुआ था। पिग्गी को छोड़कर बाकी सभी लड़के खिलखिलाकर हंसने लगे; थोड़ी देर में वे जोर-जोर से हंसने लगे।
पिग्गी को गुस्सा आ गया।
“मुझे शंख मिल गया! ज़रा सुनो! सबसे पहले हमें समुद्र तट के पास आश्रय बनाना चाहिए था। रात में वहाँ बहुत ठंड थी। लेकिन जैसे ही राल्फ ने 'आग' कहा, तुम चीखते-चिल्लाते

इस पहाड़ पर चढ़ गए। बच्चों के झुंड की तरह!”
अब वे उस तीखी आलोचना को ध्यान से सुन रहे थे।
"यदि आप पहले आवश्यक चीजों को प्राथमिकता नहीं देते और उचित व्यवहार नहीं करते, तो आप बचाव की उम्मीद कैसे कर सकते हैं?"
उसने अपना चश्मा उतारा और शंख को नीचे रखने का नाटक किया; लेकिन बड़े लड़कों के अचानक उसकी ओर बढ़ने से उसका इरादा बदल गया। उसने शंख को अपनी बगल में दबाया और एक चट्टान पर वापस बैठ गया।
“फिर जब तुम यहाँ पहुँचे तो तुमने एक बेकार सी आग जलाई। अब तुमने पूरे द्वीप में आग लगा दी है। अगर पूरा द्वीप जल गया तो क्या हम हास्यास्पद नहीं लगेंगे? हमें पके हुए फल और भुना हुआ सूअर का मांस खाना पड़ेगा। और यह कोई हँसी की बात नहीं है! तुमने कहा था कि राल्फ मुखिया है और तुमने उसे सोचने का समय ही नहीं दिया। फिर जब वह कुछ कहता है तो तुम तुरंत भाग जाते हो, जैसे--”
उसने सांस लेने के लिए विराम लिया, और आग उन पर गुर्रा उठी।
और बात यहीं खत्म नहीं होती। वो बच्चे। नन्हे-मुन्ने। किसने उन पर ध्यान दिया? कौन जाने कितने थे हमारे पास?
राल्फ ने अचानक एक कदम आगे बढ़ाया।
मैंने तुमसे कहा था। मैंने तुमसे नामों की सूची बनाने को कहा था!
“मैं कैसे पता लगा सकता था,” पिग्गी ने गुस्से से चिल्लाते हुए कहा। “वे दो मिनट तक रुके, फिर समुद्र में गिर गए; वे जंगल में चले गए; वे सब जगह बिखर गए। मुझे कैसे पता चलता कि कौन कहाँ है?”
राल्फ ने अपने पीले होंठों को चाटा।
"तो फिर आपको नहीं पता कि हममें से कितने लोग होने चाहिए?"
“मैं कैसे कर सकती थी जब वो छोटे-छोटे बच्चे कीड़े-मकोड़ों की तरह इधर-उधर भाग रहे थे? फिर जब तुम तीनों वापस आए, जैसे ही तुमने आग जलाने को कहा, वो सब भाग गए, और मुझे मौका ही नहीं मिला--”
“बस करो!” राल्फ ने तीखे स्वर में कहा और शंख वापस छीन लिया। “अगर नहीं किया तो नहीं किया।”
“--फिर तुम यहाँ आकर मेरे चश्मे चुरा लेते हो--”
जैक उस पर भड़क उठा।
"तुम चुप रहो!"

“और वो छोटे बच्चे आग के पास इधर-उधर घूम रहे थे। आपको कैसे पता कि वो अभी भी वहीं नहीं हैं?”
पिग्गी खड़ा हुआ और उसने धुएं और आग की ओर इशारा किया। लड़कों के बीच हल्की फुसफुसाहट उठी और फिर शांत हो गई। पिग्गी के साथ कुछ अजीब हो रहा था, क्योंकि वह हांफ रहा था।
“वो छोटा बच्चा—” पिगी हांफते हुए बोला—“जिसके चेहरे पर निशान था, वो मुझे कहीं नहीं दिख रहा। अब वो कहाँ है?”
भीड़ में सन्नाटा पसरा हुआ था, मानो मौत का साया हो।
“जिसने सांपों के बारे में बात की थी। वह वहीं नीचे था--”
आग में एक पेड़ बम की तरह फट गया। लताओं के ऊंचे-ऊंचे गुच्छे एक पल के लिए दर्द से कराहते हुए दिखाई दिए और फिर नीचे गिर गए। छोटे लड़के उन पर चीखने लगे।
“सांप! सांप! सांपों को देखो!”
पश्चिम दिशा में, और अनसुनी रोशनी में, सूरज समुद्र से बस एक या दो इंच ऊपर था। उनके चेहरे नीचे से लालिमा से जगमगा रहे थे। पिग्गी एक चट्टान से टकराया और उसे दोनों हाथों से कसकर पकड़ लिया।
“वो छोटा बच्चा जिसके चेहरे पर निशान था—वो अब कहाँ है? मैं आपको बता दूँ, मुझे वो कहीं नहीं दिख रहा।”
लड़के भयभीत होकर, अविश्वास भरी निगाहों से एक-दूसरे को देखने लगे।
"--जहां वह अब है?"
शर्मिंदगी से बुदबुदाते हुए राल्फ ने जवाब दिया, "शायद वह वापस चला गया हो..."
उनके नीचे, पहाड़ के दुर्गम हिस्से में, ढोल की थाप जारी रही।

मक्खियों के भगवान

अध्याय तीन: समुद्र तट पर बनी झोपड़ियाँ

जैक कमर झुकाए बैठा था। वह किसी धावक की तरह लेटा हुआ था, उसकी नाक नम मिट्टी से बस कुछ इंच ही दूर थी। पेड़ों के तने और उन पर लिपटी लताएँ उससे तीस फीट ऊपर हरी धुंध में खो गईं, और चारों ओर झाड़ियाँ ही झाड़ियाँ थीं। यहाँ पगडंडी का बस हल्का सा निशान था; एक टूटी हुई टहनी और शायद किसी खुर के एक तरफ का निशान। उसने अपनी ठुड्डी नीचे की और उन निशानों को ऐसे घूरने लगा जैसे उन्हें बोलने पर मजबूर कर रहा हो। फिर कुत्ते की तरह, चारों पैरों पर असहज होते हुए भी अपनी बेचैनी को नज़रअंदाज़ करते हुए, वह पाँच गज आगे बढ़ा और रुक गया। यहाँ एक लता का घेरा था जिसमें एक गांठ से लटकती हुई एक छोटी सी शाखा थी। शाखा का निचला हिस्सा चिकना था; सूअर उस घेरे से गुजरते हुए अपनी खुरदरी खाल से उसे रगड़ते थे।

जैक अपना चेहरा उस सुराग से कुछ इंच दूर करके झुक गया, फिर घनी झाड़ियों के अर्ध-अंधेरे में आगे देखने लगा। उसके सुनहरे बाल, जो उतरने के समय से काफी लंबे थे, अब हल्के हो गए थे; और उसकी नंगी पीठ पर गहरे धब्बे और धूप से झुलसी त्वचा के निशान थे। उसके दाहिने हाथ से लगभग पाँच फुट लंबी एक नुकीली छड़ी लटक रही थी, और चाकू की बेल्ट से बंधी फटी हुई शॉर्ट्स के अलावा वह पूरी तरह नंगा था। उसने अपनी आँखें बंद कर लीं, सिर उठाया और नथुने फैलाकर धीरे से साँस ली, गर्म हवा के प्रवाह से कुछ जानकारी निकालने की कोशिश की। जंगल और वह दोनों एकदम शांत थे।

अंततः उसने एक लंबी आह भरी और अपनी आँखें खोलीं। उसकी आँखें चमकीली नीली थीं, जो इस हताशा में मानो धधक रही थीं और लगभग पागल सी लग रही थीं। उसने अपनी जीभ सूखे होठों पर फिराई और खामोश जंगल का जायजा लिया। फिर वह चुपके से आगे बढ़ा और ज़मीन पर इधर-उधर कुछ फेंकने लगा।

जंगल का सन्नाटा गर्मी से भी ज़्यादा घुटन भरा था, और दिन के इस समय तो कीड़ों की भिनभिनाहट भी सुनाई नहीं दे रही थी। जब जैक ने खुद टहनियों के एक पुराने घोंसले से एक रंग-बिरंगे पक्षी को जगाया, तभी सन्नाटा टूटा और सदियों पुराने सन्नाटे से आती एक कर्कश चीख गूंज उठी। जैक खुद उस चीख को सुनकर सिहर उठा, उसकी सांस अटक गई, और एक पल के लिए वह शिकारी से ज़्यादा पेड़ों के बीच बंदर जैसा एक छिपकर बैठा प्राणी बन गया। फिर, उस निशान और निराशा ने उसे फिर से अपनी ओर खींच लिया और वह उत्सुकता से ज़मीन पर खोज करने लगा। एक विशाल पेड़ के तने के पास, जिसकी भूरी छाल पर पीले फूल खिले थे, वह रुका, अपनी आँखें बंद कीं और एक

बार फिर गर्म हवा में गहरी सांस ली; और इस बार उसकी सांसें तेज़ हो गईं, उसके चेहरे पर पीलापन छा गया, और फिर खून का उबाल आ गया। वह पेड़ के अंधेरे में एक परछाई की तरह चला गया और झुककर अपने पैरों के पास की कुचली हुई ज़मीन को देखने लगा।

गोबर गर्म था। वह पलटी हुई मिट्टी के ढेर में पड़ा था। वह जैतून के हरे रंग का, चिकना था और उससे हल्की भाप निकल रही थी। जैक ने अपना सिर उठाया और पगडंडी पर फैली लताओं के उस रहस्यमय समूह को घूर कर देखा। फिर उसने अपना भाला उठाया और चुपके से आगे बढ़ा। लता के पार, पगडंडी एक सूअर के बाड़े से मिल गई जो इतना चौड़ा और घिसा-पिटा था कि एक रास्ता बन गया था। ज़मीन लगातार चलने से सख्त हो गई थी और जैसे ही जैक पूरी तरह खड़ा हुआ, उसे उस पर कुछ हिलने-डुलने की आवाज़ सुनाई दी। उसने अपना दाहिना हाथ पीछे घुमाया और पूरी ताकत से भाला फेंका। सूअर के बाड़े से खुरों की तेज़, कठोर आवाज़ आई, एक झंकार जैसी, मोहक, मदहोश कर देने वाली - मांस का वादा। वह झाड़ियों से बाहर निकला और अपना भाला झपट लिया। सूअर के खुरों की आवाज़ दूर जाकर धीमी पड़ गई।

जैक पसीने से तरबतर, भूरी मिट्टी से सना हुआ, दिन भर के शिकार के उतार-चढ़ाव से दागदार होकर वहीं खड़ा रहा। बड़बड़ाते हुए, वह पगडंडी से हट गया और जंगल में आगे बढ़ता गया, जहाँ से जंगल थोड़ा खुला और घने पेड़ों की जगह हल्के भूरे रंग के पेड़ और पंखुड़ीदार ताड़ के पेड़ दिखाई देने लगे। इनके आगे समुद्र की चमक थी और उसे कुछ आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। राल्फ ताड़ के तनों और पत्तों से बने एक ढाँचे के पास खड़ा था, जो झील की ओर मुँह किए हुए था और गिरने ही वाला लग रहा था। जैक की बात पर उसने ध्यान नहीं दिया।

"क्या आपके पास पानी है?"

राल्फ ने पत्तियों के बीच से भौंहें चढ़ाते हुए ऊपर देखा। जैक को देखकर भी उसने उसे अनदेखा कर दिया।

“मैंने पूछा, क्या तुम्हारे पास पानी है? मुझे प्यास लगी है।” राल्फ ने आश्रय स्थल से अपना ध्यान हटाया और चौंककर जैक को देखा।

"अरे, नमस्कार। पानी? पेड़ के पास। कुछ तो बचा होगा।"

छाया में रखे नारियल के खोलों में से जैक ने ताजे पानी से भरा एक खोल उठाया और पानी पिया। पानी उसकी ठुड्डी, गर्दन और छाती पर छलक गया। पानी खत्म होने पर उसने जोर-जोर से सांस ली।

"इसकी जरूरत थी।"
साइमन ने आश्रय स्थल के अंदर से बात की।
"थोड़ा सा।"
राल्फ आश्रय की ओर मुड़ा और पत्तियों से भरी एक शाखा को उठाया।
पत्तियाँ टूटकर नीचे गिर गईं। छेद में साइमन का पश्चाताप से भरा चेहरा दिखाई दिया।
"क्षमा मांगना।"
राल्फ ने घृणा के भाव से मलबे का जायजा लिया।
"इसे कभी पूरा नहीं कर पाओगे।"
वह जैक के पैरों पर गिर पड़ा। साइमन वहीं रुका रहा और आश्रय स्थल में बने छेद से बाहर देखता रहा। नीचे उतरने के बाद, राल्फ ने समझाया।
मैं कई दिनों से इस पर काम कर रहा हूँ। और देखो!
दो आश्रय स्थल अपनी जगह पर थे, लेकिन अस्थिर थे। यह वाला तो पूरी तरह खंडहर हो चुका था।
“और वे भागते रहते हैं। आपको वह बैठक याद है? जिसमें यह तय हुआ था कि आश्रय स्थल बनने तक सभी लोग कड़ी मेहनत करेंगे?”
"मेरे और मेरे शिकारियों को छोड़कर--"
“शिकारियों को छोड़कर। खैर, छोटे बच्चे तो...”
उसने हावभाव दिखाए, शब्द ढूंढने की कोशिश की।
“वे तो बिलकुल बेकार हैं। बड़े वाले भी कुछ खास अच्छे नहीं हैं। देखा आपने? मैं सारा दिन साइमन के साथ काम करता रहा। कोई और नहीं। वे या तो नहा रहे हैं, या खाना खा रहे हैं, या खेल रहे हैं।”
साइमन ने सावधानी से अपना सिर बाहर निकाला।
“तुम मुखिया हो। तुम उन्हें फटकार लगाओ।”
राल्फ लेटा हुआ था और ताड़ के पेड़ों और आकाश की ओर देख रहा था।
“बैठकें। क्या हमें बैठकें पसंद नहीं हैं? हर दिन। दिन में दो बार। हम बातें करते हैं।” वह एक कोहनी के बल बैठ गया। “मुझे यकीन है कि अगर मैं अभी शंख बजा दूं, तो वे दौड़ते हुए आ जाएंगे। फिर हम, आप जानते हैं, बहुत गंभीर हो जाएंगे, और कोई कहेगा कि हमें एक जेट, या पनडुब्बी, या एक टीवी सेट बनाना चाहिए। बैठक खत्म होने पर वे पांच मिनट काम करेंगे, फिर इधर-उधर भटकेंगे या शिकार पर चले जाएंगे।”
जैक का चेहरा लाल हो गया।

हमें मांस चाहिए।
“खैर, हमारे पास अभी तक कोई नहीं है। और हमें आश्रय चाहिए। इसके अलावा, आपके बाकी शिकारी घंटों पहले लौट आए हैं। वे तैर रहे थे।”
“मैं आगे बढ़ता रहा,” जैक ने कहा। “मैंने उन्हें जाने दिया। मुझे आगे बढ़ना ही था। मैं--”
उसने अपने अंदर समा रही उस विवशता को व्यक्त करने की कोशिश की, जिसके कारण वह किसी को ढूंढकर मारना चाहता था।
मैं आगे बढ़ता रहा। मैंने सोचा, अकेले ही--
उसकी आँखों में फिर से पागलपन झलकने लगा।
मुझे लगा कि मैं शायद—मार डालूंगा।
लेकिन आपने ऐसा नहीं किया।
मुझे लगा था कि मैं ऐसा कर सकता हूँ।
राल्फ की आवाज में एक छिपा हुआ जुनून गूंज रहा था।
लेकिन आपने अभी तक ऐसा नहीं किया है।
अगर उनके निमंत्रण में निहित अर्थ न होता, तो शायद यह अनौपचारिक ही लगता।
"मुझे लगता है कि आप आश्रय स्थलों के निर्माण में मदद नहीं करना चाहेंगे?"
हमें मांस चाहिए--
और हमें यह समझ नहीं आता।
अब विरोध स्पष्ट रूप से सुनाई दे रहा था।
“लेकिन मैं ज़रूर करूँगा! अगली बार! मुझे इस भाले पर कांटे लगाने ही होंगे! हमने एक सूअर को घायल कर दिया और भाला गिर गया। काश हम कांटे बना पाते—”
हमें आश्रय स्थलों की आवश्यकता है।
अचानक जैक गुस्से में चिल्ला उठा।
“क्या आप आरोप लगा रहे हैं--?”
मैं बस इतना कह रहा हूं कि हमने बहुत मेहनत की है। बस इतना ही।
दोनों के चेहरे लाल हो गए थे और उन्हें एक-दूसरे को देखना मुश्किल लग रहा था।
राल्फ पेट के बल लेट गया और घास से खेलने लगा।
“अगर बारिश वैसी ही हुई जैसी हमारे आने के समय हुई थी, तो हमें आश्रय की ज़रूरत पड़ेगी। और फिर एक और बात। हमें आश्रय की ज़रूरत इसलिए भी है क्योंकि--”
वह एक पल के लिए रुका और दोनों ने अपना गुस्सा किनारे रख दिया। फिर उसने सुरक्षित, विषय बदलकर बात जारी रखी।

आपने गौर किया होगा, है ना?
जैक ने अपना भाला नीचे रख दिया और उकड़ू बैठ गया।
“क्या देखा?”
“अच्छा। वे डरे हुए हैं।”
वह करवट बदलकर जैक के क्रूर, गंदे चेहरे को ध्यान से देखने लगा।
“मेरा मतलब है, हालात जैसे हैं। वे सपने देखते हैं। आप उन्हें सुन सकते हैं। क्या आप रात में जागे हैं?”
जैक ने अपना सिर हिलाया।
“वे बातें करते हैं और चिल्लाते हैं। छोटे बच्चे। यहाँ तक कि कुछ दूसरे भी। मानो—”
"जैसे कि वह कोई अच्छा द्वीप न हो।"
व्यवधान से चकित होकर, उन्होंने साइमन के गंभीर चेहरे की ओर देखा।
"मानो," साइमन ने कहा, "वह जानवर, वह जानवर या सांप जैसी चीज, सचमुच में मौजूद थी। याद है?"
दोनों बड़े लड़के उस शर्मनाक शब्द को सुनकर सहम गए। अब साँपों का ज़िक्र नहीं होता था, उनका ज़िक्र करना नामुमकिन था।
“जैसे कि यह कोई अच्छा द्वीप न हो,” राल्फ ने धीरे से कहा। “हाँ, बिल्कुल सही।”
जैक उठकर बैठ गया और अपने पैर फैला लिए।
वे पागल हैं।
“वाह! याद है जब हम घूमने गए थे?” पहले दिन की रौनक याद करके वे एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराए। राल्फ ने बोलना जारी रखा।
इसलिए हमें एक प्रकार के आश्रय स्थलों की आवश्यकता है--
"घर।"
"यह सही है।"
जैक ने अपने पैर ऊपर खींच लिए, घुटनों को पकड़ लिया और स्पष्टता प्राप्त करने के प्रयास में भौंहें सिकोड़ लीं।
फिर भी—जंगल में। मेरा मतलब है जब आप शिकार कर रहे हों, फल इकट्ठा करने के समय नहीं, बल्कि जब आप अकेले हों—”
वह एक पल के लिए रुका, उसे यकीन नहीं था कि राल्फ उसकी बात को गंभीरता से लेगा या नहीं।
"जारी रखें।"

“शिकार करते समय कभी-कभी आपको ऐसा महसूस होता है जैसे--” वह अचानक शर्म से लाल हो गया। “वैसे तो इसमें कुछ भी सच नहीं है। बस एक एहसास है। लेकिन आपको ऐसा महसूस हो सकता है जैसे आप शिकार नहीं कर रहे हैं, बल्कि आपका शिकार हो रहा है, जैसे जंगल में हर समय कोई आपके पीछे पड़ा है।”
वे फिर चुप हो गए: साइमन एकाग्रचित्त था, राल्फ अविश्वास और हल्के गुस्से से भरा हुआ था। वह उठ बैठा और अपने गंदे हाथ से एक कंधे को रगड़ने लगा।
मुझे नहीं पता।
जैक उछलकर खड़ा हो गया और बहुत तेजी से बोलने लगा।
“जंगल में आपको ऐसा ही महसूस हो सकता है। बेशक, उसमें कुछ भी नहीं है। बस—बस—”
वह समुद्र तट की ओर कुछ तेज़ कदम लेकर बढ़ा, फिर वापस आ गया।
“सिर्फ मैं ही जानती हूँ कि उन्हें कैसा लगता है। देखा? बस इतना ही।”
"हमारे लिए सबसे अच्छा यही होगा कि हम खुद को बचा लें।"
जैक को कुछ देर सोचने के बाद याद आया कि बचाव क्या होता है।
“बचाव? जी हाँ, बिल्कुल! फिर भी, मैं पहले एक सुअर पकड़ना चाहूँगा—” उसने अपना भाला झट से उठाया और ज़मीन पर पटक दिया। उसकी आँखों में फिर से वही धुंधला, पागलपन भरा भाव आ गया। राल्फ ने अपने सुनहरे बालों के बीच से उसे आलोचनात्मक दृष्टि से देखा।
“जब तक तुम्हारे शिकारी आग को याद रखेंगे—”
“तुम और तुम्हारी आग!”
दोनों लड़के समुद्र तट पर दौड़ते हुए गए और पानी के किनारे पहुँचकर गुलाबी पहाड़ की ओर मुड़े। धुएं की पतली लकीर आसमान के नीले रंग पर एक धुंधली रेखा की तरह ऊपर उठी, लहराती हुई ऊपर गई और गायब हो गई। राल्फ ने भौंहें चढ़ाईं।
मुझे आश्चर्य है कि आप कितनी दूर से उसे देख सकते हैं।
“मील।”
हम पर्याप्त धुआं नहीं पैदा करते।
पानी की पतली धारा का निचला हिस्सा, मानो उनकी निगाहों से अवगत हो, गाढ़ा होकर एक मलाईदार धुंधलेपन में बदल गया जो कमजोर स्तंभ पर ऊपर की ओर रेंगता चला गया।

“उन्होंने हरी टहनियाँ लगा दी हैं,” राल्फ ने बुदबुदाते हुए कहा। “मुझे आश्चर्य हो रहा है!” उसने अपनी आँखें सिकोड़ीं और क्षितिज की ओर देखने के लिए चारों ओर घूम गया।
"समझ गया!"
जैक इतनी जोर से चिल्लाया कि राल्फ चौंक गया।
“क्या? कहाँ? क्या यह कोई जहाज है?”
लेकिन जैक पहाड़ से द्वीप के समतल हिस्से की ओर जाने वाली ऊंची ढलानों की ओर इशारा कर रहा था।
“बेशक! वे वहीं लेटेंगे—उन्हें लेटना ही होगा, जब धूप बहुत तेज होती है—”
राल्फ ने विस्मित होकर उसके भावविभोर चेहरे को देखा।
“--वे ऊपर चढ़ जाते हैं। बहुत ऊपर, छाया में, गर्मी के दौरान आराम करते हैं, जैसे गायें अपने घर में आराम करती हैं--”
मुझे लगा कि आपने एक जहाज देखा!
“हम चुपके से उनमें से किसी एक के पास जा सकते हैं—अपने चेहरे पर रंग लगा सकते हैं ताकि वे हमें देख न सकें—शायद उन्हें घेर लें और फिर—”
आक्रोश ने राल्फ का नियंत्रण छीन लिया।
मैं धुएं की बात कर रहा था! क्या तुम बचाए जाना नहीं चाहते? तुम तो बस सूअर, सूअर, सूअर की ही बात करते रहते हो!
लेकिन हमें मांस चाहिए!
"मैं सारा दिन सिर्फ साइमन के साथ काम करता हूँ और तुम वापस आते हो और झोपड़ियों पर ध्यान तक नहीं देते!"
मैं भी काम कर रहा था--
“लेकिन तुम्हें तो यह पसंद है!” राल्फ चिल्लाया। “तुम शिकार करना चाहते हो! जबकि मैं--”
चमकीले समुद्र तट पर वे आमने-सामने खड़े थे, भावनाओं के उफान से चकित थे। राल्फ ने पहले नज़रें हटा लीं, रेत पर बैठे छोटे बच्चों के एक समूह में दिलचस्पी दिखाने का नाटक किया। चबूतरे के उस पार से स्विमिंग पूल में शिकारियों के चिल्लाने की आवाज़ आ रही थी। चबूतरे के दूसरे छोर पर पिगी लेटा हुआ था, चमकीले पानी में नीचे देख रहा था।
लोग ज्यादा मदद नहीं करते।
वह यह समझाना चाहता था कि लोग कभी भी वैसे नहीं होते जैसे आप उन्हें समझते हैं।

“साइमन। वह मदद करता है।” उसने आश्रय स्थलों की ओर इशारा किया।
“बाकी सब भाग गए। उसने भी उतना ही काम किया है जितना मैंने। बस—”
"साइमन हमेशा आसपास रहता है।"
राल्फ ने जैक के साथ आश्रयों की ओर पीछे मुड़कर देखा।
“नहाने से पहले मैं तुम्हारे लिए थोड़ा काम कर दूं,” जैक ने बुदबुदाते हुए कहा।
"भेजा मत खा।"
लेकिन जब वे आश्रय स्थलों पर पहुँचे तो साइमन कहीं नज़र नहीं आया। राल्फ ने अपना सिर छेद में डाला, बाहर निकाला और जैक की ओर मुड़ा।
वह तुरंत चला गया।
“तंग आ गया था,” जैक ने कहा, “और नहाने चला गया।”
राल्फ ने भौंहें चढ़ाईं।
“वह समलैंगिक है। वह मजाकिया है।”
जैक ने सहमति जताने के लिए ही सही, सिर हिलाया और मौन सहमति से वे आश्रय स्थल से निकलकर स्नान कुंड की ओर चल दिए।
“और फिर,” जैक ने कहा, “जब मैं नहा लूँगा और कुछ खा लूँगा, तो मैं पहाड़ के दूसरी तरफ़ पैदल चलकर जाऊँगा और देखूँगा कि क्या मुझे कोई निशान दिखाई देते हैं। आ रहे हो?”
लेकिन सूरज तो लगभग डूब ही गया है!
मेरे पास शायद समय हो---
वे साथ-साथ चलते रहे, अनुभव और भावनाओं के दो अलग-अलग महाद्वीप, संवाद करने में असमर्थ।
"काश मुझे एक सुअर मिल जाता!"
मैं वापस आऊंगा और आश्रय स्थल का काम जारी रखूंगा।
वे एक-दूसरे को हैरानी और मोहब्बत से देखते रहे। नहाने के कुंड का गर्म खारा पानी, शोर-शराबा, पानी उछालना और हँसी-मज़ाक ही उन्हें फिर से एक साथ लाने के लिए काफी थे।
जैसा कि उन्होंने उम्मीद की थी, साइमन नहाने के पूल में नहीं था।
जब बाकी दोनों पहाड़ की तरफ पीछे मुड़कर देखने के लिए समुद्र तट पर दौड़ पड़े, तो वह कुछ कदम उनके पीछे गया और फिर रुक गया। वह समुद्र तट पर रेत के ढेर को घूरता हुआ खड़ा रहा, जहाँ कोई छोटा सा घर या झोपड़ी बनाने की कोशिश कर रहा

था। फिर उसने उस जगह से मुंह मोड़ लिया और दृढ़ निश्चय के साथ जंगल की ओर चल दिया। वह एक छोटा, दुबला-पतला लड़का था, जिसकी ठुड्डी नुकीली थी और उसकी आँखें इतनी चमकदार थीं कि राल्फ को लगा कि वह बहुत ही खुशमिजाज और शरारती है। उसके घने काले बाल लंबे थे और नीचे लटके हुए थे, लगभग उसके चौड़े माथे को छिपा रहे थे। उसने फटी हुई शॉर्ट्स पहनी हुई थी और उसके पैर जैक की तरह नंगे थे। हमेशा सांवले रंग का साइमन धूप में झुलसकर गहरा टैन हो गया था, जो पसीने से चमक रहा था।

वह पहाड़ी की ढलान पर चढ़ता हुआ उस विशाल चट्टान के पास से गुजरा जहाँ राल्फ पहली सुबह चढ़ा था, फिर पेड़ों के बीच से होते हुए दाईं ओर मुड़ गया। वह फलों के पेड़ों से भरे विशाल क्षेत्र में अपने अभ्यस्त कदमों से चलता रहा, जहाँ कम ऊर्जा वाले व्यक्ति को भी आसानी से, भले ही थोड़ा-बहुत, भोजन मिल जाता था। फूल और फल एक ही पेड़ पर साथ-साथ उगते थे और हर जगह पके फलों की सुगंध और लाखों मधुमक्खियों की भिनभिनाहट गूंज रही थी। यहीं पर उसके पीछे दौड़ रहे छोटे बच्चे उससे मिल गए। वे बातें करने लगे, कुछ अस्पष्ट चिल्लाने लगे और उसे पेड़ों की ओर खींच ले गए। फिर, दोपहर की धूप में मधुमक्खियों की गर्जना के बीच, साइमन ने उनके लिए वह फल ढूंढ निकाला जहाँ वे नहीं पहुँच सकते थे, पत्तियों के बीच से सबसे उत्तम फल तोड़े और उन्हें नीचे फैले हुए अनगिनत हाथों में दे दिया। जब उसने उन्हें संतुष्ट कर दिया, तो वह रुका और चारों ओर देखा। छोटे बच्चे मुट्ठी भर पके फल लिए उसे विस्मित भाव से देख रहे थे।

साइमन उनसे मुंह मोड़कर उस धुंधली सी दिखने वाली पगडंडी की ओर चल पड़ा। जल्द ही घना जंगल चारों ओर छा गया। ऊंचे-ऊंचे पेड़ों पर अप्रत्याशित रूप से पीले फूल खिले हुए थे, जो घने अंधेरे आवरण तक फैले हुए थे, जहां जीवन शोरगुल के साथ चलता रहता था। यहां की हवा भी काली थी, और लताएं डूबे हुए जहाजों के रस्सियों की तरह लटक रही थीं। उसके पैरों के निशान नरम मिट्टी में बन रहे थे और जब वह लताओं से टकराता तो वे पूरी लंबाई में कांप उठतीं।

अंततः वह एक ऐसी जगह पर पहुँचा जहाँ अधिक धूप पड़ती थी। प्रकाश के लिए उन्हें ज़्यादा दूर नहीं जाना पड़ता था, इसलिए लताओं ने जंगल के खुले मैदान के किनारे एक बड़ी चटाई बुन ली थी; क्योंकि यहाँ चट्टान का एक टुकड़ा सतह के करीब था और उस पर छोटे पौधों और फर्न के अलावा कुछ भी नहीं उग सकता था। पूरा स्थान गहरे सुगंधित झाड़ियों से घिरा हुआ था और गर्मी और प्रकाश से भरा हुआ था। एक विशाल

वृक्ष, एक कोने में गिरा हुआ, अभी भी खड़े पेड़ों से टिका हुआ था और एक तेज़ी से चढ़ने वाली लता लाल और पीले रंग की शाखाओं को ऊपर तक फैला रही थी।
साइमन रुका। उसने जैक की तरह पीछे मुड़कर अपने तंग रास्तों को देखा और यह सुनिश्चित करने के लिए चारों ओर नज़र घुमाई कि वह बिल्कुल अकेला है। एक पल के लिए उसकी हरकतें लगभग छिपकर की जा रही थीं। फिर वह नीचे झुका और चटाई के बीचोंबीच रेंगता हुआ चला गया। लताएँ और झाड़ियाँ इतनी घनी थीं कि उसके पसीने के निशान उन पर पड़ गए और वे उसके पीछे एक साथ लिपट गईं। जब वह बीच में सुरक्षित रूप से पहुँच गया, तो वह एक छोटी सी झोपड़ी में था जो कुछ पत्तों से खुले स्थान से अलग थी। वह नीचे बैठ गया, पत्तों को हटाया और खुले मैदान में देखा। गर्म हवा में एक-दूसरे के चारों ओर नाचती हुई दो रंग-बिरंगी तितलियों के अलावा कुछ भी नहीं हिल रहा था। अपनी साँस रोककर उसने द्वीप की आवाज़ों को ध्यान से सुना। शाम द्वीप की ओर बढ़ रही थी; चमकीले, अद्भुत पक्षियों की आवाज़ें, मधुमक्खियों की भिनभिनाहट, यहाँ तक कि चौकोर चट्टानों के बीच अपने घोंसलों में लौट रही सीगल की आवाज़ें भी धीमी होती जा रही थीं। मीलों दूर चट्टान पर टूटती गहरी लहरों की आवाज़ इतनी धीमी थी कि खून की सरसराहट से भी कम सुनाई दे रही थी।
साइमन ने पत्तों की ओट को वापस अपनी जगह पर गिरा दिया। शहद जैसे रंग की धूप की किरणें धीरे-धीरे कम होती गईं; वे झाड़ियों पर चढ़ती गईं, मोमबत्ती जैसी हरी कलियों के ऊपर से गुज़रती गईं, पेड़ों की छतरी की ओर बढ़ती गईं और पेड़ों के नीचे अंधेरा गहराता चला गया। प्रकाश के मंद पड़ने के साथ ही चटख रंग फीके पड़ गए और गर्मी और बेचैनी शांत हो गई। मोमबत्ती जैसी कलियाँ हिल उठीं। उनकी हरी पंखुड़ियाँ थोड़ी पीछे हट गईं और फूलों के सफेद सिरे धीरे से खुली हवा में ऊपर उठे।
अब सूरज की रोशनी खुले मैदान से हटकर आसमान से गायब हो गई थी। अंधेरा छा गया, पेड़ों के बीच के रास्ते धुंधले और समुद्र की गहराई जैसे अजीब से हो गए। मोमबत्ती की कलियों ने अपने चौड़े सफेद फूल खिलाए, जो पहले तारों से छनकर आती रोशनी में जगमगा रहे थे। उनकी खुशबू हवा में फैल गई और पूरे द्वीप पर छा गई।

मक्खियों के भगवान

अध्याय चार: रंगे हुए चेहरे और लंबे बाल

जिस पहली लय से वे अभ्यस्त हुए, वह भोर से लेकर जल्दी ढलते सूरज तक का धीमा चक्र था। उन्होंने सुबह के सुखों, चमकीली धूप, विशाल समुद्र और मीठी हवा को ऐसे स्वीकार किया जैसे यह वह समय हो जब खेलना अच्छा लगता है और जीवन इतना परिपूर्ण होता है कि आशा की आवश्यकता नहीं होती और इसलिए उसे भुला दिया जाता है। दोपहर होते-होते, जैसे-जैसे प्रकाश की किरणें लगभग सीधी रेखा में गिरने लगतीं, सुबह के चटख रंग मोती और दूधिया चमक में बदल जाते; और गर्मी—मानो आने वाले सूरज की ऊँचाई उसे गति दे रही हो—एक झटके की तरह हो जाती जिससे बचने के लिए वे छाया में भागते और लेट जाते, शायद सो भी जाते।

दोपहर के समय अजीबोगरीब चीज़ें घटित हुईं। चमकता हुआ समुद्र ऊपर उठा, असंभव सी दिखने वाली आकृतियों में बिखर गया; मूंगे की चट्टानें और ऊँचे हिस्सों से चिपके हुए कुछ बौने ताड़ के पेड़ आकाश में तैरने लगे, काँपने लगे, अलग-अलग हो गए, तार पर बारिश की बूंदों की तरह बहने लगे या दर्पणों की एक अजीब श्रृंखला की तरह बार-बार दिखाई देने लगे। कभी-कभी जहाँ ज़मीन नहीं थी, वहाँ ज़मीन दिखाई देने लगी और बच्चों के देखते ही देखते बुलबुले की तरह निकल आई। पिगी ने इन सब को विद्वतापूर्ण ढंग से "मृगतृष्णा" कहकर खारिज कर दिया; और चूंकि कोई भी लड़का उस पानी के फैलाव के ऊपर चट्टान तक भी नहीं पहुँच सकता था जहाँ शार्क घात लगाए बैठी थीं, इसलिए वे इन रहस्यों के आदी हो गए और उन्हें नज़रअंदाज़ करने लगे, ठीक वैसे ही जैसे वे चमत्कारिक, धड़कते तारों को नज़रअंदाज़ करते थे। दोपहर के समय ये भ्रम आकाश में विलीन हो गए और वहाँ सूरज एक क्रोधित आँख की तरह नीचे घूर रहा था। फिर, दोपहर ढलने पर; मृगतृष्णा शांत हो गई और क्षितिज समतल, नीला और कटा हुआ हो गया क्योंकि सूरज ढल रहा था। वह तुलनात्मक रूप से ठंडक का एक और समय था, लेकिन अंधेरे के आने का खतरा मंडरा रहा था। जब सूरज डूब गया, तो द्वीप पर अंधेरा एक अग्निशामक यंत्र की तरह छा गया और जल्द ही दूर के तारों के नीचे आश्रय स्थलों में बेचैनी फैल गई।

फिर भी, उत्तरी यूरोप की दिनभर काम, खेल और भोजन की परंपरा ने उन्हें इस नई दिनचर्या में पूरी तरह ढलने में मदद की। नन्हा पर्सीवल जल्दी ही एक आश्रय में घुस गया

और दो दिन तक वहीं रहा, बातें करता, गाता और रोता रहा, यहाँ तक कि लोग उसे पागल समझने लगे और थोड़ा-बहुत हँसने लगे। तब से वह मुरझाया हुआ, लाल आँखों वाला और दुखी रहने लगा; एक ऐसा नन्हा बच्चा जो कम खेलता था और अक्सर रोता था।

छोटे लड़कों को अब आम तौर पर "लिटिललंस" कहा जाता था। राल्फ से लेकर नीचे तक, बच्चों का आकार धीरे-धीरे घटता गया; हालाँकि साइमन, रॉबर्ट और मौरिस का एक संदिग्ध इलाका था, फिर भी एक छोर पर बड़े बच्चों और दूसरे छोर पर छोटे बच्चों को पहचानने में किसी को कोई कठिनाई नहीं होती थी। लगभग छह साल के वे बच्चे, जिन्हें निस्संदेह लिटिललंस कहा जाता था, अपना एक अलग और साथ ही साथ जीवंत जीवन जीते थे। वे दिन भर खाते रहते थे, जहाँ भी फल मिलते थे, उन्हें तोड़ लेते थे और उन्हें पकने या गुणवत्ता की कोई परवाह नहीं होती थी। अब उन्हें पेट दर्द और एक तरह के लगातार दस्त की आदत हो गई थी। वे अंधेरे में असहनीय भय का सामना करते थे और आराम के लिए एक-दूसरे से चिपक कर बैठते थे। भोजन और नींद के अलावा, वे चमकीले पानी के किनारे सफेद रेत में बिना किसी उद्देश्य के और तुच्छ खेल खेलने के लिए समय निकाल लेते थे। वे अपनी माताओं के लिए उम्मीद से कहीं कम रोते थे; वे बहुत भूरे और बेहद गंदे थे। वे शंख की पुकार का पालन करते थे, आंशिक रूप से इसलिए कि राल्फ उसे बजाता था और वह इतना बड़ा था कि बड़ों की दुनिया के अधिकार से उसका संपर्क बना रहे; और आंशिक रूप से इसलिए कि उन्हें सभाओं में मनोरंजन करना अच्छा लगता था। लेकिन इसके अलावा वे बड़ों की बातों में शायद ही कभी पड़ते थे और उनका भावुक और सामूहिक जीवन उनका अपना था।

उन्होंने छोटी नदी के किनारे रेत में महल बना रखे थे। ये महल लगभग एक फुट ऊँचे थे और सीपियों, मुरझाए फूलों और दिलचस्प पत्थरों से सजे हुए थे। महलों के चारों ओर निशान, पगडंडियाँ, दीवारें और रेल की लाइनें थीं, जिनका महत्व केवल किनारे से देखने पर ही समझ आता था। छोटे बच्चे यहाँ खेलते थे, भले ही खुशी से न खेल रहे हों, लेकिन पूरी एकाग्रता से खेलते थे; और अक्सर तीन-तीन बच्चे एक साथ एक ही खेल खेलते थे।

यहाँ तीन लोग खेल रहे थे। हेनरी उनमें सबसे बड़ा था। वह उस दूसरे लड़के का दूर का रिश्तेदार भी था जिसका शहतूत के निशानों वाला चेहरा उस भीषण आग की शाम के बाद से नहीं देखा गया था; लेकिन वह इतना बड़ा नहीं था कि यह समझ सके, और अगर उसे बताया जाता कि वह दूसरा लड़का हवाई जहाज से घर चला गया है, तो वह बिना किसी झंझट या अविश्वास के इस बात को मान लेता।

आज दोपहर हेनरी थोड़ा-बहुत नेतृत्व कर रहा था, क्योंकि बाकी दो बच्चे पर्सीवल और जॉनी थे, जो द्वीप के सबसे छोटे लड़के थे। पर्सीवल का रंग भूरा था और वह अपनी माँ को भी ज़्यादा आकर्षक नहीं लगता था; जॉनी अच्छी कद-काठी का था, उसके बाल सुनहरे थे और स्वभाव से ही वह लड़ाकू था। अभी वह आज्ञाकारी था क्योंकि उसे रुचि थी; और रेत में घुटने टेककर बैठे तीनों बच्चे शांत थे।

रॉजर और मौरिस जंगल से बाहर आए। आग जलाने की ड्यूटी से छुट्टी मिल गई थी और वे तैरने के लिए नीचे आए थे। रॉजर आगे-आगे चल रहा था, सीधे पत्थरों के ढेरों को लात मारकर गिराता हुआ, फूलों को मिट्टी में दबाता हुआ और चुने हुए पत्थरों को बिखेरता हुआ। मौरिस हंसते हुए उसके पीछे-पीछे आया और तबाही मचाने में उसका भी हाथ बटा दिया। तीनों छोटे बच्चे खेल रोककर ऊपर देखने लगे। संयोग से, जिन निशानों में उनकी दिलचस्पी थी, उन्हें छुआ तक नहीं गया था, इसलिए उन्होंने कोई विरोध नहीं किया। केवल पर्सीवल की आंखों में रेत भर जाने से वह रोने लगा और मौरिस जल्दी से वहां से चला गया। अपने पिछले जीवन में मौरिस को एक छोटे बच्चे की आंख में रेत डालने के लिए डांट पड़ी थी। अब, हालांकि कोई माता-पिता उसे डांटने के लिए नहीं थे, फिर भी मौरिस को अपने किए पर पछतावा हो रहा था। उसके मन में एक बहाने की अस्पष्ट रूपरेखा बन रही थी। उसने तैरने के बारे में कुछ बुदबुदाया और दौड़ पड़ा।

रॉजर वहीं रुका रहा और नन्हे-मुन्नों को देखता रहा। उसका रंग पहले से ज़्यादा गहरा नहीं हुआ था, लेकिन गर्दन से लेकर माथे तक फैले काले बालों का गुच्छा उसके उदास चेहरे पर जंच रहा था और जो पहले एकांत और अलगाव लग रहा था, उसे और भी डरावना बना रहा था। पर्सीवल का रोना बंद हुआ और वह खेलने लगा, क्योंकि आँसुओं से रेत धुल गई थी। जॉनी उसे नीली आँखों से देखता रहा; फिर रेत उछालने लगा और थोड़ी देर में पर्सीवल फिर रोने लगा।

जब हेनरी खेलते-खेलते थक गया और समुद्र तट पर घूमने लगा, तो रॉजर भी उसके पीछे-पीछे ताड़ के पेड़ों के नीचे से होते हुए उसी दिशा में धीरे-धीरे बहता चला गया। हेनरी ताड़ के पेड़ों और छाया से थोड़ी दूरी पर चल रहा था क्योंकि वह धूप से बचने के लिए बहुत छोटा था। वह समुद्र तट पर गया और पानी के किनारे पर कुछ देर के लिए व्यस्त हो गया। प्रशांत महासागर की विशाल लहरें आ रही थीं और हर कुछ सेकंड में लैगून का अपेक्षाकृत शांत पानी एक इंच आगे बढ़ रहा था। समुद्र के इस आखिरी बहाव में कुछ जीव रहते थे, छोटे-छोटे पारदर्शी जीव जो गर्म, सूखी रेत पर पानी के साथ भोजन की तलाश में आ रहे थे। अपनी सूक्ष्म इंद्रियों से वे इस नए क्षेत्र का निरीक्षण कर रहे थे।

शायद भोजन वहाँ प्रकट हो गया था जहाँ पिछली बार कुछ नहीं था; पक्षियों की बीट, कीड़े-मकोड़े, या शायद ज़मीन पर जीवन का बिखरा हुआ कोई अवशेष। आरी के अनगिनत छोटे-छोटे दांतों की तरह, वे पारदर्शी जीव समुद्र तट पर भोजन की तलाश में घूम रहे थे।

यह सब हेनरी के लिए बेहद दिलचस्प था। वह एक घिसी-पिटी, सफ़ेद पड़ चुकी और आवारा सी छड़ी से इधर-उधर कुरेदता रहा और जानवरों की हरकतों को नियंत्रित करने की कोशिश करता रहा। उसने छोटी-छोटी नालियाँ बनाईं जिन्हें ज्वार भर देता था और उनमें जीव-जंतुओं को भरने की कोशिश करता रहा। जैसे ही उसे लगा कि वह जीवित प्राणियों पर नियंत्रण कर रहा है, वह महज़ खुशी से कहीं ज़्यादा तल्लीन हो गया। वह उनसे बातें करता, उन्हें प्रेरित करता, उन्हें आदेश देता। ज्वार के कारण पीछे हटते हुए, उसके पदचिह्न खाड़ियाँ बन गए जिनमें वे फँस गए और उसे प्रभुत्व का भ्रम हुआ। वह पानी के किनारे घुटनों के बल बैठा रहा, झुका हुआ, उसके माथे और आँखों पर बालों का एक गुच्छा गिर रहा था, और दोपहर का सूरज उस पर अदृश्य तीर बरसा रहा था।

रॉजर भी इंतज़ार कर रहा था। पहले तो वह एक बड़े ताड़ के पेड़ के पीछे छिपा था; लेकिन हेनरी का पारदर्शी पर्दों में इतना मग्न होना स्पष्ट था कि आखिरकार वह सबके सामने आ गया। उसने समुद्र तट पर नज़र डाली। पर्सीवल रोता हुआ चला गया था, और जॉनी महलों पर विजयी कब्ज़ा जमाए बैठा था। वह वहाँ बैठा, गुनगुना रहा था और एक काल्पनिक पर्सीवल पर रेत फेंक रहा था। उसके पीछे, रॉजर को चबूतरा और पानी की फुहार की चमक दिखाई दे रही थी जहाँ राल्फ, साइमन, पिगी और मौरिस पूल में गोता लगा रहे थे। उसने ध्यान से सुना लेकिन उन्हें मुश्किल से ही सुन पा रहा था।

अचानक चली तेज़ हवा से ताड़ के पेड़ों की झाड़ियाँ हिल उठीं और फड़फड़ाने लगीं। रॉजर से साठ फीट ऊपर, रग्बी बॉल जितने बड़े रेशेदार कई अखरोट अपनी टहनियों से अलग होकर गिरे। वे ज़ोरदार आवाज़ के साथ उसके चारों ओर गिरे, लेकिन उसे ज़रा भी चोट नहीं आई। रॉजर ने भागने के बारे में नहीं सोचा, बल्कि अखरोटों से हेनरी की ओर और फिर वापस अखरोटों की ओर देखता रहा।

खजूर के पेड़ों के नीचे की मिट्टी एक उभरा हुआ किनारा थी, और पीढ़ियों से खजूर के पेड़ों ने दूसरे किनारे की रेत पर पड़े पत्थरों को यहाँ लाकर जमा कर दिया था। रॉजर झुका, एक पत्थर उठाया, निशाना साधा और हेनरी पर फेंका—लेकिन निशाना चूक गया। वह पत्थर, जो बीते समय का प्रतीक था, हेनरी के दाहिनी ओर पाँच गज उछला

और पानी में गिर गया। रॉजर ने मुट्ठी भर पत्थर उठाए और उन्हें फेंकना शुरू कर दिया। फिर भी हेनरी के चारों ओर एक खाली जगह थी, शायद छह गज व्यास की, जिसमें वह पत्थर फेंकने की हिम्मत नहीं कर सकता था। यहाँ, अदृश्य होते हुए भी शक्तिशाली, पुराने जीवन का निषेध मौजूद था। उकड़ू बैठे बच्चे के चारों ओर माता-पिता, स्कूल, पुलिस और कानून का संरक्षण था। रॉजर का हाथ एक ऐसी सभ्यता से बंधा हुआ था जो उसके बारे में कुछ नहीं जानती थी और खंडहर हो चुकी थी।

पानी में छप-छप की आवाज़ सुनकर हेनरी चौंक गया। उसने बिना आवाज़ वाले पारदर्शी पर्दे छोड़ दिए और एक पत्थर बोने वाले की तरह फैलते हुए छल्लों के बीचोंबीच इशारा किया। पत्थर इधर-उधर गिर रहे थे, और हेनरी आज्ञाकारी होकर मुड़ता रहा, लेकिन हवा में पत्थरों को देखने में हमेशा देर हो जाती थी। आखिरकार उसने एक पत्थर देखा और हँस पड़ा, अपने उस दोस्त को ढूंढने लगा जो उसे चिढ़ा रहा था। लेकिन रॉजर फिर से ताड़ के पेड़ के पीछे छिप गया था, उस पर झुककर तेज़ी से साँस ले रहा था, उसकी पलकें फड़फड़ा रही थीं। तब हेनरी का पत्थरों में इंटरेस्ट खत्म हो गया और वह इधर-उधर भटकने लगा।

“रोजर।”

जैक लगभग दस गज की दूरी पर एक पेड़ के नीचे खड़ा था। जब रोजर ने अपनी आँखें खोलीं और उसे देखा, तो उसकी सांवली त्वचा के नीचे एक गहरी छाया सी दिखाई दी; लेकिन जैक ने इस पर ध्यान नहीं दिया। वह उत्सुक, बेचैन और इशारे कर रहा था, इसलिए रोजर उसके पास चला गया।

नदी के अंत में एक छोटा सा तालाब था, जो रेत से घिरा हुआ था और सफेद कमल के फूलों और सुई जैसी पतली सरकंडियों से भरा हुआ था। यहाँ सैम और एरिक, और बिल इंतज़ार कर रहे थे। जैक, धूप से बचने के लिए, तालाब के किनारे घुटनों के बल बैठ गया और अपने साथ लाए दो बड़े पत्तों को खोला। उनमें से एक में सफेद मिट्टी थी, और दूसरे में लाल। उनके पास आग से उतारा हुआ कोयले का एक टुकड़ा पड़ा था।

काम करते हुए जैक ने रोजर को सब कुछ समझाया।

“वे मुझे सूंघ नहीं सकते। मुझे लगता है वे मुझे देख सकते हैं। पेड़ों के नीचे कुछ गुलाबी सा।”

उसने मिट्टी मल दी।

काश मेरे पास कुछ पैसे होते!

उसने अपना आधा छिपा हुआ चेहरा रोजर की ओर घुमाया और उसकी निगाहों में व्याप्त अनसमझ का जवाब दिया।
“शिकार के लिए। जैसे युद्ध में होता है। आप जानते हैं ना—चमकीला रंग। जैसे कोई चीज़ किसी और चीज़ जैसी दिखने की कोशिश करती है—” वह बताने की हड़बड़ी में मुड़ गया। “—जैसे पेड़ के तने पर पतंगे।”
रॉजर समझ गया और गंभीरता से सिर हिलाया। जुड़वाँ बच्चे जैक की ओर बढ़े और किसी बात पर दबी आवाज़ में विरोध करने लगे। जैक ने उन्हें हाथ से इशारा करके दूर कर दिया।
"चुप रहो।"
उसने अपने चेहरे पर लाल और सफेद धब्बों के बीच कोयले की छड़ी रगड़ी।
नहीं। तुम दोनों मेरे साथ आओ।
उसने अपनी परछाई को गौर से देखा और उसे नापसंद किया। वह नीचे झुका, दो मुट्ठी गुनगुना पानी लिया और अपने चेहरे से गंदगी को रगड़कर साफ किया। चेहरे पर झाइयां और सुनहरी भौहें दिखाई देने लगीं।
रॉजर अनिच्छा से मुस्कुराया।
तुम तो बिलकुल ही बेहाल दिख रहे हो।
जैक ने अपने नए चेहरे की योजना बनाई। उसने एक गाल और एक आँख के गड्ढे को सफेद रंग से रंगा, फिर अपने चेहरे के दूसरे आधे हिस्से पर लाल रंग मलकर दाहिने कान से बाएं जबड़े तक कोयले की एक काली पट्टी खींच दी। उसने तालाब में अपनी परछाई देखने की कोशिश की, लेकिन उसकी साँसों से परछाई में धुंधलापन छा गया।
“सामनरिक। मेरे लिए एक नारियल लाओ। एक खाली नारियल।”
वह पानी का प्याला पकड़े घुटनों के बल बैठ गया। सूर्य की एक गोलाकार किरण उसके चेहरे पर पड़ी और पानी की गहराई में एक चमक दिखाई दी। उसने विस्मय से देखा, अब वह खुद को नहीं बल्कि एक भयानक अजनबी को देख रहा था। उसने पानी उछाल दिया और उत्साह से हंसते हुए उछल पड़ा। तालाब के किनारे उसका गठीला शरीर एक मुखौटा लिए खड़ा था जिसने सबका ध्यान खींचा और उन्हें भयभीत कर दिया। वह नाचने लगा और उसकी हंसी खूनी गुर्राहट में बदल गई। वह बिल की ओर उछला-कूदा, और मुखौटा अपने आप में एक अलग चीज बन गया, जिसके पीछे जैक शर्म और आत्म-चेतना से मुक्त होकर छिपा हुआ था। लाल, सफेद और काले रंग का चेहरा हवा में

झूलता हुआ बिल की ओर बढ़ा। बिल हंसने लगा; फिर अचानक वह चुप हो गया और झाड़ियों के बीच से लड़खड़ाते हुए भाग गया।
जैक जुड़वा बच्चों की ओर दौड़ा।
“बाकी लोग कतार बना रहे हैं। चलो!”
"लेकिन--"
"--हम--"
“चलो! मैं चुपके से आकर वार करूँगा--”
मास्क ने उन्हें मजबूर कर दिया।
राल्फ नहाने के कुंड से बाहर निकला और दौड़ते हुए समुद्र तट पर पहुंचा और ताड़ के पेड़ों की छांव में बैठ गया। उसके सुनहरे बाल उसकी भौहों पर आ गए थे, जिन्हें उसने पीछे धकेल दिया। साइमन पानी में तैर रहा था और अपने पैरों से किक मार रहा था, और मौरिस गोता लगाने का अभ्यास कर रहा था। पिग्गी इधर-उधर घूम रहा था, बिना किसी उद्देश्य के चीजें उठा रहा था और उन्हें फेंक रहा था। जिन चट्टानी तालाबों ने उसे इतना आकर्षित किया था, वे ज्वार से ढक गए थे, इसलिए ज्वार उतरने तक उसकी उनमें कोई रुचि नहीं थी। थोड़ी देर बाद, राल्फ को ताड़ के पेड़ों के नीचे देखकर, वह उसके पास आया और बैठ गया।
पिग्गी ने फटे-पुराने शॉर्ट्स पहन रखे थे, उसका मोटा शरीर सुनहरे भूरे रंग का था, और चश्मा अब भी किसी भी चीज़ को देखते ही चमक उठता था। वह द्वीप का इकलौता लड़का था जिसके बाल कभी बढ़ते ही नहीं थे। बाकी सब के बाल झड़ चुके थे, लेकिन पिग्गी के बाल अब भी उसके सिर पर बिखरे हुए थे, मानो गंजापन ही उसकी स्वाभाविक अवस्था हो और यह अपूर्ण आवरण जल्द ही झड़ जाएगा, जैसे किसी युवा हिरण के सींगों पर लगा मखमल।
उन्होंने कहा, “मैं एक घड़ी के बारे में सोच रहा था। हम एक धूपघड़ी बना सकते हैं। हम रेत में एक छड़ी गाड़ सकते हैं, और फिर--”
इसमें शामिल गणितीय प्रक्रियाओं को व्यक्त करने का प्रयास बहुत अधिक था। इसलिए उन्होंने कुछ प्रयास किए।
“और एक हवाई जहाज, और एक टीवी सेट,” राल्फ ने चिढ़कर कहा, “और एक स्टीम इंजन।”
पिग्गी ने अपना सिर हिलाया।

उन्होंने कहा, "इसके लिए बहुत सारी धातु की चीजें चाहिए होती हैं, और हमारे पास धातु नहीं है। लेकिन हमारे पास एक छड़ी है।"
राल्फ मुड़ा और अनायास ही मुस्कुरा दिया। पिगी एक उबाऊ व्यक्ति था; उसका मोटापा, उसका अकड़ूपन और उसके व्यावहारिक विचार नीरस थे, लेकिन उसकी टांग खींचने में हमेशा थोड़ा आनंद मिलता था, भले ही यह गलती से ही क्यों न हो।
पिग्गी ने मुस्कान देखी और उसे मित्रता समझ लिया। बड़े बच्चों के बीच यह धारणा दबे-छिपे ही पनप गई थी कि पिग्गी एक बाहरी व्यक्ति है, न केवल लहजे के कारण, जो कि मायने नहीं रखता था, बल्कि मोटापे, नितंबों की बनावट, चश्मे और शारीरिक श्रम के प्रति उसकी अरुचि के कारण भी। अब, यह देखकर कि उसकी किसी बात से राल्फ मुस्कुराया है, वह बहुत खुश हुआ और उसने इसका पूरा फायदा उठाया।
“हमें बहुत सारी लकड़ियाँ मिलीं। हम सब एक-एक धूपघड़ी बना सकते थे। फिर हमें पता चल जाता कि समय क्या है।”
इससे भला क्या फायदा होगा?
“आपने कहा था कि आप काम करवाना चाहते हैं, ताकि हमें बचाया जा सके।”
"अरे, चुप रहो।"
वह उछलकर खड़ा हुआ और दौड़कर पूल की ओर भागा, तभी मौरिस ने एक खराब डाइव लगाई। राल्फ को विषय बदलने का मौका मिल गया, जिससे वह खुश हुआ। मौरिस के पानी से बाहर आते ही उसने जोर से चिल्लाया।
“पेट के बल गिरो! पेट के बल गिरो!”
मौरिस ने राल्फ को देखकर मुस्कुराया, जो आसानी से पानी में उतर गया। सभी लड़कों में, वह वहाँ सबसे सहज महसूस करता था; लेकिन आज, बचाव की बात सुनकर, उस बेकार और महत्वहीन बचाव की बात सुनकर, उसे इतना गुस्सा आया कि पानी की हरी गहराई और बिखरा हुआ सुनहरा सूरज भी उसे सुकून नहीं दे रहा था। खेलने के बजाय, वह साइमन के नीचे स्थिर गति से तैरता हुआ पूल के दूसरी तरफ रेंगकर बाहर आया और वहाँ एक सील की तरह चिकना और बहता हुआ लेट गया। पिगी, जो हमेशा अनाड़ी था, उठकर उसके पास आ गया, जिससे राल्फ पेट के बल लेट गया और अनदेखा करने का नाटक किया। मृगतृष्णा गायब हो गई थी और उदास मन से उसने क्षितिज की नीली रेखा पर अपनी नज़र दौड़ाई।
अगले ही पल वह अपने पैरों पर खड़ा हो गया और चिल्लाने लगा।
धुआँ! धुआँ!

साइमन ने पानी में उठने की कोशिश की और उसके मुँह में पानी भर गया। मॉरिस, जो गोता लगाने के लिए तैयार खड़ा था, लड़खड़ाकर पीछे की ओर उठा, चबूतरे की ओर भागा, फिर ताड़ के पेड़ों के नीचे घास पर वापस मुड़ गया। वहाँ उसने अपनी फटी हुई शॉर्ट्स को खींचना शुरू किया, ताकि वह किसी भी स्थिति के लिए तैयार रहे।
राल्फ एक हाथ से अपने बाल पकड़े खड़ा था, दूसरा हाथ मुट्ठी में बंद था। साइमन पानी से बाहर निकल रहा था। पिगी अपने चश्मे को शॉर्ट्स पर रगड़ रहा था और समुद्र को तिरछी नज़रों से देख रहा था। मौरिस ने अपने शॉर्ट्स के एक पैर में दोनों पैर डाल रखे थे। सभी लड़कों में से केवल राल्फ ही स्थिर खड़ा था।
“मुझे कहीं धुआँ नहीं दिख रहा,” पिग्गी ने अविश्वास से कहा। “मुझे कहीं धुआँ नहीं दिख रहा, राल्फ—यह कहाँ है?”
राल्फ ने कुछ नहीं कहा। अब उसने अपने दोनों हाथ माथे पर कसकर पकड़ रखे थे ताकि उसके सुनहरे बाल उसकी आँखों में न आएं। वह आगे की ओर झुका हुआ था और नमक के कारण उसका शरीर पहले से ही सफेद पड़ रहा था।
“राल्फ—जहाज कहाँ है?”
साइमन वहीं खड़ा रहा, राल्फ से क्षितिज की ओर देखता रहा। मौरिस की पतलून एक आह के साथ ढीली पड़ गई और उसने उसे उखड़े हुए रूप में वहीं छोड़ दिया, जंगल की ओर भागा और फिर वापस आ गया।
क्षितिज पर धुआँ एक छोटी सी गांठ की तरह फैला हुआ था और धीरे-धीरे खुल रहा था। धुएँ के नीचे एक बिंदु जैसा कुछ दिखाई दे रहा था, जो किसी फ़नल जैसा लग रहा था। राल्फ का चेहरा पीला पड़ गया था और वह खुद से बातें कर रहा था।
उन्हें हमारा धुआं दिख जाएगा।
पिग्गी अब सही दिशा में देख रहा था।
"यह कुछ खास नहीं दिखता।"
वह मुड़ा और पहाड़ की ओर देखने लगा। राल्फ लालच भरी निगाहों से जहाज को देखता रहा। उसके चेहरे पर रौनक लौट रही थी। साइमन चुपचाप उसके पास खड़ा रहा।
पिग्गी ने कहा, "मुझे पता है कि मैं ज्यादा कुछ नहीं देख पा रहा हूँ, लेकिन क्या हमें कोई धुआँ दिखाई दे रहा है?"
राल्फ अधीरता से हिलने लगा, अभी भी जहाज को देख रहा था।
पहाड़ पर धुआँ।

मौरिस दौड़ता हुआ आया और समुद्र की ओर देखने लगा। साइमन और पिग्गी दोनों पहाड़ की ओर देख रहे थे। पिग्गी ने अपना चेहरा बिगाड़ लिया, लेकिन साइमन ऐसे चिल्लाया जैसे उसे चोट लग गई हो।

“राल्फ! राल्फ!”

उसके भाषण की गुणवत्ता ने राल्फ को रेत पर ही मरोड़ दिया।

पिग्गी ने घबराकर कहा, "तुम ही बताओ। क्या कोई संकेत है?"

राल्फ ने क्षितिज में छंटते हुए धुएं की ओर पीछे मुड़कर देखा, फिर पहाड़ की ओर देखा।

“राल्फ—प्लीज़! क्या कोई सिग्नल है?”

साइमन ने डरते हुए राल्फ को छूने के लिए हाथ बढ़ाया; लेकिन राल्फ दौड़ने लगा, नहाने के कुंड के उथले हिस्से में छपछपाते हुए, गर्म, सफेद रेत पर से होते हुए ताड़ के पेड़ों के नीचे से निकल गया। एक पल बाद वह घनी झाड़ियों से जूझ रहा था जो पहले से ही निशान को ढक रही थीं। साइमन उसके पीछे दौड़ा, फिर मौरिस। पिग्गी चिल्लाया।

“राल्फ! कृपया—राल्फ!”

फिर वह भी दौड़ने लगा, लेकिन टेरेस पार करने से पहले ही वह मौरिस के उतारे हुए शॉर्ट्स पर ठोकर खाकर गिर पड़ा। चारों लड़कों के पीछे, धुआँ क्षितिज पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रहा था; और समुद्र तट पर, हेनरी और जॉनी पर्सीवल पर रेत फेंक रहे थे, जो फिर से चुपचाप रो रहा था; और तीनों को इस सब हलचल का ज़रा भी अंदाज़ा नहीं था।

जब तक राल्फ खाई के ज़मीनी छोर तक पहुँचा, तब तक वह अपनी कीमती साँसों को कोसने में लगा रहा था। उसने खुरदरी लताओं के बीच अपने नंगे शरीर को बुरी तरह रगड़ा, जिससे खून उसके ऊपर बहने लगा। ठीक जहाँ पहाड़ की खड़ी चढ़ाई शुरू होती थी, वहाँ वह रुक गया। मौरिस उससे कुछ ही गज पीछे था।

“पिग्गी का चश्मा!” राल्फ चिल्लाया। “अगर आग पूरी तरह बुझ गई है, तो हमें उसकी ज़रूरत पड़ेगी--”

वह चिल्लाना बंद करके अपने पैरों पर लड़खड़ाने लगा। पिग्गी मुश्किल से दिखाई दे रहा था, लड़खड़ाते हुए समुद्र तट से ऊपर आ रहा था। राल्फ ने क्षितिज की ओर देखा, फिर पहाड़ की ओर। क्या पिग्गी का चश्मा लाना बेहतर होता, या जहाज डूब चुका होता? या अगर वे जहाज पर चढ़ जाते, मान लीजिए कि आग पूरी तरह बुझ गई है, और उन्हें पिग्गी को पास रेंगते हुए और जहाज को क्षितिज के नीचे डूबते हुए देखना पड़ता? ज़रूरत की एक ऊँची चोटी पर संतुलन बनाते हुए, अनिर्णय से व्याकुल, राल्फ चिल्लाया:

हे भगवान, हे भगवान!
झाड़ियों से जूझते हुए साइमन ने गहरी सांस ली। उसका चेहरा बिगड़ा हुआ था। राल्फ लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ता रहा, खुद को बुरी तरह घायल किए हुए, जबकि धुएं का हल्का सा गुबार आगे बढ़ गया।
आग बुझ चुकी थी। उन्होंने यह तुरंत देख लिया; उन्हें वही एहसास हुआ जो उन्होंने समुद्र तट पर घर की यादों के धुएं के बीच महसूस किया था। आग बुझ चुकी थी, धुआं रहित और शांत; निगरानी करने वाले जा चुके थे। अप्रयुक्त ईंधन का ढेर तैयार पड़ा था।
राल्फ ने समुद्र की ओर देखा। क्षितिज दूर तक फैला हुआ था, एक बार फिर निर्जीव, धुएं के हल्के से निशान के अलावा कुछ भी नहीं। राल्फ चट्टानों पर लड़खड़ाता हुआ भागा, गुलाबी चट्टान के किनारे पर खुद को संभाला और जहाज पर चिल्लाया।
वापस आओ! वापस आओ!
वह चट्टान के किनारे आगे-पीछे दौड़ता रहा, उसका चेहरा हमेशा समुद्र की ओर था, और उसकी आवाज पागलों की तरह ऊंची होती जा रही थी।
वापस आओ! वापस आओ!
साइमन और मौरिस आ गए। राल्फ ने बिना पलक झपकाए उन्हें देखा। साइमन ने मुंह फेर लिया और अपने गालों से पानी पोंछा। राल्फ ने अपने भीतर से सबसे बुरा शब्द ढूंढने की कोशिश की।
उन्होंने उस आग को अपने आप बुझने दिया।
उसने पहाड़ के दुर्गम हिस्से की ओर देखा। पिग्गी हांफता हुआ और नन्हे बच्चे की तरह सिसकता हुआ पहुंचा। राल्फ ने मुट्ठी भींच ली और उसका चेहरा लाल हो गया। उसकी निगाहों की तीव्रता और आवाज की कड़वाहट उसकी ओर इशारा कर रही थी।
"वे वहां हैं।"
पानी के किनारे पड़े गुलाबी पत्थरों के बीच दूर से एक जुलूस दिखाई दिया। कुछ लड़कों ने काली टोपियाँ पहन रखी थीं, लेकिन बाकी लगभग नंगे थे। जब भी उन्हें कोई आसान जगह मिलती, वे सब मिलकर डंडे हवा में उठा लेते। वे कुछ मंत्र जप रहे थे, जिसका संबंध उन जुड़वां बच्चों के बंडल से था जिन्हें वे बड़ी सावधानी से ढो रहे थे। राल्फ ने इतनी दूरी से भी जैक को आसानी से पहचान लिया; लंबा, लाल बालों वाला, और निश्चित रूप से जुलूस का नेतृत्व कर रहा था।
साइमन ने अब राल्फ से जैक की ओर देखा, जैसे उसने राल्फ से क्षितिज की ओर देखा था, और जो उसने देखा उससे वह भयभीत हो गया। राल्फ ने कुछ नहीं कहा, बल्कि

जुलूस के पास आने का इंतज़ार किया। मंत्र सुनाई दे रहा था, लेकिन इतनी दूरी से अभी भी शब्दहीन था। जैक के पीछे जुड़वाँ भाई अपने कंधों पर एक बड़ा डंडा उठाए चल रहे थे। डंडे से एक सूअर का क्षत-विक्षत शव झूल रहा था, जो जुड़वाँ भाइयों के ऊबड़-खाबड़ ज़मीन पर मेहनत करने के कारण भारी-भार झूल रहा था। सूअर का सिर नीचे लटका हुआ था, गर्दन खुली हुई थी और ऐसा लग रहा था जैसे वह ज़मीन पर कुछ खोज रहा हो। अंत में, जले हुए लकड़ी और राख के ढेर के पार से मंत्र के शब्द उन तक पहुँचे।
“सूअर को मार डालो। उसका गला काट दो। उसका खून बहा दो।”
जैसे ही शब्द सुनाई देने लगे, जुलूस पहाड़ के सबसे ऊंचे हिस्से पर पहुंच गया, और एक-दो मिनट में ही मंत्रोच्चार बंद हो गया। पिग्गी सिसकने लगा और साइमन ने उसे जल्दी से चुप करा दिया, मानो उसने चर्च में बहुत जोर से बोल दिया हो।
जैक, जिसका चेहरा मिट्टी से सना हुआ था, सबसे पहले शिखर पर पहुंचा और भाला ऊपर उठाकर उत्साहपूर्वक राल्फ का अभिवादन किया।
“देखो! हमने एक सुअर को मार डाला—हम चुपके से उनके पास पहुँचे—हमने उन्हें घेर लिया—”
शिकारियों की आवाजें सुनाई देने लगीं।
हम एक घेरे में आ गए--
हम चुपके से आगे बढ़े--
“सूअर चीख उठा--”
जुड़वां भाई सूअर को अपने बीच में झुलाते हुए खड़े थे, जिससे चट्टान पर खून की काली बूंदें गिर रही थीं। ऐसा लग रहा था मानो दोनों के चेहरे पर एक ही तरह की खुशी भरी मुस्कान हो। जैक को राल्फ को एक साथ बहुत सी बातें बतानी थीं। इसलिए उसने एक-दो कदम नाचे, फिर अपनी गरिमा को याद किया और मुस्कुराते हुए स्थिर खड़ा हो गया। उसने अपने हाथों पर खून देखा और घृणा से मुंह बनाया, उन्हें साफ करने के लिए कुछ ढूंढा, फिर उन्हें अपनी शॉर्ट्स पर पोंछा और हंस पड़ा।
राल्फ बोला।
आपने आग को बुझने दिया।
जैक ने जाँच की, इस अप्रासंगिकता से थोड़ा चिढ़ते हुए भी, लेकिन इतना खुश था कि उसने इसे लेकर चिंता नहीं की।
“हम फिर से जोश जगा सकते हैं। राल्फ, तुम्हें हमारे साथ होना चाहिए था। हमने खूब मस्ती की। जुड़वा बच्चे गिर गए थे--”

“हमने सुअर को मारा--”
मैं ऊपर गिर पड़ा।
“मैंने सूअर का गला काट दिया,” जैक ने गर्व से कहा, और कहते हुए उसका हाथ थोड़ा काँप गया। “क्या मैं तुम्हारा गला उधार ले सकता हूँ, राल्फ, ताकि मैं तलवार की मूठ में एक निशान बना सकूँ?”
लड़के बातें करते और नाचते रहे। जुड़वाँ बच्चे मुस्कुराते रहे।
“वहाँ बहुत सारा खून था,” जैक हँसते और काँपते हुए बोला, “तुम्हें देखना चाहिए था!”
हम हर दिन शिकार पर जाएंगे--
राल्फ ने फिर से कर्कश आवाज में बात की। वह हिला तक नहीं था।
आपने आग को बुझने दिया।
इस पुनरावृत्ति से जैक बेचैन हो गया। उसने जुड़वा बच्चों की ओर देखा और फिर राल्फ की ओर।
उन्होंने कहा, "हमें उन्हें दौड़ में शामिल करना ही था, वरना अंगूठी के लिए पर्याप्त प्रतिभागी नहीं होते।"
उसे अपनी गलती का एहसास हुआ और उसका चेहरा लाल हो गया।
“आग बुझने को अभी एक-दो घंटे ही हुए हैं। हम दोबारा आग जला सकते हैं--”
उसने राल्फ के ज़ख्मी नग्न शरीर और उन चारों की खामोशी को देखा। अपनी खुशी में उदार होकर उसने उन्हें भी उस घटना में शामिल करने की कोशिश की। उसका मन यादों से भरा हुआ था; उन यादों से जो उन्हें तब मिलीं जब वे छटपटाते हुए सूअर के पास पहुँचे थे, यह ज्ञान कि उन्होंने एक जीवित प्राणी को अपनी चतुराई से काबू में कर लिया था, उस पर अपनी मर्ज़ी थोप दी थी, और एक लंबे, तृप्त पेय की तरह उसकी जान ले ली थी।
उसने अपनी बाहें चौड़ी कर लीं।
आपको खून देखना चाहिए था!
शिकारी अब पहले से ज़्यादा शांत थे, लेकिन इस पर वे फिर से भिनभिना उठे। राल्फ ने अपने बाल पीछे की ओर झटक दिए। एक हाथ उसने खाली क्षितिज की ओर उठाया। उसकी आवाज़ तेज़ और कर्कश थी, जिसने उन्हें सन्नाटे में ला दिया।
“वहाँ एक जहाज था।”
जैक को अचानक कई भयानक परिणामों का सामना करना पड़ा, इसलिए वह उनसे दूर हट गया। उसने सूअर पर हाथ रखा और चाकू निकाल लिया। राल्फ ने मुट्ठी भींचकर

अपना हाथ नीचे किया और उसकी आवाज कांप रही थी।
“वहाँ एक जहाज था। दूर। तुमने कहा था कि आग जलाए रखोगे और तुमने उसे बुझा दिया!” वह जैक की ओर एक कदम बढ़ा, जैक मुड़ा और उसकी ओर देखने लगा।
“हो सकता है उन्होंने हमें देख लिया हो। हो सकता है हम घर चले गए हों--”
यह पिग्गी के लिए असहनीय पीड़ादायक था, वह अपने नुकसान के दर्द में अपनी झिझक भूल गया। वह चीख-चीख कर रोने लगा:
“तुम और तुम्हारा खून, जैक मेरिड्यू! तुम और तुम्हारा शिकार! हम घर जा सकते थे--”
राल्फ ने पिग्गी को एक तरफ धकेल दिया।
“मैं मुखिया था, और तुम्हें वही करना था जो मैं कहता था। तुम सिर्फ बातें करते हो। लेकिन तुम झोपड़ियाँ भी नहीं बना सकते—फिर तुम शिकार पर चले जाते हो और आग बुझा देते हो—”
वह मुंह फेरकर एक पल के लिए चुप हो गया। फिर भावनाओं के चरम पर पहुंचकर उसकी आवाज फिर से सुनाई दी।
“वहाँ एक जहाज था--”
छोटे शिकारियों में से एक रोने लगा। भयावह सच्चाई धीरे-धीरे सबको समझ आ रही थी। जैक का चेहरा लाल हो गया और वह सूअर को नोंचते और खींचते हुए उसे बुरी तरह काट रहा था।
“काम बहुत ज्यादा था। हमें सबकी जरूरत थी।”
राल्फ मुड़ा।
“आश्रय स्थल बनकर तैयार हो जाने पर आप सभी को अपने पास रख सकते थे। लेकिन आपको शिकार करना पड़ा--”
हमें मांस की जरूरत थी।
यह कहते हुए जैक खड़ा हो गया, उसके हाथ में खून से सना चाकू था। दोनों लड़के आमने-सामने खड़े हो गए। एक तरफ शिकार, रणनीति, रोमांच और कौशल की शानदार दुनिया थी; और दूसरी तरफ लालसा और उलझन भरी सामान्य समझ की दुनिया थी। जैक ने चाकू को अपने बाएं हाथ में लिया और चिपके हुए बालों को हटाते हुए माथे पर खून मल दिया।
पिग्गी ने फिर से बोलना शुरू किया।
“तुम्हें उस आग को बुझने नहीं देना चाहिए था। तुमने कहा था कि तुम धुआँ जारी रखोगे--”

पिग्गी की ये बात और कुछ शिकारियों की सहमति भरी चीखें सुनकर जैक हिंसक हो उठा। उसकी नीली आँखों में क्रोध झलक रहा था। उसने एक कदम बढ़ाया और आखिरकार किसी को चोट पहुँचाने का मौका पाकर पिग्गी के पेट में मुक्का मार दिया। पिग्गी दर्द से कराहते हुए बैठ गया। जैक उसके ऊपर खड़ा था। उसकी आवाज़ अपमान से भरी हुई थी।

“तुम ऐसा करोगे, है ना? मोटे!”

राल्फ ने एक कदम आगे बढ़ाया और जैक ने पिग्गी के सिर पर थप्पड़ मारा। पिग्गी का चश्मा उड़कर चट्टानों पर जा गिरा और खनकने लगा। पिग्गी डर के मारे चीख उठा:

“मेरे चश्मे!”

वह झुककर चट्टानों को टटोलने लगा, लेकिन साइमन, जो वहाँ पहले पहुँच गया था, ने उसके लिए उन्हें खोज निकाला। पहाड़ की चोटी पर साइमन के चारों ओर भयानक जुनून उमड़ रहा था।

एक तरफ से टूट गया है।

पिग्गी ने चश्मा उठाया और पहन लिया। उसने जैक को दुर्भावना भरी निगाहों से देखा।

मुझे वो चश्मा चाहिए। अब मेरे पास सिर्फ एक ही आंख है। बस तुम इंतजार करो--"

जैक पिगी की ओर बढ़ा, लेकिन पिगी तब तक पीछे हटता रहा जब तक कि उनके बीच एक बड़ी चट्टान नहीं आ गई। उसने अपना सिर चट्टान के ऊपर से निकाला और अपने एकमात्र चमकते शीशे से जैक को घूरने लगा।

“अब मेरे पास सिर्फ एक ही आंख बची है। बस तुम इंतजार करो--”

जैक ने रोने और भागने की नकल की।

“बस तुम इंतज़ार करो—हाँ!”

पिग्गी और उसकी पैरोडी इतनी मज़ेदार थी कि शिकारी भी हंसने लगे। जैक को हौसला मिला। वह आगे बढ़ता रहा और हंसी उन्माद के तूफान में तब्दील हो गई। अनजाने में राल्फ के होंठ फड़कने लगे; उसे खुद पर गुस्सा आ रहा था कि उसने हार मान ली।

वह बड़बड़ाया।

"यह एक घटिया चाल थी।"

जैक नाचते-नाचते रुका और राल्फ के सामने खड़ा हो गया। उसके शब्द चीख की तरह निकले।

“ठीक है, ठीक है!”

उसने पिग्गी की तरफ, शिकारियों की तरफ और राल्फ की तरफ देखा।

मुझे खेद है। आग के बारे में, मेरा मतलब है। वहाँ। मैं--"
उसने खुद को सीधा खड़ा किया।
"--मैं क्षमाप्रार्थी हूं।"
शिकारियों के बीच जैक के इस नेक व्यवहार की प्रशंसा का माहौल था। स्पष्ट रूप से वे मानते थे कि जैक ने उचित कार्य किया है, अपनी उदार क्षमा से उसने स्वयं को सही साबित किया है और राल्फ को, अप्रत्यक्ष रूप से, गलत ठहराया है। वे एक उचित और शालीन उत्तर की प्रतीक्षा कर रहे थे।
फिर भी राल्फ के गले से एक शब्द भी नहीं निकला। जैक के दुर्व्यवहार के साथ-साथ इस शातिर जुबानी चाल को लेकर वह बेहद नाराज़ था। आग बुझ चुकी थी, जहाज़ जा चुका था। क्या वे देख नहीं पा रहे थे? शालीनता की जगह क्रोध उसके गले से निकला।
"यह एक घटिया चाल थी।"
पहाड़ की चोटी पर वे चुप थे, तभी जैक की आंखों में एक धुंधली सी नजर आई और फिर उसकी मृत्यु हो गई।
राल्फ का आखिरी शब्द एक अप्रिय बड़बड़ाहट थी।
“ठीक है। आग जलाओ।”
कुछ सकारात्मक कदम उठाए जाने से तनाव कुछ हद तक कम हो गया। राल्फ चुप रहा, कुछ नहीं किया, बस अपने पैरों के आसपास की राख को देखता रहा। जैक बहुत शोर मचा रहा था और सक्रिय था। वह आदेश दे रहा था, गा रहा था, सीटी बजा रहा था, चुप राल्फ पर ताने मार रहा था—ऐसे ताने जिनका जवाब देने की ज़रूरत नहीं थी, और इसलिए उन्हें नज़रअंदाज़ भी नहीं किया जा सकता था; फिर भी राल्फ चुप रहा। किसी ने भी, यहाँ तक कि जैक ने भी, उसे हटने के लिए नहीं कहा और अंत में उन्हें आग तीन गज दूर, एक ऐसी जगह पर जलानी पड़ी जो वास्तव में उतनी सुविधाजनक नहीं थी।
इस प्रकार राल्फ ने अपनी सरदारी का दावा किया और अगर वह दिनों तक सोचता भी तो इससे बेहतर रास्ता नहीं चुन सकता था। इस अवर्णनीय और इतने प्रभावी हथियार के सामने जैक शक्तिहीन था और बिना कारण जाने ही क्रोधित होता रहा। जब तक ढेर बनकर तैयार हुआ, वे एक ऊँची दीवार के अलग-अलग किनारों पर थे।
आग पर काबू पाने के बाद एक और संकट खड़ा हो गया। जैक के पास आग जलाने का कोई साधन नहीं था। तभी, हैरानी की बात यह थी कि राल्फ पिगी के पास गया और उससे चश्मा ले लिया। राल्फ को भी नहीं पता था कि कैसे उसके और जैक के बीच का रिश्ता टूट गया और कहीं और जुड़ गया।

मैं उन्हें वापस ले आऊंगा।
मैं भी आऊंगा।
पिग्गी उसके पीछे खड़ा था, मानो अर्थहीन रंगों के सागर में डूबा हुआ हो, जबकि राल्फ घुटनों के बल बैठकर उस चमकदार धब्बे पर ध्यान केंद्रित कर रहा था। पल भर में आग भड़क उठी, पिग्गी ने हाथ बढ़ाकर चश्मा वापस पकड़ लिया।
बैंगनी, लाल और पीले रंग के इन बेहद आकर्षक फूलों के सामने सारी निर्दयता गायब हो गई। वे सब एक अलाव के चारों ओर लड़कों के एक घेरे में सिमट गए और पिगी और राल्फ भी उनमें आधे-अधूरे मन से शामिल हो गए। जल्द ही कुछ लड़के और लकड़ी लाने के लिए ढलान से नीचे दौड़ पड़े जबकि जैक सूअर को काट रहा था। उन्होंने पूरे शव को आग के ऊपर एक डंडे पर लटकाने की कोशिश की, लेकिन डंडा सूअर के भुनने से भी तेज़ी से जल गया। अंत में उन्होंने मांस के टुकड़ों को शाखाओं पर पिरोकर आग में रखा: और तब भी मांस के साथ-साथ लगभग उतना ही लड़का भी भुन गया।
राल्फ के मुंह में पानी आ गया। उसका इरादा मांस न खाने का था, लेकिन फलों और मेवों के साथ कभी-कभार केकड़े या मछली खाने की आदत ने उसे ज्यादा प्रतिरोध नहीं करने दिया। उसने अधपके मांस का एक टुकड़ा उठाया और उसे भेड़िये की तरह कुतरने लगा।
पिग्गी बोलते हुए लार भी टपका रहा था।
"क्या मुझे कुछ नहीं मिल रहा है?"
जैक उसे संदेह में छोड़ना चाहता था, ताकि वह अपनी शक्ति का प्रदर्शन कर सके; लेकिन पिगी ने अपनी चूक का प्रचार करके और अधिक क्रूरता को आवश्यक बना दिया।
"तुमने शिकार नहीं किया।"
“राल्फ ने भी ऐसा नहीं किया,” पिग्गी ने भीगी आवाज़ में कहा, “न ही साइमन ने।” उसने अपनी बात को और स्पष्ट करते हुए कहा, “केकड़े में आधा-आधा मांस से ज़्यादा कुछ नहीं होता।”
राल्फ बेचैनी से हिलने लगा। जुड़वा बच्चों और पिगी के बीच बैठा साइमन अपना मुंह पोंछकर मांस का टुकड़ा चट्टानों के ऊपर से पिगी की ओर बढ़ा दिया, जिसे पिगी ने झट से पकड़ लिया। जुड़वा बच्चे खिलखिला उठे और साइमन शर्म से अपना चेहरा नीचे कर लिया।

फिर जैक उछलकर खड़ा हो गया, मांस का एक बड़ा टुकड़ा काटकर साइमन के पैरों पर फेंक दिया।
“खाओ! तुम पर लानत है!”
उसने साइमन को घूरकर देखा।
"इसे लें!"
वह अपनी एड़ी पर घूमा और लड़कों के एक अचंभित घेरे के केंद्र में आ गया।
मैं तुम्हारे लिए मांस लाया हूँ!
असंख्य और अवर्णनीय निराशाओं के संयोजन ने उनके क्रोध को मौलिक और विस्मयकारी बना दिया।
मैंने अपना चेहरा रंगा—मैं चुपके से आई। अब तुम सब खाओ—और मैं—”
पहाड़ की चोटी पर सन्नाटा धीरे-धीरे गहराता गया, यहाँ तक कि आग की चटकने की आवाज़ और मांस के भुनने की हल्की फुसफुसाहट ही सुनाई देने लगी। जैक ने चारों ओर नज़र घुमाई, उसे केवल सम्मान ही मिला। राल्फ संकेत वाली आग की राख के बीच खड़ा था, उसके हाथ मांस से भरे हुए थे, वह कुछ नहीं बोल रहा था।
फिर अंततः मौरिस ने चुप्पी तोड़ी। उसने विषय को उस एकमात्र विषय की ओर मोड़ दिया जो उनमें से अधिकांश को एक साथ ला सकता था।
“तुम्हें यह सुअर कहाँ मिला?”
रॉजर ने उस खतरनाक किनारे की ओर इशारा करते हुए कहा, "वे वहाँ थे - समुद्र के किनारे।"
जैक, जो अब ठीक हो रहा था, अपनी कहानी सुनाए जाने को सहन नहीं कर सका। उसने तुरंत बीच में दखल दिया।
“हम चारों ओर फैल गए। मैं हाथों और घुटनों के बल रेंगता हुआ आगे बढ़ा। भाले गिर गए क्योंकि उनमें कांटे नहीं थे। सूअर भाग गया और भयानक शोर मचाता हुआ चला गया--”
“वह वापस मुड़ा और खून बहते हुए घेरे में भाग गया--”
सभी लड़के एक साथ बोलने लगे, राहत और उत्साह से भरे हुए।
“हम करीब पहुँच गए--”
पहले ही प्रहार से उसके पिछले हिस्से लकवाग्रस्त हो गए थे, इसलिए घेरा कसता गया और लगातार वार करता रहा--
मैंने सूअर का गला काट दिया--

जुड़वां बच्चे, जिनके चेहरे पर अब भी एक जैसी मुस्कान थी, उछल पड़े और एक-दूसरे के चारों ओर दौड़ने लगे। फिर बाकी बच्चे भी उनके साथ शामिल हो गए और सूअर के मरने जैसी आवाजें निकालने लगे और चिल्लाने लगे।
"उसके लिंग के लिए एक!"
उसे चार पैसे का एक सिक्का दे दो!
फिर मौरिस ने सूअर होने का नाटक किया और चीखता हुआ बीच में भागा, और शिकारी, जो अभी भी घेरा बनाकर खड़े थे, उसे पीटने का नाटक करने लगे। नाचते-नाचते वे गाने भी गाने लगे।
“सूअर को मार डालो। उसका गला काट दो। उसे बुरी तरह पीट दो।”
राल्फ उन्हें ईर्ष्या और द्वेष से देखता रहा। जब तक वे थक नहीं गए और मंत्रोच्चार बंद नहीं हो गया, तब तक उसने कुछ नहीं कहा।
मैं एक सभा बुला रहा हूँ।
वे एक-एक करके रुक गए और उसे देखने लगे।
“शंख बजाकर। मैं एक सभा बुला रहा हूँ, चाहे हमें अंधेरे में ही क्यों न जाना पड़े। मंच पर। जब मैं इसे बजाऊँगा। अभी।”
वह मुड़कर पहाड़ से नीचे की ओर चला गया।

मक्खियों के भगवान

अध्याय पाँच: जल से निकला राक्षस

ज्वार आ रहा था और पानी तथा ताड़ के पेड़ों के पास की सफेद, फिसलन भरी घास के बीच केवल एक पतली, मजबूत रेत की पट्टी थी। राल्फ ने उस मजबूत पट्टी को अपना रास्ता चुना क्योंकि उसे सोचने की ज़रूरत थी, और केवल यहीं वह अपने पैरों को बिना देखे चलने दे सकता था। अचानक, पानी के किनारे टहलते हुए, वह आश्चर्य से भर गया। उसे इस जीवन की नीरसता समझ में आ गई, जहाँ हर रास्ता एक तात्कालिक निर्णय होता है और जागते हुए जीवन का एक बड़ा हिस्सा अपने पैरों को देखते हुए बीतता है।

वह उस पट्टी की ओर मुँह करके रुक गया; और उस पहले उत्साहपूर्ण अन्वेषण को याद करते हुए, मानो वह उसके उज्ज्वल बचपन का हिस्सा हो, उसने व्यंग्यात्मक मुस्कान दी। फिर वह मुड़ा और सूरज की रोशनी में चबूतरे की ओर वापस चल पड़ा। सभा का समय आ गया था और जैसे ही वह सूर्य की रोशनी में प्रवेश कर रहा था, उसने अपने भाषण के बिंदुओं पर ध्यान से विचार किया। इस सभा के बारे में कोई गलती नहीं होनी चाहिए, कोई काल्पनिक बात नहीं होनी चाहिए। . . .

वह विचारों के एक ऐसे भंवर में खो गया, जिसे व्यक्त करने के लिए शब्दों की कमी के कारण वह अस्पष्ट हो गया था। माथे पर शिकन लिए उसने फिर से कोशिश की।

यह बैठक मनोरंजन के लिए नहीं, बल्कि व्यावसायिक होनी चाहिए।

यह सोचकर वह और तेज़ चलने लगा, उसे अचानक ही जल्दबाजी का एहसास हुआ, ढलते सूरज का और उसकी तेज़ गति से पैदा हुई हल्की हवा का जो उसके चेहरे को छू रही थी। इस हवा ने उसकी धूसर कमीज़ को उसकी छाती से दबा दिया, जिससे उसे—समझदारी की इस नई अवस्था में—यह महसूस हुआ कि उसकी सिलवटें गत्ते की तरह सख्त और अप्रिय थीं; उसने यह भी देखा कि उसकी शॉर्ट्स के फटे किनारे उसकी जांघों के सामने एक असहज, गुलाबी निशान बना रहे थे। मन में एक हलचल के साथ, राल्फ ने गंदगी और सड़न को देखा, उसे समझ आया कि उसे अपनी आंखों से उलझे बालों को बार-बार हटाना कितना नापसंद था, और अंत में, जब सूरज डूब गया, तो सूखी पत्तियों के बीच आराम करने के लिए शोर मचाते हुए लुढ़कना कितना बुरा लगता था। यह सोचकर वह दौड़ने लगा।

स्नान कुंड के पास का समुद्र तट सभा की प्रतीक्षा में लड़कों के समूहों से भरा हुआ था। वे चुपचाप उसके लिए रास्ता बनाते गए, क्योंकि वे उसकी गंभीर मनोदशा और आग में हुई गड़बड़ी से अवगत थे।

जिस सभा स्थल पर वह खड़ा था, वह लगभग त्रिभुजाकार था; लेकिन अनियमित और अधूरा, जैसा कि उनकी बनाई हर चीज़ होती थी। सबसे पहले वह लट्ठा था जिस पर वह स्वयं बैठा था; एक सूखा पेड़ जो चबूतरे के लिए असाधारण रूप से बड़ा रहा होगा। शायद प्रशांत महासागर के उन प्रसिद्ध तूफानों में से किसी एक ने इसे यहाँ खिसका दिया था। यह ताड़ का तना समुद्र तट के समानांतर पड़ा था, इसलिए जब राल्फ बैठता था तो उसका मुख द्वीप की ओर होता था, लेकिन लड़कों को वह लैगून की झिलमिलाती रोशनी में एक धुंधली आकृति जैसा दिखाई देता था। जिस त्रिभुज का आधार वह लट्ठा था, उसकी दोनों भुजाएँ उतनी स्पष्ट नहीं थीं। दाईं ओर एक लट्ठा था जिसके ऊपर बेचैन

बैठने की जगहें बनी हुई थीं, लेकिन वह मुखिया के लट्ठे जितना बड़ा और आरामदायक नहीं था। बाईं ओर चार छोटे लट्ठे थे, जिनमें से एक - सबसे दूर वाला - दुर्भाग्य से बहुत लचीला था। कई सभाएँ तब हंसी से गूंज उठी थीं जब कोई बहुत पीछे झुक जाता था और लट्ठा उछलकर आधा दर्जन लड़कों को पीछे घास में फेंक देता था। फिर भी, उसने देखा, किसी में भी इतनी अक्ल नहीं थी - न उसमें, न जैक में, न पिग्गी में - कि पत्थर लाकर उसे फंसा दे। इसलिए वे उस असंतुलित बवंडर को सहते रहेंगे, क्योंकि... एक बार फिर वह गहरे पानी में खो गया।

प्रत्येक पेड़ के तने के सामने घास घिस चुकी थी, लेकिन त्रिभुज के केंद्र में घास लंबी और अछूती उगी हुई थी। फिर, शीर्ष पर, घास फिर से घनी थी क्योंकि वहाँ कोई नहीं बैठता था। सभा स्थल के चारों ओर भूरे रंग के तने सीधे या झुके हुए खड़े थे और पत्तियों की नीची छत को सहारा दे रहे थे। दो तरफ समुद्र तट था; पीछे लैगून; सामने द्वीप का अंधकार।

राल्फ मुखिया की कुर्सी की ओर मुड़ा। इससे पहले उनकी सभा कभी इतनी देर तक नहीं हुई थी। इसीलिए यह जगह इतनी अलग दिख रही थी। आम तौर पर हरी छत का निचला हिस्सा सुनहरी रोशनी से जगमगाता रहता था, और उनके चेहरे उल्टे दिखाई देते थे—जैसे, राल्फ ने सोचा, जैसे हाथों में बिजली की टॉर्च पकड़ी हो। लेकिन अब सूरज एक तरफ से तिरछी रोशनी डाल रहा था, जिससे परछाइयाँ वहीं थीं जहाँ उन्हें होना चाहिए था।

एक बार फिर वह चिंतन के उस विचित्र भाव में डूब गया, जो उसके लिए बिल्कुल नया था। यदि ऊपर या नीचे से प्रकाश पड़ने पर चेहरे अलग-अलग दिखते हैं, तो चेहरा क्या है? कोई भी चीज़ क्या है?

राल्फ बेचैनी से हिलने लगा। समस्या यह थी कि अगर आप मुखिया हैं तो आपको सोचना पड़ता है, आपको बुद्धिमान होना पड़ता है। और फिर मौका हाथ से निकल जाता है, जिससे आपको तुरंत फैसला लेना पड़ता है। इससे आपको सोचने पर मजबूर होना पड़ता है; क्योंकि सोच एक मूल्यवान चीज है, जिससे परिणाम मिलते हैं।

लेकिन, राल्फ ने मुखिया की कुर्सी की ओर मुँह करते हुए तय किया, मैं सोच नहीं सकता। पिग्गी की तरह नहीं।

उस शाम एक बार फिर राल्फ को अपने मूल्यों में बदलाव करना पड़ा। पिग्गी सोच सकता था। वह उसके मोटे दिमाग में कदम-दर-कदम झाँक सकता था, लेकिन पिग्गी

कोई सरदार नहीं था। फिर भी, अपने बेतुके शरीर के बावजूद, पिगी में बुद्धि थी। राल्फ अब विचारों का विशेषज्ञ बन चुका था और दूसरों के विचारों को पहचान सकता था।
सूरज की रोशनी उसकी आँखों में पड़ रही थी, जिससे उसे समय के बीतने का एहसास हो रहा था। इसलिए उसने पेड़ से शंख उतारा और उसकी सतह को ध्यान से देखा। हवा के संपर्क में आने से उसका पीला और गुलाबी रंग फीका पड़कर लगभग सफेद और पारदर्शी हो गया था। हालाँकि उसने खुद ही शंख को झील से निकाला था, फिर भी राल्फ के मन में उसके लिए एक तरह का स्नेह और श्रद्धा का भाव था। वह सभा स्थल की ओर मुड़ा और शंख को अपने होठों से लगाया।
बाकी लोग इसी का इंतज़ार कर रहे थे और तुरंत आ गए। जिन लोगों को पता था कि आग बुझने के दौरान एक जहाज़ द्वीप के पास से गुज़रा था, वे राल्फ के गुस्से के डर से शांत हो गए; वहीं, छोटे बच्चों समेत जिन लोगों को इस बात का पता नहीं था, वे चारों ओर फैली गंभीरता से प्रभावित हुए। सभा स्थल जल्दी ही भर गया; जैक, साइमन, मौरिस और ज़्यादातर शिकारी राल्फ के दाहिनी ओर बैठ गए; बाकी लोग बाईं ओर, धूप में। पिगी आया और त्रिकोण के बाहर खड़ा हो गया। इससे यह संकेत मिलता था कि वह सुनना तो चाहता है, लेकिन बोलेगा नहीं; और पिगी ने इसे असहमति जताने के इशारे के तौर पर इस्तेमाल किया।
बात यह है कि हमें एक सभा की जरूरत है।
किसी ने कुछ नहीं कहा, लेकिन राल्फ की ओर मुड़े हुए सभी चेहरे ध्यान से सुन रहे थे। उसने शंख लहराया। उसने व्यावहारिक रूप से सीख लिया था कि इस तरह के मूलभूत कथनों को कम से कम दो बार दोहराना पड़ता है, तभी सब समझ पाते हैं। उसे बैठकर, सबकी निगाहें शंख की ओर खींचनी पड़ती थीं, और फिर छोटे-छोटे समूहों में बैठे लोगों के बीच भारी गोल पत्थरों की तरह शब्द बिखेरने पड़ते थे। वह सरल शब्दों की तलाश कर रहा था ताकि छोटे बच्चे भी समझ सकें कि सभा किस बारे में है। बाद में शायद, अनुभवी वाद-विवादकर्ता—जैक, मौरिस, पिगी—अपनी कला का इस्तेमाल करके सभा को अपने हिसाब से मोड़ देंगे: लेकिन अभी शुरुआत में ही वाद-विवाद का विषय स्पष्ट रूप से बताना ज़रूरी है।
“हमें एक सभा की ज़रूरत है। मनोरंजन के लिए नहीं। हँसने-हँसने और बेवकूफी करने के लिए नहीं”—ट्विस्टर पर बैठे छोटे बच्चों का समूह खिलखिलाया और एक-दूसरे की ओर देखने लगा—“मज़ाक करने के लिए नहीं, या”—उसने सही शब्द खोजने की

कोशिश में शंख उठाया—"चतुराई दिखाने के लिए नहीं। इन सब बातों के लिए नहीं। बल्कि चीज़ों को स्पष्ट करने के लिए।"
वह एक पल के लिए रुका।
"मैं अकेला था। मैं अकेले ही गया, सोच रहा था कि क्या सही है और क्या गलत। मुझे पता है कि हमें क्या चाहिए। चीजों को सुलझाने के लिए एक सभा। और सबसे पहले, मैं बोल रहा हूँ।"
वह एक पल के लिए रुका और अनायास ही अपने बाल पीछे कर लिए। पिगी दबे पांव त्रिकोण की ओर बढ़ा, अपना बेअसर विरोध जताते हुए, और दूसरों के साथ शामिल हो गया।
राल्फ बोलता रहा।
"हमारी कई सभाएँ होती हैं। सबको बोलना और साथ रहना अच्छा लगता है। हम फैसले लेते हैं, लेकिन वे पूरे नहीं होते। हमने सोचा था कि नदी से पानी लाकर नारियल के खोलों में ताज़े पत्तों के नीचे रख देंगे। कुछ दिनों तक ऐसा ही हुआ। अब पानी नहीं है। खोल सूख गए हैं। लोग नदी से पानी पीते हैं।"
सहमति की हल्की फुसफुसाहट सुनाई दी।
"ऐसा नहीं है कि नदी का पानी पीने में कोई बुराई है। मेरा मतलब है, मैं उस जगह का पानी पीना ज़्यादा पसंद करूँगा—मतलब, वो तालाब जहाँ झरना है—बजाय किसी पुराने नारियल के खोल से पानी पीने के। बस हमने कहा था कि हम पानी मंगवा लेंगे। और अब नहीं। आज दोपहर वहाँ सिर्फ़ दो भरे हुए नारियल के खोल थे।"
उसने अपने होंठ चाटे।
फिर झोपड़ियाँ हैं। आश्रय स्थल हैं।
वह गुनगुनाहट फिर से तेज हुई और धीरे-धीरे शांत हो गई।
"तुम लोग ज्यादातर आश्रयों में सोते हो। आज रात, आग के पास सो रहे सैमनेरिक को छोड़कर, तुम सब वहीं सोओगे। ये आश्रय किसने बनवाए?"
अचानक शोर मच गया। सभी ने आश्रय बना लिए थे। राल्फ को एक बार फिर शंख बजाना पड़ा।
"एक मिनट रुको! मतलब, ये तीनों किसने बनाए? पहला तो हम सबने मिलकर बनाया, दूसरा हम चार लोगों ने और वो आखिरी वाला मैंने और साइमन ने बनाया है। इसीलिए तो वो इतना डगमगा रहा है। नहीं। हंसो मत। अगर बारिश दोबारा आई तो वो शेल्टर गिर सकता है। तब हमें उन शेल्टरों की ज़रूरत पड़ेगी।"

वह रुका और उसने अपना गला साफ किया।
“एक और बात है। हमने नहाने के कुंड के ठीक आगे वाली उन चट्टानों को शौचालय के रूप में चुना। यह भी समझदारी भरा फैसला था। ज्वार-भाटे से जगह साफ हो जाती है। तुम छोटे बच्चे इसके बारे में जानते ही हो।”
इधर-उधर हल्की फुसफुसाहटें और एक-दूसरे को सरसरी नजरों से देखना सुनाई दिया।
“अब तो लोग कहीं भी पेशाब करने लगते हैं। यहाँ तक कि आश्रय स्थलों और चबूतरे के पास भी। तुम नन्हे-मुन्नों, जब तुम फल लेने जाते हो; अगर तुम्हें अचानक पेशाब आ जाए तो--”
सभा में जोरदार जयकार हुई।
मैंने कहा था कि अगर आपको अचानक से चोट लग जाए तो फल से दूर रहो। यह गंदा है!
हंसी फिर से गूंज उठी।
मैंने कहा, यह गंदा है!
उसने अपनी कड़क, धूसर कमीज को खींचा।
“ये तो बहुत गंदा है। अगर अचानक से रुकना पड़े तो सीधे समुद्र तट के किनारे-किनारे चट्टानों तक चले जाओगे। समझे?”
पिग्गी ने शंख के लिए हाथ बढ़ाया, लेकिन राल्फ ने सिर हिला दिया। उसका भाषण सुनियोजित था, बिंदुवार तैयार किया गया था।
“हमें फिर से पत्थरों का इस्तेमाल करना होगा। यह जगह गंदी होती जा रही है।” वह रुका। सभा में मौजूद लोग संकट को भांपते हुए उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रहे थे। “और फिर: आग के बारे में।”
राल्फ ने एक हल्की सी आह भरी, जिसे सुनकर आसपास के लोग भी हांफने लगे। जैक ने चाकू से लकड़ी का एक टुकड़ा छीलना शुरू किया और रॉबर्ट से कुछ फुसफुसाया, लेकिन रॉबर्ट ने नज़रें फेर लीं।
“द्वीप पर आग सबसे महत्वपूर्ण चीज है। अगर हम आग जलाए नहीं रखेंगे, तो भाग्य के अलावा हमें कैसे बचाया जा सकेगा? क्या आग जलाना हमारे बस की बात नहीं है?”
उसने अपना एक हाथ आगे बढ़ाया।
“हमें देखो! हम कितने हैं? फिर भी हम धुआं पैदा करने के लिए आग को जलाए नहीं रख सकते। क्या तुम समझते नहीं? क्या तुम्हें नहीं दिखता कि हमें आग को बुझने देने से पहले

मर जाना चाहिए?”
शिकारियों के बीच हल्की-हल्की हंसी गूंज उठी। राल्फ ने जोश से उनकी ओर रुख किया।
“तुम शिकारी हो! हंसो! लेकिन मैं तुमसे कहता हूं कि धुआं सुअर से ज्यादा महत्वपूर्ण है, चाहे तुम कितनी बार भी एक सुअर मारो। क्या तुम सब समझ रहे हो?” उसने अपनी बाहें फैलाईं और पूरे त्रिकोण की ओर मुड़ा।
हमें वहां धुआं उड़ाना होगा—वरना हम मर जाएंगे।
वह रुका, अपने अगले बिंदु को सोचने-समझने के लिए।
"और दूसरी बात।"
किसी ने आवाज लगाई।
बहुत सारी चीजें।
सहमति की हल्की फुसफुसाहट सुनाई दी। राल्फ ने उनकी बात अनसुनी कर दी।
“और एक बात। हमने लगभग पूरे द्वीप में आग लगा दी थी। और हम पत्थर लुढ़काने और छोटी-छोटी आग जलाने में समय बर्बाद कर रहे थे। अब मैं यह बात कहता हूँ और इसे नियम बनाता हूँ, क्योंकि मैं मुखिया हूँ। हम पहाड़ के अलावा कहीं भी आग नहीं लगाएंगे। कभी नहीं।”
तुरंत ही झगड़ा शुरू हो गया। लड़के खड़े होकर चिल्लाने लगे और राल्फ ने भी पलटकर चिल्लाया।
"क्योंकि अगर आपको मछली या केकड़ा पकाने के लिए आग चाहिए, तो आप बेझिझक पहाड़ पर जा सकते हैं। इस तरह हमें पूरी तसल्ली रहेगी।"
ढलते सूरज की रोशनी में हाथ शंख की ओर बढ़ रहे थे। उसने शंख को थाम लिया और पेड़ के तने पर कूद गया।
“ये सब बातें मैं कहना चाहता था। अब कह चुका हूँ। आपने मुझे मुखिया चुना है। अब आप वही करें जो मैं कहता हूँ।”
वे धीरे-धीरे शांत हुए और अंत में फिर से बैठ गए। राल्फ नीचे बैठ गया और अपनी सामान्य आवाज में बोला।
“तो याद रखना। चट्टानों को शौचालय के रूप में इस्तेमाल करना। आग जलाए रखना और धुआं छोड़ते रहना, यह एक संकेत होगा। पहाड़ से आग मत लाना। अपना खाना ऊपर ले जाना।”
जैक अंधेरे में मुंह फुलाते हुए खड़ा हुआ और अपने हाथ फैला दिए।

मैंने अभी तक काम पूरा नहीं किया है।
लेकिन तुम तो बहुत बोलते रहे हो!
मेरे पास शंख है।
जैक बड़बड़ाते हुए बैठ गया।
“तो फिर आखिरी बात। यही वो चीज है जिसके बारे में लोग बात कर सकते हैं।”
उसने तब तक इंतजार किया जब तक कि प्लेटफार्म बिल्कुल शांत नहीं हो गया।
“हमारा रिश्ता टूट रहा है। मुझे समझ नहीं आ रहा क्यों। शुरुआत अच्छी हुई थी; हम खुश थे। और फिर--”
उसने धीरे से शंख को हिलाया, उनके परे कहीं नहीं देखा, उस राक्षस, सांप, आग और भय की बातों को याद करते हुए।
फिर लोग डरने लगे।
एक हल्की सी सिसकी, लगभग एक कराह, उठी और शांत हो गई। जैक ने तराशना बंद कर दिया था। राल्फ अचानक आगे बढ़ गया।
"लेकिन ये तो बच्चों की बातें हैं। हम इसे सुलझा लेंगे। तो आखिरी हिस्सा, जिस पर हम सब बात कर सकते हैं, वो है डर को लेकर फैसला करना।"
बाल फिर से उसकी आंखों में आने लगे थे।
“हमें इस डर के बारे में बात करनी होगी और तय करना होगा कि इसमें कुछ भी सच्चाई नहीं है। मैं खुद भी कभी-कभी डर जाता हूँ; लेकिन यह सब बकवास है! जैसे भूत-प्रेत। फिर, जब हम फैसला कर लेंगे, तो हम फिर से शुरुआत कर सकते हैं और आग जैसी चीजों के बारे में सावधान रह सकते हैं।” उनके मन में चमकीले समुद्र तट पर चलते तीन लड़कों की तस्वीर कौंध गई। “और खुश रहो।”
औपचारिक रूप से, राल्फ ने भाषण समाप्त होने के संकेत के रूप में शंख को अपने बगल में रखे पेड़ के तने पर रख दिया। उन तक पहुँचने वाली सूर्य की रोशनी सीधी थी।
जैक खड़ा हुआ और उसने शंख उठा लिया।
तो ये बैठक सच्चाई जानने के लिए है। मैं तुम्हें सब कुछ बताता हूँ। ये सब डर फैलाने की बात से तुम छोटे बच्चों ने ही शुरू किया है। जानवर! कहाँ से? बेशक हम कभी-कभी डरते हैं, लेकिन हम डर को सह लेते हैं। सिर्फ़ राल्फ कहता है कि तुम रात में चीखते हो। इसका मतलब बुरे सपने ही तो है? खैर, तुम न तो शिकार करते हो, न कुछ बनाते हो, न मदद करते हो—तुम सब रोने वाले और डरपोक हो। बस यही बात है। और जहाँ तक डर की बात है—तुम्हें भी हम सब की तरह इसे सहना पड़ेगा।

राल्फ ने जैक को अवाक होकर देखा, लेकिन जैक ने उस पर कोई ध्यान नहीं दिया।
“बात ये है कि डर सपने से ज़्यादा नुकसान नहीं पहुँचा सकता। इस द्वीप पर डरने लायक कोई जानवर नहीं हैं।” उसने फुसफुसाते हुए नन्हे-मुन्नों की कतार की ओर देखा। “अगर तुम्हें कुछ हो भी जाए तो यही होना चाहिए, तुम निकम्मे रोने वाले बच्चे! लेकिन यहाँ कोई जानवर नहीं है—”
राल्फ ने चिढ़कर उसकी बात काट दी।
“ये सब क्या है? किसी जानवर के बारे में किसने कुछ कहा?”
“तुमने कहा था, उस दिन। तुमने कहा था कि वे सपने देखते हैं और रोते हैं। अब वे बातें करते हैं—न केवल छोटे बच्चे, बल्कि मेरे शिकारी भी कभी-कभी—किसी चीज़ के बारे में, किसी अंधेरी चीज़ के बारे में, किसी जानवर के बारे में, किसी प्रकार के पशु के बारे में। मैंने सुना है। तुम्हें लगा था कि नहीं सुना? अब सुनो। छोटे द्वीपों पर बड़े जानवर नहीं मिलते। केवल सूअर। शेर और बाघ केवल अफ्रीका और भारत जैसे बड़े देशों में ही मिलते हैं—”
और चिड़ियाघर--
“मेरे पास शंख है। मैं डर की बात नहीं कर रहा हूँ। मैं उस राक्षस की बात कर रहा हूँ। अगर आप चाहें तो डर सकते हैं। लेकिन जहाँ तक उस राक्षस की बात है—”
जैक थोड़ी देर रुका, शंख को गोद में लिए हुए था, और फिर गंदी काली टोपी पहने अपने शिकारियों की ओर मुड़ा।
“क्या मैं शिकारी हूँ या नहीं?”
उन्होंने बस सिर हिलाकर सहमति जताई। वह एक शिकारी था, इसमें कोई शक नहीं था।
“अच्छा तो फिर—मैं इस पूरे द्वीप पर अकेले ही घूम चुका हूँ। अगर कोई जानवर होता तो मैंने उसे देख लिया होता। तुम ऐसे हो इसलिए डर रहे हो—लेकिन जंगल में कोई जानवर नहीं है।”
जैक ने शंख वापस कर दिया और बैठ गया। पूरी सभा ने राहत की सांस लेते हुए तालियाँ बजाईं। फिर पिगी ने अपना हाथ आगे बढ़ाया।
मैं जैक की सारी बातों से सहमत नहीं हूँ, लेकिन कुछ से ज़रूर हूँ। बेशक जंगल में कोई जानवर नहीं है। भला हो कैसे सकता है? जानवर क्या खाएगा?
"सुअर।"
हम सूअर का मांस खाते हैं।

“पिग्गी!”
“मुझे शंख मिल गया!” पिग्गी ने गुस्से से कहा। “राल्फ—उन्हें चुप रहना चाहिए, है ना? तुम चुप रहो, नन्हे बच्चों! मेरा मतलब है कि मैं इस डर से सहमत नहीं हूँ। जंगल में डरने जैसी कोई बात नहीं है। अरे—मैं खुद वहाँ गया हूँ! फिर तुम भूतों और ऐसी ही बातों के बारे में बात करोगे। हमें पता है कि क्या होता है और अगर कुछ गड़बड़ है, तो उसे ठीक करने वाला कोई न कोई है।”
उसने अपना चश्मा उतारा और उसे देखकर पलकें झपकाईं। सूरज ऐसे गायब हो गया था मानो रोशनी बुझा दी गई हो।
उन्होंने आगे समझाना शुरू किया।
“अगर आपके पेट में दर्द हो, चाहे वह हल्का हो या तेज—”
"तुम्हारा वाला तो बहुत बड़ा है।"
“जब आप हंसना बंद कर दें, तब शायद हम मीटिंग शुरू कर सकें। और अगर वे छोटे बच्चे फिर से बवंडर पर चढ़ गए, तो पल भर में गिर ही जाएंगे। इसलिए बेहतर है कि वे ज़मीन पर बैठ कर सुनें। नहीं। हर चीज़ के लिए डॉक्टर होते हैं, यहाँ तक कि दिमाग के अंदर के लिए भी। क्या आपका मतलब यह है कि हमें हर समय बेवजह डरना चाहिए? जीवन,” पिगी ने विस्तार से कहा, “वैज्ञानिक है, बस यही है। एक-दो साल में जब युद्ध खत्म हो जाएगा, तो वे मंगल ग्रह की यात्रा करके वापस आ जाएंगे। मुझे पता है कि कोई राक्षस नहीं है—मतलब पंजे वगैरह वाला—लेकिन मुझे यह भी पता है कि डर भी नहीं है।”
पिग्गी रुक गया।
"जब तक--"
राल्फ बेचैनी से इधर-उधर हिलने लगा।
“लेकिन क्या?”
"जब तक हम लोगों से डरना शुरू नहीं कर देते।"
बैठे हुए लड़कों के बीच हंसी और उपहास का मिला-जुला स्वर गूंज उठा। पिगी ने अपना सिर झुकाया और जल्दी से आगे बढ़ गया।
"तो चलिए उस नन्हे बच्चे से ही सुन लेते हैं जिसने एक जानवर के बारे में बात की थी और शायद हम उसे दिखा सकें कि वह कितना मूर्ख है।"
छोटे बच्चे आपस में फुसफुसाने लगे, फिर उनमें से एक आगे खड़ा हो गया।
"तुम्हारा नाम क्या है?"

“फिल।”
एक छोटे बच्चे के लिए वह आत्मविश्वासी था, अपने हाथ फैलाकर, राल्फ की तरह शंख को थामे हुए, बोलने से पहले उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए उनकी ओर देखता था।
"कल रात मैंने एक भयानक सपना देखा, जिसमें मैं चीजों से लड़ रहा था। मैं आश्रय स्थल के बाहर अकेला था, पेड़ों पर लटकी उन टेढ़ी-मेढ़ी चीजों से लड़ रहा था।"
वह रुका, और बाकी छोटे बच्चे भयभीत सहानुभूति के साथ हंस पड़े।
“फिर मुझे डर लगा और मैं जाग गया। मैं अंधेरे में अकेले ही आश्रय स्थल के बाहर था और वो टेढ़ी-मेढ़ी चीजें गायब हो चुकी थीं।”
इस भयावह दृश्य की कल्पनाशीलता, जो इतनी संभव और इतनी स्पष्ट रूप से डरावनी थी, ने उन सभी को चुप करा दिया। सफेद शंख के पीछे से बच्चे की आवाज़ गूंजती रही।
"मैं डर गई और राल्फ को पुकारने लगी, तभी मैंने पेड़ों के बीच कुछ हिलता हुआ देखा, कुछ बड़ा और भयानक।"
वह कुछ देर रुका, उस घटना की याद से आधा भयभीत था, फिर भी अपने द्वारा पैदा की जा रही सनसनी पर गर्व महसूस कर रहा था।
“वह एक भयानक सपना था,” राल्फ ने कहा। “वह नींद में चल रहा था।”
सभा में मौजूद लोग धीमी आवाज़ में सहमति जताते हुए बोले।
उस छोटे बच्चे ने हठपूर्वक अपना सिर हिलाया।
"जब वे टेढ़ी-मेढ़ी चीजें लड़ रही थीं तब मैं सो रहा था और जब वे चली गईं तो मैं जाग गया, और मैंने पेड़ों में कुछ बड़ा और भयानक हिलता हुआ देखा।"
राल्फ ने शंख के लिए अपने हाथ बढ़ाए और छोटा बच्चा बैठ गया।
“तुम सो रहे थे। वहाँ कोई नहीं था। रात में जंगल में कोई कैसे घूम सकता है? क्या कोई था? क्या कोई बाहर गया था?”
कुछ देर तक सन्नाटा छाया रहा, सब लोग अंधेरे में किसी के बाहर जाने के ख्याल से मुस्कुरा रहे थे। फिर साइमन खड़ा हुआ और राल्फ ने हैरानी से उसकी तरफ देखा।
“तुम! अंधेरे में इधर-उधर क्यों घूम रहे थे?”
साइमन ने कांपते हुए शंख को पकड़ लिया।
मैं किसी ऐसी जगह जाना चाहता था, जिसे मैं जानता हूँ।
“कौन सी जगह?”
“बस एक जगह जिसे मैं जानता हूँ। जंगल में एक जगह।” वह हिचकिचाया।

जैक ने अपनी आवाज में उस तिरस्कार के साथ उनके लिए सवाल का जवाब दे दिया, जो कभी-कभी हास्यास्पद और साथ ही निर्णायक भी लग सकता था।
"उसे अचानक ही पकड़ लिया गया।"
साइमन की ओर से अपमान महसूस करते हुए, राल्फ ने शंख वापस ले लिया और ऐसा करते समय उसने साइमन के चेहरे पर दृढ़ता से देखा।
“अच्छा, फिर से ऐसा मत करना। समझे? रात में नहीं। जानवरों के बारे में पहले से ही बहुत सारी फालतू बातें होती हैं, छोटे बच्चों को तुम्हें इस तरह इधर-उधर घूमते हुए देखने की ज़रूरत नहीं है--”
हंसी का जो स्वर उठा, उसमें भय और निंदा दोनों थे। साइमन बोलने के लिए मुंह खोलने ही वाला था कि राल्फ के पास शंख था, इसलिए वह वापस अपनी सीट पर बैठ गया।
जब सभा में सन्नाटा छा गया तो राल्फ ने पिग्गी की ओर रुख किया।
तो, पिगी?
“एक और था। वो।”
छोटे बच्चों ने पर्सीवल को आगे धकेला, फिर उसे अकेला छोड़ दिया। वह बीच की घास में घुटनों तक डूबा खड़ा था, अपने छिपे हुए पैरों को देख रहा था, मानो किसी तंबू में हो। राल्फ को एक और छोटा लड़का याद आया जो इसी तरह खड़ा था और वह उस याद से घबरा गया। उसने उस विचार को दबा दिया था और नज़रों से ओझल कर दिया था, जहाँ केवल इस तरह की कोई सकारात्मक याद ही उसे सतह पर ला सकती थी। छोटे बच्चों की आगे कोई गिनती नहीं की गई थी, आंशिक रूप से इसलिए कि यह सुनिश्चित करने का कोई साधन नहीं था कि उन सभी का हिसाब रखा गया है और आंशिक रूप से इसलिए कि राल्फ को कम से कम उस प्रश्न का उत्तर पता था जो पिगी ने पहाड़ की चोटी पर पूछा था। वहाँ छोटे लड़के थे, गोरे, काले, झाइयों वाले, और सभी गंदे, लेकिन उनके चेहरे बड़े दाग-धब्बों से पूरी तरह मुक्त थे। शहतूत के रंग का जन्मचिह्न फिर कभी किसी ने नहीं देखा था। लेकिन उस समय पिगी ने फुसलाया और धमकाया था। चुपचाप यह स्वीकार करते हुए कि उसे वह अनकही बात याद है, राल्फ ने पिगी को सिर हिलाकर सहमति दी।
"जाओ। उससे पूछो।"
पिग्गी घुटनों के बल बैठ गया और उसने शंख पकड़ रखा था।
तो अब। आपका नाम क्या है?

छोटा लड़का मुड़कर अपने तम्बू में चला गया। पिगी असहाय होकर राल्फ की ओर मुड़ा, जिसने तीखी आवाज़ में बात की।
"तुम्हारा नाम क्या है?"
चुप्पी और अस्वीकृति से व्याकुल होकर सभा ने नारे लगाने शुरू कर दिए।
“आपका नाम क्या है? आपका नाम क्या है?”
"शांत!"
गोधूलि बेला में राल्फ ने बच्चे को गौर से देखा।
अब बताओ। तुम्हारा नाम क्या है?
“पर्सीवल वेमीस मैडिसन। द विकारिज, हारकोर्ट सेंट एंथोनी, हैंट्स, टेलीफोन, टेलीफोन, टेली--”
मानो यह जानकारी दुःख के गहरे स्रोतों में समाई हो, नन्हा बच्चा रोने लगा। उसका चेहरा सिकुड़ गया, आँखों से आँसू छलकने लगे, उसका मुँह इतना खुल गया कि मानो एक चौकोर काला छेद हो। पहले तो वह दुःख की एक मूक मूर्ति जैसा था; लेकिन फिर उसके भीतर से विलाप की ध्वनि ऊँची और निरंतर गूंज उठी।
"चुप रहो, तुम! चुप रहो!"
पर्सीवल वेमिस मैडिसन चुप नहीं हो रहा था। उसके अंदर एक ऐसी चिंगारी भड़क उठी थी, जो सत्ता या शारीरिक धमकी की पहुँच से भी परे थी। वह लगातार रोता रहा, साँस दर साँस, और ऐसा लग रहा था मानो वह साँसों से जड़ा हुआ हो।
चुप रहो! चुप रहो!
अब नन्हे-मुन्ने चुप नहीं रहे। उन्हें अपने निजी दुख याद आ गए; और शायद उन्हें लगा कि वे एक सार्वभौमिक दुख में भागीदार हैं। वे सहानुभूति में रोने लगे, उनमें से दो तो लगभग पर्सीवल की ही तरह जोर-जोर से रो रहे थे।
मौरिस ने उन्हें बचा लिया। वह चिल्ला उठा।
"मेरी तरफ देखो!"
उसने गिरने का नाटक किया। उसने अपनी कमर रगड़ी और बवंडर पर इस तरह बैठ गया कि घास में गिर पड़ा। वह बुरी तरह गिर गया; लेकिन पर्सीवल और बाकी लोगों ने उसे देखा और सूंघते हुए हंसने लगे। थोड़ी देर में वे सब इतनी बेतुकी हंसी हंसने लगे कि बड़े लोग भी उनके साथ हंसने लगे।
जैक ने सबसे पहले अपनी बात रखी। उसके पास शंख नहीं था और इसलिए उसने नियमों के विरुद्ध बात की; लेकिन किसी ने उसकी बात पर ध्यान नहीं दिया।

और उस जानवर का क्या हुआ?
पर्सीवल के साथ कुछ अजीब हो रहा था। वह जम्हाई ले रहा था और लड़खड़ा रहा था, इसलिए जैक ने उसे पकड़कर झकझोर दिया।
“वह जानवर कहाँ रहता है?”
जैक की पकड़ में पर्सीवल ढीला पड़ गया।
पिग्गी ने उपहास उड़ाते हुए कहा, "यह तो बड़ा चालाक जानवर है, अगर यह इस द्वीप पर छिप सकता है तो।"
“जैक हर जगह जा चुका है--”
“एक जानवर कहाँ रह सकता है?”
“जानवर बिलकुल नहीं!”
पर्सीवल ने कुछ बुदबुदाया और सभा में फिर हंसी गूंज उठी। राल्फ आगे की ओर झुका।
वह क्या कहता है?
जैक ने पर्सीवल का जवाब सुना और फिर उसे छोड़ दिया। मुक्त होकर, मनुष्यों की आरामदायक उपस्थिति से घिरे पर्सीवल लंबी घास में गिर पड़ा और सो गया।
जैक ने अपना गला साफ किया और फिर लापरवाही से जवाब दिया।
वह कहता है कि वह राक्षस समुद्र से निकलता है।
अंतिम हंसी थम गई। राल्फ अनायास ही मुड़ा, लैगून के किनारे एक काली, कूबड़ वाली आकृति। सभा ने उसके साथ देखा, पानी के विशाल विस्तार, उससे परे खुले समुद्र, अनंत संभावनाओं के अज्ञात नीले रंग पर विचार किया, और चट्टान से आती सरसराहट और फुसफुसाहट को चुपचाप सुना।
मौरिस इतनी जोर से बोला कि वे चौंक गए।
पापा ने कहा कि उन्हें अभी तक समुद्र में सारे जानवर नहीं मिले हैं।
बहस फिर शुरू हो गई। राल्फ ने चमकता हुआ शंख आगे बढ़ाया और मौरिस ने आज्ञाकारी भाव से उसे ले लिया। बैठक समाप्त हो गई।
“मेरा मतलब है, जब जैक कहता है कि डरना स्वाभाविक है क्योंकि लोग वैसे भी डरते हैं, तो यह ठीक है। लेकिन जब वह कहता है कि इस द्वीप पर केवल सूअर हैं, तो मुझे लगता है कि वह सही है, लेकिन उसे पक्का पता नहीं है, वास्तव में नहीं, निश्चित रूप से नहीं—”
मॉरिस ने गहरी सांस ली। “मेरे पिताजी कहते हैं कि कुछ जीव हैं, उन्हें क्या कहते हैं, जो स्याही बनाते हैं—स्किड—जो सैकड़ों गज लंबे होते हैं और व्हेल को पूरा खा जाते हैं।”

वह फिर रुका और खुलकर हँसा। “मैं तो शैतान पर विश्वास नहीं करता। जैसा कि पिगी कहता है, जीवन वैज्ञानिक है, लेकिन हमें पता नहीं है, है ना? निश्चित रूप से नहीं, मेरा मतलब है—”
किसी ने चिल्लाया।
“एक स्किड पानी से बाहर नहीं निकल सकता!”
"सकना!"
नहीं कर सका!
पल भर में मंच बहस करते, इशारे करते परछाइयों से भर गया। बैठे हुए राल्फ को लगा जैसे उसका विवेक भंग हो रहा हो। डर, जानवरों जैसी हरकतें, इस बात पर कोई आम सहमति नहीं कि आग सर्वोपरि है: और जब कोई इस मामले को सुलझाने की कोशिश करता, तो बहस छिड़ जाती और नए, अप्रिय मुद्दे सामने आ जाते।
उसे अपने आस-पास के अँधेरे में एक सफेदी दिखाई दी, इसलिए उसने मौरिस से शंख छीन लिया और पूरी ताकत से बजाया। सभा में सन्नाटा छा गया। साइमन उसके पास ही खड़ा था और शंख को अपने हाथों में लिए हुए था। साइमन को बोलने की तीव्र इच्छा हो रही थी; लेकिन सभा में बोलना उसके लिए बहुत डरावना था।
“शायद,” उसने हिचकिचाते हुए कहा, “शायद कोई जानवर हो।”
सभा में मौजूद लोग उग्र रूप से चिल्ला उठे और राल्फ आश्चर्य से खड़ा हो गया।
“तुम, साइमन? क्या तुम इस पर विश्वास करते हो?”
“मुझे नहीं पता,” साइमन ने कहा। उसकी धड़कनें इतनी तेज़ हो रही थीं कि उसका दम घुट रहा था। “लेकिन...”
तूफान आ गया।
बैठ जाओ!
"चुप रहो!"
"शंख ले लो!"
"भाड़ में जाओ!"
"चुप रहो!"
राल्फ चिल्लाया।
“उसकी बात सुनो! उसके पास शंख है!”
मेरा मतलब है... शायद यह सिर्फ हम ही हैं।
“पागलपन!”

पिग्गी ने हैरानी से अपना आपा खो दिया। साइमन ने बोलना जारी रखा।
“हम कुछ हद तक ऐसा हो सकते हैं...।”
मानव जाति की मूलभूत बीमारी को व्यक्त करने के प्रयास में साइमन की अभिव्यक्ति गूढ़ हो गई। तभी उसे प्रेरणा मिली।
सबसे गंदी चीज क्या है?
जैक ने उस सन्नाटे में, जो समझ से परे था, जवाब में एक अशिष्ट सा शब्द कहा। राहत अपार थी। जो छोटे बच्चे बवंडर पर वापस चढ़ गए थे, वे फिर से नीचे गिर गए और उन्हें कोई फर्क नहीं पड़ा। शिकारी खुशी से चिल्ला रहे थे।
साइमन का प्रयास व्यर्थ हो गया; हंसी ने उसे बेरहमी से जकड़ लिया और वह असहाय होकर अपनी सीट पर सिमट गया।
अंत में सभा में फिर सन्नाटा छा गया। किसी ने बिना अनुमति के बोलना शुरू कर दिया।
"हो सकता है उसका मतलब किसी प्रकार के भूत से हो।"
राल्फ ने शंख उठाया और अँधेरे में झाँका। सबसे हल्की चीज़ पीली रेत वाला किनारा था। क्या नन्हे-मुन्ने पास ही होंगे? हाँ—इसमें कोई शक नहीं था, वे बीच की घास में एक-दूसरे से लिपटे हुए थे। हवा के झोंके से ताड़ के पेड़ खड़खड़ाने लगे और अँधेरे और सन्नाटे में यह आवाज़ अब बहुत तेज़ सुनाई दे रही थी। दो भूरे तने आपस में रगड़ खा रहे थे, मानो कोई बुरी आवाज़ निकाल रहे हों, जिसे दिन में किसी ने नहीं सुना था।
पिग्गी ने उसके हाथों से शंख छीन लिया। उसकी आवाज में आक्रोश था।
मैं भूतों पर कभी विश्वास नहीं करता!
जैक भी जाग गया था, और वह बेवजह गुस्से में था।
"तुम्हारी मान्यताओं से किसे फर्क पड़ता है—मोटे!"
मुझे शंख मिल गया!
एक संक्षिप्त खींचतान की आवाज सुनाई दी और शंख इधर-उधर हिलने लगा।
"मुझे शंख वापस दो!"
राल्फ उनके बीच से निकला और उसे सीने पर एक जोरदार थप्पड़ पड़ा। उसने किसी से शंख छीन लिया और हांफते हुए बैठ गया।
भूतों के बारे में बहुत ज्यादा बातें हो रही हैं। हमें इन सब बातों को दिन के उजाले में ही सुलझाना चाहिए था।
एक दबी हुई और अज्ञात आवाज बीच में सुनाई दी।
"शायद वह जानवर एक भूत ही है।"

सभा तेज हवा के झोंके की तरह हिल गई।
राल्फ ने कहा, "बहुत से लोग बिना अनुमति के बोलते हैं, क्योंकि नियमों का पालन न करने पर हम ठीक से सभाएं नहीं कर सकते।"
वह फिर रुक गया। इस सभा की सावधानीपूर्वक बनाई गई योजना विफल हो गई थी।
“तो फिर मैं क्या कहूँ? इतनी देर से सभा बुलाना मेरी गलती थी। हम उन पर वोट करेंगे; मेरा मतलब भूतों पर; और फिर आश्रय स्थलों पर जाएंगे क्योंकि हम सब थक चुके हैं। नहीं—जैक, है ना?—एक मिनट रुको। मैं अभी यहीं कह देता हूँ कि मैं भूतों में विश्वास नहीं करता। या मुझे लगता है कि मैं नहीं करता। लेकिन मुझे उनके बारे में सोचना अच्छा नहीं लगता। खासकर अभी, अंधेरे में। लेकिन हम फैसला करने वाले थे कि क्या सही है और क्या गलत।”
उसने क्षण भर के लिए शंख उठाया।
“ठीक है। मुझे लगता है कि भूत हैं या नहीं, यही मायने रखता है--”
उसने एक पल सोचा और प्रश्न तैयार किया।
“कौन सोचता है कि भूत हो सकते हैं?”
काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा और कोई हलचल नहीं दिखाई दी। फिर राल्फ ने अंधेरे में झाँका और उसे हाथ दिखाई दिए। उसने सपाट स्वर में बात की।
"अच्छा ऐसा है।"
वह संसार, वह बोधगम्य और नियमबद्ध संसार, हाथ से फिसल रहा था। एक समय था जब यह था और वह था; और अब—जहाज जा चुका था।
उसके हाथों से शंख छीन लिया गया और पिग्गी की आवाज चीख उठी।
मैंने भूतों के लिए वोट नहीं दिया!
वह सभा की ओर घूम पड़ा।
“यह बात आप सभी को याद रखनी चाहिए!”
उन्होंने उसे पैर पटकते हुए सुना।
“हम क्या हैं? इंसान? या जानवर? या जंगली? बड़े लोग क्या सोचेंगे? बाहर जाकर सूअरों का शिकार करना, आग जलाना—और वो भी अभी!”
एक परछाई तूफानी ढंग से उसके सामने आ खड़ी हुई।
"चुप रहो, मोटे निकम्मे!"
एक पल के लिए संघर्ष हुआ और चमकता हुआ शंख ऊपर-नीचे हिलने लगा। राल्फ उछलकर खड़ा हो गया।

“जैक! जैक! तुम्हारे पास शंख नहीं है! उसे बोलने दो।”
जैक का चेहरा उसके पास तैरता हुआ दिखाई दिया।
“और तुम चुप रहो! तुम हो कौन वैसे? वहाँ बैठकर लोगों को बता रहे हो कि क्या करना है। तुम न शिकार कर सकते हो, न गा सकते हो—”
“मैं मुखिया हूँ। मुझे चुना गया है।”
“चुनाव करने से क्या फर्क पड़ना चाहिए? बस ऐसे आदेश देना जिनका कोई मतलब ही नहीं है--”
पिग्गी के पास शंख है।
“बिल्कुल सही—हमेशा की तरह पिगी का पक्ष लो—”
“जैक!”
जैक की आवाज में कड़वाहट भरी नकल झलक रही थी।
“जैक! जैक!”
“नियम!” राल्फ चिल्लाया। “तुम नियम तोड़ रहे हो!”
"किसे पड़ी है?"
राल्फ ने अपनी सूझबूझ का इस्तेमाल किया।
क्योंकि नियम ही एकमात्र सहारा हैं!
लेकिन जैक उसके खिलाफ चिल्ला रहा था।
“नियमों की धज्जियां उड़ाओ! हम ताकतवर हैं—हम शिकार करते हैं! अगर कोई जानवर है, तो हम उसका शिकार करेंगे! हम उसे घेर लेंगे और पीटते रहेंगे, पीटते रहेंगे, पीटते रहेंगे—!”
उसने ज़ोर से चीख मारी और पीली रेत पर कूद पड़ा। देखते ही देखते मंच शोर और उत्साह, धक्का-मुक्की, चीख-पुकार और हंसी से भर गया। भीड़ तितर-बितर हो गई और ताड़ के पेड़ों से पानी की ओर और फिर समुद्र तट के किनारे रात के अंधेरे में दूर तक बिखर गई। राल्फ का गाल शंख को छू रहा था और उसने उसे पिगी से ले लिया।
“बड़े लोग क्या कहेंगे?” पिग्गी फिर चिल्लाया। “इन्हें देखो!”
समुद्र तट से नकली शिकार की आवाजें, उन्मादी हंसी और वास्तविक आतंक की आवाजें आ रही थीं।
"राल्फ, शंख बजाओ।"
पिग्गी इतना करीब था कि राल्फ उसके इकलौते गिलास की चमक देख सकता था।
“वहाँ आग लगी है। क्या उन्हें दिखाई नहीं दे रही?”

अब तुम्हें सख्त बनना होगा। उनसे वही करवाओ जो तुम चाहते हो।
राल्फ ने एक ऐसे व्यक्ति की सतर्क आवाज में उत्तर दिया जो किसी प्रमेय का अभ्यास कर रहा हो।
“अगर मैं शंख बजाऊं और वे वापस न आएं, तो हमारा काम तमाम हो जाएगा। हम आग जलाए नहीं रख पाएंगे। हम जानवरों की तरह हो जाएंगे। हमें कभी बचाया नहीं जा सकेगा।”
“अगर तुम फूँक नहीं मारोगे, तो हम वैसे भी जल्द ही जानवर बन जाएँगे। मैं देख तो नहीं सकता कि वे क्या कर रहे हैं, लेकिन सुन ज़रूर सकता हूँ।”
बिखरी हुई आकृतियाँ रेत पर एकत्रित हो गई थीं और एक घनी काली आकृति बन गई थीं जो घूम रही थी। वे कुछ मंत्रोच्चार कर रही थीं और जो छोटे बच्चे इससे तंग आ चुके थे, वे लड़खड़ाते हुए, चिल्लाते हुए दूर जा रहे थे। राल्फ ने शंख को अपने होठों से लगाया और फिर नीचे रख दिया।
"मुश्किल ये है: क्या भूत होते हैं, पिग्गी? या जानवर?"
"बेशक, ऐसा नहीं है।"
"क्यों नहीं?"
क्योंकि तब चीजें बेमानी हो जाएंगी। घर, सड़कें और टीवी, सब कुछ काम नहीं करेगा।
नाचते-गाते लड़के इतनी मेहनत कर चुके थे कि उनकी आवाज केवल एक शब्दहीन लय बनकर रह गई थी।
लेकिन मान लीजिए कि उनका कोई मतलब नहीं है? यहाँ, इस द्वीप पर नहीं? मान लीजिए कि कोई चीज़ हमें देख रही है और इंतज़ार कर रही है?
राल्फ बुरी तरह कांप उठा और पिगी के करीब चला गया, जिससे वे दोनों बुरी तरह टकरा गए।
"तुम इस तरह की बातें करना बंद करो! हमारे पास पहले से ही बहुत परेशानियाँ हैं, राल्फ, और मैं अब और बर्दाश्त नहीं कर सकता। अगर भूत होते हैं तो--"
मुझे मुखिया का पद छोड़ देना चाहिए। उनकी बात सुनो।
हे भगवान! ओह नहीं!
पिग्गी ने राल्फ की बांह पकड़ ली।
“अगर जैक मुखिया होता तो उसे सिर्फ शिकार करने की इजाजत होती और आग जलाने की बिल्कुल भी नहीं। हम यहीं तब तक रहते जब तक मर नहीं जाते।”
उसकी आवाज चीख जैसी हो गई।

"वहाँ कौन बैठा है?"
“मैं। साइमन।”
“हमारा क्या भला,” राल्फ ने कहा। “हम तीन अंधे चूहे हैं। मैं हार मान लेता हूँ।”
पिग्गी ने भयभीत होकर फुसफुसाते हुए कहा, "अगर तुम हार मान लेते हो, तो मेरा क्या होगा?"
"कुछ नहीं।"
“वह मुझसे नफरत करता है। मुझे नहीं पता क्यों। अगर वह अपनी मनमर्जी कर सकता —तो तुम ठीक हो, वह तुम्हारा सम्मान करता है। इसके अलावा—तुम उसे मार देती।”
"अभी-अभी तुम उससे अच्छी खासी लड़ाई कर रहे थे।"
पिग्गी ने सरल शब्दों में कहा, "शंख मेरे पास था। मुझे बोलने का अधिकार था।"
साइमन अंधेरे में करवटें बदलने लगा।
"मुख्यमंत्री बने रहो।"
“चुप रहो, नन्हे साइमन! तुम यह क्यों नहीं कह सकते थे कि वहाँ कोई जानवर नहीं था?”
“मैं उससे डरता हूँ,” पिग्गी ने कहा, “और इसीलिए मैं उसे जानता हूँ। अगर आप किसी से डरते हैं तो आप उससे नफरत भी करते हैं, लेकिन उसके बारे में सोचना बंद नहीं कर पाते। आप खुद को समझाते हैं कि वह ठीक है, और फिर जब आप उसे दोबारा देखते हैं; तो ऐसा लगता है जैसे अस्थमा हो गया हो और आप सांस नहीं ले पा रहे हों। मैं आपको बताता हूँ। वह भी आपसे नफरत करता है, राल्फ—”
“मैं? मैं ही क्यों?”
मुझे नहीं पता। तुमने उसे आग के ऊपर बिठा रखा है; और तुम मुखिया हो जबकि वह नहीं है।
“But he's, he's, Jack Merridew!”
“मैं इतना ज्यादा बिस्तर पर पड़ी रही कि मैंने कुछ सोचा-समझा। मैं लोगों को जानती हूँ। मैं खुद को जानती हूँ। और उसे भी। वह तुम्हें नुकसान नहीं पहुँचा सकता: लेकिन अगर तुम रास्ते से हट जाओगी तो वह किसी और को नुकसान पहुँचाएगा। और वो मैं हूँ।”
“पिग्गी सही कह रहा है, राल्फ। तुम और जैक ही बचे हो। मुखिया बने रहो।”
हम सब भटक रहे हैं और हालात बिगड़ते जा रहे हैं। घर पर हमेशा कोई न कोई बड़ा होता था। कृपया, महोदय, कृपया, महोदया; और फिर आपको जवाब मिल जाता था। काश ऐसा होता!
काश मेरी चाची यहाँ होतीं।

काश मेरे पिता... अरे, इसका क्या फायदा?
आग को जलते रहने दो।
नृत्य समाप्त हो गया था और शिकारी अपने आश्रयों की ओर वापस जा रहे थे।
“बड़े लोग सब कुछ जानते हैं,” पिग्गी ने कहा। “वे अंधेरे से नहीं डरते। वे मिलते, चाय पीते और चर्चा करते। फिर सब ठीक हो जाता--”
“वे द्वीप में आग नहीं लगाएंगे। या उसे खो नहीं देंगे--”
वे एक जहाज बनाएंगे--
तीनों लड़के अंधेरे में खड़े थे, वयस्क जीवन की भव्यता को व्यक्त करने का असफल प्रयास कर रहे थे।
वे झगड़ा नहीं करेंगे--
या फिर मेरे चश्मे तोड़ दो--”
या फिर किसी जानवर की बात करें तो--
“काश वे हम तक कोई संदेश पहुंचा पाते,” राल्फ ने हताशा से कहा। “काश वे हमें कुछ बड़ों जैसा संदेश भेज पाते... कोई संकेत या कुछ और।”
अंधेरे से आती एक पतली सी कराह ने उन्हें स्तब्ध कर दिया और वे एक-दूसरे को पकड़ने लगे। फिर वह कराह ऊंची उठी, दूर से आती हुई और अलौकिक सी, और एक अस्पष्ट बड़बड़ाहट में बदल गई। हैरकॉर्ट सेंट एंथोनी के विकारेज में रहने वाले पर्सीवल वेमिस मैडिसन, लंबी घास में लेटे हुए, ऐसी परिस्थितियों से गुजर रहे थे जिनमें उनके संबोधन का मंत्र भी उनकी मदद करने में असमर्थ था।

मक्खियों के भगवान

अध्याय छह: हवा से आया राक्षस

तारों की रोशनी के सिवा कोई प्रकाश नहीं बचा था। जब उन्हें समझ आया कि यह भूतिया आवाज़ किसकी है और पर्सीवल फिर से शांत हो गया, तो राल्फ और साइमन ने उसे बेढंगे तरीके से उठाया और एक आश्रय में ले गए। पिग्गी अपनी बहादुरी भरी बातों

के कारण पास ही खड़ा रहा, और तीनों बड़े लड़के एक साथ अगले आश्रय में चले गए। वे सूखे पत्तों के बीच बेचैनी से और शोर मचाते हुए लेटे रहे, तारों के उस समूह को देखते रहे जो लैगून की ओर जाने वाला द्वार था। कभी-कभी दूसरे आश्रयों से कोई छोटा बच्चा चिल्लाता और एक बार एक बड़े लड़के ने अंधेरे में कुछ कहा। फिर वे भी सो गए।
क्षितिज पर चाँद का एक छोटा सा टुकड़ा उठा, इतना छोटा कि पानी पर बिल्कुल सीधा होने पर भी प्रकाश की कोई लकीर नहीं बन पा रहा था; लेकिन आकाश में और भी रोशनी थी, जो तेज़ी से चलती, टिमटिमाती या बुझ जाती, हालाँकि दस मील की ऊँचाई पर चल रहे युद्ध से हल्की सी भी चटकने की आवाज़ नहीं आई। लेकिन बड़ों की दुनिया से एक संकेत आया, हालाँकि उस समय कोई बच्चा जाग नहीं रहा था जो उसे पढ़ सके। अचानक एक तेज़ धमाका हुआ और आकाश में एक घुमावदार लकीर बन गई; फिर से अंधेरा छा गया और तारे दिखाई देने लगे। द्वीप के ऊपर एक छोटा सा बिंदु था, एक आकृति पैराशूट के नीचे तेज़ी से नीचे गिर रही थी, एक आकृति जिसके अंग लटक रहे थे। अलग-अलग ऊँचाइयों की बदलती हवाएँ उस आकृति को जहाँ चाहती थीं वहाँ ले गईं। फिर, तीन मील ऊपर, हवा स्थिर हो गई और उसे आकाश में एक घुमावदार वक्र में नीचे ले गई और चट्टान और लैगून के ऊपर से एक बड़े तिरछे रास्ते से पहाड़ की ओर ले गई। वह आकृति पहाड़ की ढलान पर खिले नीले फूलों के बीच गिर पड़ी और ढेर हो गई, लेकिन अब इस ऊंचाई पर भी हल्की हवा चल रही थी और पैराशूट फड़फड़ाकर टकरा रहा था और खींच रहा था। इस तरह, घिसटते पैरों के साथ, वह आकृति पहाड़ पर ऊपर की ओर सरकती चली गई। धीरे-धीरे, हवा के झोंके के साथ, वह आकृति को नीले फूलों के बीच से, बड़े-बड़े पत्थरों और लाल चट्टानों के ऊपर से खींचती हुई पहाड़ की चोटी पर टूटी हुई चट्टानों के बीच सिमट कर बैठ गई। यहाँ हवा रुक-रुक कर चल रही थी और पैराशूट की डोरियों को उलझने और लहराने दे रही थी; और वह आकृति अपने हेलमेट पहने सिर को घुटनों के बीच रखकर बैठी थी, जो कई डोरियों से बंधी हुई थी। जब हवा चलती, तो डोरियाँ खिंच जातीं और इस खिंचाव के कारण कभी-कभी उसका सिर और छाती ऊपर उठ जाती, जिससे ऐसा लगता कि वह आकृति पहाड़ की चोटी के पार देख रही है। फिर, हर बार जब हवा रुकती, तो डोरियाँ ढीली पड़ जातीं और वह आकृति फिर से आगे की ओर झुक जाती, अपना सिर घुटनों के बीच दबा लेती। जैसे-जैसे तारे आकाश में आगे बढ़ते गए, वैसे-वैसे वह आकृति पर्वत की चोटी पर बैठ गई और झुककर प्रणाम करती रही, फिर पीछे हट गई और फिर से प्रणाम किया।

भोर के अंधेरे में पहाड़ की ढलान पर थोड़ी दूर एक चट्टान के पास कुछ आवाज़ें सुनाई दीं। दो लड़के झाड़ियों और सूखे पत्तों का ढेर लगा रहे थे, दो धुंधली परछाइयाँ नींद में एक-दूसरे से बातें कर रही थीं। वे जुड़वाँ थे, आग के पास ड्यूटी पर थे। सैद्धांतिक रूप से एक को सो जाना चाहिए था और दूसरे को पहरा देना चाहिए था। लेकिन वे कभी भी समझदारी से काम नहीं कर पाते थे अगर इसका मतलब स्वतंत्र रूप से काम करना होता, और चूंकि पूरी रात जागना असंभव था, इसलिए वे दोनों सो गए थे। अब वे जम्हाई लेते हुए, अपनी आँखें मलते हुए, सधे कदमों से उस धुंधली आग की ओर बढ़े जो संकेत देने वाली आग थी। जब वे वहाँ पहुँचे तो उन्होंने जम्हाई लेना बंद कर दिया, और एक जल्दी से झाड़ियाँ और पत्ते लेने वापस भागा।
दूसरा व्यक्ति घुटनों के बल बैठ गया।
मुझे लगता है कि यह बाहर हो गया है।
उसके हाथों में थमा दी गई छड़ियों से वह खेलने लगा।
"नहीं।"
वह लेट गया और अपने होंठ धुएं के पास ले जाकर धीरे से फूँका। उसका चेहरा लाल रोशनी से जगमगा उठा। उसने एक पल के लिए फूँकना बंद कर दिया।
“सैम—हमें दो—”
“--ज्वलनशील लकड़ी।”
एरिक नीचे झुका और फिर से धीरे से फूँका जब तक कि वह जगह रोशन न हो गई। सैम ने ज्वलनशील लकड़ी का टुकड़ा उस गर्म जगह पर रखा, फिर एक शाखा। चमक बढ़ गई और शाखा में आग लग गई। सैम ने और शाखाएँ रख दीं।
“सारा माल मत जलाओ,” एरिक ने कहा, “तुम बहुत ज्यादा डाल रहे हो।”
"थोड़ी गर्मी आये।"
हमें और लकड़ी लानी पड़ेगी।
"मुझे ठंड लग रही है।"
मैं भी ऐसा ही हूँ।
इसके अलावा, यह—”
“--अंधेरा। ठीक है, फिर।”
एरिक पीछे की ओर झुककर बैठ गया और सैम को आग जलाते हुए देखने लगा। उसने सूखी लकड़ियों से एक छोटा सा तंबू जैसा बना लिया और आग सुरक्षित रूप से जलने लगी।

"बाल-बाल बच गए।"
वह होता--
"मोम जैसा।"
"हम्म।"
कुछ क्षणों के लिए जुड़वा बच्चे चुपचाप आग को देखते रहे। फिर एरिक हँस पड़ा।
"क्या वह मोम जैसा नहीं था?"
"के बारे में--"
आग और सुअर।
"अच्छा हुआ कि उसने जैक को निशाना बनाया, हमें नहीं।"
"हम्म। स्कूल में पुराने वैक्सी को याद है?"
“यार, तुम मुझे धीरे-धीरे पागल कर रहे हो!”
जुड़वा भाई एक जैसी हंसी हंसे, फिर उन्हें अंधेरा और दूसरी बातें याद आईं और वे बेचैनी से इधर-उधर देखने लगे। तंबू के चारों ओर फैली लपटों ने उनका ध्यान फिर से अपनी ओर खींच लिया। एरिक ने उन कांव-कांव करने वाले कीड़ों को देखा जो आग की लपटों से बचने के लिए बेताब थे, और उसे पहली आग याद आई - ठीक वहीं नीचे, पहाड़ की ढलान पर, जहाँ अब घना अंधेरा था। उसे वह आग याद करना अच्छा नहीं लगा, और उसने पहाड़ की चोटी की ओर देखना शुरू कर दिया।
अब गर्माहट फैल रही थी और उन पर सुखद रूप से पड़ रही थी। सैम आग में शाखाओं को यथासंभव पास-पास रखकर अपना मनोरंजन कर रहा था। एरिक ने अपने हाथ फैलाए, उस दूरी को खोजते हुए जहाँ गर्मी बस सहन करने योग्य थी। आग के पार यूँ ही देखते हुए, उसने बिखरे हुए पत्थरों को उनकी सपाट छाया से हटाकर दिन के उजाले में उनकी आकृति में व्यवस्थित किया। ठीक वहीं पर वह बड़ा पत्थर था, और वहाँ तीन पत्थर थे, वह फटा हुआ पत्थर था, और उसके आगे एक खाई थी—ठीक वहीं पर—
“सैम।”
“हं?”
"कुछ नहीं।"
लपटें शाखाओं पर हावी हो रही थीं, छाल मुड़कर झड़ रही थी, लकड़ी फट रही थी। तंबू अंदर की ओर धंस गया और पहाड़ की चोटी पर प्रकाश का एक विस्तृत घेरा बना दिया।
“सैम--”
“हं?”

"अकेला! अकेला!"
सैम ने चिढ़कर एरिक की ओर देखा। एरिक की निगाहों की तीव्रता इतनी तीव्र थी कि जिस दिशा में वह देख रहा था, वह दिशा भयानक लग रही थी, क्योंकि सैम की पीठ उस ओर थी। वह आग के चारों ओर घूमकर एरिक के पास बैठ गया और देखने लगा। वे दोनों एक-दूसरे की बाहों में जकड़े हुए स्थिर हो गए, चारों आँखें एक-दूसरे पर टिकी हुई थीं और मुँह खुला हुआ था।
उनके बहुत नीचे, जंगल के पेड़ आहें भरते हुए, फिर दहाड़ उठे। उनके माथे के बाल फड़फड़ाने लगे और आग से लपटें अगल-बगल फैल गईं। उनसे पंद्रह गज की दूरी पर कपड़े के फटने की आवाज सुनाई दी।
दोनों लड़कों में से कोई चीखा नहीं, लेकिन उनकी बाहों की पकड़ और कस गई और उनके मुंह सिकुड़ गए। लगभग दस सेकंड तक वे उसी तरह दुबके रहे, जबकि भड़कती आग से धुआं, चिंगारियां और अस्थिर प्रकाश की लहरें पहाड़ की चोटी पर फैलती रहीं। फिर मानो उनमें से केवल एक ही भयभीत मन बचा हो, वे चट्टानों पर से रेंगते हुए भाग निकले और फरार हो गए।
राल्फ सपना देख रहा था। सूखे पत्तों के बीच घंटों करवटें बदलते-बदलते उसे नींद आ गई थी। दूसरे आश्रयों से आने वाली डरावनी आवाज़ें भी अब उस तक नहीं पहुँच रही थीं, क्योंकि वह वापस वहीं पहुँच गया था जहाँ से आया था, बगीचे की दीवार के ऊपर से टट्टुओं को चीनी खिला रहा था। तभी किसी ने उसका हाथ हिलाया और बताया कि चाय का समय हो गया है।
“राल्फ! उठो!”
पत्तियाँ समुद्र की लहरों की तरह गरज रही थीं।
“राल्फ, उठो!”
"क्या बात क्या बात?"
"हमने देख लिया--"
"--जानवर--"
"--मैदान!"
“तुम कौन हो? जुड़वाँ बच्चे?”
“हमने उस जानवर को देखा--”
"चुप रहो, पिगी!"

पत्तियाँ अभी भी ज़ोर से सरसरा रही थीं। पिग्गी उससे टकरा गया और जैसे ही वह धुंधले पड़ते तारों के आयताकार घेरे की ओर बढ़ा, उसके एक जुड़वाँ ने उसे पकड़ लिया।
“तुम बाहर नहीं जा सकते—यह बहुत बुरा है!”
"पिग्गी—भाले कहाँ हैं?"
मैं सुन सकता हूँ--
“तो चुप रहो। स्थिर लेटे रहो।”
वे वहीं लेटे हुए सुन रहे थे, पहले तो संदेह से, फिर उस वर्णन से भयभीत होकर जो जुड़वाँ बच्चे घोर चुप्पी के बीच उन्हें सुना रहे थे। जल्द ही अंधेरा पंजों से भर गया, भयानक अज्ञात और खतरे से भर गया। एक अंतहीन भोर ने तारों को धुंधला कर दिया, और अंत में उदास और धूसर प्रकाश आश्रय में छनकर आया। वे हिलने-डुलने लगे, हालाँकि आश्रय के बाहर की दुनिया अभी भी बेहद खतरनाक थी। अंधेरे का जाल पास और दूर में बँट गया, और आकाश के सबसे ऊँचे बिंदु पर बादल रंगों से जगमगा उठे। एक समुद्री पक्षी कर्कश आवाज के साथ ऊपर की ओर फड़फड़ाया, जिसकी गूँज थोड़ी देर बाद सुनाई दी, और जंगल में कुछ चीखा। अब क्षितिज के पास बादलों की लकीरें गुलाबी रंग में चमकने लगीं, और ताड़ के पेड़ों के पंखनुमा ऊपरी भाग हरे हो गए।
राल्फ आश्रय स्थल के प्रवेश द्वार पर घुटनों के बल बैठ गया और सावधानीपूर्वक अपने चारों ओर देखने लगा।
“सैम और एरिक। उन्हें चुपचाप सभा में बुलाओ। आगे बढ़ो।”
दोनों जुड़वां भाई कांपते हुए एक-दूसरे को पकड़े हुए हिम्मत करके कुछ कदम चलकर अगले आश्रय स्थल तक पहुंचे और वहां जाकर भयानक खबर सुनाई। राल्फ अपनी गरिमा बनाए रखने के लिए उठा और पीठ में चुभन महसूस करते हुए चबूतरे की ओर चल पड़ा। पिग्गी और साइमन उसके पीछे-पीछे चले और बाकी लड़के भी दबे पांव उनके पीछे आ गए।
राल्फ ने पॉलिश की हुई सीट पर रखे शंख को उठाया और उसे अपने होठों से लगाया; लेकिन फिर वह झिझका और बजाया नहीं। इसके बजाय उसने शंख को ऊपर उठाया और उन्हें दिखाया, और वे समझ गए।
क्षितिज के नीचे से ऊपर की ओर फैलती सूर्य की किरणें नीचे की ओर मुड़कर आँखों के स्तर तक आ गईं। राल्फ ने एक पल के लिए दाहिनी ओर से आती हुई सुनहरी रोशनी की बढ़ती हुई लकीर को देखा, जिससे मानो बोलना संभव हो रहा था। उसके सामने खड़े लड़कों के घेरे में शिकार के भाले लहरा रहे थे।

उसने शंख एरिक को सौंप दिया, जो जुड़वा भाइयों में सबसे करीब था।
“हमने उस राक्षस को अपनी आँखों से देखा है। नहीं—हम सो नहीं रहे थे—”
सैम ने कहानी आगे बढ़ाई। रिवाज़ के अनुसार, अब एक ही शंख दोनों जुड़वा बच्चों के लिए काफ़ी था, क्योंकि उनकी अटूट एकता को मान्यता प्राप्त थी।
“वह रोएँदार था। उसके सिर के पीछे कुछ हिल रहा था—पंख। वह जानवर भी हिल रहा था—”
“यह बहुत बुरा था। यह अचानक से उठ खड़ा हुआ—”
आग तेज थी--
“हमने इसे बस यूं ही बना लिया था--”
“--और भी लकड़ियाँ--”
“वहाँ आँखें थीं--”
"दाँत--"
“पंजे--”
“हम जितनी तेज़ी से दौड़ सकते थे दौड़े--”
“चीजों से टकराया--”
“वह जानवर हमारा पीछा कर रहा था--”
मैंने उसे पेड़ों के पीछे छिपते हुए देखा--
“लगभग मुझे छू ही लिया था--”
राल्फ ने भयभीत होकर एरिक के चेहरे की ओर इशारा किया, जो उन निशानों से भरा हुआ था जहां झाड़ियों ने उसे बुरी तरह घायल कर दिया था।
"आप ने वह कैसे किया?"
एरिक ने अपना चेहरा छुआ।
“मैं पूरी तरह से खुरदरी हो गई हूँ। क्या मुझे खून बह रहा है?”
लड़कों का घेरा डर के मारे सिकुड़ गया। जॉनी, जो अभी भी जम्हाई ले रहा था, ज़ोर-ज़ोर से रोने लगा और बिल ने उसे तब तक थप्पड़ मारे जब तक कि वह रोने से दम घुटने लगा। चमकदार सुबह खतरों से भरी थी और घेरा बदलने लगा। अब वह अंदर की बजाय बाहर की ओर था, और नुकीली लकड़ी के भाले बाड़ की तरह लग रहे थे। जैक ने उन्हें वापस केंद्र में बुलाया।
“ये तो सचमुच एक रोमांचक खोज होगी! कौन-कौन आएगा?”
राल्फ अधीरता से हिलने लगा।

“ये भाले लकड़ी के बने हैं। मूर्खता मत करो।”
जैक ने उस पर उपहास किया।
"डरा हुआ?"
“बेशक मैं डरा हुआ हूँ। कौन नहीं डरेगा?”
करुणापूर्वक लेकिन हताश, वह जोड़ी की ओर मुड़ा।
"मुझे लगता है कि आप हमारा मजाक नहीं उड़ा रहे हैं?"
उनका जवाब इतना दृढ़ था कि किसी के लिए भी उन पर संदेह करना असंभव था।
पिग्गी ने शंख ले लिया।
"क्या हम यहीं रुक नहीं सकते? शायद वो दरिंदा हमारे पास न आए।"
अगर उन्हें यह आभास न होता कि कोई उन्हें देख रहा है, तो राल्फ उस पर चिल्ला उठता।
“यहीं रुकें? और द्वीप के इस छोटे से हिस्से में सिमटकर बैठे रहें, हर समय चौकन्ना रहें? हमें खाना कैसे मिलेगा? और आग का क्या होगा?”
“चलो चलते हैं,” जैक ने दृढ़ता से कहा, “हम समय बर्बाद कर रहे हैं।”
“नहीं, हम नहीं हैं। छोटे बच्चों का क्या होगा?”
"छोटे बच्चों के लिए तो ये बहुत बुरा है!"
"किसी को तो उनकी देखभाल करनी ही होगी।"
"अभी तक किसी ने नहीं किया है।"
“इसकी कोई ज़रूरत नहीं थी! अब है। पिगी उनका ख्याल रखेगा।”
“बिल्कुल सही। पिग्गी को खतरे से दूर रखो।”
"थोड़ा होश में आओ। पिग्गी एक आंख से क्या कर सकता है?"
बाकी लड़के उत्सुकता से जैक से राल्फ की ओर देख रहे थे।
और एक बात। आप सामान्य शिकार नहीं कर सकते क्योंकि वह जानवर अपने पैरों के निशान नहीं छोड़ता। अगर छोड़ता तो आपको दिख जाते। क्या पता, वह जानवर पेड़ों पर ऐसे झूलता फिरे जैसे उसका नाम क्या हो।
उन्होंने सिर हिलाया।
इसलिए हमें सोचना होगा।
पिग्गी ने अपना टूटा हुआ चश्मा उतारा और बचे हुए लेंस को साफ किया।
"हमारा क्या ख्याल है, राल्फ?"
“तुम्हारे पास शंख नहीं है। ये लो।”

“मेरा मतलब है—हमारा क्या होगा? मान लो कि जब तुम सब दूर हो तब वो राक्षस आ जाए। मुझे ठीक से दिखाई नहीं देता, और अगर मैं डर जाऊं तो—”
जैक ने तिरस्कारपूर्ण लहजे में बीच में दखल दिया।
तुम हमेशा डरे रहते हो।
मुझे शंख मिल गया--
“शंख! शंख!” जैक चिल्लाया। “हमें अब शंख की ज़रूरत नहीं है। हम जानते हैं कि किसे बोलना चाहिए। साइमन, बिल या वाल्टर के बोलने से क्या फायदा? अब समय आ गया है कि कुछ लोग यह जान लें कि उन्हें चुप रहना चाहिए और फैसले लेने का काम हम पर छोड़ देना चाहिए।”
राल्फ अब उसकी बातों को नजरअंदाज नहीं कर सकता था। उसके गालों में खून खौल रहा था।
“तुम्हारे पास शंख नहीं है,” उसने कहा। “बैठ जाओ।”
जैक का चेहरा इतना सफेद पड़ गया कि उस पर मौजूद तिल साफ-साफ भूरे धब्बों की तरह दिखने लगे। उसने अपने होंठ चाटे और खड़ा रहा।
"यह एक शिकारी का काम है।"
बाकी लड़के ध्यान से देख रहे थे। पिगी, खुद को असहज स्थिति में फंसा हुआ पाकर, शंख को राल्फ के घुटनों पर सरकाकर बैठ गया। सन्नाटा गहराता गया और पिगी ने अपनी सांस रोक ली।
अंत में राल्फ ने कहा, "यह सिर्फ एक शिकारी का काम नहीं है, क्योंकि आप जानवर का पीछा नहीं कर सकते। और क्या आप बचाए जाना नहीं चाहते?"
उन्होंने सभा की ओर रुख किया।
क्या आप सभी बचाए जाना नहीं चाहते?
उसने जैक की ओर मुड़कर देखा।
मैंने पहले भी कहा था, आग ही सबसे महत्वपूर्ण चीज है। अब आग बुझनी ही चाहिए--"
उस पुरानी झुंझलाहट ने उसे बचा लिया और उसे हमला करने की ऊर्जा प्रदान की।
“क्या किसी में अक्ल नहीं है? हमें उस आग को फिर से जलाना होगा। तुमने कभी इसके बारे में सोचा ही नहीं, जैक? या तुममें से कोई भी बचाया जाना नहीं चाहता?”
हाँ, वे बचाए जाना चाहते थे, इसमें कोई शक नहीं था; और राल्फ की तरफ ज़ोर से झटका लगने से संकट टल गया। पिगी ने गहरी साँस ली, फिर साँस लेने की कोशिश की

लेकिन नाकाम रहा। वह एक लकड़ी के लट्ठे पर पड़ा था, मुँह खुला हुआ था, उसके होठों के चारों ओर नीली परछाइयाँ मंडरा रही थीं। किसी ने उसकी परवाह नहीं की।
“अब सोचो, जैक। क्या इस द्वीप पर कोई ऐसी जगह है जहाँ तुम नहीं गए हो?”
जैक ने अनिच्छा से उत्तर दिया।
“वहाँ तो बस एक ही रास्ता है—हाँ, बिल्कुल! याद है? वो आखिरी हिस्सा, जहाँ पत्थर ढेर लगे हैं। मैं वहाँ के पास गया था। पत्थर एक पुल जैसा बना देते हैं। ऊपर जाने का बस एक ही रास्ता है।”
और वह चीज शायद वहीं रहती हो।
सभा में उपस्थित सभी लोग एक साथ बोलने लगे।
“बिल्कुल! ठीक है। हम वहीं देखेंगे। अगर वह जानवर वहां नहीं मिला तो हम पहाड़ पर चढ़कर देखेंगे और आग जलाएंगे।”
"चल दर।"
“हम पहले खाना खा लेंगे। फिर चलेंगे।” राल्फ रुका। “हमें भाले ले जाने चाहिए।”
खाना खाने के बाद, राल्फ और उसके साथी समुद्र तट पर निकल पड़े। उन्होंने पिगी को चबूतरे पर ही बिठा दिया। आज का दिन भी बाकी दिनों की तरह नीले आसमान के नीचे धूप सेंकने के लिए बढ़िया था। समुद्र तट उनके सामने एक हल्की घुमावदार रेखा में दूर तक फैला हुआ था, जब तक कि वह जंगल में विलीन नहीं हो गया; क्योंकि दिन अभी इतना आगे नहीं बढ़ा था कि धुंध के बदलते पर्दों से छिप जाए। राल्फ के निर्देश पर, उन्होंने पानी के किनारे की गर्म रेत पर जाने की बजाय, ताड़ के पेड़ों की कतारों से सावधानी से रास्ता चुना। उसने जैक को आगे चलने दिया; और जैक नाटकीय सावधानी से चल रहा था, जबकि उन्हें बीस गज दूर कोई दुश्मन दिखाई दे रहा था। राल्फ पीछे-पीछे चल रहा था, कुछ समय के लिए ज़िम्मेदारी से मुक्त होने पर वह शुक्रगुजार था।
राल्फ के आगे चलते हुए साइमन के मन में अविश्वास की एक लहर दौड़ गई—एक ऐसा जानवर जिसके पंजे खरोंचते थे, जो पहाड़ की चोटी पर बैठा था, जो अपने पीछे कोई निशान नहीं छोड़ता था और फिर भी सैमनेरिक को पकड़ने के लिए काफी तेज़ नहीं था। साइमन उस जानवर के बारे में चाहे जो भी सोचे, उसके अंतर्मन में एक ऐसे इंसान की छवि उभर आई जो एक साथ वीर और बीमार दोनों था।
उसने आह भरी। दूसरे लोग बिना किसी व्यक्तिगत दबाव के किसी सभा में खड़े होकर बोल सकते थे; वे ऐसे बोल सकते थे मानो वे केवल एक ही व्यक्ति से बात कर रहे हों। वह एक तरफ हट गया और पीछे मुड़कर देखा। राल्फ अपने कंधे पर भाला रखे आ रहा

था। संकोच से साइमन ने अपनी चाल धीमी कर दी, जब तक कि वह राल्फ के साथ-साथ चलने लगा और अपनी आँखों पर गिरते हुए घने काले बालों के बीच से उसे देखने लगा। राल्फ ने बगल में देखा, बनावटी मुस्कान दी मानो वह भूल गया हो कि साइमन ने खुद को मूर्ख बना लिया था, फिर नज़रें कहीं और गड़ा दीं। एक-दो पल के लिए साइमन को स्वीकार किए जाने की खुशी हुई और फिर उसने अपने बारे में सोचना बंद कर दिया। जब वह एक पेड़ से टकराया तो राल्फ ने अधीरता से बगल में देखा और रॉबर्ट हँस पड़ा। साइमन लड़खड़ा गया और उसके माथे पर एक सफेद धब्बा लाल हो गया और उससे खून बहने लगा। राल्फ ने साइमन को जाने दिया और अपने निजी नरक में लौट गया। वे किसी समय महल पहुँच जाएँगे; और मुखिया को आगे बढ़ना ही होगा।

जैक दौड़ता हुआ वापस आया। "अब हम नज़र आ रहे हैं।"

“ठीक है। हम जितना हो सकेगा उतना करीब जाएंगे।”

वह जैक के पीछे-पीछे महल की ओर बढ़ा, जहाँ ज़मीन थोड़ी ऊपर उठी हुई थी। उनके बाईं ओर लताओं और पेड़ों का एक घना जाल था जिसे पार करना असंभव था।

"इसमें कुछ तो बात हो सकती है ना?"

क्योंकि आप देख सकते हैं। कुछ भी अंदर या बाहर नहीं जाता।

तो फिर महल का क्या होगा?

"देखना।"

राल्फ ने घास के आवरण को हटाया और बाहर देखा। कुछ ही गज की पथरीली ज़मीन बची थी और फिर द्वीप के दोनों किनारे लगभग मिल जाते थे, जिससे किसी ऊँची पहाड़ी की चोटी दिखाई देने की उम्मीद थी। लेकिन इसके बजाय, चट्टान की एक संकरी पट्टी, कुछ गज चौड़ी और शायद पंद्रह गज लंबी, द्वीप को समुद्र में आगे बढ़ाती थी। वहाँ गुलाबी रंग के चौकोर टुकड़ों में से एक और टुकड़ा था जो द्वीप की संरचना के नीचे स्थित था। किले का यह हिस्सा, शायद सौ फीट ऊँचा, वही गुलाबी गढ़ था जिसे उन्होंने पहाड़ की चोटी से देखा था। चट्टान फटी हुई थी और उसका ऊपरी भाग बड़े-बड़े पत्थरों से भरा हुआ था जो लड़खड़ाते हुए प्रतीत होते थे।

राल्फ के पीछे लंबी घास खामोश शिकारियों से भर गई थी। राल्फ ने जैक की ओर देखा।

तुम एक शिकारी हो।

जैक का चेहरा लाल हो गया।

मुझे पता है। ठीक है।

राल्फ के भीतर कुछ गहरा था जो उसके लिए बोल रहा था।
मैं मुखिया हूँ। मैं जाऊँगा। बहस मत करो।
उसने बाकी लोगों की ओर रुख किया।
“तुम यहीं छिप जाओ। मेरा इंतजार करो।”
उसने महसूस किया कि उसकी आवाज़ या तो गायब हो जाती थी या बहुत तेज़ निकलती थी। उसने जैक की ओर देखा।
"क्या तुम्हें लगता है?"
जैक ने बुदबुदाया।
मैंने हर जगह खोज लिया है। यह यहीं होना चाहिए।
"अच्छा ऐसा है।"
साइमन ने उलझन में बुदबुदाते हुए कहा: "मैं उस शैतान पर विश्वास नहीं करता।"
राल्फ ने विनम्रतापूर्वक उत्तर दिया, मानो वह मौसम के बारे में उससे सहमत हो।
नहीं। मुझे नहीं लगता।
उसका मुंह कसा हुआ और पीला पड़ा हुआ था। उसने बहुत धीरे-धीरे अपने बाल पीछे किए।
ठीक है। अलविदा।
उसने अपने पैरों को तब तक आगे बढ़ने के लिए मजबूर किया जब तक कि वे उसे जमीन के उस संकरे हिस्से पर नहीं ले गए।
वह चारों ओर से खाली हवा की गहरी खाईयों से घिरा हुआ था। छिपने की कोई जगह नहीं थी, भले ही आगे जाना ज़रूरी न हो। वह संकरे रास्ते पर रुका और नीचे देखा। कुछ ही सदियों में, समुद्र किले को एक द्वीप बना देगा। दाहिनी ओर खुला समुद्र से घिरा हुआ लैगून था; और बाईं ओर— राल्फ कांप उठा। लैगून ने उन्हें प्रशांत महासागर से बचाया था: और किसी कारण से केवल जैक ही दूसरी तरफ पानी में उतर गया था। अब उसने ज़मीनी नज़र से लहरों को देखा और ऐसा लगा जैसे कोई विशालकाय जीव सांस ले रहा हो। धीरे-धीरे पानी चट्टानों के बीच समा गया, जिससे ग्रेनाइट की गुलाबी मेजें, मूंगे, पराग और समुद्री शैवाल की अजीबोगरीब संरचनाएं दिखाई देने लगीं। पानी नीचे, नीचे बहता चला गया, जंगल के ऊपरी हिस्सों में हवा की तरह फुसफुसाता हुआ। वहाँ एक सपाट चट्टान थी, मेज की तरह फैली हुई, और चारों ओर समुद्री शैवाल से ढके पानी के कारण वे चट्टानें जैसी लग रही थीं। फिर सोए हुए विशालकाय जीव ने साँस छोड़ी, पानी का स्तर बढ़ा, समुद्री घास लहराई और पानी गर्जना के साथ चट्टान पर उबलने लगा।

लहरों के गुजरने का कोई आभास नहीं था; बस एक मिनट तक चलने वाला यह उतार-चढ़ाव और फिर उतार-चढ़ाव।
राल्फ लाल चट्टान की ओर मुड़ गया। वे उसके पीछे लंबी घास में इंतज़ार कर रहे थे, यह देखने के लिए कि वह क्या करेगा। उसने देखा कि उसकी हथेली का पसीना अब ठंडा हो गया था; आश्चर्य से उसे एहसास हुआ कि उसने वास्तव में किसी जानवर से मिलने की उम्मीद नहीं की थी और अगर मिल भी जाता तो वह क्या करता, यह भी उसे नहीं पता था।
उसने देखा कि वह चट्टान पर चढ़ सकता है, लेकिन इसकी आवश्यकता नहीं थी। चट्टान के चौकोर आकार के कारण उसके चारों ओर एक चबूतरा जैसा बना हुआ था, जिससे दाईं ओर, झील के ऊपर, एक किनारे पर धीरे-धीरे चलकर कोने से ओझल हो जाया जा सकता था। चलना आसान था, और जल्द ही वह चट्टान के चारों ओर झाँकने लगा।
आपको जो उम्मीद हो सकती है, उसके अलावा और कुछ नहीं: गुलाबी, घिसे हुए पत्थर जिन पर गोमांस की परत जमी हुई है जैसे बर्फ की परत; और गढ़ के शिखर पर स्थित टूटी हुई चट्टानों तक एक खड़ी ढलान।
उसके पीछे से आई एक आवाज सुनकर वह मुड़ा। जैक किनारे पर सरक रहा था।
"मैं तुम्हें यह काम अकेले नहीं करने दे सकता था।"
राल्फ ने कुछ नहीं कहा। वह चट्टानों पर आगे-आगे चलता रहा, एक अर्ध-गुफा जैसी जगह का निरीक्षण किया जिसमें सड़े हुए अंडों के एक गुच्छे के अलावा और कुछ भी भयानक नहीं था, और अंत में बैठ गया, अपने चारों ओर देखते हुए और अपने भाले के पिछले हिस्से से चट्टान पर थपथपाते हुए।
जैक उत्साहित था।
“किले के लिए कितनी शानदार जगह है!”
पानी की फुहार की एक धारा ने उन्हें भिगो दिया।
"ताजा पानी उपलब्ध नहीं है।"
तो फिर वो क्या है?
चट्टान के आधे हिस्से तक सचमुच एक लंबा हरा धब्बा था। वे ऊपर चढ़े और पानी की उस पतली धार का स्वाद चखा।
"आप वहां एक नारियल का खोल रख सकते हैं, जिसे आप लगातार भरते रह सकते हैं।"
मैं नहीं। यह बहुत ही खराब जगह है।

वे साथ-साथ अंतिम ऊंचाई तक चढ़े, जहाँ घटते हुए ढेर के शिखर पर अंतिम टूटा हुआ पत्थर था। जैक ने पास वाले पत्थर पर मुक्का मारा और उसमें हल्की सी खरोंच आई।
"तुम्हे याद है--?"
उन दोनों को बीच के बुरे समय की याद आ गई। जैक जल्दी-जल्दी बोलने लगा।
उसके नीचे ताड़ का तना गाड़ दो और अगर कोई दुश्मन आ जाए तो देखो!
उनसे सौ फीट नीचे संकरा मार्ग था, फिर पथरीली जमीन, फिर घास जिस पर जगह-जगह पेड़-पौधे उगे हुए थे, और उसके पीछे जंगल था।
“एक ही झटके में,” जैक खुशी से चिल्लाया, “और--वाह--!”
उसने हाथ से एक जोरदार इशारा किया। राल्फ ने पहाड़ की ओर देखा।
"क्या बात क्या बात?"
राल्फ मुड़ा।
"क्यों?"
"तुम देख रहे थे—मुझे नहीं पता क्यों।"
“अभी कोई सिग्नल नहीं है। दिखाने के लिए कुछ भी नहीं है।”
"सिग्नल को लेकर तुम बिल्कुल पागल हो।"
उनके चारों ओर नीला क्षितिज छाया हुआ था, जो केवल पर्वत की चोटी से टूट रहा था।
"हमारे पास बस इतना ही है।"
उसने अपना भाला हिलते हुए पत्थर पर टिका दिया और मुट्ठी भर बाल पीछे धकेल दिए।
हमें वापस जाकर पहाड़ पर चढ़ना होगा। वहीं उन्होंने उस जानवर को देखा था।
"वहां वह राक्षस नहीं होगा।"
"इसके अलावा हम और क्या कर सकते हैं?"
घास में छिपे बाकी लोगों ने जैक और राल्फ को सुरक्षित देखा और धूप में बाहर निकल आए। खोज के उत्साह में वे उस जानवर को भूल गए। वे पुल पार करके जल्दी ही चढ़ने और चिल्लाने लगे। राल्फ अब एक विशाल लाल पत्थर के टुकड़े पर हाथ रखे खड़ा था, जो चक्की के पहिये जितना बड़ा था और लड़खड़ाता हुआ लटका हुआ था। वह उदास होकर पहाड़ को देख रहा था। उसने मुट्ठी भींची और अपने दाहिनी ओर की लाल दीवार पर हथौड़े की तरह प्रहार किया। उसके होंठ कसकर बंद थे और बालों के गुच्छे के नीचे उसकी आँखें तड़प रही थीं।
"धुआँ।"
उसने अपनी चोटिल मुट्ठी को चूसा।

“जैक! चलो।”
लेकिन जैक वहाँ नहीं था। लड़कों का एक समूह, जो इतना शोर मचा रहा था कि जैक ने उस पर ध्यान नहीं दिया था, एक चट्टान को धकेल रहा था। जैसे ही वह मुड़ा, चट्टान का आधार चटक गया और पूरा ढांचा समुद्र में गिर गया, जिससे पानी की एक ज़ोरदार लहर चट्टान के आधे हिस्से तक उछल गई।
“बस करो! बस करो!”
उनकी आवाज ने उन सबके बीच सन्नाटा छा दिया।
"धुआँ।"
उसके दिमाग में एक अजीब सी बात घटी। उसके दिमाग के सामने कुछ चमगादड़ के पंख की तरह फड़फड़ाने लगा, जिससे उसका विचार धुंधला हो गया।
"धुआँ।"
तुरंत ही विचार और गुस्सा दोनों वापस आ गए।
हमें लड़ाई चाहिए। और तुम अपना समय बर्बाद कर रहे हो। तुम गांजा पी रहे हो।
रोजर चिल्लाया।
"हमे बहुत समय मिला है!"
राल्फ ने अपना सिर हिलाया।
हम पहाड़ पर जाएंगे।
शोर मच गया। कुछ लड़के वापस समुद्र तट पर जाना चाहते थे। कुछ और पत्थर लुढ़काना चाहते थे। सूरज तेज चमक रहा था और अंधेरा छाने के साथ ही खतरा भी मिट गया था।
“जैक। वो शैतान दूसरी तरफ हो सकता है। तुम फिर से नेतृत्व कर सकते हो। तुम करते आए हो।”
हम समुद्र तट पर जा सकते हैं। वहाँ फल हैं।
बिल राल्फ के पास आया।
"हम यहाँ थोड़ी देर क्यों नहीं रुक सकते?"
"यह सही है।''
चलो एक किला बनाते हैं।
“यहाँ न तो खाना है और न ही रहने की जगह। ताज़ा पानी भी ज़्यादा नहीं है,” राल्फ ने कहा।
"यह एक जादूगरों का किला बन सकता है।"

हम पत्थरों को लुढ़का सकते हैं--
“सीधे पुल पर--”
“मैं कहता हूँ, हम आगे बढ़ेंगे!” राल्फ ने गुस्से से चिल्लाते हुए कहा। “हमें पक्का करना होगा। हम अभी चलेंगे।”
“चलो यहीं रुकते हैं--”
“वापस आश्रय स्थल पर--”
"मैं थक गया हूं--"
"नहीं!"
राल्फ ने अपनी उंगलियों के जोड़ों की त्वचा पर प्रहार किया। उन्हें कोई चोट नहीं लगी।
“मैं मुखिया हूँ। हमें पक्का करना होगा। क्या तुम्हें पहाड़ नहीं दिख रहा? कोई सिग्नल नहीं दिख रहा। शायद वहाँ कोई जहाज हो। क्या तुम सब पागल हो गए हो?”
विद्रोही भाव से, लड़के चुप हो गए या बुदबुदाने लगे।
जैक चट्टान से नीचे उतरकर पुल पार करने में आगे-आगे चल रहा था।

मक्खियों के भगवान

अध्याय सात: परछाइयाँ और ऊँचे पेड़

सूअरों का बाड़ा दूसरी तरफ पानी के किनारे पड़े चट्टानों के ढेर के पास से होकर गुजरता था और राल्फ जैक के पीछे-पीछे चलने में संतुष्ट था। अगर आप समुद्र की धीमी लहरों की आवाज़ और लौटते पानी की उमस को अनसुना कर सकें, अगर आप दोनों तरफ के सुनसान और वीरान फर्न के आवरणों को भूल सकें, तो शायद आप उस जानवर को भुलाकर कुछ देर के लिए सपने देख सकें। सूरज ढल चुका था और दोपहर की गर्मी द्वीप पर छाने लगी थी। राल्फ ने जैक को संदेश दिया और जब वे अगली बार फलों के पास पहुँचे तो सभी रुक गए और खाने लगे।
बैठे-बैठे राल्फ को उस दिन पहली बार गर्मी का एहसास हुआ। उसने अपनी धूसर कमीज़ को बेरुखी से खींचा और सोचा कि क्या उसे इसे धोने का जोखिम उठाना

चाहिए। इस द्वीप के लिए भी असामान्य गर्मी में बैठे-बैठे राल्फ ने अपने नहाने-धोने की योजना बनाई। वह कैंची लेकर अपने बाल काटना चाहता था—उसने बालों का गुच्छा पीछे की ओर झटका—इन गंदे बालों को आधा इंच तक काटना चाहता था। वह नहाना चाहता था, साबुन से अच्छी तरह से लोटपोट होना चाहता था। उसने अपनी जीभ से अपने दांतों को टटोला और सोचा कि टूथब्रश भी काम आएगा। फिर उसके नाखून थे—राल्फ ने अपना हाथ पलटकर देखा। उसके हाथ बुरी तरह से कटे हुए थे, हालाँकि उसे याद नहीं था कि उसने यह आदत कब से दोबारा शुरू की थी और न ही उसे याद था कि उसने ऐसा कब किया था।

“अगली बार मैं अपना अंगूठा चूसूंगा--”

उसने चारों ओर चुपके से देखा। जाहिर तौर पर किसी ने नहीं सुना था। शिकारी बैठे हुए इस आसान भोजन से अपना पेट भर रहे थे, और खुद को यह समझाने की कोशिश कर रहे थे कि केले और उस दूसरे जैतून-भूरे, जेली जैसे फल से उन्हें पर्याप्त आनंद मिल गया है। अपने कभी साफ-सुथरे रूप की याद को मानक मानते हुए, राल्फ ने उन पर नजर डाली। वे गंदे थे, लेकिन उन लड़कों की तरह नहीं जो कीचड़ में गिर गए हों या बारिश के दिन बुरी तरह से भीग गए हों। उनमें से कोई भी नहाने लायक नहीं था, फिर भी—बाल, बहुत लंबे, जगह-जगह उलझे हुए, किसी सूखे पत्ते या टहनी से लिपटे हुए; खाने और पसीने से चेहरे काफी हद तक साफ हो गए थे, लेकिन कम दिखाई देने वाले कोनों में एक तरह की छाया थी; कपड़े, घिसे हुए, पसीने से उसके अपने कपड़ों की तरह कड़े, शिष्टाचार या आराम के लिए नहीं बल्कि रिवाज के कारण पहने हुए; शरीर की त्वचा, खारे पानी से खुरदरी—

उसे थोड़ी उदासी के साथ एहसास हुआ कि अब ये परिस्थितियाँ उसके लिए सामान्य हो गई थीं और उसे इससे कोई आपत्ति नहीं थी। उसने आह भरी और उस डंठल को हटा दिया जिससे उसने फल तोड़े थे। शिकारी पहले ही जंगल में या चट्टानों के पास अपना काम निपटाने के लिए निकल चुके थे। उसने मुड़कर समुद्र की ओर देखा।

द्वीप के दूसरी ओर, नज़ारा बिलकुल अलग था। मृगतृष्णा का धुंधला सा आकर्षण ठंडे समुद्री पानी में टिक नहीं पाया और क्षितिज कठोर, कटा-फटा नीला था। राल्फ चट्टानों की ओर नीचे चला गया। यहाँ, लगभग समुद्र के तल पर, आप अपनी आँखों से गहरे समुद्र की लहरों के निरंतर, उमड़ते हुए प्रवाह को देख सकते थे। वे मीलों चौड़ी थीं, मानो न तो छोटी लहरें थीं और न ही उथले पानी की छोटी-छोटी लकीरें। वे द्वीप की लंबाई में ऐसे यात्रा कर रही थीं मानो उसे नज़रअंदाज़ कर रही हों और किसी और काम में लगी

हों; वे प्रगति से ज़्यादा पूरे समुद्र के एक ज़बरदस्त उत्थान और पतन का दृश्य थीं। कभी समुद्र नीचे की ओर खींचता, पीछे हटते पानी के झरने और जलप्रपात बनाता, चट्टानों के पार डूबता और समुद्री शैवाल को चमकदार बालों की तरह चिपका देता: फिर, रुककर, इकट्ठा होता और गर्जना के साथ ऊपर उठता, चट्टानों और उभारों पर अनियंत्रित रूप से उमड़ता, छोटी चट्टान पर चढ़ता, और अंत में लहरों की एक भुजा को एक नाले से ऊपर भेजता जो उससे कुछ गज की दूरी पर फुहारों के गुच्छों में समाप्त होती।
एक के बाद एक लहरों का पीछा करते हुए, राल्फ उनके उतार-चढ़ाव को देखता रहा, जब तक कि समुद्र की विशालता ने उसके दिमाग को सुन्न नहीं कर दिया। फिर धीरे-धीरे इस पानी के लगभग अनंत आकार ने उसका ध्यान अपनी ओर खींच लिया। यही विभाजक था, यही बाधा थी। द्वीप के दूसरी ओर, दोपहर के समय मृगतृष्णा से घिरे, शांत लैगून की ढाल से सुरक्षित, कोई बचाव का सपना देख सकता था; लेकिन यहाँ, समुद्र की क्रूर निरर्थकता, मीलों के विभाजन का सामना करते हुए, व्यक्ति जकड़ा हुआ था, असहाय था, दोषी ठहराया गया था, और...
साइमन लगभग उसके कान में फुसफुसा रहा था। राल्फ ने पाया कि उसने दोनों हाथों में चट्टान को दर्दनाक ढंग से जकड़ रखा है, उसका शरीर धनुषाकार हो गया है, गर्दन की मांसपेशियां अकड़ी हुई हैं और मुंह जबरदस्ती खुला हुआ है।
आप जहां से आए हैं वहीं वापस पहुंच जाएंगे।
बोलते समय साइमन ने सिर हिलाया। वह एक घुटने पर बैठा था और दोनों हाथों से पकड़ी हुई एक ऊँची चट्टान से नीचे देख रहा था; उसका दूसरा पैर राल्फ के स्तर तक फैला हुआ था।
राल्फ असमंजस में था और सुराग पाने के लिए साइमन के चेहरे को ध्यान से देखने लगा।
“यह इतना बड़ा है, मेरा मतलब है--”
साइमन ने सिर हिलाया।
“कोई बात नहीं। तुम ठीक-ठाक वापस आ जाओगे। कम से कम मुझे तो ऐसा ही लगता है।”
राल्फ के शरीर से कुछ तनाव कम हो गया था। उसने समुद्र की ओर देखा और फिर साइमन की ओर कड़वी मुस्कान के साथ देखा।
"क्या तुम्हारी जेब में कोई जहाज है?"
साइमन मुस्कुराया और उसने अपना सिर हिलाया।

"तो फिर आपको कैसे पता?"
जब साइमन चुप रहा तो राल्फ ने रूखेपन से कहा, "तुम पागल हो।"
साइमन ने अपना सिर इतनी जोर से हिलाया कि उसके मोटे काले बाल उसके चेहरे पर आगे-पीछे उड़ने लगे।
“नहीं, मैं नहीं हूँ। मुझे बस लगता है कि तुम ठीक-ठाक वापस आ जाओगे।”
कुछ पल के लिए कोई और बात नहीं हुई। फिर अचानक वे एक-दूसरे को देखकर मुस्कुराए।
रॉजर ने गुप्त ठिकाने से फोन किया।
"आओ और देखो!"
सूअरों के बाड़े के पास की ज़मीन पलटी हुई थी और वहाँ गोबर पड़ा था जिससे भाप निकल रही थी। जैक उस पर ऐसे झुका जैसे उसे उससे प्यार हो।
"राल्फ—हमें मांस की जरूरत है, भले ही हम दूसरे जानवर का शिकार कर रहे हों।"
"अगर आपका मतलब सही रास्ते पर जाने से है, तो हम शिकार करेंगे।"
वे फिर से चल पड़े, शिकारी उस जानवर के डर से थोड़ा झुंड बनाकर खड़े हो गए, जबकि जैक आगे निकल गया। उनकी गति राल्फ की उम्मीद से धीमी थी; फिर भी एक तरह से वह भाला थामे धीरे-धीरे चलने में खुश था। जैक को अपने काम से जुड़ी कोई आपात स्थिति आ गई और जल्द ही जुलूस रुक गया। राल्फ एक पेड़ से टिक गया और तुरंत उसके मन में दिवास्वप्न उमड़ आए। जैक शिकार का नेतृत्व कर रहा था और पहाड़ तक पहुँचने का समय होगा--
एक बार, अपने पिता के साथ चैथम से डेवनपोर्ट जाते हुए, वे दलदली भूमि के किनारे एक झोपड़ी में रहते थे। राल्फ ने जितने भी घर देखे थे, उनमें से यह घर उसे विशेष रूप से याद था क्योंकि इसके बाद उसे स्कूल भेज दिया गया था। माँ अभी भी उनके साथ थीं और पिताजी हर दिन घर आते थे। बगीचे के निचले हिस्से में पत्थर की दीवार तक जंगली टट्टू आते थे और बर्फ़बारी हुई थी। झोपड़ी के ठीक पीछे एक छोटा सा शेड था जहाँ लेटकर बर्फ़ के टुकड़ों को उड़ते हुए देखा जा सकता था। आप उस नम जगह को देख सकते थे जहाँ हर बर्फ़ का टुकड़ा पिघलकर जम जाता था, फिर आप उस पहले बर्फ़ के टुकड़े को देख सकते थे जो बिना पिघले पड़ा रहता था और पूरी ज़मीन को सफ़ेद होते हुए देख सकते थे। ठंड लगने पर आप अंदर जाकर खिड़की से बाहर देख सकते थे, जहाँ चमकदार तांबे की केतली और नीले रंग के छोटे आदमियों वाली प्लेट रखी होती थी।

जब आप सोने जाते थे, तो वहाँ चीनी और मलाई से भरे कॉर्नफ्लेक्स का एक कटोरा रखा होता था। और किताबें—वे बिस्तर के पास वाली शेल्फ पर रखी रहती थीं, एक-दूसरे से सटी हुई, हमेशा दो-तीन किताबें ऊपर पड़ी रहती थीं क्योंकि उसने उन्हें ठीक से रखने की ज़हमत नहीं उठाई थी। उनके पन्ने मुड़े हुए थे और उन पर खरोंचें थीं। एक चमकदार, चमकीली किताब थी टॉप्सी और मॉप्सी के बारे में, जिसे उसने कभी नहीं पढ़ा क्योंकि वह दो लड़कियों के बारे में थी; एक जादूगर के बारे में थी, जिसे आप एक तरह के दबे हुए डर के साथ पढ़ते थे, मकड़ी के भयानक चित्र वाले पन्ने को छोड़ देते थे; एक किताब उन लोगों के बारे में थी जिन्होंने चीज़ें खोजी थीं, मिस्र की चीज़ें; एक थी _लड़कों की रेलगाड़ियों की किताब_, _लड़कों की जहाज़ों की किताब_। वे सब उसके सामने जीवंत रूप से आ जाती थीं; वह हाथ बढ़ाकर उन्हें छू सकता था, _लड़कों के लिए विशालकाय किताब_ के भार और धीरे-धीरे खिसकने का एहसास कर सकता था, जिससे वह किताब निकलती और नीचे सरकती थी। . . . सब कुछ ठीक था; सब कुछ खुशनुमा और दोस्ताना था।

उनके सामने झाड़ियाँ बिखर गईं। लड़के सूअर के रास्ते से बेतहाशा उछल पड़े और चीखते हुए लताओं में छिप गए। राल्फ ने देखा कि जैक को धक्का लगा और वह गिर गया। तभी एक जानवर चमकते दांतों और डरावनी गुर्राहट के साथ सूअर के रास्ते से उसकी ओर दौड़ता हुआ आया। राल्फ ने ठंडे दिमाग से दूरी का अंदाज़ा लगाया और निशाना साधा। सूअर केवल पाँच गज दूर था, उसने अपने हाथ में पकड़ी हुई लकड़ी की छड़ी फेंकी, देखा कि वह उसके बड़े थूथन से टकराई और एक पल के लिए वहीं लटकी रही। सूअर की आवाज़ चीख में बदल गई और वह झाड़ियों में भाग गया। सूअर का रास्ता फिर से चिल्लाते लड़कों से भर गया, जैक दौड़कर वापस आया और झाड़ियों में इधर-उधर देखने लगा।

“यहाँ से होकर--”

लेकिन वह हमारे लिए ऐसा करेगा!

मैंने कहा, "यहाँ से होकर--"

सूअर उनसे दूर भाग रहा था। उन्हें पहले वाले के समानांतर एक और सूअर का बाड़ा मिला और जैक तेजी से भाग निकला। राल्फ डर, आशंका और गर्व से भरा हुआ था।

“मैंने उसे मारा! भाला उसमें धंस गया--”

अब वे अचानक समुद्र के किनारे एक खुले मैदान में आ पहुँचे। जैक नंगी चट्टान पर कुछ ढूंढने लगा और चिंतित दिखने लगा।

"वह चला गया है।"
“मैंने उसे मारा,” राल्फ ने फिर कहा, “और भाला थोड़ा सा अंदर धंस गया।”
उन्हें गवाहों की आवश्यकता महसूस हुई।
क्या तुमने मुझे नहीं देखा?
मौरिस ने सिर हिलाया।
मैंने तुम्हें देखा। बिल्कुल उसकी थूथन पर—वाह!”
राल्फ उत्साह से बोलता रहा।
“मैंने उसे सही निशाना लगाया। भाला उसमें धंस गया। मैंने उसे घायल कर दिया!”
उसने उनके नए सम्मान में धूप का आनंद लिया और महसूस किया कि शिकार करना आखिरकार अच्छा ही है।
“मैंने उसे जमकर पीटा। मुझे लगता है कि वही असली राक्षस था!” जैक ने जवाब दिया।
“वह जानवर नहीं था। वह एक जंगली सूअर था।”
मैंने उसे मारा।
“तुमने उसे क्यों नहीं पकड़ा? मैंने कोशिश की थी--”
राल्फ की आवाज ऊंची हो गई।
लेकिन एक जंगली सूअर!
जैक का चेहरा अचानक लाल हो गया।
"तुमने कहा था कि वह हमारे साथ ऐसा करेगा। तुम किसलिए फेंकना चाहते थे? तुमने इंतज़ार क्यों नहीं किया?"
उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया।
"देखना।"
उसने अपना बायां हाथ सबके सामने घुमाया। बाहर की तरफ एक छोटा सा चीरा था; ज्यादा बड़ा नहीं, लेकिन खून से सना हुआ।
“उसने अपने दांतों से ऐसा किया। मैं समय रहते अपना भाला नीचे नहीं कर पाया।”
सारा ध्यान जैक पर केंद्रित था।
"यह एक घाव है," साइमन ने कहा, "और तुम्हें इसे चूसना चाहिए। बेरेंगारिया की तरह।"
जैक बेकार था।
“मैंने उसे मारा,” राल्फ ने गुस्से से कहा। “मैंने उसे अपने भाले से मारा, मैंने उसे घायल कर दिया।”
उसने उनका ध्यान आकर्षित करने की कोशिश की।

“वह रास्ते पर आ रहा था। मैंने ऐसे फेंका--”
रॉबर्ट उस पर गुर्राया। राल्फ खेल में शामिल हुआ और सब हंसने लगे। थोड़ी देर बाद वे सब रॉबर्ट पर मुक्के बरसाने लगे, जिस पर रॉबर्ट ने नकली हमले किए।
जैक चिल्लाया।
"एक अंगूठी बनाओ!"
गोला अंदर-बाहर घूमने लगा। रॉबर्ट ने बनावटी डर से चीख मारी, फिर सचमुच दर्द से।
आह! बस करो! दर्द हो रहा है!
जब वह उनके बीच भटक रहा था, तभी एक भाले का पिछला हिस्सा उसकी पीठ पर जा गिरा।
“उसे पकड़ो!”
उन्होंने उसके हाथ-पैर पकड़ लिए। अचानक उमड़े तीव्र उत्साह में आकर राल्फ ने एरिक का भाला छीन लिया और उससे रॉबर्ट पर वार कर दिया।
“उसे मार डालो! उसे मार डालो!”
अचानक, रॉबर्ट चीखने लगा और उन्माद की शक्ति से छटपटाने लगा। जैक ने उसके बाल पकड़ रखे थे और चाकू लहरा रहा था। उसके पीछे रोजर था, जो उसके करीब आने के लिए संघर्ष कर रहा था। नृत्य या शिकार के अंतिम क्षण की तरह, मंत्रोच्चार एक रस्म के रूप में गूंज उठा।
“सूअर को मार डालो! उसका गला काट दो! सूअर को मार डालो! उसे पीट-पीट कर रख दो!”
राल्फ भी पास जाने के लिए, उस भूरे, कोमल मांस को मुट्ठी भर पाने के लिए संघर्ष कर रहा था। निचोड़ने और चोट पहुँचाने की इच्छा उस पर हावी हो रही थी।
जैक का हाथ नीचे आया; चारों ओर मौजूद लोग खुशी से चिल्लाए और सूअर के मरने जैसी आवाजें निकालने लगे। फिर वे चुपचाप हांफते हुए लेट गए और रॉबर्ट की डरी हुई सिसकियों को सुनने लगे। उसने अपने गंदे हाथ से अपना चेहरा पोंछा और अपनी स्थिति सुधारने की कोशिश की।
"ओह, मेरी कमर!"
उसने निराशा से अपनी कमर खुजलाई। जैक करवट बदल गया।
“यह एक अच्छा मैच था।”
“बस एक खेल था,” राल्फ ने घबराते हुए कहा। “रग्बी खेलते हुए मुझे एक बार बहुत बुरी चोट लग गई थी।”

मौरिस ने कहा, "हमारे पास एक ढोल होना चाहिए, फिर हम इसे ठीक से कर पाएंगे।"
राल्फ ने उसकी ओर देखा।
“कितना सही तरीके से?”
मुझे नहीं पता। मुझे लगता है कि आपको आग चाहिए, और एक ढोल, और आप ढोल की थाप पर ताल मिलाते हैं।
"तुम्हें एक सुअर चाहिए," रोजर ने कहा, "बिल्कुल असली शिकार की तरह।"
"या फिर कोई ऐसा व्यक्ति जो नाटक कर सके," जैक ने कहा। "तुम किसी को सूअर का वेश पहना सकते हो और फिर वो नाटक कर सकता है—मतलब, मुझे गिराने का नाटक कर सकता है वगैरह।"
रॉबर्ट ने अपनी पीठ सहलाते हुए कहा, "तुम्हें एक असली सुअर चाहिए, क्योंकि तुम्हें उसे मारना होगा।"
"एक छोटे बच्चे का इस्तेमाल करो," जैक ने कहा, और सब लोग हंस पड़े।
राल्फ उठकर बैठ गया।
“खैर। इस रफ्तार से तो हमें वो नहीं मिलेगा जिसकी हम तलाश कर रहे हैं।”
वे एक-एक करके खड़े हुए और चिथड़ों को ठीक से समेटने लगे।
राल्फ ने जैक की ओर देखा।
अब पहाड़ की बारी है।
मौरिस ने कहा, "क्या हमें अंधेरा होने से पहले पिगी के पास वापस नहीं जाना चाहिए?"
दोनों जुड़वा बच्चों ने एक ही लड़के की तरह सिर हिलाया।
“जी हां, बिल्कुल सही। चलिए सुबह वहां चलते हैं।”
राल्फ ने बाहर देखा और उसे समुद्र दिखाई दिया।
हमें आग को फिर से जलाना होगा।
“तुम्हारे पास पिग्गी का चश्मा नहीं है,” जैक ने कहा, “इसलिए तुम नहीं कर सकते।”
"तब हमें पता चलेगा कि पहाड़ साफ है या नहीं।"
मौरिस हिचकिचाते हुए बोला, वह उदास या निराश नहीं दिखना चाहता था।
"मान लो कि वो जानवर ऊपर है?"
जैक ने अपना भाला लहराया।
हम इसे मार डालेंगे।
सूरज थोड़ा ठंडा लग रहा था। उसने भाले से वार किया।
"हमें किसका इंतज़ार है?"

“मुझे लगता है,” राल्फ ने कहा, “अगर हम इसी तरह समुद्र के किनारे चलते रहे, तो हम जले हुए हिस्से के नीचे पहुँच जाएँगे और फिर हम पहाड़ पर चढ़ सकते हैं।”
एक बार फिर जैक उन्हें चकाचौंध कर देने वाले समुद्र की लहरों के खिंचाव और उछाल के सहारे आगे ले गया।
एक बार फिर राल्फ ने सपने देखे, अपने कुशल पैरों को रास्ते की कठिनाइयों से निपटने दिया। फिर भी यहाँ उसके पैर पहले से कम कुशल लग रहे थे। रास्ते के अधिकांश भाग में पानी ने उन्हें नंगी चट्टान तक धकेल दिया था और उन्हें उस चट्टान और घने जंगल के बीच से होकर गुजरना पड़ा। कुछ छोटी-छोटी चट्टानें थीं जिन पर चढ़ना था, कुछ को रास्तों के रूप में इस्तेमाल करना था, लंबे-लंबे रास्ते थे जहाँ हाथों और पैरों दोनों का इस्तेमाल करना पड़ता था। कहीं-कहीं वे लहरों से भीगी चट्टानों पर चढ़ सकते थे, ज्वार द्वारा छोड़े गए साफ पानी के कुंडों को पार कर सकते थे। वे एक ऐसी खाई के पास पहुँचे जो संकरे तट को एक रक्षापंक्ति की तरह चीर रही थी। ऐसा लग रहा था कि इसकी कोई तल नहीं है और वे विस्मय से उस अंधेरी दरार में झाँक रहे थे जहाँ पानी कलकल कर रहा था। फिर लहर वापस आई, खाई उनके सामने उबल उठी और पानी की फुहारें लताओं तक उछल पड़ीं जिससे लड़के भीग गए और चीखने लगे। उन्होंने जंगल में जाने की कोशिश की लेकिन वह घना और चिड़िया के घोंसले की तरह बुना हुआ था। अंत में उन्हें एक-एक करके कूदना पड़ा, पानी के कम होने का इंतजार करते हुए; और फिर भी, उनमें से कुछ दूसरी बार भीग गए। उसके बाद चट्टानें और भी दुर्गम लगने लगीं, इसलिए वे कुछ देर के लिए बैठ गए, अपने कपड़े सूखने दिए और द्वीप के पास से धीरे-धीरे गुजरती लहरों की धुंधली आकृतियों को देखते रहे। उन्हें चमकीले छोटे पक्षियों के झुंड में फल मिले जो कीड़ों की तरह मंडरा रहे थे। तभी राल्फ ने कहा कि वे बहुत धीरे चल रहे हैं। वह खुद एक पेड़ पर चढ़ गया और पत्तियों के बीच से झाँका, और पहाड़ की चोटी अभी भी बहुत दूर लग रही थी। फिर उन्होंने चट्टानों पर जल्दी चलने की कोशिश की और रॉबर्ट के घुटने में बुरी तरह चोट लग गई, तब उन्हें एहसास हुआ कि अगर उन्हें सुरक्षित रहना है तो इस रास्ते पर धीरे-धीरे चलना होगा। इसलिए वे उसके बाद ऐसे आगे बढ़े जैसे किसी खतरनाक पहाड़ पर चढ़ रहे हों, जब तक कि चट्टानें एक अभेद्य चट्टान में नहीं बदल गईं, जो घने जंगल से घिरी हुई थी और सीधे समुद्र में गिरती थी।
राल्फ ने सूर्य को आलोचनात्मक दृष्टि से देखा।
"शाम के शुरुआती समय में। कम से कम चाय के समय के बाद।"

"मुझे यह चट्टान याद नहीं है," जैक ने निराश होकर कहा, "इसलिए यह तट का वह हिस्सा होना चाहिए जिसे मैं देखने से चूक गया।"
राल्फ ने सिर हिलाया।
"मुझे लगता है।"
अब तक, राल्फ को सार्वजनिक रूप से सोचने में कोई झिझक नहीं होती थी और वह दिन के फैसलों को ऐसे लेता था जैसे शतरंज खेल रहा हो। एकमात्र समस्या यह थी कि वह कभी भी अच्छा शतरंज खिलाड़ी नहीं बन सकता था। उसने छोटे बच्चों और पिगी के बारे में सोचा। उसने स्पष्ट रूप से कल्पना की कि पिगी अकेला एक ऐसे आश्रय में दुबका हुआ है जहाँ बुरे सपने की आवाज़ों के अलावा सन्नाटा छाया हुआ है।
“हम छोटे बच्चों को पिगी के साथ अकेले नहीं छोड़ सकते। पूरी रात तो बिल्कुल नहीं।”
बाकी लड़के कुछ नहीं बोले, बस उसके चारों ओर खड़े होकर उसे देखते रहे।
"अगर हम वापस जाते तो हमें घंटों लग जाते।"
जैक ने गला साफ किया और एक अजीब, कसी हुई आवाज में बोला, "हमें पिग्गी को कुछ भी नहीं होने देना चाहिए, है ना?" राल्फ ने एरिक के भाले की गंदी नोक से अपने दांतों को थपथपाया।
“अगर हम पार चले गए तो--”
उसने चारों ओर नजर घुमाई।
"किसी को द्वीप के उस पार जाकर पिगी को बताना होगा कि हम अंधेरा होने के बाद वापस आएंगे।"
बिल ने अविश्वास भरे स्वर में कहा।
“क्या वह अकेले ही जंगल के रास्ते जाएगा? अभी?”
हम एक से ज्यादा नहीं दे सकते।
साइमन धक्का-मुक्की करते हुए राल्फ की कोहनी तक पहुंच गया।
"अगर आप चाहें तो मैं चलूंगा। मुझे कोई आपत्ति नहीं है, सच में।"
इससे पहले कि राल्फ जवाब दे पाता, उसने जल्दी से मुस्कुराया, मुड़ा और जंगल में चढ़ गया।
राल्फ ने जैक की ओर पीछे मुड़कर देखा, उसे देखकर उसे बेहद गुस्सा आया क्योंकि वह उसे पहली बार देख रहा था।
"जैक—उस समय तुम कैसल रॉक तक पूरा रास्ता गए थे।"
जैक ने गुस्से से देखा।

"हाँ?"
"आप इस तट के एक हिस्से से होकर आए थे - पहाड़ के नीचे, उससे आगे।"
"हाँ।"
"और तब?"
मुझे सूअरों का एक बाड़ा मिला। यह कई मील तक फैला हुआ था।
"तो सूअरों के आने-जाने का रास्ता कहीं न कहीं वहीं होना चाहिए।"
राल्फ ने सिर हिलाया। उसने जंगल की ओर इशारा किया।
सभी ने समझदारी से सहमति जताई।
“ठीक है। हम तब तक रास्ता बनाते रहेंगे जब तक हमें सूअरों का अड्डा न मिल जाए।”
उसने एक कदम बढ़ाया और रुक गया।
"लेकिन एक मिनट रुको! सूअरों का बाड़ा आखिर जाता कहाँ है?"
“पहाड़,” जैक ने कहा, “मैंने तुमसे कहा था ना।” उसने व्यंग्य करते हुए कहा, “क्या तुम पहाड़ पर नहीं जाना चाहते?”
बढ़ते विरोध को भांपते हुए राल्फ ने आह भरी, और समझ गया कि जैक को नेतृत्व छोड़ना ही ठीक इसी तरह महसूस होता है।
मैं रोशनी के बारे में सोच रहा था। हम इधर-उधर भटकते रहेंगे।
हम उस जानवर को ढूंढने जा रहे थे।
"पर्याप्त रोशनी नहीं होगी।"
“मुझे जाने में कोई आपत्ति नहीं,” जैक ने गुस्से से कहा। “जब हम वहाँ पहुँचेंगे तो मैं चला जाऊँगा। क्या तुम नहीं जाओगे? क्या तुम आश्रय स्थलों पर वापस जाकर पिगी को बताना चाहोगे?”
अब राल्फ की बारी थी शरमाने की, लेकिन उसने निराशा भरे स्वर में कहा, क्योंकि पिगी ने उसे एक नई समझ दी थी।
"तुम्हे मुझसे घृणा क्यों है?"
लड़के बेचैनी से हिलने-डुलने लगे, मानो कोई अभद्र बात कह दी गई हो। सन्नाटा गहराता चला गया।
राल्फ, जो अभी भी गर्म और घायल था, सबसे पहले मुड़ गया।
"चलो भी।"
वह आगे-आगे चलने लगा और झाड़ियों को काटने का अपना अधिकार समझकर खड़ा हो गया। जैक सबसे पीछे, खोया-खोया और उदास सा खड़ा रहा।

सूअरों का रास्ता एक अंधेरी सुरंग जैसा था, क्योंकि सूरज तेज़ी से ढल रहा था और जंगल में छाया हमेशा आसानी से मिल जाती थी। रास्ता चौड़ा और घिसा-पिटा था और वे तेज़ी से दौड़ रहे थे। तभी पत्तों की छत हटी और वे रुक गए, तेज़ी से साँस लेते हुए, पहाड़ की चोटी के चारों ओर टिमटिमाते कुछ तारों को देखने लगे।
"वहां आप हैं।"
दोनों लड़के संदेह भरी निगाहों से एक-दूसरे को देखने लगे। राल्फ ने एक फैसला लिया।
"हम सीधे प्लेटफार्म पर जाएंगे और कल चढ़ाई करेंगे।"
उन्होंने सहमति में धीमी आवाज़ में कहा; लेकिन जैक उसके कंधे के पास खड़ा था।
“अगर आप डरे हुए हैं तो बेशक--”
राल्फ उसकी ओर मुड़ गया।
"कैसल रॉक पर सबसे पहले कौन गया था?"
मैं भी गया था। और तब दिन का उजाला था।
“ठीक है। अब पहाड़ पर कौन चढ़ना चाहता है?” सन्नाटा ही एकमात्र जवाब था।
“सामनरिक? आपका क्या ख्याल है?”
हमें जाकर पिगी को बताना चाहिए--
“--हाँ, पिग्गी को बता देना--”
लेकिन साइमन चला गया!
हमें पिग्गी को बता देना चाहिए—कहीं ऐसा न हो—”
“रॉबर्ट? बिल?”
अब वे सीधे प्लेटफार्म पर वापस जा रहे थे। ऐसा नहीं था कि वे डरे हुए थे—बल्कि थके हुए थे।
राल्फ जैक की ओर मुड़ गया।
"आप देखें?"
“मैं पहाड़ पर जा रहा हूँ।” जैक के मुँह से ये शब्द क्रोध से निकले, मानो कोई श्राप हो। उसने राल्फ की ओर देखा, उसका दुबला-पतला शरीर तनाव में था, उसका भाला इस तरह पकड़ा हुआ था मानो वह उसे धमकी दे रहा हो।
“मैं अभी पहाड़ पर उस जानवर को ढूंढने जा रहा हूँ।” फिर आया वो चुभने वाला, बेपरवाह, कड़वा शब्द। “आ रहे हो?”
उस शब्द को सुनते ही बाकी लड़के जाने की अपनी इच्छा भूल गए और अंधेरे में दो आत्माओं के इस ताज़े मिश्रण का स्वाद चखने के लिए वापस लौट आए। वह शब्द इतना

अच्छा, इतना कड़वा और इतना प्रभावी था कि उसे दोहराना असंभव था। राल्फ को तब वापस आश्रय और लैगून के शांत, मित्रवत जल में लौटने में समय लगा जब ज्वार कम था और उसका हौसला पस्त था।
मुझे कोई आपत्ति नहीं है।
आश्चर्यचकित होकर उसने अपनी आवाज को शांत और सहज रूप से निकलते हुए सुना, जिससे जैक के ताने की कड़वाहट बेअसर हो गई।
"अगर आपको कोई आपत्ति न हो, तो बेशक।"
"नहीं, बिलकुल नहीं।"
जैक ने एक कदम बढ़ाया।
"तो ठीक है--"
चुपचाप खड़े लड़कों की निगाहों के बीच, दोनों कंधे से कंधा मिलाकर पहाड़ पर चढ़ने लगे।
राल्फ रुक गया।
“हम बेवकूफ हैं। सिर्फ दो ही क्यों जाएं? अगर हमें कुछ मिलता भी है, तो दो काफी नहीं होंगे।”
लड़कों के भागने की आवाज़ सुनाई दी। हैरानी की बात यह थी कि एक काली आकृति लहरों के विपरीत दिशा में आगे बढ़ी।
“रोजर?”
"हाँ।"
"तो ये तीन हो गए।"
एक बार फिर वे पहाड़ की ढलान पर चढ़ने के लिए निकल पड़े। अंधेरा मानो ज्वार की तरह उनके चारों ओर बह रहा था। जैक, जिसने अब तक कुछ नहीं कहा था, अचानक खांसने और दम घुटने लगा, और हवा के एक झोंके ने तीनों को हांफने पर मजबूर कर दिया। राल्फ की आंखें आंसुओं से भर उठी थीं।
“राख। हम जले हुए क्षेत्र के किनारे पर हैं।”
उनके कदमों की आहट और कभी-कभार चलने वाली हवा से धूल के छोटे-छोटे गुबार उठ रहे थे। अब जब वे फिर से रुक गए, तो खांसते हुए राल्फ को यह याद करने का समय मिला कि वे कितने बेवकूफ थे। अगर कोई जानवर नहीं था—और लगभग निश्चित रूप से कोई जानवर नहीं था—तो ठीक है; लेकिन अगर पहाड़ की चोटी पर कुछ

इंतजार कर रहा था—तो अंधेरे से लाचार और सिर्फ लकड़ियों के सहारे उन तीन लोगों के जाने का क्या फायदा?
हम मूर्खता कर रहे हैं।
अंधकार से उत्तर प्रकट हुआ।
"तूफ़ानी?"
चिड़चिड़ाते हुए राल्फ ने खुद को झटका दिया। यह सब जैक की गलती थी।
“बेशक मैं हूँ। लेकिन हम अब भी मूर्खता कर रहे हैं।”
“अगर तुम आगे नहीं जाना चाहते,” आवाज ने व्यंग्यपूर्वक कहा, “तो मैं खुद ही ऊपर चला जाऊंगा।”
राल्फ ने उपहास सुना और जैक से घृणा करने लगा। उसकी आँखों में राख की चुभन, थकान और भय ने उसे क्रोधित कर दिया।
“तो फिर जाओ! हम यहीं इंतजार करेंगे।”
सन्नाटा छा गया।
“तुम क्यों नहीं जाते? क्या तुम्हें डर लग रहा है?” अंधेरे में एक धब्बा, जैक का धब्बा, खुद को अलग कर लिया और दूर हटने लगा।
“ठीक है। अलविदा।”
दाग गायब हो गया। उसकी जगह दूसरा दाग आ गया।
राल्फ को अपने घुटने पर किसी सख्त चीज़ का एहसास हुआ और उसने एक जले हुए तने को हिलाया जो छूने में खुरदुरा था। उसे छाल की नुकीली चिंगारियाँ अपने घुटने के पीछे चुभती हुई महसूस हुईं और वह समझ गया कि रॉजर बैठ गया है। उसने अपने हाथों से टटोला और रॉजर के बगल में बैठ गया, जबकि तना अदृश्य राख के बीच हिल रहा था। स्वभाव से कम बोलने वाला रॉजर कुछ नहीं बोला। उसने न तो उस जानवर के बारे में कोई राय दी और न ही राल्फ को बताया कि वह इस पागलपन भरे अभियान पर क्यों आया है। वह बस बैठा रहा और तने को धीरे से हिलाता रहा। राल्फ ने एक तेज़ और परेशान करने वाली खटखटाहट सुनी और समझ गया कि रॉजर अपनी बेतुकी लकड़ी की छड़ी को किसी चीज़ पर पटक रहा है।
तो वे दोनों, बेपरवाह रोजर और राल्फ, गुस्से से झूमते हुए, हिलते-डुलते, थपथपाते हुए बैठे रहे; उनके चारों ओर का घना आकाश तारों से भरा हुआ था, सिवाय उस जगह के जहाँ पहाड़ ने कालेपन का एक छेद बना दिया था।

उनके ऊपर से सरसराहट की आवाज़ आई, मानो कोई चट्टान या राख पर बड़े-बड़े और खतरनाक कदम रख रहा हो। तभी जैक ने उन्हें ढूंढ लिया, और वह कांपते हुए और लड़खड़ाती आवाज़ में बोल रहा था, जिसे वे मुश्किल से ही उसकी आवाज़ के रूप में पहचान पाए।
मैंने ऊपर एक चीज देखी।
उन्होंने उसे पेड़ के तने से टकराते हुए सुना, जो ज़ोर से हिल रहा था। वह एक पल के लिए चुप रहा, फिर कुछ बुदबुदाया।
"ध्यान से देखते रहिए। हो सकता है वो आपका पीछा कर रहा हो।"
उनके चारों ओर राख की बौछार हुई। जैक उठ बैठा।
मैंने पहाड़ पर एक उभरी हुई चीज देखी।
"तुमने तो बस कल्पना की थी," राल्फ ने कांपती हुई आवाज में कहा, "क्योंकि कुछ भी नहीं हिलेगा। कोई भी जीव नहीं।"
रॉजर बोला; वे चौंक गए, क्योंकि वे उसे भूल चुके थे।
एक मेंढक।
जैक खिलखिलाकर हंसा और सिहर उठा।
“अजीब सा मेंढक। एक आवाज़ भी आई। एक तरह की 'प्लॉप' जैसी आवाज़। फिर वह चीज़ फूल गई।”
राल्फ खुद भी आश्चर्यचकित था, अपनी आवाज की गुणवत्ता से नहीं, जो कि एक समान थी, बल्कि उसके इरादे की बहादुरी से।
हम जाकर देखेंगे।
जैक से पहली बार मिलने के बाद से, राल्फ को पहली बार उसमें झिझक महसूस हुई।
"अब--?"
उनकी आवाज ही उनके लिए बोल रही थी।
"बिल्कुल।"
वह गाड़ी के ट्रंक से उतरा और खड़खड़ाती राख के बीच से होते हुए अंधेरे में आगे-आगे चलने लगा, और बाकी लोग उसके पीछे-पीछे चले।
अब जब उसकी शारीरिक वाणी शांत हो गई थी, तो तर्क की आंतरिक वाणी और अन्य वाणीयाँ भी सुनाई देने लगीं। पिगी उसे बच्चा कह रहा था। एक और वाणी ने उसे मूर्ख न बनने की चेतावनी दी; और अँधेरे और हताश प्रयासों ने रात को दंत चिकित्सक की कुर्सी जैसी अवास्तविकता का रूप दे दिया।

जैसे ही वे आखिरी ढलान पर पहुँचे, जैक और रोजर पास आ गए; स्याही के धब्बों से वे स्पष्ट आकृतियों में बदल गए थे। आपसी सहमति से वे रुक गए और साथ-साथ बैठ गए। उनके पीछे, क्षितिज पर, आसमान का एक हल्का हिस्सा दिखाई दे रहा था जहाँ कुछ ही पल में चाँद निकल आएगा। जंगल में हवा एक बार ज़ोर से चली और उनके चिथड़ों को उनसे टकराने लगी।
राल्फ हिल गया।
"चलो भी।"
वे धीरे-धीरे आगे बढ़े, रॉजर थोड़ा पीछे रह गया। जैक और राल्फ ने मिलकर पहाड़ की ढलान पार की। नीचे झील का जगमगाता विस्तार फैला हुआ था और उसके आगे एक लंबा सफेद धब्बा था जो चट्टान का रूप था। रॉजर भी उनके साथ आ गया।
जैक ने फुसफुसाते हुए कहा।
“चलो हाथों और घुटनों के बल रेंगते हुए आगे बढ़ते हैं। शायद यह सो रहा हो।”
रॉजर और राल्फ आगे बढ़ गए, इस बार जैक को उसकी तमाम बहादुरी भरी बातों के बावजूद पीछे छोड़ दिया। वे एक समतल चोटी पर पहुँचे जहाँ चट्टान इतनी सख्त थी कि उस पर घुटनों के बल चलना मुश्किल था।
एक ऐसा प्राणी जो फूला हुआ था।
राल्फ ने अपना हाथ आग की ठंडी, मुलायम राख में डाला और अपनी चीख को दबा लिया। अनचाहे स्पर्श से उसका हाथ और कंधा फड़क रहे थे। पल भर के लिए मतली की हरी रोशनी छा गई और अंधेरे को चीरती चली गई। रॉजर उसके पीछे लेटा था और जैक का मुंह उसके कान के पास था।
“वहाँ, जहाँ चट्टान में एक दरार हुआ करती थी। एक तरह का उभार—देखो?”
बुझी हुई आग से राख उड़कर राल्फ के चेहरे पर आ गिरी। वह खाई या कुछ और नहीं देख पा रहा था, क्योंकि हरी रोशनी फिर से खुल रही थी और फैल रही थी, और पहाड़ की चोटी बगल की ओर खिसक रही थी।
एक बार फिर, दूर से, उसने जैक की फुसफुसाहट सुनी।
"डरा हुआ?"
डर तो नहीं लगा, लेकिन जैसे लकवा मार गया हो; एक घटते, हिलते-डुलते पहाड़ की चोटी पर अविचल लटका हुआ था। जैक उससे दूर खिसक गया, रोजर लड़खड़ाया, साँस फूलते हुए लड़खड़ाया और आगे बढ़ गया। उसने उन्हें फुसफुसाते हुए सुना।
"क्या आपको कुछ दिखाई दे रहा है?"

"वहाँ--"
उनके ठीक सामने, मात्र तीन-चार गज की दूरी पर, एक चट्टान जैसी उभरी हुई आकृति थी जहाँ कोई चट्टान नहीं होनी चाहिए थी। राल्फ को कहीं से एक हल्की सी खड़खड़ाहट सुनाई दी—शायद उसके अपने मुँह से। उसने अपने हौसले को बुलंद किया, अपने डर और घृणा को घृणा में बदल दिया और खड़ा हो गया। उसने दो भारी कदम आगे बढ़ाए।
उनके पीछे चाँद की चाँदीनुमा रोशनी क्षितिज से ओझल हो गई थी। उनके सामने, एक विशालकाय बंदर जैसा प्राणी अपने घुटनों के बीच सिर रखकर सो रहा था। तभी जंगल में तेज़ हवा चली, अँधेरे में अफरा-तफरी मच गई और उस प्राणी ने अपना सिर उठाया, और अपना टूटा-फूटा चेहरा उनकी ओर कर दिया।
राल्फ ने खुद को राख के ढेर के बीच बड़े-बड़े कदम बढ़ाते हुए पाया, उसने अन्य जीवों के चिल्लाने और उछलने की आवाजें सुनीं और अंधेरी ढलान पर असंभव को करने का साहस दिखाया; कुछ ही देर में पहाड़ सुनसान हो गया, सिवाय तीन परित्यक्त लकड़ियों और झुकने वाली उस चीज के।

मक्खियों के भगवान

अध्याय आठ: अंधकार के लिए उपहार

पिग्गी ने भोर की सुनहरी रोशनी से जगमगाते समुद्र तट से अंधेरे पहाड़ की ओर दयनीय भाव से देखा।
“क्या आपको पूरा यकीन है? मेरा मतलब है, क्या आपको सच में पूरा यकीन है?”
“मैंने तुम्हें अब तक दर्जन भर बार बताया है,” राल्फ ने कहा, “हमने इसे देखा था।”
"क्या आपको लगता है कि हम यहां नीचे सुरक्षित हैं?"
"कैसे है नर्क मुझे पता होना चाहिए?"
राल्फ उससे दूर हट गया और समुद्र तट पर कुछ कदम चला गया। जैक घुटनों के बल बैठा अपनी तर्जनी उंगली से रेत में एक गोलाकार आकृति बना रहा था। पिग्गी की दबी हुई आवाज़ उन तक पहुँची।

“क्या आप वाकई आश्वस्त हैं? सचमुच?”
“ऊपर जाकर देख लो,” जैक ने तिरस्कारपूर्वक कहा, “और अच्छा हुआ कि तुम चले गए।”
"डरने की कोई बात नहीं।"
“उस जानवर के दांत थे,” राल्फ ने कहा, “और बड़ी-बड़ी काली आंखें थीं।”
वह बुरी तरह कांप उठा। पिगी ने अपना एक गिलास निकाला और उसकी सतह को चमकाया।
हम क्या करेंगे?
राल्फ चबूतरे की ओर मुड़ा। पेड़ों के बीच शंख झिलमिला रहा था, सूरज उगने की जगह पर एक सफेद धब्बा सा दिख रहा था। उसने अपना पोछा पीछे धकेला।
"मुझें नहीं पता।"
उसे पहाड़ की ढलान से नीचे भागने का खौफनाक मंजर याद आया। "सच कहूँ तो, मुझे नहीं लगता कि हम कभी इतने बड़े जीव से लड़ेंगे। हम बात तो करेंगे, लेकिन बाघ से नहीं लड़ेंगे। हम छिप जाएंगे। जैक भी तो छिप जाता।"
जैक अभी भी रेत की ओर देख रहा था।
मेरे शिकारियों का क्या होगा?
साइमन आश्रय स्थलों की छाया से चुपके से बाहर आया। राल्फ ने जैक के सवाल को अनसुना कर दिया। उसने समुद्र के ऊपर दिख रहे पीले रंग की ओर इशारा किया।
“जब तक रोशनी है, हम काफी बहादुर हैं। लेकिन उसके बाद? और अब वह चीज आग के पास ऐसे बैठी है मानो वह नहीं चाहती कि हमें बचाया जाए--”
अब वह अनजाने में अपने हाथों को मरोड़ रहा था। उसकी आवाज़ तेज़ हो गई।
“तो हम सिग्नल फायर नहीं कर सकते.... हम हार गए हैं।”
समुद्र के ऊपर सोने का एक बिंदु प्रकट हुआ और तुरंत सारा आकाश रोशन हो गया।
मेरे शिकारियों का क्या होगा?
“लड़के लाठियों से लैस थे।”
जैक उठ खड़ा हुआ। उसका चेहरा लाल था और वह वहाँ से चला गया। पिगी ने अपना एक गिलास उठाया और राल्फ की तरफ देखा।
अब तुमने हद कर दी। तुमने उसके शिकारियों के बारे में असभ्य बातें कही हैं।
"अरे चुप रहो!"

अनाड़ीपन से बजाए गए शंख की आवाज़ ने उनका ध्यान भंग कर दिया। मानो वह उगते सूरज को गीत सुना रहा हो, जैक तब तक शंख बजाता रहा जब तक कि आश्रय स्थल हिल नहीं गए और शिकारी चबूतरे की ओर रेंगने लगे और छोटे बच्चे हमेशा की तरह रोने लगे। राल्फ आज्ञाकारी होकर उठा, पिगी भी, और वे चबूतरे की ओर चल दिए।
“बोलते रहो,” राल्फ ने कड़वाहट से कहा, “बोलते रहो, बोलते रहो, बोलते रहो।”
उसने जैक से शंख ले लिया।
“यह बैठक--”
जैक ने उसे बीच में ही रोक दिया।
मैंने पहले ही कह दिया था।
"अगर तुमने नहीं कहा होता तो मुझे कहना चाहिए था। तुमने अभी-अभी शंख बजाया है।"
"तो क्या यही सही नहीं है?"
“अरे, ले लो! बोलो—बात करो!”
राल्फ ने शंख को जैक की बाहों में थमा दिया और पेड़ के तने पर बैठ गया।
“मैंने सभा बुलाई है,” जैक ने कहा, “कई बातों के कारण। पहली बात तो आप जानते ही हैं, हमने उस राक्षस को देखा है। हम रेंगते हुए उसके पास पहुँचे। हम उससे बस कुछ ही कदम दूर थे। राक्षस उठ बैठा और हमारी तरफ देखने लगा। मुझे नहीं पता कि वह क्या करता है। हमें तो यह भी नहीं पता कि वह क्या है—”
“वह राक्षस समुद्र से बाहर आता है--”
"अन्धेरे में से--"
“पेड़--”
“चुप रहो!” जैक चिल्लाया। “तुम सुनो। वो जानवर ऊपर बैठा है, चाहे वो कुछ भी हो—”
"शायद यह प्रतीक्षा कर रहा है--"
“शिकार--”
"हां, शिकार।"
“शिकार,” जैक ने कहा। उसे जंगल में होने वाले अपने पुराने डर याद आ गए। “हाँ। वो जानवर शिकारी है। बस— चुप रहो! अगली बात ये है कि हम उसे मार नहीं पाए। और अगली बात ये है कि राल्फ ने कहा कि मेरे शिकारी किसी काम के नहीं हैं।”
"मेंने वह कभी नहीं कहा!"

“मेरे पास शंख है। राल्फ सोचता है कि तुम कायर हो, सूअर और जानवर से भाग रहे हो। और बात यहीं खत्म नहीं होती।”
प्लेटफ़ॉर्म पर एक तरह की आह सुनाई दी, मानो सबको पता हो कि क्या होने वाला है। जैक की आवाज़ कांपती हुई, फिर भी दृढ़ थी, मानो वह सन्नाटे को चीर रही हो।
“वह पिग्गी जैसा है। वह पिग्गी जैसी बातें करता है। वह एक सच्चा मुखिया नहीं है।”
जैक ने शंख को कसकर पकड़ लिया।
वह खुद एक कायर है।
वह एक पल के लिए रुका और फिर आगे बढ़ गया।
"जब रॉजर और मैं ऊपर गए तो वह वहीं रुक गया।"
मैं भी गया था!
"बाद में।"
दोनों लड़के बालों की आड़ में से एक-दूसरे को घूर रहे थे।
“मैं भी आगे बढ़ा,” राल्फ ने कहा, “फिर मैं भाग गया। तुम भी भाग गए।”
"तो फिर मुझे कायर कहो।"
जैक ने शिकारियों की ओर रुख किया।
“वह शिकारी नहीं है। वह हमारे लिए कभी मांस नहीं ला सकता था। वह कोई पुलिस अधिकारी नहीं है और हम उसके बारे में कुछ नहीं जानते। वह बस आदेश देता है और लोगों से बिना किसी कारण के आज्ञापालन की अपेक्षा करता है। यह सब बातें—”
“ये सब बातें!” राल्फ चिल्लाया। “बातें, बातें! ये सब किसने चाहा? बैठक किसने बुलाई?”
जैक गुस्से से लाल चेहरे और धंसी ठुड्डी के साथ मुड़ा। उसने अपनी भौंहों के नीचे से घूरकर देखा।
“ठीक है फिर,” उसने गंभीर अर्थपूर्ण और धमकी भरे लहजे में कहा, “ठीक है।”
उसने एक हाथ से शंख को अपनी छाती से लगा रखा था और दूसरे हाथ से तर्जनी उंगली से हवा में इशारा कर रहा था।
"कौन सोचता है कि राल्फ को मुखिया नहीं होना चाहिए?"
उसने चारों ओर खड़े लड़कों की ओर आशा भरी निगाहों से देखा, जो एकदम स्थिर हो गए थे। ताड़ के पेड़ों के नीचे सन्नाटा पसरा हुआ था।
“हाथ ऊपर करो,” जैक ने दृढ़ता से कहा, “कौन चाहता है कि राल्फ मुखिया न बने?”
खामोशी कायम रही, सांस रोक देने वाली, भारी और शर्म से भरी हुई। धीरे-धीरे जैक के गालों का लाल रंग फीका पड़ गया, फिर दर्द भरी तेजी से वापस आ गया। उसने अपने

होंठ चाटे और अपना सिर एक कोण पर घुमा लिया, ताकि उसकी नज़रें किसी और की आँखों से मिलने की शर्मिंदगी से बच सकें।
कितने लोग सोचते हैं--
उसकी आवाज धीमी पड़ गई। शंख पकड़े हुए हाथ कांपने लगे। उसने गला साफ किया और जोर से बोला।
"ठीक है।"
उसने बड़ी सावधानी से शंख को अपने पैरों के पास घास में रख दिया। शर्मिंदगी के आंसू उसकी दोनों आंखों के कोनों से बह रहे थे।
मैं अब और नहीं खेलूंगा। तुम्हारे साथ तो बिल्कुल नहीं।
अब ज्यादातर लड़के नीचे की ओर देख रहे थे, घास की ओर या अपने पैरों की ओर।
जैक ने फिर से अपना गला साफ किया।
मैं राल्फ के समूह का हिस्सा नहीं बनने वाला हूँ--"
उसने दाहिनी ओर के लट्ठों पर नज़र डाली, जिन पर उन शिकारियों के नाम लिखे थे जो कभी एक गायक मंडली थे।
मैं अकेले जा रहा हूँ। वह अपने सूअर खुद पकड़ सकता है। जो कोई भी मेरे साथ शिकार करना चाहे, वह आ सकता है।
वह लड़खड़ाते हुए त्रिकोण से बाहर निकलकर सफेद रेत की ओर ढलान की ओर बढ़ गया।
“जैक!”
जैक ने मुड़कर राल्फ की ओर देखा। एक पल के लिए वह रुका और फिर गुस्से से भरी तीखी आवाज में चिल्ला उठा।
"--नहीं!"
वह चबूतरे से नीचे कूद गया और समुद्र तट पर दौड़ने लगा, अपने लगातार बहते आंसुओं की परवाह किए बिना; और जब तक वह जंगल में नहीं घुस गया, राल्फ उसे देखता रहा।
पिग्गी को बहुत गुस्सा आया।
“मैं बात कर रहा था, राल्फ, और तुम बस वहीं खड़े रहे जैसे--”
पिग्गी को देखते हुए, लेकिन उसे न देखकर, राल्फ ने धीरे से खुद से बात की।
“वह वापस आएगा। सूरज ढलने पर वह आएगा।” उसने पिग्गी के हाथ में रखे शंख की ओर देखा।

"क्या?"
"अच्छी तरह से वहाँ!"
पिग्गी ने राल्फ को डांटने का प्रयास छोड़ दिया। उसने अपना गिलास फिर से चमकाया और अपने विषय पर लौट गया।
“हम जैक मेरिड्यू के बिना भी काम चला सकते हैं। इस द्वीप पर उसके अलावा और भी लोग हैं। लेकिन अब हमारे सामने एक खतरनाक जीव आ गया है, हालांकि मुझे इस पर यकीन करना मुश्किल हो रहा है। हमें प्लेटफॉर्म के पास ही रहना होगा; उसकी और उसके शिकार की ज़रूरत कम हो जाएगी। तो अब हम सही फैसला ले सकते हैं।”
“कोई उपाय नहीं है, पिग्गी। कुछ नहीं किया जा सकता।”
कुछ देर तक वे उदास होकर चुपचाप बैठे रहे। फिर साइमन खड़ा हुआ और पिग्गी से शंख ले लिया। पिग्गी इतना आश्चर्यचकित हुआ कि वह वहीं खड़ा रह गया। राल्फ ने साइमन की ओर देखा।
“साइमन? इस बार क्या बात है?”
चारों ओर उपहास की हल्की सी आवाज गूंजी और साइमन उससे दूर हट गया।
मुझे लगा कि शायद कुछ करने को हो। कुछ ऐसा जो हम-"
सभा के दबाव ने एक बार फिर उसकी आवाज़ छीन ली। उसने मदद और सहानुभूति की तलाश की और पिगी को चुना। वह आधा उसकी ओर मुड़ा और शंख को अपनी भूरी छाती से चिपका लिया।
मुझे लगता है कि हमें पहाड़ पर चढ़ना चाहिए।
सभी लोग भय से कांप उठे। साइमन रुका और पिग्गी की ओर मुड़ा, जो उसे उपहासपूर्ण और समझ से परे भाव से देख रहा था।
"इस जानवर पर चढ़ने का क्या फायदा जब राल्फ और बाकी दोनों कुछ भी नहीं कर सके?"
साइमन ने फुसफुसाते हुए जवाब दिया।
"वहां और क्या करने के लिए है?"
अपना भाषण समाप्त करने के बाद, उन्होंने पिग्गी को अपने हाथों से शंख उठाने दिया। फिर वे एकांत में जाकर दूसरों से यथासंभव दूर बैठ गए।
पिग्गी अब अधिक आत्मविश्वास से बोल रहा था और अगर परिस्थितियाँ इतनी गंभीर न होतीं, तो दूसरे लोग उसके स्वर को खुशी के रूप में पहचान लेते।

मैंने कहा था कि हम सब एक खास व्यक्ति के बिना भी काम चला सकते हैं। अब मैं कहता हूँ कि हमें यह तय करना होगा कि क्या किया जा सकता है। और मुझे लगता है कि मैं आपको बता सकता हूँ कि राल्फ आगे क्या कहेगा। द्वीप पर सबसे महत्वपूर्ण चीज धुआँ है और आग के बिना धुआँ नहीं हो सकता।
राल्फ बेचैनी से हिलने लगा।
“नहीं, पिगी। हमारे पास आग नहीं है। वो चीज ऊपर पड़ी है—हमें यहीं रुकना होगा।”
पिग्गी ने शंख को इस तरह उठाया मानो वह अपने अगले शब्दों में और अधिक शक्ति जोड़ना चाहता हो।
“पहाड़ पर तो आग जलाने का कोई रास्ता नहीं है। लेकिन यहाँ नीचे आग जलाने में क्या बुराई है? उन चट्टानों पर आग जलाई जा सकती है। रेत पर भी। धुआँ तो उतना ही निकलेगा।”
"यह सही है!"
"धुआँ!"
"स्नानघर के पास!"
लड़के बड़बड़ाने लगे। केवल पिगी में ही इतनी बौद्धिक हिम्मत थी कि वह आग को पहाड़ से नीचे ले जाने का सुझाव दे सके।
“तो हम आग यहीं जलाएंगे,” राल्फ ने कहा। उसने चारों ओर देखा। “हम इसे यहीं नहाने के कुंड और चबूतरे के बीच में जला सकते हैं। बिल्कुल--”
वह रुक गया, भौंहें चढ़ाकर सोचने लगा, अनजाने में अपने दांतों से नाखून के ठूंठ को खींचने लगा।
“बेशक धुआं इतना ज्यादा दिखाई नहीं देगा, इतनी दूर से नज़र नहीं आएगा। लेकिन हमें पास जाने की ज़रूरत नहीं है—”
बाकी सबने पूरी समझदारी से सिर हिलाया। पास जाने की कोई जरूरत नहीं थी।
अब हम आग जलाएंगे।
सबसे बेहतरीन विचार सरल होते हैं। अब कुछ करना था, इसलिए उन्होंने पूरे जोश से काम शुरू कर दिया। जैक के जाने से पिगी इतना खुश और उत्साहित था, समाज की भलाई में अपने योगदान पर इतना गर्व महसूस कर रहा था कि उसने लकड़ी लाने में मदद की। जो लकड़ी वह लाया, वह पास ही थी, चबूतरे पर गिरा हुआ एक पेड़ जिसकी सभा के लिए ज़रूरत नहीं थी, फिर भी दूसरों के लिए चबूतरे की पवित्रता ने वहाँ बेकार पड़ी चीज़ को भी सुरक्षित रखा था। तभी जुड़वा बच्चों को एहसास हुआ कि रात में उन्हें

सुकून देने के लिए पास में आग जलती रहेगी और यह देखकर कुछ छोटे बच्चे नाचने और ताली बजाने लगे।
यह लकड़ी उतनी सूखी नहीं थी जितनी उन्होंने पहाड़ पर ईंधन के रूप में इस्तेमाल की थी। इसका अधिकांश भाग नम होकर सड़ गया था और कीड़ों से भरा हुआ था जो इधर-उधर भाग रहे थे; लट्ठों को मिट्टी से बड़ी सावधानी से उठाना पड़ता था वरना वे गीले चूर-चूर हो जाते थे। इसके अलावा, जंगल में गहराई तक जाने से बचने के लिए लड़के पास ही गिरी हुई लकड़ियों पर काम करते थे, चाहे वे कितनी भी नई झाड़ियों से घिरी हों। जंगल की तलहटी और दरार परिचित थे, शंख और आश्रयों के पास और दिन के उजाले में काफी सुरक्षित और आरामदायक थे। अंधेरे में उनका क्या हाल होगा, यह कोई सोचना भी नहीं चाहता था। इसलिए वे बड़ी ऊर्जा और उत्साह से काम करते रहे, हालांकि जैसे-जैसे समय बीतता गया, उनकी ऊर्जा में घबराहट और उत्साह में उन्माद की झलक दिखाई देने लगी। उन्होंने चबूतरे के पास नंगी रेत पर पत्तों, टहनियों, शाखाओं और लट्ठों का एक पिरामिड बनाया। द्वीप पर पहली बार, पिग्गी ने अपना एक गिलास हटाया, घुटनों के बल बैठा और सूरज की रोशनी को ज्वलनशील सामग्री पर केंद्रित किया। जल्द ही धुएं का एक गुबार और पीली लपटों का एक गुच्छा दिखाई दिया। पहली भीषण आपदा के बाद से जिन छोटे बच्चों ने बहुत कम आग देखी थी, वे बेहद उत्साहित हो गए। वे नाचने-गाने लगे और पूरे माहौल में उत्सव जैसा माहौल छा गया।
अंततः राल्फ ने काम रोक दिया और उठ खड़ा हुआ, अपने गंदे अग्रभाग से अपने चेहरे से पसीना पोंछते हुए।
हमें छोटी आग जलानी पड़ेगी। यह आग बहुत बड़ी है और इसे संभालना मुश्किल है।
पिग्गी सावधानी से रेत पर बैठ गया और अपने गिलास को चमकाने लगा।
“हम प्रयोग कर सकते हैं। हम पता लगा सकते हैं कि छोटी सी आग कैसे जलाएं और फिर धुआं पैदा करने के लिए उस पर हरी टहनियां रखें। कुछ पत्तियां इसके लिए दूसरों की तुलना में बेहतर होंगी।”
जैसे-जैसे आग शांत होती गई, वैसे-वैसे उत्साह भी कम होता गया। छोटे बच्चे गाना-नाचना बंद करके समुद्र, फलों के पेड़ों या आश्रयों की ओर चले गए।
राल्फ रेत में बैठ गया।
"हमें आग बुझाने का काम संभालने वाले लोगों की एक नई सूची बनानी होगी।"
"अगर आप उन्हें ढूंढ सकें तो।"

उसने चारों ओर देखा। तब उसे पहली बार पता चला कि वहाँ कितने कम हट्टे-कट्टे लोग थे और उसे समझ आया कि काम इतना कठिन क्यों था।
“मौरिस कहाँ है?”
पिग्गी ने अपना गिलास फिर से पोंछा।
मुझे लगता है... नहीं, वह अकेले जंगल में नहीं जाएगा, है ना?
राल्फ उछलकर खड़ा हुआ, तेजी से आग के चारों ओर दौड़ा और पिगी के पास खड़ा होकर उसके बाल ऊपर उठाने लगा।
लेकिन हमें एक सूची बनानी होगी! उसमें तुम, मैं, सैमनरिक और...
वह पिग्गी की ओर नहीं देखता था, बल्कि लापरवाही से बोलता था।
बिल और रोजर कहाँ हैं?
पिग्गी आगे झुका और आग में लकड़ी का एक टुकड़ा डाल दिया।
मुझे लगता है कि वे जा चुके हैं। मुझे लगता है कि वे खेलेंगे भी नहीं।
राल्फ बैठ गया और रेत में छोटे-छोटे छेद करने लगा। उसे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि एक छेद के पास खून की एक बूंद थी। उसने अपने कटे हुए नाखून को ध्यान से देखा और उस खून के छोटे-छोटे धब्बे को निहारा जो नाखून के अंदरूनी हिस्से के कुतरने से जमा हो गया था।
पिग्गी बोलती रही।
“जब हम लकड़ी इकट्ठा कर रहे थे, तब मैंने उन्हें चुपके से भागते देखा। वे उसी रास्ते गए। ठीक उसी रास्ते से जिस रास्ते से वह खुद गया था।”
राल्फ ने अपना निरीक्षण समाप्त किया और आकाश की ओर देखा। मानो अपने भीतर हो रहे बड़े बदलावों के साथ तालमेल बिठाते हुए आकाश आज अलग ही लग रहा था और इतना धुंधला था कि कुछ जगहों पर गर्म हवा सफेद दिखाई दे रही थी। सूर्य की गोला मंद चांदी जैसी लग रही थी मानो वह पास हो और इतनी गर्म न हो, फिर भी हवा घुटन भरी थी।
"ये लोग हमेशा से ही मुसीबत खड़ी करते आए हैं, है ना?"
आवाज उसके कंधे के पास आकर रुकी और उसमें चिंता झलक रही थी। "हम इनके बिना भी काम चला सकते हैं। अब हम ज्यादा खुश रहेंगे, है ना?"
राल्फ बैठ गया। जुड़वां भाई एक बड़ा लट्ठा घसीटते हुए आए और अपनी जीत पर मुस्कुरा रहे थे। उन्होंने लट्ठे को अंगारों के बीच फेंक दिया जिससे चिंगारियां उड़ने लगीं।
हम अपने दम पर भी सब ठीक कर सकते हैं, है ना?

काफी देर तक जब तक लकड़ी सूखकर आग नहीं पकड़ लेती और लाल नहीं हो जाती, राल्फ रेत में बैठा रहा और कुछ नहीं बोला। उसने न तो पिग्गी को जुड़वा बच्चों के पास जाकर उनसे फुसफुसाते हुए देखा, न ही यह कि तीनों लड़के एक साथ जंगल में चले गए।

"और ये हो गया।"

वह अचानक होश में आया। पिग्गी और बाकी दो उसके पास थे। वे फलों से लदे हुए थे। पिग्गी ने कहा, "मैंने सोचा कि शायद हमें एक दावत का आयोजन करना चाहिए।"

तीनों लड़के बैठ गए। उनके पास ढेर सारे फल थे और सभी पूरी तरह पके हुए थे। जब राल्फ ने कुछ फल लिए और खाने लगा तो वे तीनों मुस्कुराए।

“धन्यवाद,” उसने कहा। फिर प्रसन्न आश्चर्य के लहजे में बोला—“धन्यवाद!”

“हम अपने दम पर सब ठीक कर लेंगे,” पिग्गी ने कहा। “इस द्वीप पर परेशानी तो उन्हीं लोगों ने खड़ी की है जिनमें अक्ल नहीं है। हम एक छोटी सी आग जला लेंगे--”

राल्फ को याद आ गया कि उसे किस बात की चिंता थी।

साइमन कहाँ है?

"मुझें नहीं पता।"

"क्या आपको नहीं लगता कि वह पहाड़ पर चढ़ रहा है?"

पिग्गी जोर से हंस पड़ा और उसने और फल ले लिए। "हो सकता है वो पागल हो।" उसने निवाला निगल लिया। "वो पागल हो गया है।"

साइमन फलों के पेड़ों वाले इलाके से गुज़रा था, लेकिन आज छोटे बच्चे समुद्र तट पर आग जलाने में इतने व्यस्त थे कि वे उसके पीछे नहीं आए। वह लताओं के बीच चलता रहा, जब तक कि वह खुले मैदान में बुनी हुई विशाल चटाई तक नहीं पहुँच गया और उसके अंदर घुस गया। पत्तों की ओट से सूरज की तेज़ धूप पड़ रही थी और तितलियाँ बीच में अपना अंतहीन नृत्य कर रही थीं। वह घुटनों के बल बैठ गया और सूरज की किरणें उस पर पड़ीं। उस समय हवा गर्मी से कांप रही थी; लेकिन अब यह खतरे की घंटी थी। जल्द ही उसके लंबे, खुरदुरे बालों से पसीना बहने लगा। वह बेचैनी से इधर-उधर हिलने लगा, लेकिन सूरज से बचना नामुमकिन था। थोड़ी देर में उसे प्यास लगी, और फिर बहुत प्यास लगी। वह बैठा रहा।

समुद्र तट पर दूर, जैक लड़कों के एक छोटे समूह के सामने खड़ा था। वह बेहद खुश दिख रहा था।

“शिकार,” उसने कहा। उसने उन्हें गौर से देखा। उनमें से प्रत्येक ने एक काली टोपी के अवशेष पहन रखे थे और सदियों पहले वे दो शालीन पंक्तियों में खड़े थे और उनकी आवाजें स्वर्गदूतों के गीत जैसी थीं।
हम शिकार करेंगे। मैं मुखिया बनूंगा।
उन्होंने सहमति में सिर हिलाया, और संकट आसानी से टल गया।
और फिर—उस जानवर के बारे में।
वे आगे बढ़े और जंगल की ओर देखा।
मैं यह कहता हूं। हम उस जानवर के बारे में परेशान नहीं होने वाले हैं।
उसने उनकी ओर सिर हिलाकर अभिवादन किया।
हम उस राक्षस को भूल जाएंगे।
"यह सही है!"
"हाँ!"
“उस राक्षस को भूल जाओ!”
यदि जैक उनके उत्साह को देखकर आश्चर्यचकित हुआ भी तो उसने इसे प्रदर्शित नहीं किया।
और एक बात और। हमें यहाँ नीचे रहकर इतने बड़े सपने नहीं देखने चाहिए। यह द्वीप का लगभग आखिरी छोर है।
उन्होंने अपने निजी जीवन की पीड़ाओं से भरी गहराइयों से प्रेरित होकर इस बात पर सहमति जताई।
“अब सुनो। हम बाद में कैसल रॉक जा सकते हैं। लेकिन अभी मैं शंख और बाकी सब से कुछ बड़े जानवरों को दूर ले जा रहा हूँ। हम एक सूअर मारेंगे और दावत देंगे।” वह रुका और धीरे-धीरे बोला। “और उस जानवर के बारे में। जब हम मारेंगे तो उसके लिए थोड़ा मांस छोड़ देंगे। फिर शायद वह हमें परेशान नहीं करेगा।”
वह अचानक खड़ा हो गया।
अब हम जंगल में जाकर शिकार करेंगे।
वह मुड़ा और दौड़ पड़ा, और कुछ क्षण बाद वे आज्ञाकारी रूप से उसके पीछे-पीछे चल दिए।
वे घबराते हुए जंगल में फैल गए। लगभग तुरंत ही जैक को सूअर का गोबर और बिखरी हुई जड़ें मिल गईं, जिनसे सूअर के होने का संकेत मिला और जल्द ही निशान ताज़ा हो गए। जैक ने बाकी शिकारियों को चुप रहने का इशारा किया और खुद आगे बढ़ गया।

वह खुश था और जंगल के नम अंधेरे को अपने पुराने कपड़ों की तरह ओढ़े हुए था। वह एक ढलान से नीचे समुद्र के किनारे चट्टानों और बिखरे पेड़ों की ओर रेंगता हुआ चला गया।

सूअर, चर्बी से लथपथ, फूले हुए थैलों की तरह, पेड़ों की छाया में मजे से लेटे हुए थे। हवा बिल्कुल नहीं चल रही थी और उन्हें किसी बात का शक भी नहीं था; और अभ्यास ने जैक को छाया की तरह शांत बना दिया था। वह चुपके से चला गया और अपने छिपे हुए शिकारियों को निर्देश दिए। थोड़ी देर में वे सभी खामोशी और गर्मी में पसीना बहाते हुए धीरे-धीरे आगे बढ़ने लगे। पेड़ों के नीचे एक कान धीरे से फड़फड़ाया। बाकियों से थोड़ा अलग, मातृत्व के गहरे आनंद में डूबी हुई, सबसे बड़ी मादा सूअर लेटी थी। वह काली और गुलाबी थी; और उसके बड़े पेट के चारों ओर बच्चों की एक कतार थी जो सो रहे थे या बिल खोद रहे थे और चहचहा रहे थे।

पशुओं के झुंड से पंद्रह गज की दूरी पर जैक रुक गया, और उसने अपना हाथ सीधा करते हुए सूअरनी की ओर इशारा किया। उसने चारों ओर देखकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि सभी समझ गए हैं और बाकी लड़कों ने उसकी बात पर सहमति में सिर हिलाया। सभी लड़कों ने अपने दाहिने हाथ पीछे कर लिए।

"अब!"

सूअरों का झुंड उठ खड़ा हुआ; और महज दस गज की दूरी से आग में तपकर सख्त किए गए नुकीले लकड़ी के भाले चुने हुए सूअर की ओर उड़े। एक छोटा सूअर चीखता हुआ समुद्र में कूद गया और रॉजर का भाला उसके पीछे घिसटता चला गया। मादा सूअर हांफते हुए चीखी और लड़खड़ाते हुए उठी, उसकी मोटी कमर में दो भाले धंसे हुए थे। लड़के चिल्लाते हुए आगे बढ़े, सूअर के बच्चे इधर-उधर भाग गए और मादा सूअर आगे बढ़ती हुई कतार को तोड़कर जंगल में तेजी से भाग गई।

उसके पीछे जाओ!

वे सूअरों के रास्ते पर दौड़ पड़े, लेकिन जंगल इतना घना और उलझा हुआ था कि जैक ने बड़बड़ाते हुए उन्हें रोक दिया और पेड़ों के बीच छिप गया। फिर वह कुछ देर तक चुप रहा, बस ज़ोर-ज़ोर से साँसें लेता रहा, जिससे वे सब भयभीत हो गए और एक-दूसरे को हैरानी भरी नज़रों से देखने लगे। थोड़ी देर बाद उसने अपनी उंगली से ज़मीन पर वार किया।

"वहाँ--"

इससे पहले कि बाकी लोग खून की बूंद की जांच कर पाते, जैक एक निशान का अंदाज़ा लगाते हुए मुड़ गया और एक शाखा को छू लिया जो टूट गई। इस तरह वह रहस्यमय ढंग से सही दिशा में और आत्मविश्वास से आगे बढ़ा, और शिकारी उसके पीछे-पीछे चलने लगे।
वह एक गुप्त मार्ग के सामने रुक गया।
"वहाँ पर।"
उन्होंने झाड़ियों को घेर लिया, लेकिन मादा सुअर अपने पार्श्व में एक और भाले के वार से बच निकली। भाले के पिछले हिस्से उसे रोक रहे थे और नुकीले, आड़े-तिरछे सिरे उसके लिए पीड़ादायक थे। वह एक पेड़ से टकरा गई, जिससे एक भाला और भी गहरा धंस गया; और उसके बाद शिकारी उसके खून की बूंदों के सहारे आसानी से उसका पीछा कर सकते थे। दोपहर बीतती गई, उमस भरी गर्मी से धुंधली और भयानक होती जा रही थी; मादा सुअर खून से लथपथ और पागलों की तरह लड़खड़ाती हुई उनके आगे बढ़ती रही, और शिकारी उसके पीछे-पीछे हवस में डूबे हुए, लंबे पीछा और खून की बूंदों से उत्तेजित होकर उसका पीछा करते रहे। अब वे उसे देख सकते थे, लगभग उसके पास पहुँच ही गए थे, लेकिन उसने अपनी आखिरी ताकत से फिर से छलांग लगाई और उनसे आगे निकल गई। वे उसके ठीक पीछे थे जब वह एक खुले मैदान में लड़खड़ाती हुई पहुँची जहाँ चमकीले फूल खिले थे और तितलियाँ एक-दूसरे के चारों ओर नाच रही थीं और हवा गर्म और शांत थी।
यहां, भीषण गर्मी से बेहाल होकर, मादा सुअर गिर पड़ी और शिकारी उस पर टूट पड़े। एक अनजान दुनिया से निकले इस भयानक विस्फोट ने उसे व्याकुल कर दिया; वह चीखी, उछली और हवा पसीने, शोर, खून और आतंक से भर गई। रॉजर ढेर के चारों ओर दौड़ा, जब भी सुअर का मांस दिखाई देता, वह अपने भाले से वार करता। जैक मादा सुअर के ऊपर था, अपने चाकू से नीचे की ओर वार कर रहा था। रॉजर को अपने भाले की नोक के लिए जगह मिल गई और वह तब तक धक्का देता रहा जब तक कि वह अपना पूरा वजन उस पर नहीं डाल दिया। भाला धीरे-धीरे आगे बढ़ता गया और डरावनी चीख एक तीखी चीख में बदल गई। फिर जैक को गला मिल गया और गर्म खून उसके हाथों पर बह निकला। मादा सुअर उनके नीचे गिर पड़ी और वे उस पर भारी और संतुष्ट महसूस करने लगे। तितलियाँ अभी भी नाच रही थीं, खुले मैदान के बीचोंबीच मग्न।

अंततः हत्या की तात्कालिकता शांत हो गई। लड़के पीछे हट गए, और जैक खड़ा हो गया, अपने हाथ फैलाते हुए।
"देखना।"
वह खिलखिलाया और उन्हें झटका दिया, जबकि लड़के उसकी बदबूदार हथेलियों पर हंस रहे थे। फिर जैक ने मौरिस को पकड़ा और उसके गालों पर वह पदार्थ मल दिया। रॉजर ने अपना भाला वापस खींचना शुरू किया और लड़कों ने पहली बार इस पर ध्यान दिया। रॉबर्ट ने एक वाक्य में उस चीज़ को स्थिर किया, जिस पर सब लोग ज़ोर से हंस पड़े।
"सीधे उसकी गांड में!"
"तुमने सुना?"
"क्या तुमने सुना उसने क्या कहा?"
"सीधे उसकी गांड में!"
इस बार रॉबर्ट और मौरिस ने दोनों किरदार निभाए; और सूअर द्वारा आगे बढ़ते भाले से बचने के प्रयासों का मौरिस का अभिनय इतना मजेदार था कि लड़के हंसते-हंसते लोटपोट हो गए।
अंततः यह भी नीरस हो गया। जैक ने अपने खून से सने हाथों को चट्टान पर साफ करना शुरू किया। फिर उसने सूअरनी पर काम शुरू किया और उसके पेट को चीरते हुए, रंगीन आंतों से भरी गर्म थैलियों को बाहर निकाला और उन्हें चट्टान पर ढेर कर दिया, जबकि बाकी लोग उसे देखते रहे। वह काम करते हुए बातें भी करता रहा।
“हम मांस को समुद्र तट के किनारे ले जाएंगे। मैं वापस प्लेटफार्म पर जाकर उन्हें दावत के लिए आमंत्रित करूंगा। इससे हमें समय मिल जाएगा।”
रॉजर बोला।
"अध्यक्ष--"
“उह--?”
हम आग कैसे जला सकते हैं?
जैक पीछे की ओर उकड़ू बैठ गया और सूअर को घूरने लगा।
“हम उन पर छापा मारेंगे और गोलीबारी करेंगे। तुम चार लोग होने चाहिए; हेनरी और तुम, रॉबर्ट और मौरिस। हम रंग लगाकर चुपके से आगे बढ़ेंगे; जब तक मैं अपनी बात कहूँ, रॉजर एक डाल तोड़ सकता है। बाकी सब इसे वापस वहीं ले आओ जहाँ हम थे। हम वहाँ आग जलाएँगे। और उसके बाद--”

वह रुका और खड़ा हो गया, पेड़ों के नीचे की छायाओं को देखने लगा। दोबारा बोलते समय उसकी आवाज़ धीमी थी।
लेकिन हम शिकार का कुछ हिस्सा . . . के लिए छोड़ देंगे।
वह फिर से घुटनों के बल बैठ गया और अपने चाकू से कुछ करने में व्यस्त हो गया। लड़के उसके चारों ओर जमा हो गए। उसने पीछे मुड़कर रॉजर से बात की।
"एक छड़ी को दोनों सिरों से नुकीला कर लें।"
कुछ देर बाद वह खड़ा हो गया, अपने हाथों में टपकते हुए सूअर के सिर को पकड़े हुए।
“वो छड़ी कहाँ है?”
"यहाँ।"
“एक सिरा ज़मीन में गाड़ दो। अरे—ये तो पत्थर है। इसे उस दरार में ठूंस दो। हो गया।”
जैक ने सिर को ऊपर उठाया और छड़ी के नुकीले सिरे से उसके मुलायम गले को ज़ोर से दबा दिया, जिससे वह सिर छेदते हुए मुंह तक पहुंच गया। वह पीछे हट गया और सिर वहीं लटका रहा, छड़ी से थोड़ा-थोड़ा खून टपक रहा था।
सहज ही लड़के भी पीछे हट गए; और जंगल एकदम शांत था। उन्होंने ध्यान से सुना, और सबसे तेज़ आवाज़ बिखरी हुई आंतों पर मक्खियों की भिनभिनाहट थी।
जैक ने धीमी आवाज़ में बात की।
"सूअर को उठाओ।"
मौरिस और रॉबर्ट ने शव को सींकों में पिरोया, भारी शव को उठाया और तैयार खड़े हो गए। सन्नाटे में, सूखे खून के ऊपर खड़े होकर, वे अचानक सतर्क नज़र से देखने लगे।
जैक जोर से बोला।
“यह सिर उस जानवर के लिए है। यह एक उपहार है।”
सन्नाटे ने उस उपहार को स्वीकार कर लिया और उन्हें विस्मित कर दिया। सिर वहीं पड़ा रहा, धुंधली आँखों से, हल्की सी मुस्कान लिए, दाँतों के बीच खून काला पड़ रहा था।
अचानक वे सब जितनी तेज़ी से हो सके, जंगल से होते हुए खुले समुद्र तट की ओर भागने लगे।
साइमन वहीं खड़ा रहा, पत्तों में छिपा हुआ एक छोटा सा भूरा सा साया। आँखें बंद करने पर भी सूअर का सिर धुंधली सी छवि की तरह दिखाई देता रहा। आधी बंद आँखों में वयस्क जीवन की असीम निराशा झलक रही थी। ये आँखें साइमन को यकीन दिला रही थीं कि सब कुछ बुरा ही है।
"मुझे पता है कि।"

साइमन को एहसास हुआ कि उसने ज़ोर से बोल दिया है। उसने झट से अपनी आँखें खोलीं और देखा कि अजीब सी दिन की रोशनी में सिर मुस्कुरा रहा था, मक्खियों, बिखरे हुए अंगों और यहाँ तक कि डंडे पर टांगे जाने की बेइज्ज़ती को भी नज़रअंदाज़ करते हुए।

उसने अपनी सूखी होंठों को चाटते हुए दूसरी तरफ देखा।

उस राक्षस के लिए एक उपहार। क्या वह राक्षस इसे लेने नहीं आएगा? उसने सोचा, सिर उससे सहमत प्रतीत होता है। भाग जाओ, सिर ने चुपचाप कहा, दूसरों के पास वापस जाओ। यह तो बस एक मज़ाक था—तुम्हें क्यों परेशान होना चाहिए? तुम बस गलत थे, बस इतना ही। थोड़ा सिरदर्द है, शायद कुछ खा लिया हो। वापस जाओ, बच्चे, सिर ने चुपचाप कहा।

साइमन ने ऊपर देखा, अपने गीले बालों का भार महसूस करते हुए, और आकाश की ओर निहारा। ऊपर, पहली बार, बादल थे, विशाल उभरे हुए मीनार जैसे जो द्वीप के ऊपर दूर तक फैले हुए थे, भूरे, मलाईदार और तांबे के रंग के। बादल ज़मीन पर बैठे थे; वे दबाव डाल रहे थे, पल-पल यह असहनीय गर्मी पैदा कर रहे थे। तितलियाँ भी उस खुली जगह को छोड़कर चली गईं जहाँ वह घिनौनी चीज़ मुस्कुरा रही थी और टपक रही थी। साइमन ने अपना सिर नीचे किया, अपनी आँखें सावधानी से बंद रखीं, फिर उन्हें अपने हाथ से ढक लिया। पेड़ों के नीचे कोई छाया नहीं थी, बल्कि हर जगह एक मोती जैसी खामोशी थी, जिससे जो वास्तविक था वह मायावी और अस्पष्ट लग रहा था। आंतों का ढेर मक्खियों का एक काला झुंड था जो आरी की तरह भिनभिना रहा था। थोड़ी देर बाद ये मक्खियाँ साइमन के पास पहुँचीं। पेट भरकर, वे उसके पसीने की बूंदों के पास बैठ गईं और खून पीने लगीं। वे उसकी नाक के नीचे गुदगुदी करने लगीं और उसकी जांघों पर उछल-कूद करने लगीं। वे काली और चमकीले हरे रंग की थीं और अनगिनत थीं; और साइमन के सामने, मक्खियों का स्वामी उसकी छड़ी पर लटका हुआ मुस्कुरा रहा था। अंततः साइमन ने हार मान ली और पीछे मुड़कर देखा; उसे सफेद दांत और धुंधली आंखें, खून दिखाई दिया—और उसकी निगाहें उस प्राचीन, अपरिहार्य पहचान पर टिक गईं। साइमन की दाहिनी कनपटी पर मस्तिष्क में एक धड़कन शुरू हो गई।

राल्फ और पिगी रेत में लेटे हुए आग को निहार रहे थे और आलस में उसमें कंकड़ उछाल रहे थे, जिससे आग धुआं नहीं छोड़ रही थी।

“वह शाखा टूट गई है।”

सैमनरिक कहाँ है?

हमें और लकड़ी लानी चाहिए। हमारे पास हरी टहनियाँ खत्म हो गई हैं।
राल्फ ने आह भरी और खड़ा हो गया। चबूतरे पर ताड़ के पेड़ों के नीचे कोई छाया नहीं थी; बस एक अजीब सी रोशनी थी जो मानो हर तरफ से एक साथ आ रही हो। ऊपर घने बादलों के बीच तोप की तरह गरज सुनाई दी।
"बहुत तेज बारिश होने वाली है।"
आग के बारे में क्या?
राल्फ जंगल में गया और हरे पत्तों का एक बड़ा गुच्छा लेकर लौटा जिसे उसने आग पर डाल दिया। शाखा चटकने लगी, पत्ते मुड़ गए और पीला धुआँ फैल गया।
पिग्गी ने अपनी उंगलियों से रेत में एक बेतरतीब सी छोटी आकृति बनाई।
समस्या यह है कि हमारे पास आग बुझाने के लिए पर्याप्त लोग नहीं हैं। आपको सैमनेंक को एक इकाई के रूप में मानना होगा। वे सब कुछ एक साथ करते हैं--"
"बिल्कुल।"
“ये तो ठीक नहीं है। क्या तुम्हें समझ नहीं आ रहा? उन्हें दो चक्कर लगाने चाहिए।”
राल्फ ने इस पर विचार किया और समझ गया। उसे यह देखकर झुंझलाहट हुई कि वह बड़ों की तरह बिल्कुल नहीं सोचता और उसने फिर से आह भरी। द्वीप की हालत दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही थी।
पिग्गी ने आग की ओर देखा।
"तुम्हें जल्द ही एक और हरी शाखा की जरूरत पड़ेगी।"
राल्फ करवट बदल गया।
“पिग्गी। अब हम क्या करेंगे?”
"उनके बिना ही काम चलाना पड़ेगा।"
लेकिन—आग।
जली हुई शाखाओं के अधूरे सिरों के बीच पड़े काले और सफेद ढेर को देखकर उसने भौंहें चढ़ाईं। उसने कुछ सोचने की कोशिश की।
"मुझे डर लग रहा है।"
उसने देखा कि पिग्गी ने ऊपर देखा; और वह लड़खड़ाते हुए आगे बढ़ गया।
“उस शैतान से नहीं। मेरा मतलब है, मुझे उससे भी डर लगता है। लेकिन आग के बारे में कोई और नहीं समझता। अगर कोई डूबते समय आपको रस्सी फेंक दे। अगर कोई डॉक्टर कहे कि यह दवा ले लो क्योंकि अगर नहीं लोगे तो मर जाओगे—तो आप ले ही लेंगे, है ना? मेरा मतलब है?”

“बेशक मैं ऐसा ही करूंगा।”
“क्या वे देख नहीं सकते? क्या वे समझ नहीं सकते? धुएं के संकेत के बिना हम यहीं मर जाएंगे? उसे देखो!”
राख के ऊपर गर्म हवा की एक लहर कांप उठी, लेकिन उसमें धुएं का कोई निशान नहीं था।
“हम एक आग को भी जलाए नहीं रख सकते। और उन्हें कोई परवाह नहीं है। और इससे भी बुरी बात यह है कि--” उसने पिग्गी के आँसुओं से भीगे चेहरे को ध्यान से देखा। और तो और, कभी-कभी तो मुझे परवाह ही नहीं होती। मान लो मैं भी दूसरों की तरह लापरवाह हो जाऊं तो हमारा क्या होगा?
पिग्गी ने बेहद परेशान होकर अपना चश्मा उतार दिया।
“मुझे नहीं पता, राल्फ। हमें बस आगे बढ़ना है, बस इतना ही। बड़े लोग यही करते हैं।”
अपने मन का बोझ हल्का करने का काम शुरू करने के बाद, राल्फ ने आगे बात जारी रखी।
"पिग्गी, क्या हुआ?"
पिग्गी ने हैरानी से उसकी ओर देखा।
“क्या आपका मतलब उस...”
नहीं, यह नहीं... मेरा मतलब है... ऐसी कौन सी बात है जिससे चीजें इस तरह टूट जाती हैं?
पिग्गी ने धीरे-धीरे अपने चश्मे को रगड़ा और सोचने लगा। जब उसे समझ आया कि राल्फ ने उसे स्वीकार करने के लिए कितनी कोशिश की है, तो वह गर्व से लाल हो गया।
मुझे नहीं पता, राल्फ। मुझे लगता है कि वही है।
“जैक?”
“जैक।” उस शब्द को लेकर भी एक तरह का निषेध विकसित हो रहा था।
राल्फ ने गंभीरता से सिर हिलाया।
“हां,” उन्होंने कहा, “मुझे लगता है ऐसा ही होगा।”
उनके पास का जंगल शोरगुल से भर उठा। सफेद, लाल और हरे रंग के चेहरों वाली राक्षसी आकृतियाँ चीखती हुई बाहर निकलीं, जिससे छोटे बच्चे चीखते हुए भाग गए। राल्फ ने अपनी आँखों के कोने से पिग्गी को भागते हुए देखा। दो आकृतियाँ आग की ओर दौड़ीं और राल्फ ने खुद को बचाने की तैयारी की, लेकिन उन्होंने अधजली डालियाँ पकड़ीं और समुद्र तट के किनारे दौड़ पड़े। बाकी तीन लोग वहीं खड़े राल्फ को देखते

रहे; और उसने देखा कि उनमें से सबसे लंबा, पेंट और बेल्ट के अलावा पूरी तरह नंगा, जैक था।
राल्फ ने सांस ली और फिर बोला।
"कुंआ?"
जैक ने उसकी बात अनसुनी कर दी, अपना भाला उठाया और चिल्लाना शुरू कर दिया।
“सुनो तुम सब। मैं और मेरे शिकारी, हम समुद्र तट पर एक सपाट चट्टान के किनारे रहते हैं। हम शिकार करते हैं, दावत करते हैं और मौज-मस्ती करते हैं। अगर तुम मेरे कबीले में शामिल होना चाहते हो तो आकर हमसे मिलो। शायद मैं तुम्हें शामिल कर लूँ। शायद नहीं।”
वह रुका और चारों ओर देखा। अपने रंग के मुखौटे के पीछे वह शर्म या झिझक से मुक्त था और बारी-बारी से उन सभी को देख सकता था। राल्फ आग के अवशेषों के पास एक धावक की तरह घुटनों के बल बैठा था और उसका चेहरा बालों और कालिख से आधा ढका हुआ था। सैमनेरिक जंगल के किनारे एक ताड़ के पेड़ के चारों ओर से झाँक रहे थे। एक छोटा बच्चा नहाने के कुंड के पास चीख रहा था, उसका चेहरा झुर्रियों से भरा और लाल था, और पिगी चबूतरे पर खड़ा था, उसके हाथों में सफेद शंख थामे हुए।
“आज रात हम दावत कर रहे हैं। हमने एक सुअर मारा है और हमारे पास मांस है। अगर आप चाहें तो हमारे साथ आकर खाना खा सकते हैं।”
बादलों की गहरी घाटियों में एक बार फिर गरज सुनाई दी। जैक और उसके साथ मौजूद दो अज्ञात जंगली लोग लड़खड़ाए, ऊपर की ओर देखा और फिर संभल गए। छोटा बच्चा लगातार रोता रहा। जैक किसी बात का इंतज़ार कर रहा था। उसने फुसफुसाते हुए बाकी लोगों से कुछ कहा।
"चलो अब!"
दोनों बर्बरों ने आपस में कुछ बुदबुदाया। जैक ने तीखी आवाज में बात की।
"जारी रखें!"
दोनों बर्बरों ने एक-दूसरे को देखा, एक साथ अपने भाले उठाए और एक ही लय में बोले।
“मुख्य अधिकारी बोल चुके हैं।”
फिर वे तीनों मुड़े और दौड़ते हुए चले गए। थोड़ी देर बाद राल्फ उठ खड़ा हुआ और उस जगह को देखने लगा जहाँ से वे जंगली लोग गायब हो गए थे। सैमनेरिक भयभीत होकर फुसफुसाते हुए आया।

"मैंने सोचा यह था--"
और मैं था...
"--डरा हुआ।"
पिग्गी मंच पर उनके ऊपर खड़ा था, उसके हाथ में अभी भी शंख था।
“ये जैक, मौरिस और रॉबर्ट थे,” राल्फ ने कहा। “क्या वे मज़े नहीं कर रहे हैं?”
मुझे लगा था कि मुझे अस्थमा हो जाएगा।
"तुम्हारी गांड में दम हो।"
"जब मैंने जैक को देखा तो मुझे यकीन था कि वह शंख लेने जाएगा। समझ नहीं आता क्यों।"
लड़कों के समूह ने सफेद शंख को स्नेह और आदर से देखा। पिगी ने उसे राल्फ के हाथ में रख दिया और छोटे बच्चे उस परिचित प्रतीक को देखकर वापस आने लगे।
"यहाँ नहीं।"
वह किसी रस्म निभाने की आवश्यकता महसूस करते हुए मंच की ओर मुड़ा। सबसे पहले राल्फ गया, जिसके हाथ में सफेद शंख था, फिर पिगी, फिर जुड़वाँ बच्चे, फिर छोटे बच्चे और बाकी सब।
“तुम सब बैठ जाओ। उन्होंने आग के लिए हम पर छापा मारा था। वे मजे कर रहे हैं। लेकिन...”
राल्फ के दिमाग में कौंधती हुई एक झिलमिलाहट ने उसे उलझन में डाल दिया। वह कुछ कहना चाहता था; फिर अचानक सब कुछ शांत हो गया।
"लेकिन--"
वे उसे गंभीरता से देख रहे थे, अभी तक उनकी योग्यता के बारे में उन्हें कोई संदेह नहीं था। राल्फ ने अपने बालों को आँखों से हटाया और पिगी की ओर देखा।
लेकिन... ओह... आग! बेशक, आग!
वह हंसने लगा, फिर रुक गया और धाराप्रवाह बोलने लगा।
“आग सबसे ज़रूरी चीज़ है। आग के बिना हमारा बचाव नहीं हो सकता। मैं युद्ध के रंग में रंग लगाकर एक बर्बर की तरह व्यवहार करना चाहता हूँ। लेकिन हमें आग को जलते रहना होगा। इस द्वीप पर आग सबसे ज़रूरी चीज़ है, क्योंकि, क्योंकि--”
वह फिर रुका और सन्नाटा संदेह और आश्चर्य से भर गया।
पिग्गी ने फुसफुसाते हुए जल्दबाजी में कहा, "बचाव करो।"

“हाँ, बिल्कुल। आग के बिना हमारा बचाव नहीं हो सकता। इसलिए हमें आग के पास रहकर धुआँ करना होगा।”
जब वह रुका तो किसी ने कुछ नहीं कहा। इस जगह पर पहले भी कई शानदार भाषण दिए जा चुके थे, इसलिए राल्फ की बातें बच्चों को भी बेजान लगीं।
अंत में बिल ने शंख के लिए अपने हाथ आगे बढ़ा दिए।
“अब हम ऊपर आग नहीं जला सकते—क्योंकि हम ऊपर आग नहीं जला सकते—हमें इसे जलाए रखने के लिए और लोगों की ज़रूरत है। चलो इस दावत में चलते हैं और उन्हें बताते हैं कि आग हम बाकी लोगों के लिए मुश्किल पैदा कर रही है। और शिकार वगैरह, मतलब जंगली होने के नाते—यह तो बहुत मज़ेदार होगा।”
समनेरिक ने शंख ले लिया।
"बिल के कहने के अनुसार यह बहुत मजेदार होगा—और जैसा कि उसने हमें आमंत्रित किया है—"
“--एक दावत के लिए--”
"--मांस--"
“--चटकने की आवाज़--”
मुझे कुछ मांस चाहिए--
राल्फ ने अपना हाथ ऊपर उठाया।
"हमें अपना मांस खुद क्यों नहीं प्राप्त करना चाहिए?"
जुड़वा बच्चों ने एक-दूसरे की ओर देखा। बिल ने जवाब दिया।
हम जंगल में नहीं जाना चाहते।
राल्फ ने मुंह बनाया।
“वह—आप जानते हैं—जाता है।”
“वह एक शिकारी है। वे सभी शिकारी हैं। यह अलग बात है।”
कुछ पल तक कोई नहीं बोला, फिर पिग्गी ने रेत से कुछ बुदबुदाया।
"मांस--"
छोटे बच्चे मांस के बारे में गंभीरता से सोचते हुए बैठे थे और उनके मुंह से लार टपक रही थी। ऊपर आसमान में तोप की गड़गड़ाहट फिर गूंजी और गर्म हवा के अचानक झोंके से सूखी ताड़ की पत्तियां खड़खड़ाने लगीं।
“तुम एक नासमझ छोटे लड़के हो,” लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ ने कहा, “बस एक अज्ञानी, नासमझ छोटा लड़का।”

साइमन ने अपनी सूजी हुई जीभ हिलाई लेकिन कुछ नहीं कहा।
“क्या तुम सहमत नहीं हो?” लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ ने कहा। “क्या तुम सच में एक नासमझ छोटे लड़के हो?”
साइमन ने भी उसी मौन स्वर में उसे उत्तर दिया।
“तो फिर,” लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ ने कहा, “तुम बेहतर होगा कि भागकर दूसरों के साथ खेलो। वे तुम्हें पागल समझते हैं। तुम नहीं चाहते कि राल्फ तुम्हें पागल समझे, है ना? तुम राल्फ को बहुत पसंद करते हो, है ना? और पिगी को भी, और जैक को भी?”
साइमन का सिर थोड़ा ऊपर की ओर झुका हुआ था। उसकी निगाहें लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ की छवि से हट नहीं पा रही थीं, जो उसके सामने अंतरिक्ष में लटकी हुई थी।
“तुम यहाँ अकेले क्या कर रहे हो? क्या तुम्हें मुझसे डर नहीं लगता?”
साइमन कांप उठा।
“तुम्हारी मदद करने वाला कोई नहीं है। सिर्फ मैं हूं। और मैं ही वो शैतान हूं।”
साइमन के मुंह से मुश्किल से कुछ शब्द निकले।
“डंडी पर सूअर का सिर।”
“यह सोचना कितना अजीब है कि उस राक्षस का शिकार करके उसे मारा जा सकता था!” मुखिया ने कहा। एक-दो पल के लिए जंगल और बाकी सभी धुंधली सी जगहें हंसी की उस नकल से गूंज उठीं। “तुम्हें पता था, है ना? मैं तुम्हारा ही हिस्सा हूँ? करीब, करीब, करीब! मैं ही वह कारण हूँ जिसकी वजह से सब कुछ नहीं हो पा रहा? जिसकी वजह से हालात ऐसे हैं?”
हंसी फिर से कांप उठी।
“चलो अब,” लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ ने कहा। “बाकियों के पास वापस जाओ और हम सब कुछ भूल जाएंगे।”
साइमन का सिर डगमगा रहा था। उसकी आँखें आधी बंद थीं, मानो वह छड़ी पर बनी अश्लील चीज़ की नकल कर रहा हो। उसे पता था कि उसका समय आने वाला है। लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ गुब्बारे की तरह फूल रहा था।
“यह तो सरासर बेवकूफी है। तुम अच्छी तरह जानते हो कि तुम्हारी मुलाकात सिर्फ नीचे ही होगी—इसलिए भागने की कोशिश मत करो!”
साइमन का शरीर धनुषाकार और अकड़ा हुआ था। लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ एक स्कूलमास्टर की आवाज़ में बोल रहा था।

“बात हद से आगे बढ़ गई है। मेरे बेचारे, गुमराह बच्चे, क्या तुम्हें लगता है कि तुम मुझसे ज्यादा जानते हो?”
कुछ देर का विराम रहा।
“मैं तुम्हें चेतावनी दे रहा हूँ। मुझे गुस्सा आने वाला है। समझे? यहाँ तुम्हारी कोई ज़रूरत नहीं है। समझे? हम इस द्वीप पर खूब मज़े करने वाले हैं। समझे? हम इस द्वीप पर खूब मज़े करने वाले हैं! इसलिए, मेरे बेचारे नासमझ लड़के, ज़्यादा अकड़ मत दिखाना, वरना--”
साइमन को लगा कि वह एक विशाल मुंह के अंदर देख रहा है। अंदर अंधेरा छाया हुआ था, एक ऐसा अंधेरा जो चारों ओर फैल रहा था।
“—नहीं तो,” लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ ने कहा, “हम तुम्हारा क्या करेंगे? देखा? जैक, रोजर, मौरिस, रॉबर्ट, बिल, पिगी और राल्फ। क्या तुम करोगे? देखा?”
साइमन मुँह के अंदर था। वह गिर पड़ा और बेहोश हो गया।

मक्खियों के भगवान

अध्याय नौ: मृत्यु का एक दृश्य

द्वीप के ऊपर बादलों का जमावड़ा जारी रहा। दिनभर पहाड़ों से गर्म हवा की एक स्थिर धारा उठती रही और दस हजार फीट की ऊंचाई तक पहुंचती रही; गैस के घूमते हुए पिंडों ने स्थैतिक ऊर्जा को इतना बढ़ा दिया कि हवा विस्फोट के कगार पर पहुंच गई। शाम होते-होते सूरज डूब गया और साफ दिन के उजाले की जगह चकाचौंध भरी धूप ने ले ली। समुद्र से आने वाली हवा भी गर्म थी और उसमें कोई ताजगी नहीं थी। पानी, पेड़ों और चट्टानों की गुलाबी सतहों का रंग फीका पड़ गया, और सफेद और भूरे बादल मंडराते रहे। मक्खियों के अलावा कुछ भी फल-फूल नहीं रहा था, जो अपने स्वामी को काला कर रही थीं और बिखरे हुए अंगों को चमकते कोयले के ढेर जैसा बना रही थीं। यहां तक कि जब साइमन की नाक में बर्तन टूट गया और खून बहने लगा, तब भी उन्होंने उसे अकेला छोड़ दिया, क्योंकि उन्हें सूअर का तीखा स्वाद ज्यादा पसंद था।

खून बहने के साथ ही साइमन का दौरा नींद की थकान में बदल गया। वह लताओं की चटाई पर लेटा रहा, शाम ढलती रही और तोपें चलती रहीं। आखिरकार वह जागा और उसे अपने गाल के पास की काली मिट्टी धुंधली सी दिखाई दी। फिर भी वह हिला नहीं, वहीं लेटा रहा, उसका चेहरा एक तरफ ज़मीन पर था, उसकी आँखें बेजान सी सामने देख रही थीं। फिर वह पलटा, अपने पैर ज़मीन के नीचे खींचे और लताओं को पकड़कर खुद को ऊपर खींचने लगा। जब लताएँ हिलीं तो मक्खियाँ एक भयानक आवाज़ के साथ उनके पेट से बाहर निकलीं और वापस चिपक गईं। साइमन अपने पैरों पर खड़ा हुआ। रोशनी अलौकिक थी। मक्खियों का स्वामी उसकी छड़ी पर एक काली गेंद की तरह लटका हुआ था।

साइमन ने खुले मैदान में जोर से बात की।

"वहां और क्या करने के लिए है?"

कोई जवाब नहीं आया। साइमन खुले मैदान से मुड़ गया और लताओं के बीच से रेंगता हुआ जंगल के धुंधलके में पहुँच गया। वह तनों के बीच उदास भाव से चल रहा था, उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं था, और उसके मुँह और ठोड़ी के आसपास का खून सूख चुका था। कभी-कभार जब वह लता की रस्सियों को एक तरफ हटाता और ज़मीन की दिशा देखकर अपना रास्ता चुनता, तो वह कुछ शब्द बुदबुदाता जो हवा तक नहीं पहुँच पाते।

अब लताएँ पेड़ों पर कम ही लिपटी थीं और आकाश से पेड़ों के बीच से हल्की-हल्की चमकीली रोशनी छनकर आ रही थी। यही द्वीप की रीढ़ थी, पहाड़ के नीचे की थोड़ी ऊँची ज़मीन जहाँ जंगल अब घना नहीं रहा था। यहाँ झाड़ियों और विशाल पेड़ों से घिरे चौड़े खुले मैदान थे और जैसे-जैसे जंगल खुलता गया, ज़मीन का ढलान उसे ऊपर की ओर ले गया। वह चलता रहा, कभी-कभी थकान से लड़खड़ाता, लेकिन रुकता नहीं। उसकी आँखों की चमक गायब हो चुकी थी और वह एक बूढ़े आदमी की तरह उदास दृढ़ निश्चय के साथ चल रहा था।

तेज़ हवा के झोंके से वह लड़खड़ा गया और उसने देखा कि वह खुले में, चट्टान पर, सुनहरे आसमान के नीचे खड़ा है। उसके पैर कमज़ोर पड़ गए थे और उसकी जीभ में लगातार दर्द हो रहा था। जब हवा पहाड़ की चोटी पर पहुँची, तो उसने कुछ देखा - भूरे बादलों के बीच नीले रंग की एक हल्की सी झलक। उसने खुद को आगे धकेला और हवा फिर से तेज़ हो गई, जंगल के पेड़ों को ज़ोर से हिलाते हुए, वे झुक गए और गरजने लगे।

साइमन ने देखा कि एक कूबड़ वाला जीव अचानक चोटी पर बैठ गया और उसे नीचे देखने लगा। उसने अपना चेहरा छिपा लिया और आगे बढ़ता रहा।
मक्खियों ने भी उस आकृति को देख लिया था। उसकी सजीव सी हरकतें उन्हें पल भर के लिए डरा देतीं और वे सिर के चारों ओर एक काला बादल बना लेतीं। फिर जैसे ही पैराशूट का नीला कपड़ा सिकुड़ता, वह भारी-भरकम आकृति आह भरते हुए आगे की ओर झुक जाती और मक्खियाँ फिर से बैठ जातीं।
साइमन को लगा जैसे उसके घुटने चट्टान से टकरा गए हों। वह रेंगता हुआ आगे बढ़ा और जल्द ही उसे समझ आ गया। रेखाओं के उलझे जाल ने उसे इस हास्यास्पद रचना की कार्यप्रणाली दिखाई; उसने सफेद नाक की हड्डियों, दांतों और सड़न के रंगों का निरीक्षण किया। उसने देखा कि कैसे रबर और कैनवास की परतें उस बेचारे शरीर को बेरहमी से थामे हुए थीं जिसे सड़ जाना चाहिए था। तभी हवा फिर चली और वह आकृति उठी, झुकी और उस पर दुर्गंधयुक्त साँस छोड़ी। साइमन चारों हाथों-पैरों के बल घुटनों के बल बैठ गया और तब तक उल्टी करता रहा जब तक उसका पेट खाली नहीं हो गया। फिर उसने रेखाओं को अपने हाथों में लिया; उसने उन्हें चट्टानों से और उस आकृति को हवा के अपमान से मुक्त किया।
आखिरकार उसने मुँह फेर लिया और नीचे समुद्र तटों की ओर देखा। चबूतरे के पास जल रही आग बुझ चुकी थी, या कम से कम धुआँ नहीं निकल रहा था। समुद्र तट पर आगे, छोटी नदी के उस पार और एक बड़ी चट्टान के पास, धुएँ की एक पतली लकीर आसमान में उठ रही थी। मक्खियों की परवाह किए बिना, साइमन ने दोनों हाथों से अपनी आँखों को ढँक लिया और धुएँ को ध्यान से देखा। इतनी दूरी से भी यह देखा जा सकता था कि अधिकांश लड़के—शायद सभी लड़के—वहीं थे। तो वे उस जानवर से दूर, अपना डेरा बदल चुके थे। साइमन ने यह सोचते हुए, अपने बगल में बदबूदार पड़े उस बेचारे टूटे-फूटे जानवर की ओर देखा। वह जानवर हानिरहित और भयानक था; और यह खबर जल्द से जल्द दूसरों तक पहुँचनी चाहिए। वह पहाड़ से नीचे उतरने लगा और उसके पैर लड़खड़ा गए। बड़ी सावधानी से चलने पर भी वह बस लड़खड़ाते हुए ही चल पाया।
“नहाना,” राल्फ ने कहा, “बस यही एक काम बचा है।” पिगी अपने चश्मे से आसमान को निहार रहा था। “मुझे ये बादल पसंद नहीं हैं। याद है, हमारे उतरने के तुरंत बाद बारिश हुई थी?”
फिर से बारिश होने वाली है।

राल्फ पूल में कूद गया। कुछ छोटे बच्चे किनारे पर खेल रहे थे, खून से भी ज़्यादा गर्म गीलेपन से राहत पाने की कोशिश कर रहे थे। पिग्गी ने अपना चश्मा उतारा, सलीके से पानी में कदम रखा और फिर उसे दोबारा पहन लिया। राल्फ सतह पर आया और उस पर पानी की तेज़ बौछार कर दी।
"मेरे चश्मे का ध्यान रखना," पिग्गी ने कहा। "अगर शीशे पर पानी गिर गया तो मुझे बाहर निकलकर उसे साफ करना पड़ेगा।"
राल्फ ने फिर से पानी छिड़का, लेकिन निशाना चूक गया। वह पिग्गी पर हँसा, उसे उम्मीद थी कि पिग्गी हमेशा की तरह चुपचाप और दर्द भरी मुद्रा में पीछे हट जाएगा। लेकिन इसके बजाय, पिग्गी ने अपने हाथों से पानी को पीटना शुरू कर दिया।
“बस करो!” वह चिल्लाया। “सुना तुमने?”
उसने गुस्से में आकर पानी को राल्फ के चेहरे पर फेंक दिया।
“ठीक है, ठीक है,” राल्फ ने कहा। “शांत रहो।”
पिग्गी ने पानी को पीटना बंद कर दिया।
मेरे सिर में दर्द हो रहा है। काश हवा थोड़ी ठंडी होती।
काश बारिश आ जाए।
काश हम घर जा पाते।
पिग्गी तालाब के ढलानदार रेतीले किनारे पर लेट गया। उसका पेट बाहर निकला हुआ था और उस पर पानी सूख गया था। राल्फ ने आसमान की ओर तिरछी नज़रों से देखा। बादलों के बीच प्रकाश के एक धब्बे की गति से सूर्य की गति का अनुमान लगाया जा सकता था। वह पानी में घुटनों के बल बैठ गया और चारों ओर देखने लगा।
“सब लोग कहाँ हैं?”
पिग्गी उठकर बैठ गया।
"शायद वे आश्रय स्थल में लेटे हुए हैं।"
सैमनरिक कहाँ है?
और बिल?
पिग्गी ने प्लेटफार्म के पार इशारा किया।
“वे लोग वहीं गए हैं। जैक की पार्टी में।”
राल्फ ने बेचैनी से कहा, "उन्हें जाने दो, मुझे कोई फर्क नहीं पड़ता।"
“बस थोड़े से मांस के लिए--”

“और शिकार के लिए,” राल्फ ने समझदारी से कहा, “और एक कबीले होने का नाटक करने के लिए, और युद्ध के रंग लगाने के लिए।”
पिग्गी पानी के नीचे रेत को हिलाता रहा और राल्फ की तरफ नहीं देखा।
"शायद हमें भी जाना चाहिए।"
राल्फ ने उसकी ओर जल्दी से देखा और पिगी शरमा गया।
मेरा मतलब है—यह सुनिश्चित करना कि कुछ भी अप्रिय घटना न हो।
राल्फ ने फिर से पानी छिड़का।
राल्फ और पिगी के जैक के दल के साथ आने से बहुत पहले ही, उन्हें पार्टी की आवाज़ सुनाई दे रही थी। एक जगह पर घास का एक बड़ा हिस्सा था जहाँ ताड़ के पेड़ों ने जंगल और किनारे के बीच घास की एक चौड़ी पट्टी छोड़ दी थी। घास के किनारे से बस एक कदम नीचे, ऊँचे पानी के ऊपर की सफेद, उड़ती हुई रेत थी, गर्म, सूखी, रौंदी हुई। उसके नीचे फिर एक चट्टान थी जो लैगून की ओर फैली हुई थी। उसके आगे रेत का एक छोटा सा हिस्सा था और फिर पानी का किनारा। चट्टान पर आग जल रही थी और भुने हुए सूअर के मांस से चर्बी टपक कर अदृश्य लपटों में गिर रही थी। पिगी, राल्फ, साइमन और सूअर की देखभाल करने वाले दो लड़कों को छोड़कर, द्वीप के सभी लड़के घास पर इकट्ठा थे। वे हंस रहे थे, गा रहे थे, लेटे हुए थे, उकड़ू बैठे थे या घास पर खड़े थे, उनके हाथों में खाना था। लेकिन उनके चिकने चेहरों को देखकर लग रहा था कि मांस खाना लगभग खत्म हो चुका था; और कुछ के हाथों में नारियल के खोल थे और वे उनसे पी रहे थे। पार्टी शुरू होने से पहले ही एक बड़ा सा लट्ठा लॉन के बीचोंबीच खींचकर लाया गया था और जैक, रंग-बिरंगा और फूलों की मालाओं से सजा हुआ, वहाँ एक मूर्ति की तरह बैठा था। उसके पास हरे पत्तों पर मांस के ढेर लगे थे, साथ ही फल और नारियल के खोल भी थे जिनमें पेय पदार्थ भरे थे।
पिग्गी और राल्फ घास के चबूतरे के किनारे पर आ गए; और जैसे ही लड़कों ने उन्हें देखा, वे एक-एक करके चुप हो गए, यहाँ तक कि केवल जैक के बगल वाला लड़का ही बोल रहा था। फिर वहाँ भी सन्नाटा छा गया और जैक अपनी जगह से मुड़ा। कुछ देर तक वह उन्हें देखता रहा और चट्टान की गड़गड़ाहट के बीच आग की चटकने की आवाज़ सबसे तेज़ थी। राल्फ ने नज़रें फेर लीं; और सैम, यह सोचकर कि राल्फ ने उसे इल्ज़ाम भरी नज़रों से देखा है, अपनी कुतरी हुई हड्डी को घबराहट भरी हंसी के साथ नीचे रख दिया। राल्फ ने एक अनिश्चित कदम उठाया, एक ताड़ के पेड़ की ओर इशारा किया और पिग्गी से कुछ फुसफुसाया जो सुनाई नहीं दिया; और वे दोनों सैम की तरह

हंस पड़े। अपने पैरों को रेत से ऊपर उठाकर, राल्फ टहलने लगा। पिग्गी ने सीटी बजाने की कोशिश की।
ठीक उसी क्षण, आग पर खाना बना रहे लड़के अचानक मांस का एक बड़ा टुकड़ा उठाकर घास की ओर दौड़ पड़े। वे जले हुए पिग्गी से टकरा गए और खुशी से चिल्लाते-नाचते झूम उठे। तुरंत ही, राल्फ और लड़कों का समूह एक साथ मिलकर ज़ोरदार ठहाकों से भर उठा और राहत महसूस करने लगा। पिग्गी एक बार फिर उपहास का पात्र बन गया, जिससे सभी को खुशी और सुकून का एहसास हुआ।
जैक खड़ा हुआ और उसने अपना भाला लहराया।
"उन्हें थोड़ा मांस दे दो।"
थूक लिए लड़कों ने राल्फ और पिगी को मांस का एक-एक स्वादिष्ट टुकड़ा दिया। उन्होंने लार टपकाते हुए उपहार ले लिया। फिर वे खड़े होकर गरजते हुए पीतल के बादलों से घिरे आसमान के नीचे खाने लगे, जो आने वाले तूफान की आहट दे रहे थे।
जैक ने अपना भाला फिर लहराया।
"क्या सभी ने अपनी इच्छानुसार भोजन कर लिया है?"
लकड़ी की सीखों पर अभी भी खाना बचा हुआ था, जो हरी थालियों में ढेर सारा रखा था। भूख से बेबस होकर पिगी ने एक हड्डी उठाकर किनारे पर फेंक दी और और खाने के लिए झुक गया।
जैक ने अधीरता से फिर बात की।
"क्या सभी ने अपनी इच्छानुसार भोजन कर लिया है?"
उसके लहजे में मालिकाना हक के गर्व से भरी चेतावनी झलक रही थी, और लड़के समय रहते ही जल्दी-जल्दी खाने लगे। जब जैक को लगा कि अब रुकने की कोई उम्मीद नहीं है, तो वह अपने सिंहासन पर बैठे लट्ठे से उठा और घास के किनारे की ओर धीरे-धीरे चलने लगा। उसने अपने रंग के पीछे से राल्फ और पिगी को देखा। वे रेत पर थोड़ा और आगे बढ़ गए और राल्फ खाते हुए आग को देखता रहा। उसने बिना समझे ही गौर किया कि धुंधली रोशनी में भी लपटें साफ दिखाई दे रही थीं। शाम हो चुकी थी, लेकिन शांत सुंदरता के साथ नहीं, बल्कि हिंसा के खतरे के साथ।
जैक बोला।
मुझे एक पेय दो।
हेनरी उसके लिए एक शंख लाया और उसने शंख के नुकीले किनारे से पिग्गी और राल्फ को देखते हुए उसे पिया। उसकी बांहों की भूरी उभार में शक्ति निहित थी:

अधिकार उसके कंधे पर बैठा था और उसके कान में बंदर की तरह बड़बड़ा रहा था।
"सब लोग बैठ जाओ।"
लड़के उसके सामने घास पर कतारों में खड़े हो गए, लेकिन राल्फ और पिगी एक फुट नीचे नरम रेत पर खड़े रहे। जैक ने उन्हें फिलहाल अनदेखा किया, अपना मुखौटा नीचे करके बैठे हुए लड़कों की ओर इशारा किया और भाले से उनकी ओर संकेत किया।
"मेरे समूह में कौन शामिल होगा?"
राल्फ ने अचानक हरकत की जिससे वह लड़खड़ा गया। कुछ लड़के उसकी ओर मुड़ गए।
“मैंने तुम्हें खाना दिया है,” जैक ने कहा, “और मेरे शिकारी तुम्हें उस जानवर से बचाएंगे। कौन मेरे कबीले में शामिल होगा?”
“मैं मुखिया हूँ,” राल्फ ने कहा, “क्योंकि तुमने मुझे चुना है। और हम आग को जलते रहने देने वाले थे। अब तुम खाने की तलाश में भागो--”
“तुम खुद ही दौड़े!” जैक चिल्लाया। “अपने हाथों की हड्डी तो देखो!”
राल्फ का चेहरा लाल हो गया।
मैंने कहा था कि तुम शिकारी हो। यही तुम्हारा काम था।
जैक ने उसे फिर से नजरअंदाज कर दिया।
"कौन मेरे समूह में शामिल होकर मौज-मस्ती करेगा?"
“मैं मुखिया हूँ,” राल्फ ने कांपती हुई आवाज़ में कहा। “और आग का क्या? और मेरे पास शंख भी है--”
“तुम्हारे पास वो नहीं है,” जैक ने ताना मारते हुए कहा। “तुम उसे यहीं छोड़ आए हो। देखा, बड़े चालाक हो? और द्वीप के इस छोर पर शंख का कोई महत्व नहीं है--”
अचानक ही बिजली कड़की। धीमी गड़गड़ाहट की जगह धमाके में एक जोरदार प्रभाव दिखाई दिया।
“शंख का महत्व यहाँ भी है,” राल्फ ने कहा, “और पूरे द्वीप में भी।”
"तो फिर आप इसके बारे में क्या करने वाले हैं?"
राल्फ ने लड़कों की कतारों का जायजा लिया। उनसे कोई मदद नहीं मिली और वह उलझन और पसीने से तरबतर होकर दूसरी तरफ देखने लगा। पिगी ने फुसफुसाते हुए कुछ कहा।
"आग से बचाव।"
"मेरी जनजाति में कौन शामिल होगा?"

"मैं करूँगा।"
"मुझे।"
"मैं करूँगा।"
“मैं शंख बजाऊंगा,” राल्फ ने हांफते हुए कहा, “और सभा बुलाऊंगा।”
हम इसे नहीं सुनेंगे।
पिग्गी ने राल्फ की कलाई को छुआ।
"चले जाओ। मुसीबत आने वाली है। और हमने अपना मांस खा लिया है।"
जंगल के उस पार एक तेज रोशनी चमकी और फिर से गरज उठी जिससे एक छोटा बच्चा रोने लगा। बारिश की बड़ी-बड़ी बूँदें उनके बीच गिरीं और गिरने पर अलग-अलग आवाजें पैदा कर रही थीं।
“तूफान आने वाला है,” राल्फ ने कहा, “और वैसी ही बारिश होगी जैसी तब हुई थी जब हम यहाँ उतरे थे। अब कौन समझदार है? तुम्हारे आश्रय कहाँ हैं? तुम लोग इससे निपटने के लिए क्या करोगे?”
शिकारी बेचैनी से आसमान की ओर देख रहे थे, बारिश की बूंदों के झटके से सहम रहे थे। लड़कों में बेचैनी की लहर दौड़ रही थी और वे इधर-उधर भटक रहे थे। टिमटिमाती रोशनी तेज होती जा रही थी और गरज की आवाजें असहनीय होती जा रही थीं। छोटे बच्चे चीखते-चिल्लाते इधर-उधर भागने लगे।
जैक रेत पर कूद पड़ा।
“हमारा नृत्य करो! चलो! नाचो!”
वह घनी रेत में लड़खड़ाते हुए आग के पार चट्टानी खुले मैदान की ओर भागा। बिजली की कड़क के बीच हवा अंधेरी और भयानक थी; और लड़के शोर मचाते हुए उसके पीछे-पीछे चल रहे थे। रॉजर सूअर बन गया, गुर्राते हुए जैक पर झपटा, जो एक तरफ हट गया। शिकारियों ने अपने भाले उठा लिए, रसोइयों ने सीखें, और बाकी लोगों ने लकड़ियों के डंडे। एक गोलाकार गति विकसित हुई और एक मंत्रोच्चार शुरू हुआ। रॉजर सूअर के आतंक का अभिनय कर रहा था, जबकि छोटे बच्चे घेरे के बाहर दौड़ते और कूदते रहे। आसमान के खतरे के साये में पिगी और राल्फ इस विक्षिप्त लेकिन आंशिक रूप से सुरक्षित समाज में जगह बनाने के लिए उत्सुक थे। वे उस बाड़ की भूरी पीठ को छूकर खुश थे जिसने आतंक को घेर रखा था और उसे नियंत्रण में रखा था।
“उस दरिंदे को मार डालो! उसका गला काट दो! उसका खून बहा दो!”

हलचल नियमित हो गई और मंत्रोच्चार का प्रारंभिक सतही उत्साह समाप्त हो गया और वह एक स्थिर धड़कन की तरह बजने लगा। रॉजर सूअर नहीं रहा, बल्कि एक शिकारी बन गया, जिससे घेरे का केंद्र खाली-खाली सा दिखने लगा। कुछ नन्हे-मुन्नों ने अपना एक घेरा बना लिया; और पूरक घेरे गोल-गोल घूमने लगे मानो पुनरावृत्ति से ही सुरक्षा प्राप्त हो जाएगी। एक ही जीव की धड़कन और धमक सुनाई दे रही थी।

नीला-सफेद धब्बा अंधेरे आकाश को चीरता हुआ सा लग रहा था। पल भर में एक ज़ोरदार आवाज़ उन पर किसी विशाल कोड़े की मार की तरह पड़ी। दर्द से भरी गर्जना और तेज़ हो गई।

“उस दरिंदे को मार डालो! उसका गला काट दो! उसका खून बहा दो!”

अब उस आतंक से एक नई इच्छा उत्पन्न हुई, तीव्र, तीव्र और अंधाधुंध।

“उस दरिंदे को मार डालो! उसका गला काट दो! उसका खून बहा दो!”

फिर से उनके ऊपर नीले-सफेद रंग का निशान उभर आया और सल्फरयुक्त विस्फोट ज़ोर से गूंज उठा। छोटे बच्चे चीखते-चिल्लाते और लड़खड़ाते हुए जंगल के किनारे से भागने लगे, और उनमें से एक डर के मारे बड़ों के घेरे को तोड़कर भाग गया।

“उसे! उसे!”

वृत्त घोड़े की नाल के आकार का हो गया। जंगल से कोई चीज़ रेंगती हुई बाहर आ रही थी। वह अंधेरे में, अनिश्चित रूप से आ रही थी। उस जानवर के आने से पहले उठने वाली तीखी चीख किसी दर्द जैसी थी। जानवर लड़खड़ाते हुए घोड़े की नाल के आकार के वृत्त में जा गिरा।

“उस दरिंदे को मार डालो! उसका गला काट दो! उसका खून बहा दो!”

नीला-सफेद निशान स्थिर था, शोर असहनीय था। साइमन पहाड़ी पर पड़े एक मृत व्यक्ति के बारे में कुछ चिल्ला रहा था।

“उस दरिंदे को मार डालो! उसका गला काट दो! उसका खून बहा दो! उसे खत्म कर दो!”

लकड़ियाँ गिरीं और नए घेरे का मुँह चटकने और चीखने की आवाज़ से गूंज उठा। जानवर बीच में घुटनों के बल बैठा था, उसके हाथ उसके चेहरे पर लिपटे हुए थे। वह भयानक शोर के बीच पहाड़ी पर पड़े किसी शव के बारे में कुछ बुदबुदा रहा था। जानवर आगे बढ़ा, घेरा तोड़कर चट्टान के ढलान से पानी के किनारे रेत पर गिर पड़ा। तुरंत ही भीड़ उसके पीछे दौड़ी, चट्टान से नीचे उतरी, जानवर पर टूट पड़ी, चीखने-

चिल्लाने लगी, वार करने लगी, काटने लगी, नोंचने लगी। वहाँ कोई शब्द नहीं थे, कोई हरकत नहीं थी, बस दाँतों और पंजों के चीरने की आवाज़ थी।
फिर बादल फट गए और झरने की तरह बारिश बरसने लगी। पहाड़ की चोटी से पानी उछलता हुआ आया, पेड़ों से पत्ते और डालियाँ तोड़ता हुआ रेत पर पड़े ढेर पर ठंडी बौछार की तरह बरसने लगा। थोड़ी देर में ढेर टूट गया और लोग लड़खड़ाते हुए इधर-उधर भागने लगे। केवल वह जानवर समुद्र से कुछ ही गज की दूरी पर पड़ा रहा। बारिश में भी वे देख सकते थे कि वह जानवर कितना छोटा था; और उसका खून पहले ही रेत को रंग रहा था।
अब तेज़ हवा बारिश को तिरछी दिशा में उड़ा रही थी, जिससे जंगल के पेड़ों से पानी झरना बनकर बह रहा था। पहाड़ की चोटी पर पैराशूट भर गया और चलने लगा; आकृति फिसलती हुई, अपने पैरों पर खड़ी हुई, घूमी, नम हवा के विशाल विस्तार में नीचे की ओर डगमगाती हुई आई और अपने बेढंगे पैरों से ऊँचे पेड़ों की चोटियों को रौंदती हुई आगे बढ़ी; गिरती हुई, लगातार गिरती हुई, वह समुद्र तट की ओर डूब गई और लड़के चीखते हुए अंधेरे में भाग गए। पैराशूट उस आकृति को आगे ले गया, लैगून में गहरी लकीरें बनाता हुआ, उसे चट्टान के ऊपर से धकेलते हुए समुद्र में ले गया।
आधी रात होते-होते बारिश रुक गई और बादल छंट गए, जिससे आकाश एक बार फिर तारों की अद्‌भुत जगमगाहट से जगमगा उठा। फिर हवा भी थम गई और पानी की बूंदों की टपक-टपक की आवाज़ के अलावा कोई शोर नहीं था, जो दरारों से रिसकर धीरे-धीरे द्वीप की भूरी मिट्टी पर गिर रही थी। हवा ठंडी, नम और साफ थी; और कुछ ही देर में पानी की आवाज़ भी थम गई। जानवर पीली रेत पर दुबका पड़ा था और उसके दाग धीरे-धीरे फैलते जा रहे थे।
झील का किनारा फास्फोरस की एक लकीर बन गया जो ज्वार की विशाल लहर के साथ धीरे-धीरे आगे बढ़ती गई। साफ पानी में साफ आसमान और चमकीले तारामंडल प्रतिबिंबित हो रहे थे। फास्फोरस की वह लकीर रेत के कणों और छोटे कंकड़ों के चारों ओर उभरती हुई सी लग रही थी; वह उन्हें तनाव के एक छोटे से गड्ढे में थामे रखती, फिर अचानक एक अनसुनी ध्वनि के साथ उन्हें अपने में समा लेती और आगे बढ़ जाती।
उथले पानी के किनारे पर, आगे बढ़ता हुआ साफ पानी अजीबोगरीब, चांदनी जैसे शरीर वाले और धधकती आंखों वाले जीवों से भरा हुआ था। कहीं-कहीं बड़े-बड़े कंकड़ हवा में लटके हुए थे और मोतियों की परत से ढके हुए थे। ज्वार बारिश से गड्ढों वाली रेत पर चढ़ गया और हर चीज को चांदी की परत से चिकना कर दिया। अब यह टूटे हुए शरीर

से रिस रहे पहले दाग को छू गया और किनारे पर इकट्ठा होते ही जीव प्रकाश का एक गतिशील धब्बा बन गए। पानी और ऊपर चढ़ गया और साइमन के खुरदुरे बालों को चमक से सजा दिया। उसके गालों की रेखा चांदी जैसी चमक उठी और उसके कंधे का मोड़ तराशे हुए संगमरमर जैसा हो गया। धधकती आंखों और पीछे छूटती भाप वाले अजीबोगरीब साथी जीव उसके सिर के चारों ओर व्यस्त हो गए। शरीर रेत से एक इंच के अंश जितना ऊपर उठा और मुंह से हवा का एक बुलबुला गीली आवाज़ के साथ निकला। फिर वह धीरे से पानी में घूम गया।

पृथ्वी के अंधकारमय वक्र के ऊपर कहीं सूर्य और चंद्रमा खींच रहे थे, और पृथ्वी ग्रह पर पानी की पतली परत एक तरफ थोड़ी उभरी हुई थी जबकि ठोस कोर घूम रहा था। ज्वार की विशाल लहर द्वीप पर आगे बढ़ती गई और पानी ऊपर उठने लगा। धीरे-धीरे, जिज्ञासु चमकीले जीवों के एक समूह से घिरे, स्थिर नक्षत्रों के नीचे स्वयं एक चांदी जैसी आकृति में, साइमन का मृत शरीर खुले समुद्र की ओर बढ़ गया।

मक्खियों के भगवान

अध्याय दस: शंख और चश्मा

पिग्गी ने आगे बढ़ते हुए व्यक्ति को ध्यान से देखा। आजकल उसे कभी-कभी चश्मा उतारकर एक लेंस को दूसरी आँख पर लगाने से ज़्यादा साफ़ दिखाई देता था; लेकिन जो कुछ हुआ था उसके बाद, अच्छी आँख से भी राल्फ साफ़ तौर पर राल्फ ही लग रहा था। वह अब नारियल के पेड़ों से बाहर आया, लंगड़ाता हुआ, गंदा, उसके पीले बालों में सूखे पत्ते लटक रहे थे। उसकी एक आँख सूजे हुए गाल में एक दरार जैसी लग रही थी और उसके दाहिने घुटने पर एक बड़ा घाव हो गया था। वह एक पल के लिए रुका और चबूतरे पर खड़े व्यक्ति को गौर से देखा।

“पिग्गी? क्या तुम ही अकेले बचे हो?”

"कुछ छोटे बच्चे हैं।"

“उनकी गिनती नहीं होती। कोई बड़े लोग नहीं?”

“ओह—समनेरिक। वे लकड़ी इकट्ठा कर रहे हैं।”
"और किसी की नहीं?"
"मुझे पता नहीं है कि।"
राल्फ सावधानी से चबूतरे पर चढ़ गया। जहाँ सभा होती थी, वहाँ की खुरदरी घास अभी भी घिसी हुई थी; पॉलिश की हुई सीट के पास रखा नाज़ुक सफ़ेद शंख अभी भी चमक रहा था। राल्फ मुखिया की सीट और शंख की ओर मुख करके घास पर बैठ गया। पिग्गी उसके बाईं ओर घुटनों के बल बैठ गया, और एक लंबे मिनट तक सन्नाटा छाया रहा।
अंत में राल्फ ने अपना गला साफ किया और कुछ फुसफुसाया।
पिग्गी ने फुसफुसाते हुए जवाब दिया।
"तुम क्या कहते हो?"
राल्फ ने अपनी बात रखी।
“साइमन।”
पिग्गी ने कुछ नहीं कहा, बस गंभीरता से सिर हिलाया। वे बैठे रहे और धुंधली दृष्टि से मुखिया की कुर्सी और चमकते हुए लैगून को निहारते रहे। हरी रोशनी और धूप की चमकदार किरणें उनके मैले शरीरों पर पड़ रही थीं।
अंततः राल्फ उठा और शंख के पास गया। उसने दोनों हाथों से शंख को प्यार से पकड़ा और पेड़ के तने से टेक लगाकर घुटनों के बल बैठ गया।
"पिग्गी।"
“उह?”
हम क्या करेंगे?
पिग्गी ने शंख की ओर सिर हिलाया।
"आप ऐसा कर सकते हैं--"
“क्या सभा बुलानी चाहिए?”
यह शब्द कहते ही राल्फ जोर से हँस पड़ा और पिगी ने भौंहें चढ़ा लीं।
"आप अभी भी प्रमुख हैं।"
राल्फ फिर हँस पड़ा।
“तुम हो। हमसे ऊपर।”
मुझे शंख मिल गया।
“राल्फ! इस तरह हंसना बंद करो। देखो, हंसने की कोई जरूरत नहीं है, राल्फ! बाकी लोग क्या सोचेंगे?”

अंततः राल्फ रुक गया। वह कांप रहा था।
"पिग्गी।"
“उह?”
“वह साइमन था।”
"तुमने यह बात पहले भी कही थी।"
"पिग्गी।"
“उह?”
“यह हत्या थी।”
“चुप रहो!” पिग्गी ने तीखी आवाज में कहा। “इस तरह बात करने से क्या फायदा?”
वह उछलकर खड़ा हो गया और राल्फ के ऊपर खड़ा हो गया।
“अंधेरा था। वो भयानक मंजर था। बिजली कड़क रही थी, बादल गरज रहे थे और बारिश हो रही थी। हम डर गए थे!”
“मैं डरा हुआ नहीं था,” राल्फ ने धीरे से कहा, “मैं—मुझे नहीं पता मैं क्या था।”
“हम डर गए थे!” पिग्गी ने उत्साह से कहा। “कुछ भी हो सकता था। ऐसा नहीं हुआ—जैसा तुमने कहा था।”
वह हावभाव से संकेत दे रहा था, किसी सूत्र की तलाश कर रहा था।
“ओह, पिगी!”
धीमी और दुखी आवाज़ में राल्फ ने पिगी के हाव-भाव रोक दिए। वह नीचे झुक गया और इंतज़ार करने लगा। शंख को गोद में लिए राल्फ खुद को आगे-पीछे झुलाने लगा।
“क्या तुम समझते नहीं, पिगी? हमने जो कुछ किया—”
“वह अभी भी हो सकता है--”
"नहीं।"
“शायद वह सिर्फ नाटक कर रहा था--”
राल्फ का चेहरा देखकर पिग्गी की आवाज धीमी पड़ गई।
“तुम बाहर थे। घेरे के बाहर। तुम कभी अंदर आए ही नहीं। क्या तुमने नहीं देखा कि हमने—उन्होंने क्या किया?”
उसकी आवाज में घृणा और साथ ही साथ एक प्रकार की तीव्र उत्तेजना थी।
"क्या तुमने नहीं देखा, पिग्गी?"
“मेरी हालत उतनी अच्छी नहीं है। अब मेरी सिर्फ एक ही आंख है। तुम्हें यह पता होना चाहिए, राल्फ।”

राल्फ लगातार आगे-पीछे झूलता रहा।
“यह एक हादसा था,” पिग्गी अचानक बोला, “बस यही था। एक हादसा।” उसकी आवाज़ फिर तीखी हो गई। “अंधेरे में आना—उसे इस तरह अंधेरे से रेंगकर बाहर नहीं आना चाहिए था। वह पागल था। उसने खुद ही मुसीबत मोल ली।” उसने फिर से ज़ोर-ज़ोर से हाथ हिलाए। “यह एक हादसा था।”
“तुमने नहीं देखा कि उन्होंने क्या किया--”
“देखो, राल्फ। हमें इसे भूल जाना होगा। इसके बारे में सोचते रहने से कोई फायदा नहीं है, समझे?”
मुझे डर लग रहा है। हम सब से। मैं घर जाना चाहती हूँ। हे भगवान, मैं घर जाना चाहती हूँ।
पिग्गी ने हठपूर्वक कहा, "यह एक दुर्घटना थी, और बस यही बात है।"
उसने राल्फ के नंगे कंधे को छुआ और राल्फ उस मानवीय स्पर्श से सिहर उठा।
“और देखो, राल्फ”—पिग्गी ने जल्दी से चारों ओर देखा, फिर पास झुक गया—“यह मत बताना कि हम उस नृत्य में शामिल थे। सैमनरिक के लिए तो बिल्कुल नहीं।”
“लेकिन हम थे! हम सब!”
पिग्गी ने अपना सिर हिलाया।
“आखिरी तक तो हम नहीं थे। अंधेरे में उन्होंने ध्यान ही नहीं दिया। वैसे भी तुमने कहा था कि मैं सिर्फ बाहर ही था।”
“मैं भी वैसा ही था,” राल्फ ने बुदबुदाते हुए कहा, “मैं भी बाहर ही था।”
पिग्गी ने उत्सुकता से सिर हिलाया।
“बिल्कुल सही। हम बाहर थे। हमने कुछ नहीं किया, हमने कुछ नहीं देखा।”
पिग्गी थोड़ी देर रुका, फिर आगे बढ़ा।
हम चारों अपने दम पर रहेंगे--"
हम चार लोग हैं। आग को जलते रहने के लिए हम काफी नहीं हैं।
“हम कोशिश करेंगे। देखा? मैंने जला दिया।”
सैमनेरिक जंगल से एक बड़ा लट्ठा घसीटता हुआ आया। उन्होंने उसे आग के पास रख दिया और तालाब की ओर मुड़ गए। राल्फ उछलकर खड़ा हो गया।
“हाय! तुम दोनों!”
जुड़वा बच्चों ने एक पल रुककर फिर आगे बढ़ गए।
"वे नहाने जा रहे हैं, राल्फ।"

"जल्दी से इसे खत्म कर लो।"
राल्फ को देखकर जुड़वा बच्चे बहुत हैरान हुए। वे शर्म से लाल हो गए और राल्फ को नज़रअंदाज़ करते हुए हवा में देखने लगे।
"हैलो। आपसे मिलकर अच्छा लगा, राल्फ।"
हम अभी-अभी जंगल से आए हैं--
“--आग जलाने के लिए लकड़ी लाने के लिए--”
“हम कल रात रास्ता भटक गए थे।”
राल्फ ने अपने पैर की उंगलियों की जांच की।
“तुम उसके बाद रास्ता भटक गए...”
पिग्गी ने अपना लेंस साफ किया।
“दावत के बाद,” सैम ने दबी हुई आवाज़ में कहा। एरिक ने सिर हिलाया। “हाँ, दावत के बाद।”
पिग्गी ने झट से कहा, "हम जल्दी निकल गए क्योंकि हम थक गए थे।"
"तो हमने किया--"
"--बहुत जल्दी--"
हम बहुत थके हुए थे।
सैम ने अपने माथे पर लगे एक खरोंच को छुआ और फिर जल्दी से अपना हाथ हटा लिया। एरिक ने अपने फटे होंठ को सहलाया।
“हाँ। हम बहुत थक गए थे,” सैम ने दोहराया, “इसलिए हम जल्दी निकल गए। क्या यह अच्छा था--”
वातावरण में अनकही बातों का गहरा सा एहसास था। सैम मुड़ा और उसके मुँह से एक अश्लील शब्द निकल गया। "--नाचना?"
उस नृत्य की याद, जिसमें उनमें से कोई भी शामिल नहीं हुआ था, ने उन चारों लड़कों को बुरी तरह झकझोर दिया।
हम जल्दी निकल गए।
जब रॉजर कैसल रॉक को मुख्य भूमि से जोड़ने वाले भूभाग पर पहुँचा, तो उसे चुनौती मिलने पर आश्चर्य नहीं हुआ। उसने उस भयानक रात के दौरान यह अनुमान लगाया था कि कम से कम कुछ कबीले के लोग द्वीप के भयावह हालातों से बचने के लिए सबसे सुरक्षित स्थान पर डटे हुए होंगे।
ऊपर से एक तीखी आवाज गूंजी, जहां घटती हुई चट्टानें एक दूसरे पर संतुलित थीं।

“रुको! वहाँ कौन है?”
“रोजर।”
"आगे बढ़ो, दोस्त।"
रॉजर आगे बढ़ा।
आप देख सकते थे कि मैं कौन था।
"प्रमुख ने कहा कि हमें सभी को चुनौती देनी होगी।"
रॉजर ने ऊपर की ओर देखा।
"अगर मैं चाहूं भी तो तुम मुझे आने से नहीं रोक सकते।"
“क्या मैं नहीं कर सकता? ऊपर चढ़कर देख लो।”
रॉजर सीढ़ीनुमा चट्टान पर चढ़ गया।
"यह देखो।"
सबसे ऊपरी चट्टान के नीचे एक लकड़ी का लट्ठा फंसा हुआ था और उसके नीचे एक और लीवर। रॉबर्ट ने लीवर पर हल्का सा दबाव डाला और चट्टान चरमरा उठी। पूरा जोर लगाने पर चट्टान धड़ाम से नीचे ज़मीन के संकरे हिस्से पर गिर जाएगी। रोजर ने प्रशंसा की।
"वह वाकई एक बेहतरीन मुखिया है, है ना?"
रॉबर्ट ने सिर हिलाया।
वह हमें शिकार पर ले जाएगा।
उसने दूर स्थित आश्रयों की ओर सिर घुमाया, जहाँ सफेद धुएँ की एक पतली लकीर आकाश में ऊपर उठ रही थी। चट्टान के बिल्कुल किनारे पर बैठा रोजर, ढीले दाँत को उंगलियों से सहलाते हुए उदास भाव से द्वीप की ओर देख रहा था। उसकी निगाह दूर स्थित पहाड़ की चोटी पर टिकी और रॉबर्ट ने अनकही बात को दूसरे विषय में मोड़ दिया।
वह विल्फ्रेड को हरा देगा।
“किसलिए?”
रॉबर्ट ने संशयपूर्वक अपना सिर हिलाया।
“मुझे नहीं पता। उसने कुछ नहीं कहा। वह गुस्सा हो गया और उसने हमें विल्फ्रेड को बांधने के लिए कहा। वह...”—वह उत्साह से हंसते हुए बोला—“घंटों से बंधा हुआ है, इंतज़ार कर रहा है—”
लेकिन क्या मुखिया ने इसका कारण नहीं बताया?

मैंने उसे कभी नहीं सुना।
चिलचिलाती धूप में विशाल चट्टान पर बैठे रोजर को यह खबर एक ज्ञानोदय की तरह मिली। उसने अपने दांत को चबाना बंद कर दिया और चुपचाप बैठा रहा, गैर-जिम्मेदार सत्ता की संभावनाओं पर विचार करता रहा। फिर, बिना कुछ कहे, वह चट्टानों के पीछे से गुफा और बाकी कबीले की ओर उतर गया।
सरदार वहाँ कमर तक नग्न बैठा था, उसका चेहरा सफेद और लाल रंग से ढका हुआ था। कबीले के लोग उसके सामने अर्धवृत्त में लेटे हुए थे। अभी-अभी पीटा गया और बंधन मुक्त किया गया विल्फ्रेड पीछे से ज़ोर-ज़ोर से सूंघ रहा था। रॉजर बाकियों के साथ बैठा था।
सरदार ने आगे कहा, "कल हम फिर शिकार पर जाएंगे।"
उसने अपने भाले से इस बर्बर और उस बर्बर की ओर इशारा किया।
“तुममें से कुछ लोग गुफा को सुधारने और द्वार की रक्षा करने के लिए यहीं रुकेंगे। मैं अपने साथ कुछ शिकारी ले जाऊंगा और मांस लेकर आऊंगा। द्वार के रक्षक यह सुनिश्चित करेंगे कि बाकी लोग चुपके से अंदर न घुसें।”
एक बर्बर व्यक्ति ने अपना हाथ उठाया और सरदार ने अपना उदास, रंगा हुआ चेहरा उसकी ओर घुमाया।
"वे चुपके से अंदर घुसने की कोशिश क्यों करेंगे, चीफ?"
मुखिया का बयान अस्पष्ट था लेकिन वह गंभीर था।
“वे ऐसा करेंगे। वे हमारे कामों में बाधा डालने की कोशिश करेंगे। इसलिए द्वारपालों को सावधान रहना चाहिए। और फिर--”
मुखिया रुक गया। उन्होंने देखा कि एक चौंका देने वाला गुलाबी त्रिकोण तेजी से निकला, उसके होठों से गुजरा और फिर गायब हो गया।
“—और फिर, वो जानवर अंदर आने की कोशिश कर सकता है। तुम्हें याद है वो कैसे रेंगता हुआ आया था—”
अर्धवृत्त कांप उठा और सहमति में बुदबुदाया।
“वह भेस बदलकर आया था। हो सकता है कि वह फिर से आए, भले ही हमने उसे अपने शिकार का सिर खाने को दिया हो। इसलिए सतर्क रहो और सावधान रहो।”
स्टैनली ने अपनी बांह चट्टान से उठाई और प्रश्नवाचक उंगली उठाई।
"कुंआ?"
लेकिन क्या हमने ऐसा नहीं किया, क्या हमने ऐसा नहीं किया—?

वह छटपटाया और नीचे देखने लगा।
"नहीं!"
इसके बाद छाई खामोशी में, प्रत्येक बर्बर व्यक्ति अपनी-अपनी यादों से दूर हट गया।
“नहीं! हम इसे कैसे मार सकते हैं?”
आगे आने वाले भयावह खतरों के डर से आधे राहत महसूस करते हुए, आधे भयभीत होकर, आदिवासियों ने फिर से बुदबुदाना शुरू कर दिया।
“तो पहाड़ को अकेला छोड़ दो,” सरदार ने गंभीरता से कहा, “और अगर तुम शिकार पर जाओ तो उसका सिर काट देना।”
स्टैनली ने अपनी उंगली फिर से झटकाई।
मुझे लगता है कि उस जानवर ने अपना रूप बदल लिया था।
“शायद,” मुखिया ने कहा। एक धार्मिक अटकल सामने आई। “हमें किसी भी हालत में उससे सही संबंध बनाए रखना चाहिए। पता नहीं वो क्या कर सकता है।”
जनजाति ने इस पर विचार किया; और फिर वे मानो हवा के झोंके से कांप उठे। सरदार ने अपने शब्दों का प्रभाव देखा और अचानक खड़ा हो गया।
लेकिन कल हम शिकार करेंगे और जब हमें मांस मिल जाएगा तो हम दावत करेंगे--"
बिल ने अपना हाथ उठाया।
"अध्यक्ष।"
"हाँ?"
हम आग जलाने के लिए किसका इस्तेमाल करेंगे?
सरदार के चेहरे की लाली सफेद और लाल मिट्टी में छिप गई। उसकी अनिश्चित चुप्पी में कबीले के लोग एक बार फिर फुसफुसाने लगे। फिर सरदार ने अपना हाथ ऊपर उठाया।
“हम दूसरों से गोलीबारी का सामना करेंगे। सुनो। कल हम शिकार करेंगे और मांस प्राप्त करेंगे। आज रात मैं दो शिकारियों के साथ चलूंगा—कौन-कौन आएगा?”
मौरिस और रोजर ने अपने हाथ ऊपर उठाए।
“मौरिस--”
“जी हां, चीफ?”
“उनकी आग कहाँ थी?”
"वापस उसी पुरानी जगह पर, अग्नि चट्टान के पास।"
मुखिया ने सिर हिलाया।

“बाकी सब लोग सूरज डूबते ही सो सकते हैं। लेकिन हम तीनों, मॉरिस, रोजर और मैं, हमें काम करना है। हम सूर्यास्त से ठीक पहले निकलेंगे--”
मौरिस ने अपना हाथ उठाया।
लेकिन अगर हम मिल जाएं तो क्या होगा--"
मुखिया ने उनकी आपत्ति को नजरअंदाज कर दिया।
हम रेत के किनारे चलते रहेंगे। फिर अगर वह आता है तो हम अपना, अपना नृत्य फिर से करेंगे।
"सिर्फ हम तीनों?"
फिर से गुनगुनाहट तेज हुई और धीरे-धीरे शांत हो गई।
पिग्गी ने राल्फ को उसका चश्मा दिया और उसकी दृष्टि वापस आने का इंतजार करने लगा। जंगल नम था; और यह तीसरी बार था जब उन्होंने उसमें आग लगाई थी। राल्फ पीछे हटकर खुद से बातें करने लगा।
हम आग के बिना एक और रात नहीं बिताना चाहते।
उसने शर्मिंदगी से पास खड़े तीनों लड़कों की तरफ देखा। यह पहली बार था जब उसने आग के दोहरे कार्य को स्वीकार किया था। बेशक, एक कार्य था धुएं का एक आकर्षक स्तंभ उठाना; लेकिन दूसरा कार्य था अब चूल्हे का काम करना और उनके सोने तक उन्हें आराम देना। एरिक ने लकड़ी पर तब तक फूंका जब तक वह चमकने लगी और उसमें से एक छोटी सी लौ निकलने लगी। सफेद और पीले धुएं का एक गुबार उठा।
पिगी ने अपना चश्मा वापस लिया और धुएं को देखकर आनंदित हुआ।
"काश हम एक रेडियो बना पाते!"
या फिर एक विमान--
“--या फिर एक नाव।”
राल्फ ने दुनिया के अपने लुप्त होते ज्ञान को खंगालने की कोशिश की।
"हो सकता है कि रेड्स हमें बंदी बना लें।"
एरिक ने अपने बाल पीछे किए।
वे इससे बेहतर होंगे--
उसने लोगों के नाम नहीं बताए और सैम ने समुद्र तट पर सिर हिलाकर उसके वाक्य को पूरा कर दिया।
राल्फ को पैराशूट पर लटकी हुई वह बेडौल आकृति याद आ गई।

“उसने किसी मरे हुए आदमी के बारे में कुछ कहा था।” नाच में मौजूद होने की बात स्वीकार करते ही उसका चेहरा शर्म से लाल हो गया। उसने धुएं की ओर और अपने शरीर से इशारे करते हुए कहा, “रुको मत—ऊपर जाओ!”
धुंआ पतला होता जा रहा है।
"हमें अभी से ही और लकड़ी की जरूरत है, भले ही मौसम गीला हो।"
“मेरा अस्थमा--”
प्रतिक्रिया यांत्रिक थी।
"तुम्हारी गांड में दम हो।"
"अगर मैं लकड़ियाँ खींचता हूँ, तो मेरा अस्थमा बढ़ जाता है। काश ऐसा न होता, राल्फ, लेकिन यही सच है।"
तीनों लड़के जंगल में गए और मुट्ठी भर सड़ी हुई लकड़ियाँ ले आए। एक बार फिर धुआँ उठा, पीला और घना।
"चलो कुछ खाने चलते हैं।"
वे सब मिलकर भाले लिए फलदार पेड़ों की ओर चल पड़े, कम बोलते हुए, जल्दी-जल्दी सामान समेटते हुए। जब वे जंगल से बाहर निकले तो सूरज डूब रहा था और आग में केवल अंगारे ही सुलग रहे थे, धुआं बिल्कुल नहीं था।
“मैं और लकड़ी नहीं उठा सकता,” एरिक ने कहा। “मैं थक गया हूँ।”
राल्फ ने अपना गला साफ किया।
"हमने वहां आग जलाए रखी।"
“ऊपर तो यह छोटा था। लेकिन यह तो बहुत बड़ा होना चाहिए।”
राल्फ एक टुकड़ा आग के पास ले गया और शाम के धुंधलके में उठते हुए धुएं को देखता रहा।
हमें इसे जारी रखना होगा।
एरिक ने खुद को नीचे गिरा दिया।
मैं बहुत थक गया हूँ। और इससे क्या फायदा?
“एरिक!” राल्फ ने चौंककर कहा। “इस तरह बात मत करो!”
सैम एरिक के पास घुटनों के बल बैठ गया।
"अच्छा—इसमें क्या अच्छाई है?"
राल्फ ने गुस्से से याद करने की कोशिश की। आग में कुछ तो अच्छा था। कुछ ऐसा जो बेहद अच्छा था।

पिगी ने चिड़चिड़ेपन से कहा, "राल्फ ने तुम्हें कई बार बताया है। नहीं तो हमें कैसे बचाया जाएगा?"
“बिल्कुल! अगर हम धुआं नहीं करेंगे तो--”
वह घनी धुंधली शाम में उनके सामने उकड़ू बैठ गया।
“क्या तुम समझते नहीं? रेडियो और नावों की कामना करने से क्या फायदा?”
उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया और उंगलियों को मुट्ठी में कस लिया। “इस मुसीबत से निकलने का हमारे पास सिर्फ एक ही रास्ता है। कोई भी शिकार का खेल खेल सकता है, कोई भी हमारे लिए मांस ला सकता है—”
उसने एक-एक चेहरा देखा। फिर, जब वह अत्यंत भावुक और दृढ़ निश्चयी था, तभी उसके मन में एक विचार आया और वह भूल गया कि वह क्या कहना चाह रहा था। वह वहीं घुटनों के बल बैठ गया, मुट्ठी भींचकर, एक-एक करके गंभीरता से देखता रहा। फिर वह विचार फिर से लौट आया।
“ओह, हाँ। तो हमें धुआँ पैदा करना होगा; और ज़्यादा धुआँ—”
लेकिन हम इसे जारी नहीं रख सकते! इसे देखो!
आग उनके सामने बुझती जा रही थी।
"आग की देखभाल के लिए दो लोग," राल्फ ने लगभग खुद से कहा, "यानी दिन में बारह घंटे।"
“हमें और लकड़ी नहीं मिल सकती, राल्फ--”
“--अंधेरे में नहीं--”
“--रात में नहीं--”
पिग्गी ने कहा, "हम इसे हर सुबह जला सकते हैं। अंधेरे में किसी को धुआं नहीं दिखेगा।"
सैम ने ज़ोर से सिर हिलाया।
"जब आग लगी थी तब स्थिति अलग थी--"
"--उधर ऊपर।"
राल्फ खड़ा हो गया, अंधेरा उसे घेर रहा था और वह अजीब तरह से असहाय महसूस कर रहा था।
"तो आज रात के लिए आग को बुझने दो।"
वह पहले आश्रय की ओर आगे बढ़ा, जो अभी भी खड़ा था, हालांकि जर्जर हालत में था। अंदर बिस्तर के पत्ते पड़े थे, सूखे और छूने पर चरमराहट की आवाज़ कर रहे थे। अगले

आश्रय में एक छोटा बच्चा नींद में बड़बड़ा रहा था। चारों बड़े बच्चे रेंगते हुए आश्रय में घुस गए और पत्तों के नीचे दब गए। जुड़वाँ बच्चे एक साथ लेट गए और राल्फ और पिगी दूसरे छोर पर। कुछ देर तक पत्तों की चरमराहट और सरसराहट की लगातार आवाज़ आती रही क्योंकि वे आराम पाने की कोशिश कर रहे थे।
"पिग्गी।"
"हाँ?"
"ठीक है?"
"शायद ऐसा ही हो।"
कुछ देर बाद, कभी-कभार होने वाली सरसराहट के अलावा, आश्रय स्थल में सन्नाटा छा गया। उनके सामने काले रंग का एक आयताकार ढांचा था जिस पर चमकीले झिलमिलाते तार लगे थे और चट्टान पर लहरों की खोखली सी आवाज़ सुनाई दे रही थी। राल्फ रात के अपने अनुमान लगाने के खेल में मग्न हो गया।
मान लीजिए कि उन्हें जेट विमान से घर पहुँचाया जा सकता है, तो सुबह होने से पहले वे विल्टशायर के उस बड़े हवाई अड्डे पर उतर जाएँगे। वे कार से जाएँगे; नहीं, सब कुछ ठीक करने के लिए तो वे ट्रेन से जाएँगे; सीधे डेवोन तक और उस कॉटेज को फिर से ले लेंगे। फिर बगीचे के नीचे जंगली टट्टू आकर दीवार के ऊपर से झाँकेंगे...
राल्फ बेचैनी से पत्तों में करवटें बदल रहा था। डार्टमूर जंगली इलाका था और टट्टू भी। लेकिन जंगलीपन का आकर्षण अब खत्म हो चुका था।
उसके मन में एक ऐसे शांत शहर का ख्याल आया जहाँ बर्बरता का कोई नामोनिशान न हो। लैंप और पहियों से सजे बस केंद्र से ज़्यादा सुरक्षित और क्या हो सकता है?
अचानक, राल्फ एक लैंप के खंभे के चारों ओर नाचने लगा। बस स्टेशन से एक बस धीरे-धीरे निकल रही थी, एक अजीब सी बस...
“राल्फ! राल्फ!”
"यह क्या है?"
“इस तरह की आवाज मत करो--”
"क्षमा मांगना।"
आश्रय के दूसरे छोर के अंधेरे से एक भयानक कराह सुनाई दी और वे डर के मारे पत्तों को बिखेरने लगे। सैम और एरिक, एक-दूसरे को गले लगाए हुए, आपस में लड़ रहे थे।
"अकेला! अकेला!"
“अरे—एरिक!”

कुछ देर बाद फिर से सब शांत हो गया।
पिग्गी ने राल्फ से धीमी आवाज़ में बात की।
हमें इससे बाहर निकलना होगा।
आपका क्या मतलब है?
"बचाव करवाओ।"
उस दिन पहली बार, और घने अंधेरे के बावजूद, राल्फ ने हल्के से हँस दिया।
“मैं सच कह रहा हूँ,” पिग्गी ने फुसफुसाते हुए कहा। “अगर हम जल्दी घर नहीं पहुँचे तो हम पागल हो जाएँगे।”
"मोड़ के पार।"
“बमों से खुश।”
“पटाखे;”
राल्फ ने गीले बालों की लटों को अपनी आंखों से हटाया।
तुम अपनी चाची को एक पत्र लिखो।
पिग्गी ने गंभीरता से इस पर विचार किया।
मुझे नहीं पता कि वह अब कहाँ है। और मेरे पास न तो लिफाफा है और न ही डाक टिकट। और न ही कोई डाकपेटी है। या कोई डाकिया।
अपने छोटे से मजाक की सफलता से राल्फ अभिभूत हो गया। उसकी हंसी अनियंत्रित हो गई, उसका शरीर उछलने और फड़कने लगा।
पिग्गी ने गरिमा के साथ उसे फटकारा।
मैंने कुछ भी ऐसा नहीं कहा जो बहुत मजेदार हो।
सीने में दर्द होने के बावजूद राल्फ धीरे-धीरे हंस रहा था। उसकी कंपकंपी ने उसे इतना थका दिया कि वह बेदम होकर, उदास और बेहाल होकर, अगली ऐंठन का इंतजार करने लगा। इन्हीं में से एक ठहराव के दौरान उसे नींद ने घेर लिया।
“राल्फ! तुम फिर से शोर मचा रहे हो। चुप रहो, राल्फ—क्योंकि।”
राल्फ पत्तों के बीच कराह उठा। उसे शुक्रगुजार होने का कारण था कि उसका सपना टूट गया था, क्योंकि बस पहले से ज़्यादा नज़दीक और साफ़ दिखाई दे रही थी।
“क्यों—क्योंकि?”
"चुप रहो और सुनो।"
पत्तों से एक लंबी आह की आवाज़ के साथ राल्फ धीरे से लेट गया। एरिक ने कुछ बुदबुदाया और फिर शांत लेट गया। तारों की उस बेकार सी लंबी कतार को छोड़कर,

चारों ओर घना अंधेरा छाया हुआ था।
मुझे कुछ सुनाई नहीं दे रहा है।
बाहर कुछ हिल रहा है।
राल्फ के सिर में झुनझुनी सी दौड़ गई। उसके खून की आवाज ने बाकी सब कुछ दबा दिया और फिर शांत हो गई।
मुझे अभी भी कुछ सुनाई नहीं दे रहा है।
"सुनो। बहुत देर तक सुनो।"
बिल्कुल स्पष्ट और ज़ोरदार तरीके से, और आश्रय के पीछे से बस एक गज की दूरी पर, एक लकड़ी के टूटने की आवाज़ आई। राल्फ के कानों में खून फिर से गड़गड़ाने लगा, उसके दिमाग में उलझी हुई तस्वीरें एक के बाद एक घूमने लगीं। इन सब चीजों का एक मिलाजुला रूप आश्रयों के आसपास मंडरा रहा था। वह अपने कंधे पर पिग्गी का सिर और एक हाथ की जकड़न महसूस कर सकता था।
“राल्फ! राल्फ!”
"चुप रहो और सुनो।"
हताशा में, राल्फ ने प्रार्थना की कि वह जानवर छोटे बच्चों को प्राथमिकता दे।
बाहर से एक भयानक फुसफुसाहट सुनाई दी।
“पिग्गी--पिग्गी--”
“यह आ गया!” पिग्गी हांफते हुए बोला। “यह सचमुच है!”
वह राल्फ से लिपट गया और सांस लेने के लिए उसके पास पहुंचा।
"पिग्गी, बाहर आओ। मुझे तुम्हारी ज़रूरत है, पिग्गी।"
राल्फ का मुंह पिगी के कान से लगा हुआ था।
कुछ मत कहो।
"पिग्गी—तुम कहाँ हो, पिग्गी?"
किसी चीज़ ने शेल्टर के पिछले हिस्से को छुआ। पिगी एक पल के लिए शांत रहा, फिर उसे अस्थमा का दौरा पड़ा। उसने अपनी पीठ मोड़ी और पैरों के बल पत्तों के बीच गिर पड़ा। राल्फ उससे दूर लुढ़क गया।
फिर आश्रय के मुँह में भयानक गुर्राहट हुई और जीवित प्राणियों के गिरने और टकराने की आवाज़ें आईं। कोई राल्फ से टकरा गया और पिगी का कोना गुर्राहट, धमाकों और उड़ते अंगों के शोर से भर गया। राल्फ ने हमला किया; फिर वह और उसके जैसे लगभग एक दर्जन लोग लुढ़कते हुए, मारते, काटते और खरोंचते रहे। वह बुरी तरह

घायल हो गया और उसे ज़ोर का झटका लगा, उसने अपने मुँह में उंगलियाँ पाईं और उन्हें काट लिया। एक मुट्ठी पीछे हटी और पिस्टन की तरह वापस आई, जिससे पूरा आश्रय प्रकाश से भर गया। राल्फ एक तड़पते शरीर के ऊपर करवट लेकर लेट गया और अपने गाल पर गर्म साँस महसूस की। उसने अपने नीचे के मुँह पर मुक्के बरसाने शुरू कर दिए, अपनी मुट्ठी को हथौड़े की तरह इस्तेमाल करते हुए; जैसे-जैसे चेहरा फिसलन भरा होता गया, वह और भी ज़्यादा जोश और उन्माद से वार करता गया। एक घुटना उसके पैरों के बीच ऊपर उठा और वह करवट लेकर गिर गया, अपने दर्द में मग्न हो गया, और लड़ाई उसके ऊपर से गुज़र गई। फिर आश्रय दम घोंटने वाली अंतिम परिणति के साथ ढह गया; और अज्ञात आकृतियाँ बाहर निकलने और अंदर जाने के लिए संघर्ष करती रहीं। मलबे से कुछ अंधेरी आकृतियाँ निकलीं और तेजी से गायब हो गईं, जब तक कि छोटे बच्चों की चीखें और पिग्गी की हांफने की आवाजें एक बार फिर सुनाई देने लगीं।

राल्फ ने कांपती हुई आवाज में पुकारा।

“तुम सब छोटे बच्चे सो जाओ। हमारी बाकी बच्चों से लड़ाई हो गई है। अब सो जाओ।”

सैमनरिक पास आया और राल्फ को गौर से देखने लगा।

“क्या तुम दोनों ठीक हो?”

"मुझे भी ऐसा ही लगता है--"

मैं पकड़ा गया।

मैंने भी ऐसा ही किया। पिग्गी कैसी है?

उन्होंने पिग्गी को मलबे से बाहर निकाला और एक पेड़ के सहारे टिका दिया। रात ठंडी थी और उसमें तत्काल दहशत का कोई साया नहीं था। पिग्गी की सांसें थोड़ी आसान हो गईं।

"पिग्गी, क्या तुम्हें चोट लगी?"

"ज्यादा नहीं।"

“ये जैक और उसके शिकारी थे,” राल्फ ने गुस्से से कहा। “ये हमें अकेला क्यों नहीं छोड़ सकते?”

“हमने उन्हें सोचने के लिए कुछ दिया,” सैम ने कहा। ईमानदारी ने उन्हें आगे बोलने के लिए मजबूर किया। “कम से कम आपने तो दिया। मैं तो कोने में खुद से ही उलझ गया था।”

“मैंने उनमें से एक को सबक सिखाया,” राल्फ ने कहा। “मैंने उसकी जमकर पिटाई की। वह अब जल्दी में हमसे दोबारा लड़ने नहीं आएगा।”
“मैंने भी यही किया,” एरिक ने कहा। “जब मैं जागा तो उनमें से एक मेरे चेहरे पर लात मार रहा था। मेरा चेहरा बुरी तरह खून से लथपथ हो गया था, राल्फ। लेकिन अंत में मैंने उसे मार ही डाला।”
"आपने क्या किया?"
“मैंने अपना घुटना ऊपर उठाया,” एरिक ने सरल गर्व के साथ कहा, “और उससे उसके अंडकोष पर मारा। आपको उसकी चीख सुननी चाहिए थी! वह जल्दी वापस भी नहीं आएगा। तो हमने कुछ बुरा नहीं किया।”
राल्फ अंधेरे में अचानक हिल गया; लेकिन तभी उसने एरिक को कुछ बोलते हुए सुना।
"क्या बात क्या बात?"
बस एक दांत ढीला है।
पिग्गी ने अपने पैर ऊपर खींच लिए।
"पिग्गी, तुम ठीक हो?"
मुझे लगा कि उन्हें शंख चाहिए।
राल्फ हल्के रंग के समुद्र तट पर दौड़ता हुआ चबूतरे पर कूद गया। मुखिया की सीट के पास शंख अभी भी झिलमिला रहा था। उसने एक-दो पल उसे निहारा, फिर पिगी के पास लौट गया।
उन्होंने शंख नहीं लिया।
“मुझे पता है। वे शंख के लिए नहीं आए थे। वे किसी और चीज़ के लिए आए थे। राल्फ—मैं क्या करूँ?”
दूर समुद्र तट के किनारे, तीन आकृतियाँ कैसल रॉक की ओर दौड़ती हुई दिखाई दीं। वे जंगल से दूर पानी की ओर चल पड़ीं। कभी-कभी वे मधुर गीत गातीं; कभी-कभी वे चमकती हुई जलधारा के किनारे कलाबाज़ी करतीं। सरदार सबसे आगे था, स्थिर गति से दौड़ता हुआ, अपनी उपलब्धि पर प्रसन्न। वह अब सचमुच सरदार बन चुका था; और वह अपने भाले से वार करने का इशारा कर रहा था। उसके बाएँ हाथ से पिग्गी का टूटा हुआ चश्मा लटक रहा था।
अध्याय ग्यारह: कैसल रॉक
भोर की हल्की ठंड में चारों लड़के उस काले धब्बे के चारों ओर जमा हो गए जहाँ आग जल रही थी, जबकि राल्फ घुटनों के बल बैठकर फूंक मार रहा था। उसकी साँस से

धूसर, पंखों जैसी राख इधर-उधर उड़ रही थी, लेकिन उनमें कोई चिंगारी नहीं चमक रही थी। जुड़वाँ बच्चे उत्सुकता से देख रहे थे और पिगी अपनी कमज़ोर दृष्टि की चमकदार दीवार के पीछे भावहीन बैठा था। राल्फ तब तक फूंक मारता रहा जब तक उसके कान थक नहीं गए, लेकिन तभी भोर की पहली हवा ने उसका काम छीन लिया और राख से उसकी आँखें चौंधिया गईं। वह वापस बैठ गया, गाली दी और अपनी आँखों से पानी पोंछा।

कोई फायदा नहीं।

एरिक ने सूखे खून से सने मुखौटे के पीछे से उसे नीचे देखा। पिगी ने राल्फ की ओर टकटकी लगाई।

“बेशक, अब इसका कोई फायदा नहीं है, राल्फ। अब हमारे पास आग नहीं बची है।”

राल्फ अपना चेहरा पिगी के चेहरे से कुछ ही फीट की दूरी पर ले आया।

क्या तुम मुझे देख सकते हो?

"एक सा।"

राल्फ ने अपने गाल के सूजे हुए हिस्से को अपनी आंख पर फिर से हावी होने दिया।

"उन्होंने हमारा जोश जीत लिया है।"

क्रोध से उसकी आवाज तीखी हो गई।

“उन्होंने इसे चुरा लिया!”

“ये वही लोग हैं,” पिग्गी ने कहा। “उन्होंने मेरी आँखें फोड़ दीं। देखा? ये जैक मेरिड्यू है। राल्फ, तुम एक सभा बुलाओ, हमें फैसला करना होगा कि क्या करना है।”

“क्या यह सभा सिर्फ हमारे लिए है?”

“बस यही हमारे पास है। सैम—मुझे तुम्हें थामे रहने दो।”

वे प्लेटफार्म की ओर चले गए।

“शंख बजाओ,” पिग्गी ने कहा। “जितनी जोर से बजा सकते हो बजाओ।”

जंगलों में गूंज सुनाई दी; और पक्षी चहचहाते हुए पेड़ों की चोटियों से बाहर निकले, ठीक वैसे ही जैसे सदियों पहले उस पहली सुबह हुआ था। दोनों तरफ समुद्र तट सुनसान था। कुछ छोटे बच्चे आश्रयों से बाहर आए। राल्फ पॉलिश किए हुए संदूक पर बैठ गया और बाकी तीन उसके सामने खड़े हो गए। उसने सिर हिलाया, और सैमनेरिक दाहिनी ओर बैठ गया। राल्फ ने शंख पिगी के हाथों में थमा दिया। पिगी ने उस चमकती हुई वस्तु को सावधानी से पकड़ा और राल्फ की ओर पलकें झपकाईं।

"चलिये।"

“मैं बस यह कहने के लिए शंख उठा रहा हूँ। मुझे अब दिखाई नहीं दे रहा है और मुझे अपने चश्मे वापस लेने हैं। इस द्वीप पर भयानक चीजें हुई हैं। मैंने आपको मुखिया के लिए वोट दिया था। आप ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति हैं जिन्होंने कुछ काम किया है। तो अब आप बोलिए, राल्फ, और हमें बताइए क्या हुआ। वरना—”
पिग्गी सिसकते हुए रुक गया। राल्फ बैठते हुए शंख वापस ले लिया।
“बस एक साधारण सी आग। आपको लगता होगा कि हम ऐसा कर सकते थे, है ना? बस एक धुएँ का संकेत ताकि हमें बचाया जा सके। क्या हम जंगली हैं या क्या? लेकिन अब तो कोई संकेत नहीं मिल रहा। जहाज़ गुज़र रहे होंगे। याद है कैसे वो शिकार पर गया था और आग बुझ गई थी और एक जहाज़ गुज़र गया था? और सब उसे ही मुखिया मानते हैं। फिर... वो भी... उसमें भी उसकी ही गलती है। अगर वो न होता तो ऐसा कभी नहीं होता। अब पिगी देख नहीं सकता, और वे आए, चुराते हुए--” राल्फ की आवाज़ तेज़ हो गई “--रात में, अंधेरे में, और हमारी आग चुरा ली। उन्होंने चुरा ली। अगर उन्होंने माँगी होती तो हम उन्हें आग दे देते। लेकिन उन्होंने चुरा ली और संकेत बंद हो गया है और हमें कभी बचाया नहीं जा सकता। क्या आप मेरी बात नहीं समझ रहे? हम उन्हें अपने लिए आग दे देते, लेकिन उन्होंने चुरा ली। मैं--”
उसके दिमाग में पर्दा कौंध गया और वह कुछ देर के लिए अवाक रह गया। पिग्गी ने शंख के लिए अपने हाथ बढ़ाए।
“राल्फ, तुम क्या करने वाले हो? ये तो बस बिना किसी निर्णय के बातें हैं। मुझे अपने चश्मे चाहिए।”
मैं सोचने की कोशिश कर रहा हूँ। मान लीजिए हम वैसे ही जाएँगे जैसे पहले जाते थे, नहा-धोकर और बाल संवारकर—आखिरकार हम जंगली तो नहीं हैं और बचाव कोई खेल तो नहीं है—”
उसने अपने गाल का पर्दा खोला और जुड़वा बच्चों की ओर देखा।
हम थोड़ा समझदारी से काम ले सकते हैं और फिर आगे बढ़ सकते हैं--"
सैम ने कहा, "हमें भाले ले जाने चाहिए। यहां तक कि पिग्गी को भी।"
“—क्योंकि हमें उनकी आवश्यकता पड़ सकती है।”
“तुम्हारे पास शंख नहीं है!”
पिग्गी ने खोल को ऊपर उठाया।
“तुम चाहो तो भाले ले सकते हो, लेकिन मैं नहीं लूंगा। क्या फायदा? मुझे तो कुत्ते की तरह ही चलना पड़ेगा। हां, हंसो। हंसो, हंसो। इस द्वीप पर ऐसे लोग हैं जो किसी भी बात पर

हंस देते हैं। और क्या हुआ? बड़े लोग क्या सोचेंगे? छोटे साइमन की हत्या कर दी गई। और वो दूसरा बच्चा था जिसके चेहरे पर निशान था। जब से हम यहां आए हैं, उसे किसने देखा है?"

"पिग्गी! एक मिनट रुको!"

मुझे शंख मिल गया है। मैं जैक मेरिड्यू के पास जाकर उसे बताऊंगा कि मुझे मिल गया है।

तुम्हें चोट लग जाएगी।

"वह इससे ज्यादा क्या कर सकता है जो उसके पास है? मैं उसे सब कुछ बता दूंगा। मुझे शंख उठाने दो, राल्फ। मैं उसे वह एक चीज दिखाऊंगा जो उसके पास नहीं है।"

पिग्गी एक पल के लिए रुका और धुंधली आकृतियों को ध्यान से देखने लगा। घास में दबी हुई पुरानी सभा की आकृति उसकी बातें सुन रही थी।

मैं उसके पास अपने हाथों में यह शंख लेकर जा रहा हूँ। मैं इसे आगे बढ़ाऊँगा। देखो, मैं कहूँगा, तुम मुझसे ज़्यादा ताकतवर हो और तुम्हें अस्थमा भी नहीं है। तुम देख सकते हो, मैं कहूँगा, और दोनों आँखों से। लेकिन मैं अपना चश्मा वापस नहीं माँग रहा, एहसान के तौर पर नहीं। मैं तुमसे नरमी बरतने के लिए नहीं कह रहा, मैं कहूँगा, इसलिए नहीं कि तुम ताकतवर हो, बल्कि इसलिए कि जो सही है वो सही है। मुझे मेरा चश्मा दो, मैं कहूँगा —तुम्हें देना ही होगा!

पिग्गी का चेहरा लाल हो गया और वह कांपने लगा। उसने शंख को जल्दी से राल्फ के हाथों में थमा दिया, मानो उससे छुटकारा पाना चाहता हो, और अपनी आँखों से आँसू पोंछ लिए। उनके चारों ओर हरी रोशनी कोमल थी और शंख राल्फ के पैरों के पास पड़ा था, नाजुक और सफेद। पिग्गी की उंगलियों से पानी की एक बूँद छूट गई थी, जो अब उस नाजुक वक्र पर तारे की तरह चमक रही थी।

अंततः राल्फ सीधा बैठ गया और अपने बालों को पीछे खींच लिया।

ठीक है। मतलब—अगर आप चाहें तो कोशिश कर सकते हैं। हम आपके साथ चलेंगे।

"उस पर रंग लगाया जाएगा," सैम ने झिझकते हुए कहा। "तुम जानते हो कि वह कैसा होगा--"

"--वह हमारे बारे में ज्यादा नहीं सोचेगा--"

"--अगर वह मोम जैसा हो गया तो हमारा काम तमाम हो जाएगा--"

राल्फ ने सैम को घूरकर देखा। उसे धुंधला-सा याद आया कि साइमन ने एक बार चट्टानों के पास उससे क्या कहा था।

“मूर्खता मत करो,” उसने कहा। और फिर उसने जल्दी से कहा, “चलो चलते हैं।”
उसने शंख पिग्गी की ओर बढ़ाया, जो इस बार गर्व से शरमा गया।
आपको इसे ले जाना होगा।
जब हम तैयार हो जाएंगे तो मैं इसे ले जाऊंगा--"
पिग्गी अपने मन में उन शब्दों की तलाश कर रहा था जिनसे वह तमाम मुश्किलों के बावजूद शंख ले जाने की अपनी प्रबल इच्छा को व्यक्त कर सके।
मुझे कोई आपत्ति नहीं है। मुझे खुशी होगी, राल्फ, बस मुझे किसी के नेतृत्व में चलना होगा।
राल्फ ने शंख को वापस चमकते हुए लट्ठे पर रख दिया।
"हमें खाना खा लेना चाहिए और फिर तैयार हो जाना चाहिए।"
वे उजाड़ फलों के पेड़ों की ओर बढ़े। पिग्गी को उसका खाना दिया गया और उसने छूकर थोड़ा सा खाना ढूंढा। खाते समय राल्फ दोपहर के बारे में सोचने लगा।
हम पहले जैसे हो जाएंगे। हम धोएंगे--”
सैम ने एक निवाला निगला और विरोध जताया।
लेकिन हम तो हर रोज नहाते हैं!
राल्फ ने अपने सामने पड़ी गंदी वस्तुओं को देखा और आह भरी।
हमें अपने बाल संवारने चाहिए। लेकिन ये बहुत लंबे हैं।
एरिक ने कहा, "मेरे पास आश्रय स्थल में दोनों मोजे बचे हैं, इसलिए हम उन्हें टोपी की तरह अपने सिर पर पहन सकते हैं।"
पिग्गी ने कहा, "हम कुछ सामान ढूंढ सकते हैं और तुम्हारे बाल बांध सकते हैं।"
“लड़की की तरह!”
नहीं। बिलकुल नहीं।
"तो फिर हमें वैसे ही जाना होगा जैसे हम हैं," राल्फ ने कहा, "और वे भी हमसे बेहतर नहीं होंगे।"
एरिक ने हिरासत में लेने का इशारा किया।
“लेकिन उन पर रंग लगाया जाएगा! आप जानते ही हैं कि कैसा होता है।” बाकी सबने सिर हिलाया। वे भली-भांति समझते थे कि रंग लगाने से किस प्रकार बर्बरता की मुक्ति मिल जाती है।
“खैर, हम पर रंग नहीं लगाया जाएगा,” राल्फ ने कहा, “क्योंकि हम बर्बर नहीं हैं।”
सैमनेरिक ने एक-दूसरे की ओर देखा।

"सब एक जैसे--"
राल्फ चिल्लाया।
"पेंट नहीं!"
उसने याद करने की कोशिश की।
उन्होंने कहा, "धुआं, हमें धुआं चाहिए।"
वह जुड़वा बच्चों की ओर गुस्से से मुड़ा।
मैंने कहा 'धुआं'! हमें धुआं चाहिए ही चाहिए।"
मधुमक्खियों की भिनभिनाहट के अलावा चारों ओर सन्नाटा छाया हुआ था। अंत में पिग्गी ने विनम्रता से कहा।
“बेशक हमारे पास है। क्योंकि धुआं एक संकेत है और अगर धुआं नहीं होगा तो हमें बचाया नहीं जा सकता।”
“मुझे पता था!” राल्फ चिल्लाया। उसने पिगी से अपना हाथ छुड़ा लिया। “क्या तुम ये कहना चाह रहे हो—?”
“मैं वही कह रहा हूँ जो तुम हमेशा कहते हो,” पिग्गी ने जल्दी से कहा। “मैंने एक पल के लिए सोचा था--”
“नहीं,” राल्फ ने ज़ोर से कहा। “मुझे यह बात हमेशा से पता थी। मैं भूला नहीं था।”
पिग्गी ने सहमति में सिर हिलाया।
“तुम मुखिया हो, राल्फ। तुम्हें सब कुछ याद रहता है।”
मैं भूला नहीं था।
"बिल्कुल नहीं।"
जुड़वां बच्चे राल्फ को उत्सुकता से देख रहे थे, मानो वे उसे पहली बार देख रहे हों।
वे एक कतार बनाकर समुद्र तट पर चल पड़े। राल्फ सबसे आगे था, थोड़ा लंगड़ाते हुए, उसका भाला एक कंधे पर था। वह चमकती रेत पर छाई गर्मी की धुंध की कंपकंपी और अपने लंबे बालों और चोटों के कारण ही सब कुछ धुंधला देख पा रहा था। उसके पीछे जुड़वाँ भाई थे, जो कुछ समय के लिए चिंतित थे लेकिन अदम्य ऊर्जा से भरे हुए थे। वे कम ही बोलते रहे, बस अपने लकड़ी के भालों के पिछले हिस्से घसीटते रहे; क्योंकि पिगी ने पाया था कि नीचे देखकर और अपनी थकी हुई आँखों को धूप से बचाते हुए, वह रेत पर चलते हुए भालों को देख सकता था। इसलिए वह घसीटते हुए भालों के पिछले हिस्सों के बीच चल रहा था, शंख को अपने दोनों हाथों में सावधानी से पकड़े हुए। लड़कों ने एक छोटा सा समूह बनाया जो समुद्र तट पर आगे बढ़ रहा था, उनके नीचे चार थाली

जैसी परछाइयाँ नाचती और आपस में घुलमिल रही थीं। तूफान का कोई निशान नहीं बचा था, और समुद्र तट किसी घिसे हुए ब्लेड की तरह साफ था। आकाश और पहाड़ बहुत दूर थे, गर्मी में झिलमिला रहे थे; और चट्टान मृगतृष्णा से ऊपर उठी हुई थी, मानो आकाश के आधे हिस्से में एक चांदी के कुंड की तरह तैर रही हो।

वे उस जगह से गुज़रे जहाँ जनजाति ने नृत्य किया था। जली हुई लकड़ियाँ अभी भी चट्टानों पर पड़ी थीं जहाँ बारिश ने उन्हें बुझा दिया था, लेकिन पानी के किनारे की रेत फिर से चिकनी हो गई थी। वे चुपचाप वहाँ से गुज़रे। किसी को भी संदेह नहीं था कि जनजाति कैसल रॉक पर ही मिलेगी और जब वे उसे देखने के लिए पहुँचे तो सब एक साथ रुक गए। द्वीप का सबसे घना जंगल, मुड़ी हुई टहनियों का एक समूह, काला और हरा और अभेद्य, उनके बाईं ओर फैला हुआ था और उनके सामने लंबी घास लहरा रही थी। अब राल्फ आगे बढ़ा।

यहाँ कुचली हुई घास थी जहाँ वे सब तब लेटे थे जब वह खोजबीन करने गया था। वहाँ ज़मीन का संकरा हिस्सा था, चट्टान के किनारे पर एक कगार थी, और ऊपर लाल शिखर थे।

सैम ने उसकी बांह को छुआ।

"धुआँ।"

चट्टान के दूसरी ओर हवा में धुएं का एक छोटा सा धब्बा लहरा रहा था।

"मुझे नहीं लगता कि आग लगी होगी।"

राल्फ मुड़ा।

हम किसलिए छिप रहे हैं?

वह घास के आवरण को पार करके उस छोटे से खुले स्थान पर पहुंचा जो संकरे रास्ते की ओर जाता था।

“तुम दोनों मेरे पीछे आओ। मैं पहले जाऊँगा, फिर पिगी मेरे ठीक एक कदम पीछे। अपने भाले तैयार रखना।”

पिग्गी ने अपने और दुनिया के बीच लटके हुए चमकदार पर्दे में चिंता से झाँका।

“क्या यह सुरक्षित है? क्या यहाँ कोई चट्टान नहीं है? मुझे समुद्र की आवाज़ सुनाई दे रही है।”

तुम मेरे बिल्कुल करीब रहना।

राल्फ आगे बढ़कर नदी के किनारे पर आ गया। उसने एक पत्थर को ठोकर मारी और वह उछलकर पानी में जा गिरा। फिर समुद्र नीचे की ओर खिंच गया, जिससे राल्फ की

बाईं बांह के ठीक नीचे चालीस फीट की दूरी पर एक लाल, घास-फूस से भरा हुआ चौकोर मैदान दिखाई दिया।
“क्या मैं सुरक्षित हूँ?” पिग्गी ने कांपती हुई आवाज़ में पूछा। “मुझे बहुत बुरा लग रहा है--”
उनके ऊपर शिखरों से अचानक एक चीख सुनाई दी और फिर एक नकली युद्ध-घोषणा हुई जिसका जवाब चट्टान के पीछे से एक दर्जन आवाजों ने दिया।
"मुझे शंख दो और स्थिर रहो।"
“रुको! वहाँ कौन है?”
राल्फ ने अपना सिर पीछे की ओर झुकाया और ऊपर से रोजर का सांवला चेहरा देखा।
“तुम देख सकते हो कि मैं कौन हूँ!” वह चिल्लाया। “मूर्खता करना बंद करो!”
उसने शंख को अपने होठों से लगाया और बजाना शुरू कर दिया। तभी कुछ जंगली लोग प्रकट हुए, जिनका चेहरा रंग से रंगा हुआ था और वे किनारे से गर्दन की ओर बढ़ने लगे। उनके पास भाले थे और उन्होंने प्रवेश द्वार की रक्षा के लिए मोर्चा संभाल लिया। राल्फ लगातार शंख बजाता रहा और पिग्गी के डर को अनसुना कर दिया।
रॉजर चिल्ला रहा था।
"तुम्हारा ध्यान कहाँ है—देखो?"
कुछ देर बाद राल्फ ने अपने होंठ हटाए और सांस लेने के लिए रुका। उसके पहले शब्द हांफते हुए निकले, लेकिन सुनाई दिए।
“--सभा बुलाना।”
गर्दन की रखवाली कर रहे बर्बर लोग आपस में कुछ बुदबुदा रहे थे, लेकिन हिले-डुले नहीं। राल्फ कुछ कदम आगे बढ़ा। तभी उसके पीछे से एक फुसफुसाती हुई आवाज आई।
"मुझे छोड़कर मत जाओ, राल्फ।"
राल्फ ने करवट लेते हुए कहा, "तुम घुटने टेक दो और मेरे वापस आने तक इंतजार करो।"
वह गर्दन के बीच में खड़ा होकर उन आदिवासियों को ध्यान से देख रहा था। रंग से मुक्त होकर उन्होंने अपने बाल पीछे बाँध लिए थे और उससे कहीं अधिक आरामदायक स्थिति में थे। राल्फ ने बाद में अपने बाल बाँधने का निश्चय किया। वास्तव में, उसका मन कर रहा था कि वह उन्हें रुकने के लिए कहे और वहीं पर अपने बाल बाँध ले; लेकिन यह असंभव था। आदिवासियों ने हल्की सी हँसी हँसी और एक ने अपने भाले से राल्फ की

ओर इशारा किया। ऊपर, रॉजर ने लीवर से अपने हाथ हटाए और यह देखने के लिए बाहर झुका कि क्या हो रहा है। गर्दन पर खड़े लड़के अपनी ही परछाई के घेरे में खड़े थे, उनके सिर बिखरे हुए लग रहे थे। पिग्गी दुबका हुआ था, उसकी पीठ बोरी की तरह बेढंगी थी।

मैं एक सभा बुला रहा हूँ।

मौन।

रॉजर ने एक छोटा पत्थर उठाया और उसे जुड़वा भाइयों के बीच फेंक दिया, उसका इरादा चूकने का था। वे चौंक गए और सैम बड़ी मुश्किल से संभला। रॉजर के शरीर में किसी शक्ति का संचार होने लगा।

राल्फ ने फिर जोर से बात की।

मैं एक सभा बुला रहा हूँ।

उसने उन पर सरसरी नजर डाली।

जैक कहाँ है?

लड़कों का समूह हरकत में आया और आपस में सलाह-मशविरा करने लगा। तभी एक रंगे हुए चेहरे ने रॉबर्ट की आवाज में बात की।

“वह शिकार कर रहा है। और उसने कहा कि हमें तुम्हें अंदर नहीं आने देना है।”

“मैं आग के बारे में और पिग्गी के चश्मे के बारे में पता करने आया हूँ,” राल्फ ने कहा।

उसके सामने मौजूद समूह थोड़ा हिल गया और उनमें से हंसी की एक हल्की, उत्साहित हंसी ऊंची चट्टानों के बीच गूंज उठी।

राल्फ के पीछे से एक आवाज आई।

"आप क्या चाहते हैं?"

जुड़वां भाई राल्फ को पीछे छोड़ते हुए तेजी से भागे और प्रवेश द्वार के सामने आ गए। राल्फ तुरंत मुड़ा। जैक, जिसे उसके व्यक्तित्व और लाल बालों से पहचाना जा सकता था, जंगल से आगे बढ़ रहा था। दोनों ओर एक-एक शिकारी घात लगाए बैठा था। तीनों ने काले और हरे रंग के मुखौटे पहन रखे थे। उनके पीछे घास पर एक मादा सुअर का सिर कटा और तोंद निकला हुआ शरीर पड़ा था, जहाँ उन्होंने उसे गिराया था।

पिग्गी रोने लगा।

“राल्फ! मुझे छोड़कर मत जाओ!”

उसने बड़ी सावधानी से चट्टान को गले लगाया, और खुद को उस पर कसकर चिपका लिया, मानो समुद्र की लहरों के ऊपर हो। आदिवासियों की दबी हंसी अब एक ज़ोरदार

उपहास में बदल गई।
शोरगुल के बीच जैक चिल्लाया।
“तुम चले जाओ, राल्फ। तुम अपनी नियति पर कायम रहो। यही मेरी नियति है और यही मेरा कबीला है। मुझे अकेला छोड़ दो।”
उपहास-पुकार बंद हो गई।
“तुमने पिग्गी का चश्मा चुरा लिया,” राल्फ ने हांफते हुए कहा। “तुम्हें इसे वापस देना होगा।”
“क्या करना ही होगा? किसने कहा?”
राल्फ का गुस्सा फूट पड़ा।
“मैं कहता हूँ! आपने मुझे मुखिया के पद के लिए वोट दिया था। क्या आपने शंख की आवाज़ नहीं सुनी? आपने गंदी चाल चली—अगर आपने आग माँगी होती तो हम आपको आग दे देते—”
उसके गालों में खून बह रहा था और बंद आंख में तेज दर्द हो रहा था।
“तुम जब चाहो आग जला सकते थे। लेकिन तुमने ऐसा नहीं किया। तुम चोर की तरह चुपके से आए और पिगी का चश्मा चुरा लिया!”
"दोबारा कहना!"
“चोर! चोर!”
पिग्गी चीख उठा।
“राल्फ! मेरी बात मानो!”
जैक ने झपट्टा मारा और अपने भाले से राल्फ की छाती पर वार किया। जैक की बांह की एक झलक से राल्फ ने हथियार की स्थिति भांप ली और अपने नितंब से वार को रोक दिया। फिर उसने भाले का सिरा घुमाकर जैक के कान पर करारा प्रहार किया। दोनों सीने से सीना मिलाकर, ज़ोर-ज़ोर से सांस लेते हुए, एक-दूसरे को धक्का देते और घूरते हुए आमने-सामने आ गए।
“चोर कौन है?”
"तुम हो!"
जैक ने खुद को छुड़ाया और अपने भाले से राल्फ पर वार किया। आम सहमति से अब वे भालों को तलवार की तरह इस्तेमाल कर रहे थे, उनके घातक नुकीले सिरों का इस्तेमाल करने का जोखिम नहीं उठा रहे थे। वार राल्फ के भाले पर लगा और फिसलकर उसकी उंगलियों पर जा गिरा, जिससे उसे बहुत तकलीफ हुई। फिर वे एक

बार फिर अलग हो गए, उनकी स्थिति उलट गई, जैक कैसल रॉक की ओर और राल्फ द्वीप की ओर बाहर की तरफ चला गया।
दोनों लड़के बहुत तेजी से सांस ले रहे थे।
"तो पर आजा--"
"चलो भी--"
वे उग्रता से एक-दूसरे के सामने खड़े हो गए, लेकिन लड़ाई की दूरी से थोड़ा बाहर ही रहे।
"आओ और देखो तुम्हें क्या मिलता है!"
“तुम आओ--”
पिग्गी ज़मीन को पकड़कर राल्फ का ध्यान आकर्षित करने की कोशिश कर रहा था। राल्फ हिला, नीचे झुका और जैक पर पैनी नज़र रखी।
“राल्फ—याद रखना हम यहाँ किसलिए आए थे। आग के लिए। मेरे चश्मे के लिए।”
राल्फ ने सिर हिलाया। उसने अपनी लड़ने वाली मांसपेशियों को ढीला छोड़ा, आसानी से खड़ा हुआ और अपने भाले का पिछला हिस्सा ज़मीन पर टिका दिया। जैक ने अपने रंग के बावजूद उसे हैरानी से देखा। राल्फ ने ऊपर चोटियों की ओर देखा, फिर जंगली लोगों के समूह की ओर।
“सुनो। हम यही कहने आए हैं। पहले तुम्हें पिगी का चश्मा वापस देना होगा। अगर उसके पास चश्मा नहीं होगा तो वह देख नहीं पाएगा। तुम खेल नहीं खेल रहे हो—”
रंगे हुए जंगली लोगों का समूह खिलखिला उठा और राल्फ का दिमाग चकरा गया। उसने अपने बाल ऊपर किए और अपने सामने हरे और काले मुखौटे को घूरते हुए जैक का चेहरा याद करने की कोशिश की।
पिग्गी ने फुसफुसाते हुए कहा।
और आग।
“हाँ, बिल्कुल। फिर आग के बारे में। मैं यह बात फिर से दोहराता हूँ। जब से हम यहाँ आए हैं, तब से मैं यही कहता आ रहा हूँ।”
उसने अपना भाला आगे बढ़ाया और उन बर्बरों की ओर इशारा करते हुए कहा, “तुम्हारी एकमात्र उम्मीद यही है कि जब तक रोशनी है, तब तक आग जलाए रखो। शायद तब कोई जहाज धुएँ को देख ले और आकर हमें बचा ले और घर ले जाए। लेकिन उस धुएँ के बिना हमें तब तक इंतजार करना होगा जब तक कोई जहाज गलती से न आ जाए। हमें सालों इंतजार करना पड़ सकता है; जब तक हम बूढ़े न हो जाएँ—”

उन बर्बरों की कांपती हुई, चांदी जैसी, अवास्तविक हंसी गूंजती हुई दूर तक फैल गई। क्रोध की एक लहर ने राल्फ को झकझोर दिया। उसकी आवाज लड़खड़ा गई।
“क्या तुम समझते नहीं, मूर्खों? सैम, एरिक, पिगी और मैं—हम काफी नहीं हैं। हमने आग को जलाए रखने की कोशिश की, लेकिन हम नहीं कर सके। और फिर तुम, शिकार का खेल खेल रहे हो...”
उसने उनके पीछे उस जगह की ओर इशारा किया जहाँ धुएं की पतली लकीर मोती जैसी चमकती हवा में बिखर रही थी।
“देखो तो ज़रा! इसे सिग्नल वाली आग कहते हो? ये तो खाना पकाने वाली आग है। अब तुम खाओगे और धुआँ भी नहीं होगा। समझ नहीं आ रहा? हो सकता है वहाँ कोई जहाज़ हो—”
वह सन्नाटे और प्रवेश द्वार पर पहरा दे रहे समूह की गुमनामी के आवरण से पराजित होकर रुक गया। जैक ने अपना गुलाबी मुँह खोला और सैमनरिक को संबोधित किया, जो उसके और उसके कबीले के बीच खड़े थे।
“तुम दोनों पीछे हटो।”
किसी ने उसे जवाब नहीं दिया। जुड़वां बच्चे हैरान होकर एक-दूसरे को देखने लगे; वहीं पिगी हिंसा के रुकने से आश्वस्त होकर सावधानी से खड़ा हो गया। जैक ने राल्फ की ओर और फिर जुड़वां बच्चों की ओर देखा।
“इन्हें पकड़ो!”
कोई नहीं हिला। जैक गुस्से से चिल्लाया।
मैंने कहा, 'इन्हें पकड़ो!'
रंगे हुए लोगों का समूह घबराया हुआ और बेढंगा सा सैमनेरिक के चारों ओर घूमने लगा। एक बार फिर चांदी जैसी हंसी बिखर गई।
सैमनेरिक ने सभ्यता के केंद्र से विरोध प्रदर्शन किया।
“ओह, मैं तो यही कह रहा हूँ!”
"--ईमानदारी से!"
उनके भाले उनसे छीन लिए गए।
"उन्हें बांधे!"
राल्फ ने काले और हरे रंग के मुखौटे के सामने हताशा से चीख मारी।
“जैक!”
“चलो, इन्हें बांध दो।”

अब रंगे हुए समूह ने सैमनेरिक की भिन्नता को महसूस किया, अपने हाथों में शक्ति का एहसास किया। उन्होंने जुड़वा बच्चों को अनाड़ीपन और उत्तेजना में गिरा दिया। जैक प्रेरित हुआ। वह जानता था कि राल्फ बचाव का प्रयास करेगा। उसने उसके पीछे गुनगुनाते हुए एक घेरा बनाया और राल्फ ने बड़ी मुश्किल से वार को रोका। उनके पीछे जनजाति और जुड़वा बच्चे एक शोरगुल भरा और तड़पता हुआ ढेर बन गए थे। पिगी फिर से नीचे झुक गया। फिर जुड़वा बच्चे अचंभित होकर लेट गए और जनजाति उनके चारों ओर खड़ी हो गई। जैक राल्फ की ओर मुड़ा और दाँतों के बीच से बोला।

“देखा? वे वही करते हैं जो मैं चाहता हूँ।”

फिर सन्नाटा छा गया। जुड़वाँ बच्चे अनाड़ीपन से बंधे पड़े थे, और कबीले के लोग राल्फ की ओर देख रहे थे कि वह क्या करेगा। उसने अपने बालों के बीच से उन्हें गिना, और बेअसर धुएँ की एक झलक देखी।

उसका आपा टूट गया। उसने जैक पर चिल्लाया।

“तुम एक दरिंदे हो, एक सूअर हो और एक घिनौने चोर हो!”

उसने हमला किया।

जैक, यह जानते हुए कि यही संकट है, उसने भी हमला कर दिया। दोनों ज़ोर से टकराए और दूर जा गिरे। जैक ने मुक्के से राल्फ पर वार किया और उसके कान पर चोट लगी। राल्फ ने जैक के पेट में घूंसा मारा जिससे वह दर्द से कराह उठा। फिर दोनों एक-दूसरे के सामने आ गए, हांफते हुए और गुस्से से भरे हुए, लेकिन एक-दूसरे की क्रूरता से सहमे हुए। उन्हें उस शोर का एहसास हुआ जो इस लड़ाई की पृष्ठभूमि में था, उनके पीछे कबीले के लोगों की लगातार तेज़ आवाज़ में जयकार।

पिग्गी की आवाज राल्फ तक पहुंची।

मुझे बोलने दीजिए।

वह लड़ाई की धूल में खड़ा था, और जैसे ही कबीले ने उसका इरादा देखा, तीखी जयकार लगातार हूटिंग में बदल गई।

पिग्गी ने शंख को ऊपर उठाया और हूटिंग थोड़ी धीमी पड़ गई, फिर दोबारा तेज हो गई।

मुझे शंख मिल गया!

वह चिल्लाया।

“मैं आपको बताता हूँ, मुझे शंख मिल गया!”

आश्चर्य की बात यह थी कि अब सन्नाटा छा गया था; जनजाति के लोग यह जानने के लिए उत्सुक थे कि वह कौन सी मनोरंजक बात कहने वाला है।
सन्नाटा छा गया; लेकिन उस सन्नाटे में राल्फ के सिर के पास से एक अजीब सी हवा की आवाज़ आई। उसने आधा ध्यान उस पर दिया—और फिर वही आवाज़ आई; एक हल्की सी "ज़ुप!" की आवाज़। कोई पत्थर फेंक रहा था: रॉजर उन्हें गिरा रहा था, उसका एक हाथ अभी भी लीवर पर था। उसके नीचे, राल्फ बालों का गुच्छा था और पिगी चर्बी का थैला।
“मुझे बस इतना कहना है। तुम लोग बच्चों की भीड़ की तरह व्यवहार कर रहे हो।” जैसे ही पिगी ने सफेद, जादुई शंख उठाया, हूटिंग तेज हुई और फिर शांत हो गई।
"तुम्हारे जैसे रंगे-पहचाने भारतीयों का झुंड बनना बेहतर है या राल्फ की तरह समझदार होना?"
आदिवासियों के बीच ज़बरदस्त शोर मच गया। पिग्गी ने फिर से चिल्लाया।
"नियम बनाकर सहमत होना बेहतर है या शिकार करके मारना?"
फिर शोरगुल और फिर--“ज़ुप!”
शोर के बीच राल्फ चिल्लाया।
"कानून और बचाव, या शिकार करना और तोड़फोड़ करना, इनमें से कौन सा बेहतर है?"
अब जैक भी चिल्ला रहा था और राल्फ की आवाज़ सुनाई नहीं दे रही थी। जैक कबीले के बिल्कुल सामने खड़ा हो गया था और वे भाले लिए एक ठोस, खतरनाक समूह की तरह लग रहे थे। उनके बीच हमले की तैयारी चल रही थी; वे पूरी तरह से तैयार थे और अंत में सब कुछ साफ़ हो जाएगा। राल्फ थोड़ा एक तरफ़ मुँह करके उनके सामने खड़ा था, उसका भाला तैयार था। उसके पास पिगी अभी भी ताबीज़ पकड़े खड़ा था, सीप की नाज़ुक, चमकती सुंदरता। आवाज़ों का तूफान उन पर बरस रहा था, घृणा का मंत्रोच्चार। ऊपर आसमान में, रॉजर, उन्माद में डूबे हुए, अपना सारा वज़न लीवर पर डाल रहा था।
राल्फ ने विशाल चट्टान को देखने से पहले ही उसकी आवाज़ सुनी। उसे धरती में एक ज़ोरदार झटका महसूस हुआ जो उसके पैरों के तलवों तक महसूस हुआ, और चट्टान की चोटी पर पत्थरों के टूटने की आवाज़ सुनाई दी। फिर वह भयानक लाल चीज़ उसकी गर्दन पर उछल पड़ी और वह ज़मीन पर गिर पड़ा जबकि पूरा कबीला चीख उठा।
चट्टान ने पिग्गी को ठुड्डी से घुटने तक एक हल्की सी चोट पहुंचाई; शंख हज़ार सफेद टुकड़ों में बिखर गया और गायब हो गया। पिग्गी, बिना कुछ कहे, बिना कराहने का भी

समय लिए, चट्टान से दूर हवा में तिरछा उड़ गया, और उड़ते हुए पलटता चला गया। चट्टान दो बार उछली और जंगल में खो गई। पिग्गी चालीस फीट नीचे गिरा और समुद्र में चौकोर लाल चट्टान पर पीठ के बल जा गिरा। उसका सिर फट गया और उसमें से कुछ निकला जो लाल हो गया। पिग्गी के हाथ-पैर थोड़े फड़फड़ाए, जैसे किसी मरे हुए सूअर के। फिर समुद्र ने एक लंबी, धीमी आह भरी, पानी चट्टान के ऊपर सफेद और गुलाबी रंग में उबलने लगा; और जब वह वापस अंदर चला गया, तो पिग्गी का शरीर गायब हो गया।

इस बार सन्नाटा पूरी तरह छा गया। राल्फ के होंठों से एक शब्द निकला, लेकिन कोई ध्वनि नहीं हुई।

अचानक जैक कबीले से बाहर निकला और जोर-जोर से चिल्लाने लगा।

“देखा? देखा? यही मिलेगा तुम्हें! मेरा मतलब यही था! अब तुम्हारे लिए कोई कबीला नहीं बचा! शंख चला गया—”

वह झुकते हुए आगे की ओर दौड़ा।

मैं मुखिया हूँ!

पूरी क्रूरता और इरादे से उसने अपना भाला राल्फ पर फेंका। भाले की नोक राल्फ की पसलियों के ऊपर की त्वचा और मांस को चीरती हुई पानी में गिर गई। राल्फ लड़खड़ाया, उसे दर्द नहीं बल्कि घबराहट महसूस हो रही थी, और कबीला, अब सरदार की तरह चीखता हुआ, आगे बढ़ने लगा। एक और भाला, एक मुड़ा हुआ भाला जो सीधा नहीं जा रहा था, उसके चेहरे के पास से गुजरा और एक भाला ऊपर से रोजर के पास गिरा। जुड़वां बच्चे कबीले के पीछे छिपे हुए थे और अज्ञात शैतानों के चेहरे उसकी गर्दन पर मंडरा रहे थे। राल्फ मुड़ा और भागा। उसके पीछे समुद्री चिड़ियों जैसी तेज़ आवाज़ उठी। उसने अपनी उस सहज प्रवृत्ति का पालन किया जिसके बारे में उसे पता नहीं था कि वह उसके अंदर है और खुले मैदान में इस तरह मुड़ा कि भाले उससे दूर निकल गए। उसने सूअरनी का बिना सिर वाला शरीर देखा और समय रहते छलांग लगा दी। फिर वह घनी पत्तियों और छोटी शाखाओं से टकराता हुआ जंगल में छिप गया।

मुखिया सूअर के पास रुका, मुड़ा और अपने हाथ ऊपर उठा लिए।

“वापस जाओ! किले में वापस जाओ!”

कुछ देर बाद जनजाति शोर मचाते हुए उस संकरे रास्ते पर लौट आई जहां रोजर भी उनके साथ शामिल हो गया।

मुखिया ने उससे गुस्से से बात की।

"तुम पहरा क्यों नहीं दे रहे हो?"
रॉजर ने गंभीरता से उसकी ओर देखा।
मैं अभी-अभी नीचे आया हूँ--
जल्लाद का खौफ उसके मन में बसा हुआ था। मुखिया ने उससे कुछ नहीं कहा, बल्कि सैमनेरिक की ओर देखा।
आपको इस समूह में शामिल होना होगा।
“तुम मुझे जाने दो--”
"--और मुझे।"
सरदार ने बचे हुए कुछ भालों में से एक भाला छीन लिया और सैम की पसलियों में घोंप दिया।
“तुम्हारा मतलब क्या है?” सरदार ने गुस्से से कहा। “भाले लेकर आने का क्या मतलब है? मेरे कबीले में शामिल न होने का क्या मतलब है?”
धक्का-मुक्की लयबद्ध हो गई। सैम चिल्लाया।
“यह सही तरीका नहीं है।”
रॉजर सरदार के पास से धीरे-धीरे निकला, बड़ी मुश्किल से कंधे से उसे धक्का लगने से बचा। चीख-पुकार बंद हो गई, और सैमनेरिक चुपचाप डर से ऊपर देख रहा था। रॉजर एक अनाम शक्ति के बल पर उनकी ओर बढ़ा।
अध्याय बारह: शिकारियों की पुकार
राल्फ एक छिपने की जगह पर लेटा हुआ था और अपने ज़ख्मों के बारे में सोच रहा था। उसकी दाहिनी पसलियों पर कई इंच व्यास का घाव था, और भाले के लगने से बना एक सूजा हुआ और खून से लथपथ निशान था। उसके बाल मिट्टी से सने हुए थे और लता की तरह उलझे हुए थे। जंगल से भागने के कारण उसका पूरा शरीर खरोंचों और चोटों से भरा हुआ था। जब उसकी साँसें सामान्य हुईं, तब तक उसे समझ आ गया था कि इन ज़ख्मों को धोना अभी टालना पड़ेगा। पानी में छपछपाते हुए नंगे पैरों की आवाज़ कैसे सुन सकते हैं? छोटी सी धारा या खुले समुद्र तट पर सुरक्षित कैसे रह सकते हैं?
राल्फ सुन रहा था। वह कैसल रॉक से ज़्यादा दूर नहीं था, और पहले अफरा-तफरी के दौरान उसे लगा था कि किसी के पीछा करने की आवाज़ें आ रही हैं। लेकिन शिकारी शायद भाले लेने के लिए हरियाली के किनारे छिप गए थे, और फिर धूप वाली चट्टान पर ऐसे भागे जैसे पत्तों के नीचे अंधेरे से डर गए हों। उसने उनमें से एक को देखा भी था, जो भूरे, काले और लाल रंग की धारियों वाला था, और उसे लगा था कि वह बिल है। लेकिन

राल्फ ने सोचा, असल में, यह बिल नहीं था। यह एक जंगली आदमी था जिसकी छवि शॉर्ट्स और शर्ट पहने लड़के की उस पुरानी छवि से बिल्कुल मेल नहीं खाती थी।
दोपहर ढलती जा रही थी; सूरज की गोलाकार किरणें हरी पत्तियों और भूरे रेशों पर धीरे-धीरे आगे बढ़ रही थीं, लेकिन चट्टान के पीछे से कोई आवाज़ नहीं आ रही थी। आखिरकार राल्फ फर्न के बीच से रेंगता हुआ निकला और उस घने जंगल के किनारे तक चुपके से आगे बढ़ा जो ज़मीन के संकरे हिस्से के सामने था। उसने किनारे पर शाखाओं के बीच से बड़ी सावधानी से झाँका और देखा कि रॉबर्ट चट्टान की चोटी पर पहरा दे रहा है। उसके बाएँ हाथ में एक भाला था और वह दाहिने हाथ से एक छोटा पत्थर उछालकर उसे पकड़ रहा था। उसके पीछे धुएँ का एक घना स्तंभ उठ रहा था, जिससे राल्फ की नाक के नथुने फूल गए और मुँह से लार टपकने लगी। उसने अपने हाथ के पिछले हिस्से से अपनी नाक और मुँह पोंछा और सुबह के बाद पहली बार उसे भूख लगी। जनजाति के लोग ज़रूर कटे हुए सूअर के चारों ओर बैठे होंगे, उसकी चर्बी को राख में पिघलते और जलते हुए देख रहे होंगे। वे ज़रूर ध्यान से देख रहे होंगे।
एक और आकृति, जिसे पहचानना मुश्किल था, रॉबर्ट के पास प्रकट हुई और उसे कुछ देकर, मुड़कर चट्टान के पीछे चली गई। रॉबर्ट ने अपना भाला अपने बगल वाली चट्टान पर रख दिया और अपने उठे हुए हाथों के बीच उसे कुतरने लगा। इस प्रकार दावत शुरू हो गई और पहरेदार को उसका हिस्सा मिल गया।
राल्फ ने देखा कि फिलहाल वह सुरक्षित है। वह फलों के पेड़ों के बीच से लंगड़ाते हुए चला गया, क्योंकि उसे उस कम भोजन का ख्याल सता रहा था जो दावत की याद आने पर कड़वा हो जाता था। आज दावत, और फिर कल...
उसने बेतुके ढंग से यह तर्क दिया कि वे उसे अकेला छोड़ देंगे, शायद उसे भगोड़ा भी बना देंगे। लेकिन तभी उसे फिर से वह घातक, तर्कहीन ज्ञान प्राप्त हुआ। शंख का टूटना और पिगी और साइमन की मृत्यु द्वीप पर धुंध की तरह छाई हुई थी। ये रंग-बिरंगे बर्बर लोग और आगे बढ़ते जा रहे थे। फिर उसके और जैक के बीच एक अवर्णनीय संबंध था; जिसके कारण जैक उसे कभी अकेला नहीं छोड़ेगा; कभी नहीं।
धूप की किरणों से नहाया हुआ वह रुका, एक डाल को पकड़े हुए, उसके नीचे से निकलने की तैयारी कर रहा था। तभी डर के मारे उसका शरीर कांपने लगा और वह जोर से चिल्ला उठा।
नहीं। वे इतने बुरे नहीं थे। यह एक दुर्घटना थी।

वह पेड़ की डाल के नीचे से निकला, लड़खड़ाते हुए भागा, फिर रुक गया और सुनने लगा।
वह फलों से भरे कुचले हुए खेतों में आया और लालच से खाने लगा। उसने दो छोटे बच्चों को देखा और अपनी शक्ल-सूरत से अनजान होने के कारण सोचने लगा कि वे क्यों चीख रहे थे और भाग रहे थे।
खाना खाने के बाद वह समुद्र तट की ओर चल पड़ा। सूरज की किरणें अब टूटे-फूटे आश्रय के पास ताड़ के पेड़ों पर तिरछी पड़ रही थीं। वहाँ चबूतरा और तालाब था। सबसे अच्छा यही था कि दिल में उठ रहे इस भारीपन को नज़रअंदाज़ किया जाए और अपनी समझदारी, दिन के उजाले में मिली सूझबूझ पर भरोसा किया जाए। अब जब कबीले के लोग खाना खा चुके थे, तो फिर से कोशिश करना ही एकमात्र उपाय था। और वैसे भी, वह इस सुनसान चबूतरे के पास खाली आश्रय में पूरी रात नहीं रुक सकता था। शाम की धूप में उसके रोंगटे खड़े हो गए और वह कांप उठा। न आग, न धुआँ, न बचाव। वह मुड़ा और लंगड़ाते हुए जंगल से होते हुए द्वीप के जैक वाले छोर की ओर चल पड़ा।
सूरज की तिरछी किरणें शाखाओं में खो गईं। आखिरकार वह जंगल में एक खुले मैदान में पहुँचा जहाँ चट्टानों के कारण वनस्पति नहीं उग पा रही थी। अब वह जगह घने अंधेरे में डूबी हुई थी और राल्फ ने जब बीच में कुछ खड़ा देखा तो लगभग खुद को एक पेड़ के पीछे छिपा लिया; लेकिन फिर उसने देखा कि वह सफेद चेहरा हड्डियों का था और सूअर की खोपड़ी एक डंडे के ऊपर से उसे देखकर मुस्कुरा रही थी। वह धीरे-धीरे खुले मैदान के बीच में गया और उस खोपड़ी को ध्यान से देखने लगा जो शंख की तरह सफेद चमक रही थी और मानो व्यंग्य से उसका मज़ाक उड़ा रही हो। एक जिज्ञासु चींटी उसकी एक आँख के गड्ढे में व्यस्त थी, लेकिन बाकी सब कुछ निर्जीव था।
या ये था?
उसकी पीठ पर झुनझुनी सी दौड़ गई। वह खड़ा था, खोपड़ी लगभग उसके चेहरे के स्तर पर थी, और उसने अपने बालों को दोनों हाथों से थामे रखा था। उसके दांत मुस्कुरा रहे थे, मानो खाली गड्ढे सहजता और कुशलता से उसकी निगाहों को थामे हुए हों।
यह क्या था?
खोपड़ी राल्फ को ऐसे देख रही थी मानो उसे सारे जवाब पता हों और वो बताए नहीं। एक भयानक डर और गुस्सा उसे जकड़ लिया। उसने गुस्से में अपने सामने पड़ी उस गंदी चीज़ पर प्रहार किया जो खिलौने की तरह हिल रही थी और वापस आकर उसके चेहरे पर मुस्कुरा रही थी, जिससे राल्फ घृणा से चीख उठा। फिर वह अपनी चोटिल

उंगलियों को चाट रहा था और खाली छड़ी को देख रहा था, जबकि खोपड़ी दो टुकड़ों में पड़ी थी, उसकी मुस्कान अब छह फीट चौड़ी हो गई थी। उसने कांपती हुई छड़ी को दरार से खींचकर निकाला और उसे अपने और सफेद टुकड़ों के बीच भाले की तरह पकड़ लिया। फिर वह पीछे हट गया, अपना चेहरा उस खोपड़ी की ओर रखे हुए जो आसमान की ओर मुस्कुरा रही थी।

जब क्षितिज से हरी रोशनी गायब हो गई और पूरी तरह रात हो गई, तो राल्फ फिर से कैसल रॉक के सामने झाड़ियों में आ गया। झाँकते हुए उसने देखा कि ऊँचाई पर अभी भी कोई मौजूद था, और जो भी वहाँ था उसने भाला तैयार रखा हुआ था।

वह अंधेरे में घुटनों के बल बैठ गया और अपने अकेलेपन को बुरी तरह महसूस करने लगा। वे बर्बर थे, यह सच था; लेकिन वे इंसान भी थे, और रात के अंधेरे में घात लगाकर हमला करने का डर अब सताने लगा था।

राल्फ ने धीमी सी आह भरी। थका हुआ होने के बावजूद, कबीले के डर से वह चैन की नींद नहीं सो पा रहा था। क्या यह मुमकिन नहीं था कि वह निडर होकर किले में जाए, कहे— “मुझे शांति मिल गई है,” हल्की हंसी हंसे और दूसरों के बीच सो जाए? क्या वह ऐसा दिखावा कर सकता था कि वे अभी भी लड़के हैं, स्कूली बच्चे जो “जी जी जी” कहते थे—और टोपी पहनते थे? दिन के उजाले में शायद जवाब हां होता; लेकिन अंधेरा और मौत का खौफ ना कह रहे थे। अंधेरे में लेटे हुए, वह जानता था कि वह एक बहिष्कृत है।

"क्योंकि मुझमें थोड़ी अक्ल थी।"

उसने अपनी बांह पर अपना गाल रगड़ा, नमक और पसीने की तीखी गंध और मिट्टी की बासी महक को महसूस किया। बाईं ओर, समुद्र की लहरें सांस ले रही थीं, नीचे की ओर खींच रही थीं, फिर चट्टान पर वापस उबल रही थीं।

कैसल रॉक के पीछे से कुछ आवाज़ें आ रही थीं। ध्यान से सुनते हुए, समुद्र की लहरों से अपना ध्यान हटाकर, राल्फ एक जानी-पहचानी लय को पहचान सका।

“उस दरिंदे को मार डालो! उसका गला काट दो! उसका खून बहा दो!”

जनजाति नाच रही थी। इस चट्टानी दीवार के दूसरी ओर कहीं एक अंधेरा घेरा होगा, धधकती आग होगी और मांस होगा। वे भोजन का आनंद ले रहे होंगे और सुरक्षा के सुकून का अनुभव कर रहे होंगे।

पास से आती एक आवाज़ सुनकर वह कांप उठा। कुछ जंगली लोग कैसल रॉक पर चढ़ रहे थे, बिल्कुल ऊपर तक, और उसे कुछ आवाज़ें सुनाई दे रही थीं। वह कुछ कदम

आगे बढ़ा और उसने चट्टान की चोटी पर एक आकृति को बदलते और बड़ा होते देखा। द्वीप पर केवल दो ही लड़के थे जो इस तरह चलते या बात करते थे।
राल्फ ने अपना सिर अपनी कोहनियों पर टिका लिया और इस नई सच्चाई को एक घाव की तरह स्वीकार कर लिया। सैमनेरिक अब कबीले का हिस्सा थे। वे कैसल रॉक की रक्षा कर रहे थे। उन्हें बचाकर द्वीप के दूसरे छोर पर एक डाकू कबीला खड़ा करने का कोई मौका नहीं था। सैमनेरिक भी बाकी लोगों की तरह ही बर्बर थे; पिग्गी मर चुका था, और शंख चूर-चूर हो चुका था।
अंततः पहरेदार नीचे उतर गया। बचे हुए दो लोग चट्टान के एक अंधेरे विस्तार मात्र प्रतीत हो रहे थे। उनके पीछे एक तारा प्रकट हुआ, जो क्षण भर के लिए किसी हलचल के कारण छिप गया।
राल्फ धीरे-धीरे आगे बढ़ा, मानो अंधा हो, ऊबड़-खाबड़ सतह पर टटोलते हुए। उसके दाहिनी ओर मीलों तक फैला धुंधला पानी था और बाईं ओर अशांत सागर किसी गड्ढे की खाई की तरह भयानक लग रहा था। हर पल पानी उस चट्टान के चारों ओर सांस लेता और सफेदी के मैदान में खिल उठता। राल्फ रेंगता हुआ प्रवेश द्वार के किनारे तक पहुंचा। पहरेदार ठीक उसके ऊपर थे और वह चट्टान के ऊपर से निकले एक भाले का सिरा देख सकता था।
उन्होंने बहुत ही कोमल स्वर में पुकारा।
“सामनरिक--”
कोई जवाब नहीं आया। आगे बढ़ने के लिए उसे ज़ोर से बोलना पड़ा; और इससे आग के पास दावत कर रहे वे धारीदार और शत्रुतापूर्ण जीव जाग उठते। उसने अपने दांत भींचे और चढ़ना शुरू किया, छूकर पकड़ बनाने की कोशिश कर रहा था। जिस छड़ी से खोपड़ी टिकी थी, वह उसे रोक रही थी, लेकिन वह अपने इकलौते हथियार से अलग नहीं होना चाहता था। जुड़वा बच्चों के लगभग बराबर पहुँचने से पहले उसने फिर से बोलना शुरू किया।
“सामनरिक--”
उसने चट्टान से एक चीख और हलचल सुनी। जुड़वा बच्चों ने एक-दूसरे को पकड़ लिया था और वे कुछ बुदबुदा रहे थे।
“मैं हूं। राल्फ।”
उन्हें डर था कि वे भागकर सबको बता देंगे, इसलिए वह खुद को ऊपर खींच लाया, यहाँ तक कि उसका सिर और कंधे ऊपर से बाहर निकल आए। अपनी बगल से काफी नीचे

उसने चट्टान के चारों ओर चमकते हुए फूल देखे।
“मैं अकेला हूँ। राल्फ।”
अंततः वे आगे झुके और उसके चेहरे को ध्यान से देखने लगे।
“हमें लगा कि यह था--”
हमें पता नहीं था कि यह क्या था।
“--हमने सोचा--”
उन्हें अपनी इस नई और शर्मनाक वफादारी की याद आ गई। एरिक चुप रहा लेकिन सैम ने अपना कर्तव्य निभाने की कोशिश की।
“तुम्हें जाना होगा, राल्फ। तुम अभी चले जाओ--”
उसने अपना भाला लहराया और उग्रता का प्रदर्शन किया।
“तुम यहाँ से चले जाओ। देखा?”
एरिक ने सहमति में सिर हिलाया और अपना भाला हवा में उछाला। राल्फ अपनी बाहों के सहारे खड़ा रहा और आगे नहीं बढ़ा।
मैं तुम दोनों से मिलने आया था।
उसकी आवाज भारी थी। हालांकि उसके गले में कोई चोट नहीं लगी थी, फिर भी उसे दर्द हो रहा था।
मैं तुम दोनों से मिलने आया था--
इन चीजों के असहनीय दर्द को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता था। वह चुप हो गया, जबकि चमकीले तारे बिखर कर चारों ओर नाचने लगे।
सैम बेचैनी से इधर-उधर हिलने लगा।
"सच में, राल्फ, तुम्हें चले जाना चाहिए।"
राल्फ ने फिर ऊपर देखा।
“तुम दोनों पर रंग नहीं लगा है। तुम कैसे—? अगर रोशनी होती—”
अगर उजाला होता तो इन बातों को स्वीकार करने में उन्हें शर्म आती। लेकिन रात अंधेरी थी। एरिक ने बोलना शुरू किया; और फिर जुड़वा बच्चों ने एक-दूसरे के जवाब में बोलना शुरू कर दिया।
“तुम्हें जाना होगा क्योंकि यह सुरक्षित नहीं है--”
“उन्होंने हमें बनाया। उन्होंने हमें चोट पहुंचाई।”
“कौन? जैक?”
"अरे नहीं--"

वे उसके सामने झुक गए और अपनी आवाज़ धीमी कर ली।
“राल्फ, यहाँ से हट जाओ--”
“--यह एक जनजाति है--”
“--उन्होंने हमें मजबूर किया--”
हम कुछ नहीं कर सकते थे।
जब राल्फ ने दोबारा बात की तो उसकी आवाज धीमी थी और ऐसा लग रहा था जैसे उसकी सांस फूल रही हो।
मैंने क्या कर दिया? मुझे वो पसंद था—और मैं चाहती थी कि हम बच जाएं—”
एक बार फिर आसमान में तारे बिखर गए। एरिक ने गंभीरता से अपना सिर हिलाया।
“सुनो, राल्फ। समझदारी की बात छोड़ो। वो तो अब खत्म हो चुकी है--”
“मुख्य अधिकारी की चिंता मत करो--”
"तुम्हें अपने भले के लिए जाना ही होगा।"
“मुखिया और रोजर--”
“--हाँ, रोजर--”
“वे तुमसे नफरत करते हैं, राल्फ। वे तुम्हें खत्म कर देंगे।”
वे कल तुम्हारा पीछा करेंगे।
"लेकिन क्यों?"
मुझे नहीं पता। और राल्फ, जैक, मुखिया, कहते हैं कि यह खतरनाक होगा--"
और हमें सावधान रहना होगा और अपने भाले सूअर की तरह फेंकने होंगे।
हम द्वीप पर एक पंक्ति में फैल जाएंगे--"
हम इस छोर से आगे बढ़ रहे हैं--
"--जब तक हम तुम्हें ढूंढ नहीं लेते।"
हमें इसी तरह के संकेत देने होंगे।
एरिक ने अपना सिर उठाया और खुले मुंह पर थपथपाकर एक हल्की सी चीख निकाली। फिर उसने घबराकर पीछे की ओर देखा।
"उस तरह--"
“—बस, और भी तेज़ आवाज़ में, बिल्कुल।”
“लेकिन मैंने कुछ नहीं किया,” राल्फ ने घबराकर फुसफुसाते हुए कहा। “मैं तो बस आग जलाए रखना चाहता था!”

वह एक पल के लिए रुका, कल के बारे में सोचकर वह बहुत दुखी था। तभी उसके मन में एक अत्यंत महत्वपूर्ण बात आई।
"आप क्या--?"
पहले तो वह खुलकर कुछ कह नहीं सका; लेकिन फिर डर और अकेलेपन ने उसे ऐसा करने के लिए प्रेरित किया।
जब वे मुझे ढूंढ लेंगे, तो वे मेरे साथ क्या करेंगे?
जुड़वाँ बच्चे चुप थे। उसके नीचे, मृत्यु की चट्टान फिर से खिल उठी।
“ये क्या हैं—हे भगवान! मुझे भूख लग रही है—”
वह विशाल चट्टान उसके नीचे डगमगाती हुई प्रतीत हो रही थी।
"अच्छी तरह से क्या--?"
जुड़वा बच्चों ने अप्रत्यक्ष रूप से उनके प्रश्न का उत्तर दिया।
"अब तुम्हें जाना होगा, राल्फ।"
"तुम्हारे भले के लिए।"
"दूर रहो। जितना हो सके उतनी दूर रहो।"
“क्या तुम मेरे साथ नहीं आओगे? हम तीनों—हमारे जीतने की संभावना है।”
कुछ क्षणों की चुप्पी के बाद, सैम ने दबी हुई आवाज में बात की।
“तुम रॉजर को नहीं जानते। वो तो एक खूंखार आदमी है।”
और मुखिया—वे दोनों—”
“--आतंक--”
“--केवल रोजर--”
दोनों लड़के जम गए। कबीले का कोई व्यक्ति उनकी ओर चढ़ रहा था।
“वह यह देखने आ रहा है कि हम पहरा दे रहे हैं या नहीं। जल्दी करो, राल्फ!”
जैसे ही वह खुद को चट्टान से नीचे फेंकने की तैयारी कर रहा था, राल्फ ने इस बैठक से मिलने वाले अंतिम संभव लाभ को निचोड़ने की पूरी कोशिश की।
“मैं पास में ही लेट जाऊंगा; उस झाड़ी में नीचे,” उसने फुसफुसाते हुए कहा, “ताकि वे उससे दूर रहें। वे कभी इतना करीब से देखने की सोच भी नहीं पाएंगे--”
कदमों की आहट अभी भी कुछ दूरी पर सुनाई दे रही थी।
"सैम—मैं ठीक हो जाऊँगा, है ना?"
जुड़वां बच्चे फिर से चुप हो गए।
“लो!” सैम ने अचानक कहा। “इसे लो--”

राल्फ को लगा कि मांस का एक टुकड़ा उससे सटाकर रखा गया है और उसने उसे पकड़ लिया।
लेकिन जब तुम मुझे पकड़ लोगे तो क्या करोगे?
ऊपर सन्नाटा छाया हुआ था। उसे खुद पर ही मूर्खतापूर्ण विचार आ रहे थे। वह चट्टान से नीचे उतरने लगा।
"आप क्या करने जा रहे हैं--?"
उस विशाल चट्टान की चोटी से एक समझ से परे जवाब आया।
"रोजर ने एक छड़ी को दोनों सिरों से नुकीला किया।"
रॉजर ने एक छड़ी को दोनों सिरों से नुकीला किया। राल्फ ने इसका अर्थ समझने की कोशिश की, पर समझ नहीं पाया। गुस्से में उसने सारे अपशब्द बोल दिए, और फिर उसे जम्हाई आने लगी। कोई बिना सोए कितने दिन रह सकता है? उसे बिस्तर और चादरों की बहुत याद आ रही थी—लेकिन यहाँ बस धीरे-धीरे बहता दूध ही सफेद था, जो चालीस फीट नीचे चट्टान के चारों ओर चमक रहा था, जहाँ पिगी गिरा था। पिगी हर जगह था, उसकी गर्दन पर था, अंधेरे और मौत में भयानक हो गया था। अगर पिगी अब पानी से बाहर आ जाए, अपने खाली सिर के साथ—राल्फ एक छोटे बच्चे की तरह सिसकने और जम्हाई लेने लगा। उसके हाथ में पकड़ी छड़ी एक सहारे की तरह बन गई, जिस पर वह लड़खड़ा रहा था।
फिर वह दोबारा तनाव में आ गया। कैसल रॉक की चोटी पर आवाज़ें तेज़ हो रही थीं। सैमनरिक किसी से बहस कर रहे थे। लेकिन फर्न और घास पास ही थे। छिपने के लिए यही सही जगह थी, और उस झाड़ी के पास जो कल के लिए छुपने की जगह बनेगी। यहीं —और उसके हाथ घास को छू गए—रात बिताने के लिए एक अच्छी जगह थी, कबीले से ज़्यादा दूर नहीं, ताकि अगर अलौकिक शक्तियों का प्रकोप हो तो कम से कम कुछ समय के लिए इंसानों के साथ घुल-मिल सकें, भले ही इसका मतलब कुछ भी हो...
इसका क्या मतलब था? एक छड़ी जिसके दोनों सिरे नुकीले थे। उसमें क्या रहस्य था? उन्होंने भाले फेंके थे और निशाना चूक गया था; सिर्फ एक को छोड़कर। शायद अगली बार भी उनका निशाना चूक जाए।
वह लंबी घास में बैठ गया, सैम द्वारा दिए गए मांस को याद किया और उसे लालच से नोचने लगा। खाते समय, उसने कुछ नई आवाज़ें सुनीं—सैमनेरिक की दर्द भरी चीखें, घबराहट भरी चीखें, गुस्से भरी आवाज़ें। इसका क्या मतलब था? उसके अलावा कोई और भी मुसीबत में था, क्योंकि जुड़वा बच्चों में से कम से कम एक तो बीमार था। फिर

आवाज़ें चट्टान के नीचे चली गईं और उसने उनके बारे में सोचना बंद कर दिया। उसने अपने हाथों से टटोला और झाड़ियों से सटी ठंडी, कोमल पत्तियाँ पाईं। यही उसकी रात की मांद थी। सुबह होते ही वह झाड़ियों में घुस जाएगा, मुड़ी हुई टहनियों के बीच से निकल जाएगा, खुद को इतना अंदर छिपा लेगा कि उसके जैसा कोई रेंगने वाला जीव ही अंदर आ सके, और वह रेंगने वाला जीव भी चुभ जाएगा। वह वहीं बैठ जाएगा, और तलाशी दल उसे पार कर जाएगा, और घेराबंदी द्वीप पर शोर मचाते हुए आगे बढ़ जाएगी, और वह आज़ाद हो जाएगा।

वह झाड़ियों के बीच से रेंगता हुआ अंदर घुस गया। उसने छड़ी को अपने पास रख दिया और अंधेरे में दुबक गया। सुबह होते ही जागना जरूरी था, ताकि जंगली लोगों के साथ मजे किए जा सकें—और उसे पता ही नहीं चला कि नींद कितनी जल्दी आई और उसे एक अंधेरी, अंदरूनी ढलान पर धकेल दिया।

आँखें खुलने से पहले ही वह जाग गया था, पास से आती किसी आवाज़ को सुन रहा था। उसने एक आँख खोली, देखा कि मिट्टी उसके चेहरे से लगभग एक इंच दूर है और उसकी उंगलियाँ उसमें गड़ी हुई थीं, फर्न की पत्तियों के बीच से रोशनी छनकर आ रही थी। उसे बस इतना ही एहसास हुआ था कि गिरने और मौत के सदियों पुराने बुरे सपने खत्म हो गए हैं और सुबह हो चुकी है, तभी उसे फिर से वही आवाज़ सुनाई दी। समुद्र तट पर किसी की चीख थी - और अब एक और जंगली ने जवाब दिया, और फिर एक और ने। वह चीख द्वीप के संकरे छोर से समुद्र से लैगून तक उसके पास से ऐसे गुज़री जैसे कोई उड़ता हुआ पक्षी चिल्ला रहा हो। उसने सोचने का समय नहीं लिया, बस अपनी नुकीली छड़ी पकड़ी और फर्न के बीच रेंगता हुआ वापस चला गया। कुछ ही सेकंड में वह घनी झाड़ियों में घुस गया; लेकिन इससे पहले कि वह अंदर जा पाता, उसने अपनी ओर आते हुए एक जंगली के पैरों की एक झलक देख ली थी। फर्न को थपथपाया और पीटा गया और उसने लंबी घास में पैरों की सरसराहट सुनी। वह जंगली, चाहे जो भी हो, दो बार चीखा; और चीख दोनों दिशाओं में दोहराई गई, फिर धीमी पड़ गई। राल्फ फर्न के बीच उलझकर चुपचाप बैठा रहा, और कुछ देर तक उसे कुछ भी सुनाई नहीं दिया।

अंततः उसने घनी झाड़ियों का जायज़ा लिया। यकीनन यहाँ कोई उस पर हमला नहीं कर सकता था—और तो और, उसकी किस्मत भी उसके साथ थी। जिस विशाल चट्टान ने पिग्गी को मारा था, वह उछलकर इसी झाड़ी में आ गिरी थी और ठीक बीचोंबीच जाकर रुक गई थी, जिससे चारों ओर कुछ फीट चौड़ी एक टूटी-फूटी जगह बन गई थी। जब

राल्फ उसमें घुस गया, तो उसने खुद को सुरक्षित और चालाक महसूस किया। वह सावधानी से टूटी हुई टहनियों के बीच बैठ गया और शिकारियों के गुज़रने का इंतज़ार करने लगा। पत्तों के बीच से ऊपर देखते हुए उसे कुछ लाल रंग का दिखाई दिया। वह ज़रूर कैसल रॉक की चोटी होगी, दूर और शांत। शिकारियों की आवाज़ें धीमी होती सुनकर उसने मन ही मन खुद को संभाला।
फिर भी किसी ने कोई आवाज नहीं की; और जैसे-जैसे मिनट बीतते गए, हरी छांव में, उसकी जीत का एहसास फीका पड़ गया।
अंततः उसे एक आवाज सुनाई दी—जैक की आवाज, लेकिन दबी हुई।
"आप विश्वस्त हैं?"
जिस बर्बर व्यक्ति को संबोधित किया गया, उसने कुछ नहीं कहा। शायद उसने कोई इशारा किया हो।
रॉजर बोला।
अगर तुम हमें बेवकूफ बना रहे हो तो--
इसके तुरंत बाद, एक कराह और दर्द भरी चीख सुनाई दी। राल्फ सहज रूप से नीचे झुक गया। जुड़वा बच्चों में से एक, जैक और रोजर के साथ, झाड़ियों के बाहर था।
"क्या आपको यकीन है कि उसका मतलब अंदर था?"
जुड़वां बच्चों ने हल्की सी कराह भरी और फिर चीख मारी।
"उसका मतलब था कि वह वहां छिप जाएगा?"
“हाँ--हाँ--ओह--!”
पेड़ों के बीच चांदी जैसी हंसी बिखरी हुई थी।
तो उन्हें पता था।
राल्फ ने अपनी लाठी उठाई और लड़ाई के लिए तैयार हो गया। लेकिन वे क्या कर सकते थे? घनी झाड़ियों में से रास्ता बनाने में उन्हें एक हफ्ता लग जाता; और जो भी किसी तरह अंदर घुसने की कोशिश करता, वह बेबस हो जाता। उसने अपने अंगूठे से अपने भाले की नोक को छुआ और बेमन से मुस्कुराया। जो भी ऐसा करने की कोशिश करता, वह वहीं फंस जाता और सूअर की तरह चीखता फिरता।
वे वापस टावर रॉक की ओर जा रहे थे। उसे पैरों की आहट सुनाई दी और फिर किसी ने दबी हंसी हंसी। फिर वही ऊँची, चिड़िया जैसी चीख सुनाई दी जो कतार में गूंज उठी थी।
तो कुछ लोग अभी भी उसका इंतज़ार कर रहे थे; लेकिन कुछ—?

काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा। राल्फ ने पाया कि कुतरे हुए भाले की छाल उसके मुंह में फंसी हुई थी। वह खड़ा हुआ और ऊपर कैसल रॉक की ओर देखने लगा।
ऐसा करते समय, उसे ऊपर से जैक की आवाज सुनाई दी।
“खींचो! खींचो! खींचो!”
चट्टान की चोटी पर दिख रही लाल चट्टान पर्दे की तरह गायब हो गई, और उसे आकृतियाँ और नीला आकाश दिखाई देने लगा। एक पल बाद धरती हिल उठी, हवा में एक तेज़ आवाज़ गूंजी, और घनी झाड़ियों का ऊपरी हिस्सा किसी विशाल हाथ से ज़ोर से टकराया। चट्टान धड़ाम से गिरती हुई, टूटती-बिखरती हुई, किनारे की ओर लुढ़क गई, और टूटी हुई टहनियों और पत्तों की बौछार उस पर गिरने लगी। झाड़ियों के उस पार, जनजाति के लोग जयकार कर रहे थे।
फिर सन्नाटा छा गया।
राल्फ ने अपनी उंगलियाँ मुँह में डालीं और उन्हें काट लिया। ऊपर केवल एक ही चट्टान थी जिसे वे शायद हिला सकते थे; लेकिन वह एक झोपड़ी के आधे आकार की, एक कार या टैंक के आकार की थी। उसने उसकी संभावित प्रगति की कल्पना पीड़ादायक स्पष्टता के साथ की—कि वह धीरे-धीरे शुरू होगी, एक चट्टान से दूसरी चट्टान पर गिरेगी, और एक विशाल स्टीमरोलर की तरह गर्दन के ऊपर से लुढ़कती हुई आगे बढ़ेगी।
“खींचो! खींचो! खींचो!”
राल्फ ने अपना भाला नीचे रखा, फिर उसे उठा लिया। उसने चिड़चिड़ाते हुए अपने बाल पीछे किए, उस छोटी सी जगह को दो तेज़ कदमों से पार किया और फिर वापस आ गया। वह टूटी हुई शाखाओं के सिरों को देखने लगा।
सन्नाटा छाया हुआ है।
उसने अपने डायफ्राम के ऊपर-नीचे होने को देखा और अपनी साँसों की गति देखकर आश्चर्यचकित रह गया। उसके हृदय की धड़कनें केंद्र के ठीक बाईं ओर दिखाई दे रही थीं। उसने भाला फिर से नीचे रख दिया।
“खींचो! खींचो! खींचो!”
एक तीखी, लंबी जयकार।
लाल चट्टान पर ज़ोरदार गड़गड़ाहट हुई, फिर धरती हिल उठी और लगातार कांपने लगी, शोर भी लगातार बढ़ता गया। राल्फ हवा में उछला, नीचे गिरा और डालियों से टकराया। उसके दाहिनी ओर, और कुछ ही फीट की दूरी पर, पूरा घना जंगल झुक गया

और जड़ें ज़मीन से एक साथ बाहर निकलते हुए चीखने लगीं। उसने कुछ लाल रंग का देखा जो चक्की के पहिये की तरह धीरे-धीरे घूम रहा था। फिर वह लाल चीज़ ओझल हो गई और हाथी जैसी विशाल गति समुद्र की ओर धीमी होती चली गई।
राल्फ जोती हुई मिट्टी पर घुटने टेककर बैठ गया और मिट्टी के वापस अपनी जगह पर आने का इंतज़ार करने लगा। थोड़ी देर बाद सफेद, टूटे हुए ठूंठ, फटी हुई लकड़ियाँ और घनी झाड़ियाँ फिर से दिखाई देने लगीं। उसके शरीर में एक अजीब सा भारीपन महसूस हो रहा था, जहाँ उसने अपनी नब्ज़ देखी थी।
फिर सन्नाटा छा गया।
लेकिन पूरी तरह से नहीं। वे बाहर फुसफुसा रहे थे; और अचानक उसके दाहिनी ओर दो जगहों पर डालियाँ ज़ोर से हिलने लगीं। एक छड़ी का नुकीला सिरा दिखाई दिया। घबराकर, राल्फ ने अपनी छड़ी दरार में घुसाई और पूरी ताकत से वार किया।
“आह!”
उसके हाथों में उसका भाला थोड़ा सा घूमा और फिर उसने उसे वापस खींच लिया।
“ऊह-ऊह--”
बाहर किसी के कराहने की आवाज़ आ रही थी और कई आवाज़ें गूंज उठीं। ज़ोरदार बहस चल रही थी और घायल जंगली आदमी लगातार कराह रहा था। फिर जब सन्नाटा छा गया, तो एक आवाज़ सुनाई दी और राल्फ ने तय किया कि यह जैक की आवाज़ नहीं थी।
देखा? मैंने कहा था ना—वह खतरनाक है।
घायल बर्बर व्यक्ति फिर से कराह उठा।
और क्या? आगे क्या?
राल्फ ने अपने हाथों से चबाए हुए भाले को कसकर पकड़ लिया और उसके बाल बिखर गए। कुछ ही गज की दूरी पर, कैसल रॉक की ओर, कोई कुछ बुदबुदा रहा था। उसने एक जंगली आदमी को चौंककर "नहीं!" कहते सुना; और फिर दबी हुई हंसी सुनाई दी। वह अपनी एड़ियों पर पीछे की ओर बैठ गया और शाखाओं की दीवार की ओर अपने दांत दिखाए। उसने अपना भाला उठाया, थोड़ा गुर्राया और इंतजार करने लगा।
एक बार फिर अदृश्य समूह हँस पड़ा। उसे एक अजीब सी टपकने की आवाज़ सुनाई दी और फिर तेज़ चटकने की आवाज़ आई, मानो कोई सेलोफ़ेन की मोटी चादरें खोल रहा हो। एक टहनी टूटी और उसने खाँसी को दबा लिया। शाखाओं से सफ़ेद और पीले रंग

के धुएं के गुच्छे निकल रहे थे, ऊपर नीला आसमान तूफ़ानी बादल के रंग का हो गया, और फिर धुआँ उसके चारों ओर फैल गया।
किसी ने उत्साह से हंसते हुए आवाज लगाई और एक आवाज चिल्लाई।
"धुआँ!"
वह घने जंगल से रेंगता हुआ जंगल की ओर बढ़ा, जितना हो सके धुएं के नीचे रहने की कोशिश करता रहा। थोड़ी देर में उसे खुला मैदान और झाड़ियों के किनारे की हरी पत्तियाँ दिखाई दीं। उसके और बाकी जंगल के बीच एक छोटा सा जंगली आदमी खड़ा था, लाल और सफेद धारियों वाला, और उसके हाथ में एक भाला था। वह खांस रहा था और बढ़ते धुएं में देखने की कोशिश करते हुए अपनी आँखों पर लगे रंग को हाथ के पिछले हिस्से से मल रहा था। राल्फ बिल्ली की तरह उछला; गुर्राते हुए भाले से वार किया, और वह जंगली आदमी झुक गया। झाड़ियों के पार से एक चीख सुनाई दी और फिर राल्फ डर के मारे झाड़ियों के बीच से तेज़ी से भागने लगा। वह एक सूअर के बाड़े के पास पहुँचा, शायद सौ गज तक उसका पीछा किया, और फिर अचानक मुड़ गया। उसके पीछे द्वीप पर एक बार फिर चीख गूंजी और एक अकेली आवाज़ ने तीन बार चिल्लाया। उसने अंदाज़ा लगाया कि यह आगे बढ़ने का संकेत है और वह फिर से इतनी तेज़ी से भागा कि उसकी छाती आग की तरह जल उठी। फिर वह एक झाड़ी के नीचे लेट गया और अपनी सांसों के सामान्य होने तक कुछ देर इंतजार किया। उसने धीरे से अपनी जीभ अपने दांतों और होंठों पर फिराई और दूर से पीछा करने वालों की चीखें सुनीं।
वह कई काम कर सकता था। वह पेड़ पर चढ़ सकता था; लेकिन यह अपनी सारी क्षमता दांव पर लगाने जैसा था। अगर उसका पता चल जाता, तो उनके पास इंतज़ार करने के अलावा और कोई चारा नहीं होता।
काश, सोचने का समय होता!
उसी दूरी से एक और दोहरी चीख ने उसे उनकी योजना का सुराग दिया। जंगल में फँसे किसी भी जंगली जानवर को देखकर वह दोहरी चीख निकालेगा और जब तक वह फिर से आज़ाद नहीं हो जाता, तब तक घेराबंदी को रोके रखेगा। इस तरह वे पूरे द्वीप में घेरा अटूट रखने की उम्मीद कर सकते थे। राल्फ ने उस जंगली सूअर के बारे में सोचा जो इतनी आसानी से उनके घेरे को तोड़कर निकल गया था। ज़रूरत पड़ने पर, जब पीछा करने वाला बहुत करीब आ जाए, तो वह घेरे के पतले होने पर ही उस पर हमला कर सकता है, उसे तोड़कर निकल सकता है और वापस भाग सकता है। लेकिन वापस कहाँ

भागे? घेरा पलट जाएगा और फिर से घेरा डालेगा। देर-सवेर उसे सोना या खाना ही पड़ेगा - और फिर वह अपने ऊपर नोचते हाथों से जागेगा; और शिकार एक दौड़ में बदल जाएगा।
तो फिर क्या किया जाए? पेड़ को? सूअर की तरह सीमा रेखा तोड़ दी जाए? दोनों ही विकल्प भयानक थे।
एक चीख ने उसके दिल की धड़कन तेज़ कर दी और वह उछलकर समुद्र की ओर और घने जंगल की तरफ भागा, यहाँ तक कि लताओं के बीच अटक गया; वह कुछ पल वहीं रुका रहा, उसकी पिंडलियाँ काँप रही थीं। काश, किसी को शांति मिल पाती, एक लंबा विराम, सोचने का समय!
और फिर से, तीखी और अपरिहार्य, चीख पूरे द्वीप में गूंज उठी। उस आवाज़ पर वह लताओं के बीच घोड़े की तरह सहम गया और तब तक भागता रहा जब तक उसकी सांस फूलने लगी। वह कुछ फर्न के पास गिर पड़ा। पेड़, या हमला? उसने एक पल के लिए अपनी सांसों पर काबू पाया, मुंह पोंछा और खुद को शांत रहने को कहा। सैमनेरिक कहीं उस कतार में थे, और इससे नफरत कर रहे थे। या वे थे? और मान लीजिए, उनकी जगह, उसकी मुलाकात सरदार से होती, या रोजर से, जो अपने हाथों में मौत लिए घूमता था?
राल्फ ने अपने उलझे हुए बालों को पीछे किया और अपनी सबसे अच्छी आंख से पसीना पोंछा। फिर वह जोर से बोला।
"सोचना।"
सही कदम क्या था?
वहाँ पिगी जैसा कोई व्यक्ति नहीं था जो समझदारी की बातें कर सके। वहाँ बहस के लिए कोई गंभीर सभा नहीं थी और न ही शंख की कोई गरिमा थी।
"सोचना।"
सबसे ज्यादा, उसे उस पर्दे से डर लगने लगा था जो उसके दिमाग में लहरा सकता था, खतरे की भावना को खत्म कर सकता था और उसे मूर्ख बना सकता था।
तीसरा उपाय यह होगा कि वह इतनी अच्छी तरह छिप जाए कि आगे बढ़ने वाली सेना उसे खोजे बिना ही गुजर जाए।
उसने अपना सिर ज़मीन से उठाया और सुनने लगा। अब एक और आवाज़ सुनाई दे रही थी, एक गहरी गड़गड़ाहट, मानो पूरा जंगल उससे नाराज़ हो, एक गंभीर आवाज़ जिस

पर चीखें मानो स्लेट पर दर्दनाक ढंग से उकेरी गई हों। उसे पता था कि उसने यह आवाज़ पहले कहीं सुनी है, लेकिन याद करने का समय नहीं था।
लाइन तोड़ें।
एक वृक्ष।
छिप जाओ और उन्हें जाने दो।
पास से आती एक चीख ने उसे चौंका दिया और वह तुरंत फिर से कांटों और झाड़ियों के बीच तेज़ी से दौड़ने लगा। अचानक वह खुले मैदान में आ गिरा, खुद को फिर से उस खुले स्थान में पाया—और वहाँ खोपड़ी की अथाह चौड़ी मुस्कान थी, जो अब गहरे नीले आकाश के टुकड़े का मज़ाक नहीं उड़ा रही थी, बल्कि धुएँ के गुबार में ऊपर की ओर चिढ़ा रही थी। फिर राल्फ पेड़ों के नीचे दौड़ रहा था, और जंगल की गड़गड़ाहट का कारण स्पष्ट हो गया। उन्होंने उसे धुएँ से बाहर निकाल दिया था और द्वीप में आग लगा दी थी।
पेड़ के पीछे छिपना बेहतर था क्योंकि पकड़े जाने पर आपके पास घेरा तोड़ने का मौका होता था।
तो फिर छिप जाओ।
उसने सोचा कि क्या कोई सुअर मान जाएगा, और व्यर्थ ही मुंह बना लिया। द्वीप पर सबसे घनी झाड़ी, सबसे अंधेरा गड्ढा ढूंढो और उसमें घुस जाओ। अब, दौड़ते हुए, उसने चारों ओर देखा। सूरज की किरणें और छींटे उस पर पड़ रही थीं और पसीने से उसके गंदे शरीर पर चमकती धारियाँ बन रही थीं। अब चीखें दूर से आ रही थीं, और धीमी थीं।
अंततः उसे वह जगह मिल गई जो उसे सही लगी, हालाँकि यह निर्णय बहुत ही मजबूरी भरा था। यहाँ झाड़ियाँ और लताओं का घना जाल सूरज की रोशनी को पूरी तरह रोक रहा था। इसके नीचे एक खाली जगह थी, शायद एक फुट ऊँची, हालाँकि वह समानांतर और ऊपर उठती हुई टहनियों से घिरी हुई थी। अगर आप उसके बीच में घुस जाते, तो आप किनारे से पाँच गज की दूरी पर छिपे रहते, जब तक कि वह जंगली आदमी लेटकर आपको ढूँढने का फैसला न करे; और तब भी, आप अंधेरे में होते—और अगर सबसे बुरा हुआ और उसने आपको देख लिया, तो आपके पास उस पर हमला करने, पूरी टोली को अस्त-व्यस्त करने और वापस लौटने का मौका होता।
सावधानी से, अपनी छड़ी को पीछे घसीटते हुए, राल्फ उगते हुए तनों के बीच से रेंगता हुआ आगे बढ़ा। चटाई के बीच में पहुँचकर वह लेट गया और सुनने लगा।

आग बहुत भयंकर थी और ढोल की थाप जैसी आवाज़, जिसे वह बहुत दूर छूट गई समझ रहा था, अब करीब आ रही थी। क्या आग दौड़ते घोड़े से तेज़ नहीं भाग सकती? वह जहाँ लेटा था, वहाँ से लगभग पचास गज के दायरे में फैली धूप से जगमगाती ज़मीन को देख सकता था, और जैसे-जैसे वह देखता गया, हर जगह सूरज की किरणें उसकी ओर झपकती रहीं। यह उसके दिमाग में हिलते हुए पर्दे जैसा था कि एक पल के लिए उसे लगा कि झिलमिलाहट उसके अंदर हो रही है। लेकिन फिर वे किरणें तेज़ी से झपकने लगीं, धुंधली पड़ गईं और बुझ गईं, जिससे उसे एहसास हुआ कि द्वीप और सूरज के बीच धुएँ का एक घना बादल छाया हुआ है।

अगर कोई झाड़ियों के नीचे झाँककर गलती से किसी इंसान के शरीर की झलक देख लेता, तो शायद वह सैमनेरिक ही होता, जो अनदेखा करने का नाटक करता और कुछ नहीं कहता। उसने अपना गाल चॉकलेट रंग की ज़मीन पर टिकाया, अपने सूखे होंठ चाटे और आँखें बंद कर लीं। घनी झाड़ियों के नीचे ज़मीन बहुत हल्की सी काँप रही थी; या शायद आग की तेज़ गड़गड़ाहट और अस्पष्ट चीखों के नीचे कोई ऐसी आवाज़ थी जो इतनी धीमी थी कि सुनाई नहीं दे रही थी।

किसी ने चीख मारी। राल्फ ने अपना गाल ज़मीन से उठाया और धुंधली रोशनी में देखा। उसे लगा कि वे अब आस-पास ही होंगे, और उसकी छाती ज़ोर से धड़कने लगी। छुपना, घेरा तोड़ना, पेड़ पर चढ़ना—आखिर सबसे अच्छा विकल्प क्या था? समस्या यह थी कि आपके पास केवल एक ही मौका था।

अब आग और करीब आ गई थी; गोलियों की बौछार से पेड़ की बड़ी-बड़ी डालियाँ, यहाँ तक कि तने भी फट रहे थे। मूर्ख! मूर्ख! आग फलों के पेड़ों तक पहुँच ही गई होगी—कल वे क्या खाएँगे?

राल्फ अपने तंग बिस्तर पर बेचैनी से करवटें बदल रहा था। कुछ भी नहीं हो सकता था! वे क्या कर सकते थे? उसे पीटें? क्या फर्क पड़ता है? उसे मार डालें? दोनों सिरों से नुकीली छड़ी से वार करें।

अचानक पास आती चीखों ने उसे चौंका दिया। उसने देखा कि एक धारीदार जंगली आदमी हरे-भरे झाड़ियों से तेज़ी से बाहर निकलकर उस चटाई की ओर आ रहा है जहाँ वह छिपा था, और उसके हाथ में भाला था। राल्फ ने अपनी उंगलियाँ ज़मीन में गड़ा दीं। अब तैयार रहो, कहीं कुछ हो न जाए।

राल्फ ने अपने भाले को इस तरह पकड़ने की कोशिश की कि उसका नुकीला सिरा आगे रहे; और अब उसने देखा कि भाला दोनों सिरों से धारदार था।

वह दरिंदा पंद्रह गज दूर रुक गया और चिल्ला उठा।
शायद आग की आवाज़ों के बीच भी वह मेरे दिल की धड़कन सुन सकता है। चीखना मत। तैयार हो जाओ।
वह दरिंदा आगे बढ़ा और इस तरह झुका कि उसका केवल कमर से नीचे का हिस्सा ही दिखाई दे रहा था। वह उसके भाले का पिछला हिस्सा था। अब उसका घुटने से नीचे का हिस्सा दिखाई दे रहा था। चीखना मत।
जंगली आदमी के पीछे झाड़ियों में से सूअरों का एक झुंड चीखता हुआ निकला और जंगल की ओर भाग गया। पक्षी चिल्ला रहे थे, चूहे चीख रहे थे, और एक छोटा सा फुदकने वाला जीव चटाई के नीचे आकर दुबक गया।
पांच गज की दूरी पर वह बर्बर व्यक्ति झाड़ियों के पास रुक गया और चिल्ला उठा। राल्फ ने अपने पैर समेट लिए और घुटनों के बल बैठ गया। उसके हाथों में खूंटा था, दोनों सिरों से नुकीला खूंटा, वह खूंटा जो इतनी तेज़ी से कांप रहा था, जो कभी लंबा होता, कभी छोटा, कभी हल्का, कभी भारी, कभी हल्का।
चीख-पुकार एक किनारे से दूसरे किनारे तक फैल गई। वह आदिम व्यक्ति झाड़ियों के किनारे घुटनों के बल बैठ गया, और उसके पीछे जंगल में बत्तियाँ टिमटिमा रही थीं। एक घुटना ज़मीन को हिलाता हुआ दिखाई दिया। अब दूसरा। दो हाथ। एक भाला।
एक चेहरा।
उस असभ्य व्यक्ति ने घनी झाड़ियों के नीचे अंधेरे में झाँका। यह स्पष्ट था कि उसे इधर-उधर रोशनी दिखाई दे रही थी, लेकिन बीच में—वहाँ—नहीं। बीच में अँधेरे का एक धब्बा था और असभ्य व्यक्ति ने अपना चेहरा सिकोड़ लिया, उस अँधेरे को समझने की कोशिश करते हुए।
सेकंड बीतते चले गए। राल्फ सीधे उस दरिंदे की आँखों में देख रहा था।
चिल्लाओ मत।
आप वापस आ जाएँगे।
अब उसने तुम्हें देख लिया है। वह पूरी तरह से जांच कर रहा है। एक नुकीली छड़ी।
राल्फ चीख उठा, भय, क्रोध और हताशा से भरी चीख। उसके पैर सीधे हो गए, चीखें लगातार और उग्र हो गईं। वह आगे बढ़ा, झाड़ियों को चीरता हुआ खुले में आ गया, चीखता-चिल्लाता, गुर्राता हुआ, खून से लथपथ। उसने खूंटी घुमाई और वह दरिंदा गिर पड़ा; लेकिन कुछ और लोग उसकी ओर चिल्लाते हुए आ रहे थे। एक भाला उसके पास से गुज़रा और वह अचानक मुड़ा, फिर चुपचाप भागने लगा। अचानक उसके आगे

टिमटिमाती रोशनी आपस में मिल गईं, जंगल की गर्जना गरज में बदल गई और उसके रास्ते में एक ऊँची झाड़ी में पंखे के आकार की एक बड़ी लपट भड़क उठी। वह दाईं ओर मुड़ा, बेतहाशा तेज़ी से भागा, उसकी बाईं ओर तेज़ गर्मी पड़ रही थी और आग ज्वार की तरह तेज़ी से आगे बढ़ रही थी। उसके पीछे चीख-पुकार उठी और फैल गई, छोटी-छोटी तीखी चीखों की एक श्रृंखला, देखने की पुकार। उसके दाईं ओर एक भूरी आकृति दिखाई दी और गायब हो गई। वे सब भाग रहे थे, सब पागलों की तरह चिल्ला रहे थे। वह उन्हें झाड़ियों में गिरते हुए सुन सकता था और बाईं ओर आग की तेज़, चमकदार गड़गड़ाहट थी। वह अपने ज़ख्म, भूख और प्यास भूल गया और डर में बदल गया; बेबस डर, जो उड़ते कदमों से जंगल से होते हुए खुले समुद्र तट की ओर भाग रहा था। उसकी आँखों के सामने धब्बे उछलते और लाल घेरों में बदलते हुए तेज़ी से फैलते गए, जब तक कि वे उसकी नज़रों से ओझल नहीं हो गए। उसके नीचे किसी के पैर थक रहे थे और बेचैन चीखें खतरे की एक टेढ़ी-मेढ़ी लकीर की तरह आगे बढ़ रही थीं और लगभग उसके सिर के ऊपर पहुँच चुकी थीं।

वह एक जड़ से टकराकर लड़खड़ा गया और उसके पीछे से आती चीख और भी तेज़ हो गई। उसने एक झोपड़ी को आग की लपटों में घिरते देखा, आग की लपटें उसके दाहिने कंधे तक पहुँच गईं और पानी की चमक दिखाई दी। फिर वह नीचे गिर गया, गर्म रेत में बार-बार लोटता रहा, हाथ से बचाव करते हुए दुबका, दया की भीख माँगने की कोशिश करता रहा।

वह लड़खड़ाते हुए खड़ा हुआ, और आगे आने वाले भयानक दृश्यों के डर से कांप रहा था। उसने ऊपर एक विशाल नुकीली टोपी की ओर देखा। टोपी का ऊपरी भाग सफेद रंग का था, और उसके हरे रंग के ऊपरी भाग पर एक मुकुट, एक लंगर और सुनहरे पत्ते बने हुए थे। उसने सफेद रंग की ड्रिल, एपॉलेट्स, एक रिवॉल्वर और वर्दी के सामने की ओर सुनहरे बटनों की एक पंक्ति देखी।

एक नौसेना अधिकारी रेत पर खड़ा था, सतर्कता और आश्चर्य से राल्फ को नीचे देख रहा था। उसके पीछे समुद्र तट पर एक छोटी नाव खड़ी थी, जिसका अगला हिस्सा ऊपर उठाया हुआ था और दो नाविकों ने उसे पकड़ रखा था। पिछले हिस्से में एक अन्य नाविक ने पनडुब्बी मशीनगन पकड़ रखी थी।

वह चीख-पुकार धीमी पड़ गई और धीरे-धीरे शांत हो गई।

अधिकारी ने एक पल के लिए संदेह भरी नजरों से राल्फ को देखा, फिर रिवॉल्वर के बट से अपना हाथ हटा लिया।

"नमस्ते।"
अपनी गंदी शक्ल को लेकर थोड़ा असहज महसूस करते हुए, राल्फ ने शर्माते हुए जवाब दिया।
"नमस्ते।"
अधिकारी ने सिर हिलाया, मानो किसी प्रश्न का उत्तर मिल गया हो।
"क्या आपके साथ कोई वयस्क—कोई समझदार व्यक्ति है?"
चुपचाप, राल्फ ने अपना सिर हिलाया। वह रेत पर आधा कदम घूमा। रंगीन मिट्टी से सने शरीर वाले छोटे लड़कों का एक अर्धवृत्त, जिनके हाथों में नुकीली छड़ें थीं, समुद्र तट पर खड़े थे और बिल्कुल भी शोर नहीं कर रहे थे।
अधिकारी ने कहा, "मौज-मस्ती और खेल।"
आग समुद्र तट पर लगे नारियल के पेड़ों तक पहुँच गई और उन्हें शोर मचाते हुए अपनी चपेट में ले लिया। एक लौ, मानो अलग होकर, कलाबाज की तरह झूलती हुई चबूतरे पर लगे ताड़ के पेड़ों की चोटियों को चाट रही थी। आसमान काला था।
अधिकारी ने राल्फ की ओर देखकर खुशी से मुस्कुराया।
“हमने तुम्हारा धुआँ देखा। तुम क्या कर रहे थे? क्या कोई युद्ध चल रहा था?”
राल्फ ने सिर हिलाया।
अधिकारी ने अपने सामने खड़े उस छोटे से पुतले का निरीक्षण किया। उस बच्चे को नहलाने, बाल कटवाने, नाक पोंछने और काफी मात्रा में मरहम लगाने की जरूरत थी।
"उम्मीद है किसी की हत्या तो नहीं हुई? कोई लाश तो नहीं मिली?"
“सिर्फ दो थे। और वे भी जा चुके हैं।”
अधिकारी नीचे झुका और राल्फ को ध्यान से देखा।
“दो? मारे गए?”
राल्फ ने फिर सिर हिलाया। उसके पीछे, पूरा द्वीप आग की लपटों से कांप रहा था। अधिकारी आमतौर पर जानता था कि लोग कब सच बोल रहे हैं। उसने धीरे से सीटी बजाई।
अब कुछ और लड़के दिखाई देने लगे, उनमें से कुछ नन्हे-मुन्ने बच्चे थे, भूरे रंग के, छोटे जंगली लोगों की तरह फूले हुए पेट वाले। उनमें से एक लड़का अधिकारी के पास आया और ऊपर देखने लगा।
"मैं मैं हूं--"

लेकिन अब आगे कुछ नहीं होने वाला था। पर्सीवल वेमीस मैडिसन अपने दिमाग में उस मंत्र को खोजने की कोशिश कर रहा था जो पूरी तरह से लुप्त हो चुका था।
अधिकारी ने राल्फ की ओर मुड़कर देखा।
हम आपको उतार देंगे। आप में से कितने लोग हैं?
राल्फ ने अपना सिर हिलाया। अधिकारी ने उसकी ओर देखे बिना रंगे हुए लड़कों के समूह की ओर देखा।
"यहाँ का बॉस कौन है?"
“मैं हूँ,” राल्फ ने ज़ोर से कहा।
एक छोटा लड़का, जिसने अपने लाल बालों पर एक असाधारण काली टोपी के अवशेष पहन रखे थे और अपनी कमर पर चश्मे के अवशेष लटका रखे थे, आगे बढ़ा, फिर अपना इरादा बदल लिया और वहीं रुक गया।
“हमने तुम्हारा धुआँ देखा। और तुम्हें नहीं पता कि तुम कितने लोग हो?”
"जी नहीं, महोदय।"
“मुझे लगा था,” अधिकारी ने अपने सामने होने वाली तलाशी की कल्पना करते हुए कहा, “मुझे लगा था कि ब्रिटिश लड़कों का एक समूह—आप सब ब्रिटिश हैं, है ना?—इससे बेहतर प्रदर्शन कर सकता था—मेरा मतलब है—”
“शुरू में ऐसा ही था,” राल्फ ने कहा, “हालात बिगड़ने से पहले--”
वह रूक गया।
“हम तब साथ थे--”
अधिकारी ने सहमति में सिर हिलाया।
मुझे पता है। बहुत बढ़िया शो। कोरल आइलैंड जैसा।
राल्फ उसे अवाक होकर देखता रहा। एक पल के लिए उसके मन में उन समुद्र तटों की विचित्र सुंदरता की एक झलक आई, जो कभी यहाँ कभी हुआ करती थी। लेकिन द्वीप जलकर राख हो चुका था—साइमन मर चुका था—और जैक भी... उसकी आँखों से आँसू बहने लगे और वह सिसकियाँ लेने लगा। द्वीप पर पहली बार उसने खुद को आँसुओं के हवाले कर दिया था; दुःख के ऐसे गहरे, कंपकंपाते झटके जो उसके पूरे शरीर को हिला रहे थे। जलते हुए द्वीप के मलबे के सामने काले धुएँ में उसकी आवाज़ बुलंद हो उठी; और उस भावना से प्रभावित होकर, बाकी छोटे लड़के भी काँपने और सिसकने लगे। और उनके बीच, गंदे शरीर, उलझे बालों और बिना पोंछे नाक के साथ,

राल्फ मासूमियत के अंत, मनुष्य के हृदय के अंधकार और सच्चे, बुद्धिमान मित्र पिगी के हवा में गिरने पर रोया।
इन शोर-शराबे से घिरे अधिकारी भावुक और थोड़े शर्मिंदा हुए। उन्होंने उन्हें संभलने का समय देने के लिए मुंह फेर लिया और दूर खड़ी सुव्यवस्थित पुलिस गाड़ी पर अपनी निगाहें टिकाए इंतजार करने लगे।
लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ पर टिप्पणियाँ *
((*उपरोक्त टिप्पणियाँ केवल लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ के विभिन्न पहलुओं पर किए गए चिंतन की एक श्रृंखला मात्र हैं। इसके प्रतीकात्मक अर्थ का विस्तृत अध्ययन अभी तक नहीं किया गया है।))
लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ के अमेरिकी प्रकाशकों द्वारा भेजे गए प्रचार प्रश्नावली के उत्तर में, विलियम गोल्डिंग (जन्म कॉर्नवाल, 1911) ने कहा कि उनका पालन-पोषण एक वैज्ञानिक के रूप में हुआ था, लेकिन उन्होंने इस विचार को ठुकरा दिया। ऑक्सफोर्ड में दो साल बिताने के बाद उन्होंने अपनी शिक्षा का मुख्य विषय विज्ञान से बदलकर अंग्रेजी साहित्य कर लिया और एंग्लो-सैक्सन साहित्य के प्रति समर्पित हो गए। कविता संग्रह प्रकाशित करने के बाद उन्होंने अगले चार साल यूं ही बिता दिए और द्वितीय विश्व युद्ध शुरू होते ही वे रॉयल नेवी में शामिल हो गए। अगले पांच वर्षों तक वे नौसेना से जुड़े मामलों में लगे रहे, सिवाय न्यूयॉर्क में बिताए कुछ महीनों और लॉर्ड चेरवेल के साथ एक "अनुसंधान संस्थान" में बिताए छह महीनों के। उन्होंने रॉकेट जहाज के कमांडर लेफ्टिनेंट के रूप में अपना नौसैनिक करियर समाप्त किया; उन्होंने युद्धपोतों, पनडुब्बियों और विमानों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी और वाल्चेरेन और डी-डे अभियानों में भाग लिया था। युद्ध के बाद उन्होंने अध्यापन और लेखन का काम शुरू किया। आज उनके उपन्यासों में लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ (कावर्ड-मैककैन), द इनहेरिटर्स (जिसे मोटे तौर पर प्रागैतिहासिक काल का उपन्यास कहा जा सकता है, लेकिन गोल्डिंग की अन्य रचनाओं की तरह यह उससे कहीं अधिक है), और पिंचर मार्टिन (हारकोर्ट ब्रेस द्वारा हार्डकवर में द टू डेथ्स ऑफ क्रिस्टोफर मार्टिन के रूप में प्रकाशित) शामिल हैं। वे अपने शौक के रूप में चिंतन, शास्त्रीय ग्रीक भाषा, नौकायन और पुरातत्व का उल्लेख करते हैं, और अपने साहित्यिक प्रभावों के रूप में यूरिपाइड्स और द बैटल ऑफ माल्डन के गुमनाम एंग्लो-सैक्सन लेखक का नाम लेते हैं।
गोल्डिंग ने अपने प्रचार प्रश्नावली में लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ के विषय को इस प्रकार वर्णित किया है: “इसका विषय समाज की कमियों को मानव स्वभाव की कमियों से

जोड़ना है। नैतिक संदेश यह है कि समाज का स्वरूप व्यक्ति के नैतिक स्वभाव पर निर्भर होना चाहिए, न कि किसी राजनीतिक व्यवस्था पर, चाहे वह कितनी भी तार्किक या सम्मानजनक क्यों न लगे। अंत में होने वाले बचाव को छोड़कर पूरी पुस्तक प्रतीकात्मक है, जहाँ वयस्क जीवन गरिमामय और सक्षम प्रतीत होता है, लेकिन वास्तव में वह भी उसी बुराई में फंसा हुआ है जिसमें द्वीप पर बच्चों का प्रतीकात्मक जीवन फंसा हुआ है। एक खोज अभियान को रोककर, अधिकारी बच्चों को द्वीप से एक क्रूजर में ले जाने की तैयारी करता है, जो जल्द ही उसी निर्दयी तरीके से अपने दुश्मन का पीछा करने वाला है। और वयस्क और उसके क्रूजर को कौन बचाएगा?"

यह श्री गोल्डिंग द्वारा अपने अत्यंत जटिल और खूबसूरती से बुने गए प्रतीकात्मक ताने-बाने का मात्र एक संक्षिप्त सारांश है, जो पुस्तक पढ़ते-पढ़ते स्पष्ट हो जाता है। लेकिन इससे यह संकेत मिलता है कि लॉर्ड ऑफ द फ्लाइज़ किसी रेगिस्तानी द्वीप पर लड़कों की एक साधारण साहसिक कहानी मात्र नहीं है। वास्तव में, कहानी के निहितार्थ कुछ बच्चों के पतन से कहीं अधिक व्यापक हैं। गोल्डिंग के काम की अनूठी विशेषता यह है कि उन्होंने मानव और मानव समाज के विश्लेषण की बीसवीं सदी की सभी विशिष्ट पद्धतियों को संयोजित और संश्लेषित किया है और इस एकीकृत ज्ञान का उपयोग एक "परीक्षण स्थिति" पर टिप्पणी करने के लिए किया है। इस पुस्तक में, जैसा कि वर्तमान समय की कुछ अन्य पुस्तकों में भी है, सभी विचारधाराओं के मनोविश्लेषण, मानवविज्ञानियों, सामाजिक मनोवैज्ञानिकों और दार्शनिक इतिहासकारों के निष्कर्षों को आधुनिक चिंतन की केंद्रीय समस्या पर प्रहार करने के लिए जुटाया गया है: मानव व्यक्तित्व की प्रकृति और समाज पर व्यक्तित्व का प्रतिबिंब।

गोल्डिंग की रचनाओं की एक और विशेषता प्रतीकों का उत्कृष्ट उपयोग है, एक ऐसा प्रतीकवाद जो प्रभावी है। केंद्रीय प्रतीक, "मक्खियों का स्वामी," किसी भी सच्चे प्रतीक की तरह, अपने घटकों के योग से कहीं अधिक है; हालांकि इसके कुछ तत्वों को अलग किया जा सकता है। "मक्खियों का स्वामी" हिब्रू शब्द बा'अलज़ेवुव (ग्रीक में बीलज़ेबूब) का अनुवाद है। यह सुझाव दिया गया है कि यह एक गलत लिप्यंतरित शब्द का गलत अनुवाद था जिससे हमें शैतान का यह तीखा और अर्थपूर्ण नाम मिला, एक ऐसा शैतान जिसका नाम बताता है कि वह पतन, विनाश, मनोबल में गिरावट, उन्माद और दहशत के प्रति समर्पित है और इसलिए गोल्डिंग के विषय के साथ पूरी तरह से मेल खाता है।

शैतान किसी भी पारंपरिक धार्मिक अर्थ में मौजूद नहीं है; गोल्डिंग का बेल्ज़ेबब इसका आधुनिक प्रतिरूप है, वह अराजक, अनैतिक, प्रेरक शक्ति जिसे फ्रायडियन 'इड'

कहते हैं, जिसका एकमात्र कार्य उस शरीर की रक्षा करना प्रतीत होता है जिसमें वह समाहित या समाहित है, और यह कार्य वह अत्यंत दृढ़ता और एकाग्रता के साथ करता है। यद्यपि इस शक्ति के लिए अन्य नाम भी मिल सकते हैं, व्यक्तित्व की आधुनिक छवि, चाहे वह धर्मशास्त्रियों द्वारा बनाई गई हो या मनोविश्लेषकों द्वारा, अनिवार्य रूप से इस शक्ति या मानसिक संरचना को प्राकृतिक मनुष्य के मूल सिद्धांत के रूप में शामिल करती है। सभ्यता के सिद्धांत, नैतिक और सामाजिक नियम, अहंकार, स्वयं बुद्धि, इस प्रचंड शक्ति, इस अनियंत्रित शक्ति, "मानव नसों के क्रोध और कीचड़" पर केवल एक आवरण का काम करते हैं। दोस्तोयेव्स्की ने इस स्वतंत्रता में मुक्ति पाई, यद्यपि उन्होंने इसमें अभिशाप भी पाया। येट्स ने इसमें रचनात्मक प्रतिभा का एकमात्र स्रोत पाया ("रात में जो भी ज्वालाएं, मनुष्य के अपने कोमल हृदय ने ही उन्हें पोषित किया है।")। कॉनराड इस "अंधकारमय हृदय" से स्तब्ध थे, और अस्तित्ववादी इस स्वतंत्रता के हनन में ही सभी मानवीय मूल्यों के विकृति का स्रोत पाते हैं। वास्तव में, यदि कोई चाहे तो आधुनिक साहित्य, दर्शन और मनोविज्ञान के संपूर्ण संग्रह का अध्ययन कर सकता है और इस महान मूलभूत प्रेरणा को आधुनिक चिंतन के सबसे मौलिक निष्कर्षों के अंतर्निहित तत्व के रूप में पा सकता है।

इस छिपी हुई, बुनियादी जंगलीपन का उदय ही पुस्तक का मुख्य विषय है; सभ्यता के प्रतिनिधि राल्फ, जो अपनी संसदों और अपने बुद्धिजीवी समूह (पिग्गी, वह बुद्धिजीवी जिसके चश्मों से कहानी आगे बढ़ने के साथ-साथ तर्कसंगत प्रभाव के क्रमिक पतन का पता चलता है) के साथ मौजूद है, और जैक, जिसमें जंगलीपन की चिंगारी राल्फ की तुलना में कहीं अधिक तीव्र और सतह के करीब जलती है और जो द्वीप पर अराजकता की ताकतों का नेता है, के बीच का संघर्ष, निश्चित रूप से, आधुनिक समाज में उन्हीं ताकतों के बीच का संघर्ष है, जिसे वैश्विक स्तर पर रूपांतरित किया गया है।

राल्फ और जैक के बीच संघर्ष का निर्णायक मोड़ मादा सुअर की हत्या है (पृष्ठ 133-144)। मादा सुअर एक माँ है: "गहरे मातृत्व सुख में डूबी हुई सबसे बड़ी सुअर लेटी थी... उसके पेट के बड़े से हिस्से में कई छोटे सुअर के बच्चे सो रहे थे, बिल खोद रहे थे और चहचहा रहे थे।" मादा सुअर की हत्या यौन संबंध के माध्यम से की जाती है।

जब वह लड़खड़ाते हुए एक खुले स्थान पर गिरी, तो वे ठीक उसके पीछे थे।

वह स्थान जहाँ चमकीले फूल खिलते थे और तितलियाँ प्रत्येक फूल के चारों ओर नाचती थीं

दूसरी ओर हवा गर्म और स्थिर थी।

यहाँ, भीषण गर्मी से बेहाल होकर, सूअरनी गिर पड़ी और
शिकारी उस पर टूट पड़े। एक भयानक विस्फोट से
अज्ञात दुनिया ने उसे बेचैन कर दिया; वह चीखी और उछली और...
हवा पसीने, शोर, खून और दहशत से भरी हुई थी। रोजर भागा।
ढेर के चारों ओर, जब भी सुअर का मांस दिखाई देता, वह अपने भाले से कुरेदता रहता था।
प्रकट हुआ। जैक सूअरनी के ऊपर था और अपने हाथों से नीचे की ओर वार कर रहा था।
चाकू। रोजर (एक जन्मजात क्रूर व्यक्ति, जो "आधिकारिक" बन जाता है)
जनजाति के लिए यातना देने और जल्लाद का काम करने वाले व्यक्ति ने अपने लिए एक ठिकाना ढूंढ लिया।
उसने इशारा किया और तब तक धक्का देता रहा जब तक कि वह अपने पूरे वजन के बल झुक नहीं गया।
भाला इंच-इंच करके आगे बढ़ता गया, और खौफनाक चीखें सुनाई देती रहीं।
एक तीखी चीख सुनाई दी। फिर जैक ने गला ढूंढ लिया और...
उसके हाथों पर गर्म खून की बौछार हुई। सूअरनी उनके नीचे गिर पड़ी और
वे भारी थे और उस पर परिपूर्ण थे। तितलियाँ अभी भी
वह खुले मैदान के बीचोंबीच मग्न होकर नाच रहा था।
सूअर का सिर काट दिया जाता है; एक छड़ी को दोनों सिरों से नुकीला करके ज़मीन में एक दरार में गाड़ दिया जाता है। (किताब के अंत में राल्फ की जिस मौत की योजना बनाई गई है, उसमें भी दोनों सिरों से नुकीली छड़ी का इस्तेमाल होता है।) सूअर का सिर छड़ी पर टांग दिया जाता है; "...सिर वहीं लटका रहा, थोड़ा सा खून छड़ी से रिस रहा था। सहज ही लड़के भी पीछे हट गए; और जंगल एकदम शांत था। उन्होंने ध्यान से सुना, और सबसे तेज़ आवाज़ बिखरी हुई आंतों पर मक्खियों की भिनभिनाहट थी।" जैक इस भयानक ट्रॉफी को "राक्षस" को भेंट करता है, वह भयानक जानवर जिसका छोटे बच्चे सपना देखते थे, और जो द्वीप पर हर जगह घात लगाए बैठा हुआ प्रतीत होता है जहाँ वे नहीं देख रहे होते। पूरी घटना एक ओडिपस जैसी वैवाहिक रात का भयावह व्यंग्य प्रस्तुत करती है; ये भावनाएँ, हत्या और मृत्यु से उत्पन्न संवेदनाएँ, और अधेड़ उम्र के लड़कों द्वारा अनुभव की जाने वाली यौन प्रेम की प्रबल और अपरिचित भावनाएँ, साथ ही

उनके अपने तर्कहीन भय और अंधाधुंध आतंक, द्वीप पर मृत्यु और शैतान की शक्तियों को मुक्त कर देते हैं।
इसके बाद पुस्तक की सबसे गहन प्रतीकात्मक घटना घटित होती है, जिसमें एक नवोदित रहस्यवादी साइमन का सिर के साथ "साक्षात्कार" होता है। साइमन की तीव्र चेतना को देखते हुए, सिर मानो कह रहा है कि "सब कुछ बुरा ही था... आधी बंद आँखें वयस्क जीवन के असीम निराशावाद से धुंधली थीं।" साइमन अपनी सारी कमजोर शक्ति से सिर के संदेश का, उस "प्राचीन, अपरिहार्य बोध" का, बुराई के लिए मानवीय क्षमताओं और मानवीय नैतिक प्रणालियों की सतही प्रकृति के बोध का, विरोध करता है। यह मासूमियत के अंत का ज्ञान है, जिसके लिए राल्फ पुस्तक के अंत में रोता है। "'यह सोचना कितना अजीब है कि जानवर कोई ऐसी चीज थी जिसका शिकार करके उसे मारा जा सकता था!'" मुखिया ने कहा। एक-दो पलों के लिए जंगल और बाकी सभी धुंधली सी जगहें हंसी की नकल से गूंज उठीं। 'तुम्हें पता था ना? मैं तुम्हारा ही हिस्सा हूँ? करीब, करीब, करीब! मैं ही वो कारण हूँ जिसकी वजह से सब कुछ नहीं हो पा रहा? जिसकी वजह से हालात ऐसे हैं?'
इस अद्भुत दृश्य के अंत में साइमन कल्पना करता है कि वह एक विशाल मुँह में देख रहा है। “अंदर अँधेरा था, एक ऐसा अँधेरा जो फैलता जा रहा था... साइमन मुँह के अंदर था। वह गिर पड़ा और बेहोश हो गया।” यह मुँह, जो लालची, तर्कहीन और कभी न तृप्त होने वाली प्रकृति का प्रतीक है, पिंचर मार्टिन में फिर से दिखाई देता है, जिसमें मनुष्य के सचेत व्यक्तित्व के प्रतिकूल प्रकृति के विषय को आश्चर्यजनक ढंग से विकसित किया गया है। हालाँकि, लॉर्ड ऑफ़ द फ़्लाइज़ में, केवल एक दर्शन की रूपरेखा प्रस्तुत की गई है, और द्वीप के लड़के एक दृष्टांत या दंतकथा के पात्र हैं, जो सभी महान दृष्टांतों या दंतकथाओं की तरह, पाठक को अपनी सतह के निर्दोष, समय-समय पर बीतने वाले, कहानी कहने वाले पहलू और अपने आंतरिक भाग की महान, “अस्पष्ट रूप से समझी जाने वाली” गहराइयों के बीच एक घनिष्ठ, बेचैन कर देने वाला संबंध प्रकट करता है।
((* कॉनराड की “हार्ट ऑफ डार्कनेस” से तुलना करें: “मैंने (मरते हुए कर्ट्ज़ को) अपना मुँह चौड़ा खोलते देखा—इससे उसका रूप विचित्र रूप से लालची हो गया, मानो वह सारी हवा, सारी धरती, अपने सामने के सभी मनुष्यों को निगल जाना चाहता हो।” वास्तव में गोल्डिंग बुनियादी सिद्धांतों और कलात्मक पद्धति दोनों में कॉनराड के बहुत करीब प्रतीत होते हैं।))
--ई. एल. एपस्टीन

***** *****

sjeet